

Rajasthāna Purātana Granthamalā

Published by the Government of Rajasthan

A series devoted to the Publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhramsha,
Old Rajasthani-Gujarati and Old Hindi works pertaining to India
in general and Rajasthan in particular



GENERAL EDITOR

Acharya JINA VIJAYA MUNI, Puratattvacharya

Honorary Director, Rajasthan Oriental Research Institute,
(Honorary Member of the German Oriental Society (Germany));
Bhandarkar Oriental Research Institute, Poona; Gujarat Sahitya
Sabha, Ahmedabad; and Vishveshvaranand Vaidic Research
Institute, Hoshiarpur, Punjab.)



No. 45

VASTURATNAKOŚA

(A short samskrit treatise containing one hundred and one topics
of the general culture).



EDITED BY

Prof. Dr. PRIYA BALA SHAH

M. A., Ph. D. (Bombay), D. Litt. (Paris)

(Head of the Department of Ancient Indian Culture,
Ramanand Arts College, Ahmedabad)



PUBLISHED BY

THE DIRECTOR

**RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE
JODHPUR (RAJASTHAN)**

वस्तु रत्न कोश

(नानावस्तुप्रतिपादक - एकोत्तरशतसंख्यासमुच्चयात्मक)

बहुसंख्यक-प्राचीन-आदर्शोपलब्ध-विविधपाठमेदादिसमन्वित
शब्दानुक्रमादियुक्त प्रथमवार प्रकाशित ।

*

सम्पादिका

डॉ० प्रियवाला शाह

एम्. ए. पीएच्. डी. (बम्बई), डि. लिट्. (पेरिस)

(प्राध्यापिका, रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद)

*

प्रकाशक

राजस्थान-राज्याज्ञानुसार

संचालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

(Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur)

जोधपुर (राजस्थान)

*

— प्रथमावृत्ति —

वि. सं. २०१५]

राजकीयमित्रानुसार सर्वाधिकार सुरक्षित

४)

[ई. स. १९५९]

- प्रकाशक -

संचालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर के आदेशानुसार, गोपाल नारायण बोहरा.

- मुद्रक -

लक्ष्मीबाई नारायण चौधरी, निर्णयसागर प्रेस, २६-२८, कोलमाट स्ट्रीट, बम्बई, नं. २.

CONTENTS.

	Pages		Pages
Introduction	1 to 7	32 चत्वारो नायकाः	४०
Text	१-७६	33 द्वाविंशद्गुणयुतो नायकः	४०
1 त्रीणि भुवनानि	७	34 त्रिविधा महानायिकाः	४१
2 त्रिविधं खेरुसंस्थानम्	७	35 अष्टौ नायिकाः	४२
3 त्रिविधा भूमिः	७	36 द्वाविंशन्नायिकानां गुणाः	४२
4 त्रिविधाः पुरुषाः	८	37 त्रिविधं सौख्यम्	४३
5 त्रयः पदार्थाः	८	38 चत्वारि सौख्यस्मरणानि	४४
6 चत्वारः पुरुषार्थाः	८	39 नवविधो गन्धोपयोधः	४४
7 पदत्रिंशद् राजवंशाः	८	40 दशविधं सौख्यम्	४४
8 सप्ताङ्गं राज्यम्	१०	41 द्विविधः कामः	४५
9 षण्णवती राजगुणाः	१०	42 दश कामावस्थाः	४५
10 पदत्रिंशद् राजपात्राणि	१३	43 विंशती रक्षत्रीणां लक्षणानि	४५
11 पदत्रिंशद् राजविनोदाः	१५	44 एकविंशतिर्विरकत्रीणां लक्षणानि	४७
12 अष्टादशविधं आस्थानम्	१६	45 द्वाविंशतिः कामिनीनां विकारेक्षितानि	४८
13 चतस्रो राजविद्याः	१७	46 चतुर्विंशतिरसतीनां लक्षणानि	४९
14 चतस्रो राजनीतयः	१७	47 षोडश दुष्टस्त्रीणां लक्षणानि	५०
15 पदत्रिंशद् आयुधानि	१७	48 अष्टौ स्त्रीगमविश्वासकारणानि	५१
16 सप्तविंशतिः शास्त्राणि	१९	49 अष्टौ नार्याऽगम्याः	५२
17 द्विपञ्चाशद् तत्त्वानि	२०	50 अष्टविधो मूर्खः	५२
18 द्विसप्ततिः कलाः	२१	51 चतुर्विंशतिविधं नागरिकवर्णनम्	५३
19 चतुरशीतिर्विज्ञानानि	२४	52 त्रिविधं रूपम्	५४
20 चतुरशीतिर्देवाः	२७	53 त्रिविधं स्वरूपम्	५५
21 द्वाविंशलक्षणस्थानानि	३०	54 द्वादशविधः प्रमदोपचारः	५५
22 चतुर्विंशतिविधं गृहम्	३१	55 पञ्चविधः परिचयः	५६
23 अष्टोत्तरशतं मन्त्रलानि	३३	56 दश पुरुषाः स्त्रीगमनिष्ठा भवन्ति	५७
24 त्रिविधं दानम्	३६	57 दशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते	५७
25 पञ्चविधं यशः	३६	58 त्रिभिः कारणैः कामिन्यः संवर्ज्यन्ते	५८
26 सप्तविधा कीर्तिः	३७	59 सप्तविधाः कामुकानां धुरतारम्भाः	५८
27 नव रसाः	३७	60 अष्टविधं विदग्धानां धुरतम्	५८
28 एकोनपञ्चाशद् भावाः	३८	61 नवविधं धुरतावसानम्	५९
29 चत्वारोऽभिनयाः	३९	62 नव शयनगुणाः	५९
30 चतस्रो वृत्तयः	३९	63 दशविधः पार्थिवानां प्रमोदः	६०
31 चत्वारो महानायकाः	४०	64 चतुर्विधः प्रबोधः	६१
		65 चतुर्विधा बुद्धिः	६१

	Pages		Pages
66 अष्टौ युद्धगुणाः	६१	86 पञ्चविधं चरितम्	७१
67 चतुर्विधं गान्धर्वम्	६२	87 पञ्चविधं पार्ष्णिवाणां पालनम्	७१
68 त्रिविधं गीतम्	६२	88 सप्तविधा प्राप्तिः	७१
69 षट्त्रिंशद् गीतगुणाः	६२	89 चतुर्विंशतिविधं शौर्यम्	७१
70 चतुर्विधं वायम्	६४	90 दशविधं बलम्	७२
71 द्विविधं (१ द्विप्रकारं) नृत्यम्	६४	91 दशविधः सङ्ग्रहः	७३
72 षोडशविधं काव्यम्	६४	92 दशविधो जयः	७३
73 दशविधं वक्तृत्वम्	६५	93 पञ्चविधः परिच्छेदः	७३
74 षड्विधं भाषाज्ञानम्	६५	94 पञ्चविधं प्रभुत्वम्	७४
75 पञ्चविधं पाण्डित्यम्	६६	95 सप्तविधमुत्तमत्वम्	७४
76 चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणम्	६६	96 नवविधा शक्तिः	७४
77 षड्विधं दर्शनम्	६७	97 सप्तविधा भुक्तिः	७५
78 अष्टविधं माहेश्वरम्	६७	98 अष्टविधमभिमानलक्षणम्	७५
79 दशविधं ब्राह्म्यम्	६८	99 चतुर्विधं वात्सल्यम्	७५
80 चतुर्विधं साहस्यम्	६८	100 पञ्चविधो महोत्सवः	७६
81 सप्तविधं जैनम्	६८	101 अष्टौ सन्धियोगः	७६
82 दशविधं बौद्धम्	६९	Appendix A	७७
83 चतुर्विधं चार्वाकम्	६९	Appendix B	७८-८०
84 चतुर्विंशतिविधं विचारकत्वम्	७०	अक्षरादिकमेण शब्दानामनुक्रमणी १-६१	
85 दशविधं शुरुत्वम्	७०		

प्रधान संपादकीय किंचित् प्रास्ताविक

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला के ४५ वें अंकके रूपमें प्रस्तुत, वस्तुरत्नकोश की एक प्राचीन प्रति, हमको जेसलमेरके जैन ग्रन्थ भंडारोंका अवलोकन करते समय, सन् १९४२ में, दृष्टिगोचर हुई। उस प्रतिका केवल अन्तिम पत्र नहीं मिला था, जिसमें शायद लेखकके समय आदिका निर्देश किया गया होगा। बाकी कृतिका ग्रन्थपाठ प्रायः पूर्ण था। ग्रन्थका विषय उपयोगी और नूतन मालूम दिया, इस लिये हमने उसकी प्रतिलिपि करवा ली। बादमें, जब राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर (अब नूतन नाम 'प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान') के लिये, राजस्थानमें प्राप्त प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थोंका संग्रह कार्य हमारे निर्देशनमें आरंभ हुआ, तो उसमें दो-तीन और हस्तलिखित पुरानी प्रतियां इसकी संग्रहीत हो गई।

यह रचना अभी तक कहीं प्रकाशित नहीं ज्ञात हुई थी और विषयकी दृष्टिसे विद्वानोंके लिये एक विशेष अम्यसनीय रचना मालूम दी, अतः हमने, राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला द्वारा, इसका प्रकाशन करना निश्चित किया; और ऐसे ग्रन्थों के संपादन कार्यमें पूर्ण उत्साह और प्रावीण्य रखने वाली विदुषी कुमारी डॉ. प्रियवाला शाह्वाको इसका संपादन कार्य दिया गया।

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठानके संग्रहके अतिरिक्त, अहमदाबादकी गुजरात विद्या सभाके संग्रहमें तथा डमोईके मुक्ताबाई जैन ग्रन्थ संग्रहमें भी, इसकी प्राचीन प्रतियां उपलब्ध हुई। इस तरह ७ प्राचीन प्रतियोंके आधार पर, संपादिका विदुषीने बहुत परिश्रम करके इसका उत्तम संपादन किया है जो तज्ज्ञ विद्वानोंको प्रस्तुत ग्रन्थ दृष्टिगोचर होते ही ज्ञात हो सकेगा।

ग्रन्थगत वस्तु नामसे ही ज्ञात होती है। साहित्यकारों, कथाकारों, प्रवचनकारों और उपदेशकोंको बारांवार उपयोगमें आने लायक ऐसे सौ विषयोंके मेदोपमेद और नामावलिका समुचित संग्रह इसमें किया गया है। इस तरह वस्तुविज्ञानका यह एक संक्षिप्त कोश ही है अतः रचनाकारने इसका नाम वस्तुरत्नकोश ऐसा उचित नाम दिया ज्ञात होता है। पर संक्षेपमें इसका नाम रत्नकोश भी बहुतसी प्रतियोंमें लिखा हुआ मिलता है।

इसका मुद्रणकार्य पूरा हो जाने पर, बादमें हमें पाटणके भंडारोंमें भी इसकी कुछ प्राचीन प्रतियां देखनेमें आईं जिनमें दो प्रतियां उल्लेखनीय हैं।

(१) तपागच्छवाले पाटणके भंडारमें एक ७ पत्रोंकी प्रति है जिसका अन्तिम पुष्पिकारूप लेख निम्न प्रकार है—

“संवत् १५१५ धर्ये कार्तिके श्रीचित्रकूटे व्यलेखि । शुभं भूयात् ॥”

(२) दूसरी प्रति भी इसी भंडारमें सुरक्षित है जिसके १२ पत्र हैं और निम्न प्रकार पुष्पिकालेख है—

“इति धीवस्तुविचाररत्नकोशस्यशतवस्तुविवरणं समाप्तं ॥

संवत् १५९६ धर्ये मागशीर्षवदि ७ कुजे लेखि ब्रह्मदासकेन ॥”

इन पुष्पिकालेखोंसे ज्ञात होता है कि यह रचना ५००-६०० वर्ष जितनी प्राचीन तो अवश्य है ही; और इसके जो अनेकानेक पाठभेद मिलते हैं उनसे ज्ञात होता है कि अम्पासियोंमें इसके पठन-पाठनका प्रचार भी बहुत ही रहा है।

इसका रचयिता कौन है यह निश्चित रूपसे तो नहीं कहा जा सकता—पर केवल एक प्रतिमें, जैसा कि संपादिका विदुषीने अपने प्रास्ताविकमें सूचिन किया है, कोई पृथ्वीधराचार्यका नाम लिखा मिलता है; सो अवश्य विचारणीय एवं विशेष अन्वेषणका विषय है। जबतक किसी कर्ताका निश्चय नहीं हो जाय तब तक हमने इसे अज्ञात विद्वत्कृत के विशेषणसे ही प्रसिद्ध करना उचित समझा है।

इसके साथ कुछ प्रतियोंके पत्रोंके ग्लान बनवा कर उनके प्रतिचित्र भी दिये जा रहे हैं।

अन्तमें हम विदुषी संपादिका श्रीमती कुमारी डॉ. प्रियव्रता शाहाके प्रति अपना आमार भाव प्रदर्शित करना चाहते हैं कि जिनने अत्यन्त परिश्रम पूर्णक इस रचनाका सुसंपादन कर, प्रस्तुत ग्रन्थमालाकी शोभावृद्धिके लिये सुन्दर पुष्प समर्पित किया।

प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
माघ शुक्ल १४, संवत् २०१६
— ११. फरवरी, १९६० —

}

मु नि जि न वि ज य

VASTURĀTNAKOŚA

INTRODUCTION

I

Ratnakośa or Vasturatnakośa :-

Aufrecht in his *Catalogus Catalogorum* has several entries referring to Ratnakośa. In the entry on page 490 he describes a mis. thus—"Ratnakośa or Vastuvijñānaratnakośa—enumeration of things supposed to exist in a definite number, written by a Jain author." This description exactly applies to the contents of our work. :- II.

There are, however, at least three other kinds of Ratnakośas mentioned by Aufrecht from which this Ratnakośa is to be distinguished. One Ratnakośa is a work of Vaiśeṣika philosophy, another is a work on Advaita philosophy bearing the name Advaita-Ratnakośa and there is a third Ratnakośa which is a lexicon.

Ratnakośa literally means a treasure of jewels. In fact it is a short treatise on various subjects which a cultured man was supposed to know in the Indian society of old times. The larger variety of such works is represented by treatises like *Yuktikalpataru* of Bhoja, *Caturvargacintāmaṇi* of Hemādri and also *Abhilasītarthacintāmaṇi* of Someśvara. *Bṛhatsaṃhitā* of Varāhamihira though predominantly an astronomical work also discusses many miscellaneous topics.

Our Ratnakośa consists of two parts. The first part consists of Sūtras containing the topics with their aggregate numbers, while the second, *Vivaraṇa* mentioning each item of the topics by name. The total number of Sūtras in different mss. varies from 100 to 104.

The subject-matter of these topics is mostly secular giving general knowledge about social and political matters. If we classify these according to the four *Puruṣārthas*, we would find that most of them fall under *Artha* and *Kāma*; while some are of a general literary nature. Thus, for example the following topics would come under *Artha*:-

श्रीनि मुवनानि, त्रिविधं लोकस्थानं, त्रिविधा भूमिः, सत्तात्रं राज्यं, पण्यवली राज्ञां गुणाः, अष्टविधं राज्यपदानि etc.

The following fall under *Kāma*:-

द्रविशतिः कामिनीनां विकारितानि, अष्टौ नार्योऽयम्याः, दशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते, त्रिभिः कारणैः कामिन्यः संवृण्यन्ते, सप्तविधाः कामुकानां सुखतारम्याः, अष्टविधं विदग्धानां सुखतम्, नवविधं सुखतवसानम् etc.

A 57 II 32 24V

Description of the manuscripts :-

The present text is based upon the following seven mss.; six of which are complete. All the seven are in a well preserved state. They are named A, B, C, D, E, F and G.

Ms. A :

Source: Muni Jinaviyayaji's collection, Rajasthan.

No. 57

Material: paper.

Folios: 4

Size: $10\frac{1}{2} \times 5\frac{1}{2}$ inches

Number of lines: 19 lines per page.

Number of letters: 50 to 53 per line.

Age: not mentioned; appears to be about three hundred years old.

Author: not mentioned.

Script: Devanāgarī.

Begins: नमो वीराय । अथातो वस्तुविज्ञानं रत्नकोशं व्याख्यास्यामः ।

सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् । स्वल्पमर्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं तमभ्यसेत् ॥ १ ॥

तत्र शतेन सूत्राणां संग्रहो यथा ॥ तत्रादौ श्रीभिः भवनानि etc.

Ends: पंचविधं प्रभुत्वं फलप्रभुत्वं ज्ञानप्रभुत्वं दानप्रभुत्वं स्थानप्रभुत्वं ॥ १०० ॥

Colophon: इति रत्नकोशसूत्रशतन्यायार्थानं समाप्तम् ॥

Ms. B

Source: Śrī Muktabāi Jñānamandira, Dabhoi.

No. :

Folios: 6

Material: paper.

Size: 10×4.25 inches.

Area of writing: 8×3 inches.

Number of lines: 15 to 16 lines.

Number of letters: 43 to 45 in each line.

Age: not mentioned; appears to be not later than 16th cent. A. D.

Author: not mentioned.

Script: Devanāgarī.

Begins: अथातो वस्तुविज्ञानं । रत्नकोशं । व्याख्यास्यामः ॥

सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् ।

स्वल्पमर्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं तमभ्यसेत् ॥

तत्र शतेन सूत्राणां संग्रहो यथा । तत्रादौ श्रीभिः भवनानि ॥ etc.

Ends: पञ्चविधं प्रभुत्वं । कुलप्रभुत्वं । दानप्रभुत्वं । स्थानप्रभुत्वं । उभयप्रभुत्वं ॥ १०० ॥

Colophon: ॥ इति रत्नकोशसूत्रशतव्याख्यानं समाप्तम् ॥ श्लोकाष्टाष्टादश । पं. धनसागर मुनिविरचितम् ।
वा. पुन्यमंदणतण्डिजोम्भं । श्रीः । श्रीरस्तुः । कल्याणमस्तु ।

Ms. C

Source: Gujarat Vidya Sabha, Ahmedabad.

No.: 2165

Material: paper.

Folios: 12

Size: 8 × 4.5 inches.

Area of writing: 6.5 × 3.75 inches.

Number of lines: 11 lines per page.

Number of letters: 31 to 33.

Age: Samvat 1755 (i. e. 1699 A. D.)

Author: Pṛthvidharācārya.

Script: Devanāgarī.

Begins: श्रीहरिः । सर्वज्ञानमयं रम्यं सर्वबुद्धिप्रकाशकम् ।

स्वस्वमयं सुगोपाय रत्नकोशं समभ्यसेत् ॥

तत्रादौ श्रीणि भुवनानि । त्रिविधं लोकस्थानं । पञ्चविधं प्रभुत्वं ॥ १०० ॥

इत्यनुक्रमलिङ्ग ॥ गणराजं नमस्कृत्य गन्तव्यं सुरोत्तमम् ।

समस्तविघ्नहंतारं रत्नकोशं उदीरयेत् ॥ १ ॥

Ends: अष्टौ लब्धयोग । अणिमा । महिमा । लघिमा । गरिमा । प्राप्ति । प्रक्षम्यं । ईशत्वं । वशित्वं ।

Colophon: इति श्रीवृषवीधराचार्यकृत रत्नकोशः संपूर्णम् । शुभं भवतु । कल्याणमस्तु । संवत् १७५५ वर्षे
शाल्वनमासे शुक्लपक्षे लिखितं गिरिनारायणशर्मा मद्राळकृष्णमुत भट्टरामकृष्णेन लिखितं ।
श्रीरस्तु । श्री । हरिर्नयति । श्री । श्री । श्री ।

Ms. D

Source: Muni Jinavijayaji's collection, Rajasthan.

No.: 1

Material: Kashmirian paper.

Folios: 3 (incomplete)

Size: 9.45 × 4.5 inches.

Number of lines: 21

Number of letters: 61

Age: not mentioned; appears to be not later than 15th cent. A. D.

Author: not mentioned.

Script: Devanāgarī.

Begins : अहं । श्रीणि भुवनानि । १ । त्रिविधं लोकस्थानं । २ । etc.

Ends : दशविधं बौद्धं । समता । परिमिता । पारमिता । विहार । प्रमाणं । सौत्रांतिकं । त्रिराशकं । योगोपचार । मोक्षपर्यंतं ॥ १० छ ॥ चतु

Ms. E

Source : Muni Jinavijayaji's Collection; Rajasthan.

No. : 1

Material : paper.

Folios : 9. 1 to 8a Ratnakōṣa; 8a to 8 Rāgotpatti.

Size : 10 × 4.5 inches.

Number of lines : 15 lines.

Number of letters : 38 to 40.

Age : not mentioned, appears to be about 150 years old.

Script : Devanāgarī.

Begins : श्री गुरुभ्यो नमः । रत्नकोशं व्याख्यास्यामः । य(व)स्तुविज्ञानं । सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकं । स्वल्पग्रन्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं समभ्यसेत् ॥ १ ॥ तत्र शतेन सूत्राणां कर्तव्यः संप्रहो यथा ॥ २ ॥ अथ इति संग्रहाय ॥ ग्रन्थं कर्ता श्रीवेदव्यास कहिष्ठि etc.

Ends : लयिमा । इशत्व । वक्षित्व । प्राप्ति । प्रकाम्यमेव ।

Colophon : इति श्रीरत्नकोशः संपूर्णः ॥ श्रीरस्तुः । कल्याणमस्तुः ।

Ms. F

Source : Jesalmere Grantha Bhaṇḍāra, Jesalmere.

No. : 315

Material : paper.

Folios : 8

Size : 9½ × 4½ inches.

Number of lines : 14 lines.

Number of letters : 48 letters.

Age : Samvat 1709 (i. e. 1653 A. D.)

Author : not mentioned.

Script : Devanāgarī.

Begins : ॐ अहं नमः । अथ रत्नकोशो लिख्यते । सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् । स्वल्पग्रन्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं समभ्यसेत् । तत्र सर्वत्र सूत्राणां कर्तव्यः संप्रहो यथा ॥ तत्रादौ श्रीणि भुवनानि । १ । त्रिविधं लोकस्थानम् । २ । ...etc.

Ends : ...वक्षित्वम् । प्राप्ताम्यम् । चेति ॥

Colophon : इति श्री रत्नकोशः[ः] समाप्तः[ः]

श्रीसंवत् १७०९ वर्षे वैशाखाऽश्विने पक्षे द्विने रेवतीनक्षत्रे चारे श्री महारानगरेऽलीखितम् ।
श्रीसात कल्याणं भूयात् ।
केसरपाठकयोः शक्तिहृदिः सदैव श्रीसात मांगल्यं महोच्छवं श्री शक्तिजिनप्रसादम् ॥ श्री ॥

Ms. G

A copy prepared under the supervision of Muni Jināvijāyaji from a ms. of Jesalmere Grantha Bhaṇḍāra, Jesalmere.

Begins : ॐ नमो वीतरागाय । अयातो वस्तुविज्ञानं रत्नकोशं व्याख्यासामः ।

सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् ।

स्वल्पप्रम्यं सुबोधार्थं रत्नकोशं तमभ्यसेत् ॥

तत्र शतेन सूत्राणां सङ्ग्रहो यथा ॥ तत्रादौ त्रीणि भवनानि etc.

Ends : पञ्चविधं प्रभुत्वं । कुलप्रभुत्वम् । ज्ञानप्रभुत्वम् । दानप्रभुत्वम् । स्थानप्रभुत्वम् । उभयप्रभुत्वम् ।

Colophon : इति रत्नकोशसूत्रसप्तव्याख्यानं समाप्तम् ॥ ७ ॥

III

Method of editing :-

A comparative study of the seven mss. available to me showed that even though the main substance of the text is common it has considerable variations. So the possibility of discovering the original text became remote. Under the circumstances, I adopted the following procedure in presenting this text.

Of the seven mss. D seems to be the oldest, though incomplete, while A, B, G. seem to belong to one proto-type. I have taken D as the basis of the text upto sūtra 85 and for the remaining portion of the text I have taken ms. A, which is next in age. The readings of D and A, however, have not been adopted in the text where they were corrupt or unsatisfactory.

Variants of other mss. have been noted in the footnotes.

In presenting the Vivaraṇa, mss. A, B and G have been adopted as the basis, because they together yield, on the whole a satisfactory text. Where, however, the readings of other mss. seemed better, they have been given in the text.

As however, the different mss. give at several places different informations, I have thought it proper to give below the main text, the texts of other mss. in full. Thus the reader will have before him more or less complete texts of the Vivaraṇa of all the mss.

In appendix A, are given the additional Sūtras of ms. E as well as the old Gujarati 'Tabbo' contained in it. In appendix B similar matter gathered from some other works is given.

In the Index, I have included important variations from the texts of Vivaraṇa given in the footnote.

IV

Authorship and Age :—

Of the seven mss. only one, namely C mentions the name of the author as Pṛthvidharācārya and one, namely E mentions Vedavyāsa as the author in its Gujarati 'Tabbo'. As we have seen above Aufrecht attributes the authorship of Ratnakōśa to a Jain, though he does not mention the proper name. It appears that Aufrecht was led to regard this as a Jain work on account of the mention of શ્રી etc. at the beginning of his manuscript. We have seen that four, namely A, D, F, and G, of our seven mss. also begin in the Jain way. B starts directly with the text without any māṅgala, C starts with શ્રી હરિ: and E with શ્રીગુરુભ્યો નમઃ, while one ms. belonging to the Oriental Institute, Baroda, not used by me being very corrupt starts with શ્રી ગણેશાય નમઃ. We cannot say definitely, whether શ્રી ગુરુભ્યો નમઃ: can be taken as a Jain or Brahmanical way of beginning.

We, however, cannot draw any conclusion about the author being a Jain or non-Jain from the way in which the mss. begin, because it depends upon the religion of the scribe or the patron who got the ms. copied.

The absence of reference to the name of the author in five mss. and mention of Vedavyāsa in one make us hesitate in attributing our Ratnakōśa to Pṛthvidharācārya on the authority of the ms. C. The only thing that we can do for the present is to accept him provisionally as the author of our work.

The acceptance of Pṛthvidharācārya as the author of Ratnakōśa, however, does not help us in fixing the age of the work. Aufrecht has mentioned several Pṛthvidharācāryas. We do not know which one wrote the Ratnakōśa given in the ms. C.

Hemādri in his Caturvargacintāmaṇi quotes Ratnakōśa, at least twice, once in the Vratakhṇḍa and second time in the Pariśeṣakhṇḍa as follows:

સામ્બલમુખવાસયોર્લક્ષ્મણમુકં રત્નકોશે—

મહાપિપ્પલ્લવત્રાણિ યમુકસ્ય ફલાનિ ચ ।

શુકિશારેણ સંયુકં સામ્બલમિતિ સંક્ષિપ્તમ્ ॥

1 Aufrecht in addition to Ratnakōśa has the following entries about the works of Pṛthvidharācārya —

(1) મુવનેશ્વરીસૂત્ર, (2) લગુણશ્ચરીસૂત્ર, (3) સરસ્વતીસૂત્ર, (4) કાવન્ત્રવિસ્તારવિવર્ણ, (5) the commentary on Mṛcchakatika, (6) Vātsesika Ratnakōśa and (7) મુવનેશ્વર્યેષ્ઠનપદ્ધતિ.

क्षेतपत्रं पूर्णं कमुकस्य फलानि च ।

नारिकेलफलोपेतं मातुलत्रसमायुतम् ॥ Ad. 1 (page 242) Vratakhanda.

पुनक्षत्रानि च रत्नकोशे दर्शितानि ।

हस्तो मूलं ध्रुवः पुनर्वसुर्गगिरास्तथा पुष्यः ।

पुंसंक्षितेषु कार्येष्वेतानि शुभानि विष्ण्वानि ॥ (page 732) Parīśeṣakhanda.

Here it may be pointed out that from the nature of the topics, one can expect these verses 'in our Ratnakośa, but in fact we do not find them in any one of our mss. This implies that there may be other versions of the Ratnakośa which might have contained these verses. But as the verses mentioned by Hemādri do not occur in our text, his reference to Ratnakośa cannot help us to settle the date of our Ratnakośa.

So the only thing that we can say is that it is older than our oldest Ms. D which appears to belong to the 15th cent. A. D. The names mentioned in the 'Rajavamsas' vary so much that they cannot help us in settling the earlier limit of the age.

The work may be supposed to belong to an age later than the 10th cent. A. D.

* * * * *

Before concluding, I must not omit to tender my most sincere thanks to the revered Āchārya Śrī Muni Jinavijayaji, the Honorary Director of Rajasthan Puratattva Mandir, Jaipur (now Jodhpur), for not only accepting this work for publication in Rajasthan Purātana Granthamālā but also for being kind enough to spare time to go over the greater portion of the text with me and make several important suggestions which have been mostly acted upon.

I take this opportunity of expressing my sincere thanks to my painstaking teacher in Ancient Indian Culture and guide in the preparation of my thesis for the Ph. D. degree, Prof. R. C. Parikh, Director, B. J. Institute, Gujarat Vidya Sabha, Ahmedabad, for giving much of his valuable time for discussing with me several problems connected with my research work and especially the preparation of the present text.

Ahmedabad, }
12-4-1959.

PRIYABALA SHAH

व स्तु र त्त को शः ।

अथातो वस्तुविज्ञानं रत्नकोशं व्याख्यास्यामः^१ ।
 सर्वशास्त्रमयं^२ रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् ।
 स्वल्पग्रन्थं सुबोधार्थं^३ रत्नकोशं समभ्यसेत्^४ ॥ १ ॥
 तत्र शतेन^५ सूत्राणां कर्तव्यः सद्ब्रह्मो यथा ।

तत्रादौ—

- १ त्रीणि^६ भुवनानि ।
- २ त्रिविधं^७ लोकसंस्थानम् ।
- ३ त्रिविधा भूमिः ।
- ४ त्रिविधाः पुरुषाः ।
- ५ त्रयः पदार्थाः ।
- ६ चत्वारः पुरुषार्थाः^८ ।
- ७ षट्त्रिंशद् राजवंशाः^९ ।
- ८ सप्ताह्नं^{१०} राज्यम् ।
- ९ पण्णवती^{११} राजगुणाः ।
- १० षट्त्रिंशद् राजपात्राणि ।
- ११ षट्त्रिंशद् राजविनोदाः ।
- १२ अष्टादशविधमांस्थानम् ।
- १३ चतस्रो राजविद्याः ।
- १४ चतस्रो राजनीतयः ।

1 E puts अथ(व)स्तुविज्ञानं after व्याख्यास्यामः ।; CE drop from अथातो to
 स्यामः ।; D drops from अथातो to तत्रादौ । 2 C°ज्ञानमयं । 3 C सर्वबुद्धि° ।
 4 C सुबोधाय । 5 AB तमभ्यसेत् । 6 F मयं । 7 ABD drop कर्तव्यः ।
 8 E त्रिभुव° । 9 CE लोकस्था । 10 ABJ पुरुषाणामर्थो । 11 E राजविनोदाः ।
 12 E 'सायरा° । 13 F षट्त्रिंशद् राजां गुणाः । ९ । पण्णवती राज्ञा गुणा । १० । 14 AG
 विषं स्था° ।; C°विधमा (म)हास्थानम् ।; E धं आ ।

- १५ पदत्रिंशदायुधानि ।
 १६ सप्तविंशतिः शास्त्राणि ।
 १७ द्विपञ्चाशत् तत्त्वानि ।
 १८ द्विसप्ततिः कलाः^{१५} ।
 १९ चतुरशीतिर्विज्ञानानि ।
 २० चतुरशीतिर्देशाः ।
 २१ द्वात्रिंशलक्षणस्थानानि^{१६} ।
 २२ चतुर्विंशतिविधं गृहम् ।
 २३ अष्टोत्तरशतं मङ्गलानि ।
 २४ त्रिविधं दानम् ।
 २५ पञ्चविधं यशः^{१७} ।
 २६ सप्तविधा कीर्तिः ।
 २७ नव रसाः^{१८} ।
 २८ एकोनपञ्चाशद् भावाः ।
 २९ चत्वारोऽभिनयाः ।
 ३० चतस्रो वृत्तयः ।
 ३१ चत्वारो महानायकाः ।
 ३२ चत्वारो नायकाः^{१९} ।
 ३३ द्वात्रिंशद्गुणयुतो नायकः ।
 ३४ त्रिविधा महानायिकाः^{२०} ।
 ३५ अष्टो नायिकाः^{२१} ।

15 ABCDE दण्डायुधानि । 16 DE 'विज्ञा' । AG 'विज्ञ' । O 'लया' । 17 ABCD 'यशः' । E 'द्विपञ्चाशत्' । 18 ABCD त्रिभिः । E त्रिभिः । 19 ABCDE 'त्रिदे' । 20 GF लक्षणानि । 21 ABO तम । D तदे वलं मंगलानां । E मंगलानां स्थानं । 22 'यशः' । 23 O गत ईतयः । अष्टो रसाः । H writes नव upon अष्टौ । ADOH अष्टौ रसाः । 24 D 'रो नायका' । 25 H महाना । A puts here अष्टौ नायिकाः । G drops this sūtra । 26 A puts here त्रिविधं नायिकाः । BD गृहनायकाः । O 'गृहनायिकाः' । H 'गृहणो नायकाः' । O drops this sūtra. 27 AICDE write नायकाः for नायिकाः । A omits the sūtra त्रिविधा महानायिकाः । 28 O drops this sūtra.

- *३६ द्वात्रिंशद्वायिकानां गुणाः ।
 ३७ त्रिविधं सौख्यम् ।
 ३८ चत्वारि सौख्यकारणानि ।
 ३९ नवविधो गन्धोपयोगः ।
 ४० दशविधं शौचम् ।
 ४१ द्विविधः कामः ।
 ४२ दश कामावस्थाः ।
 ४३ विंशती रक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।
 ४४ एकविंशतिर्विरक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।
 ४५ द्वाविंशतिः कामिनीनां विकारेद्वितानि ।
 ४६ चतुर्विंशतिरसतीनां लक्षणानि ।
 ४७ षोडश दुष्टस्त्रीणां लक्षणानि ।
 ४८ अष्टौ स्त्रीणामंविश्वासरणानि ।
 ४९ अष्टौ नार्योऽगम्याः ।
 ५० अष्टविधो मूर्खः ।
 ५१ चतुर्विंशतिविधं नागरिकवर्णनम् ।
 ५२ त्रिविधं रूपम् ।
 ५३ त्रिविधं स्वरूपम् ।
 ५४ द्वादशविधः प्रेमदोषचारः ।

* G alone gives this sūtra but all the mss. give its Vivaraṇa.
 28 E द्वाविंशद्वायिकानां गुणाः । त्रिविधं सौख्यम् । 29 D सौख्यस्य चत्वारि । E सौख्यकारणानि । 30 A द्विविधः । 31 A omits this sūtra. 32 BE दशविधः कामावस्थाः । F दशविधाः कामावस्थाः । 33 ABCDE 'चतुर्विधः' । 34 ABDE 'द्वविंशतिः' । F drops the sūtra, AB put first our sūtra 46 and then give this sūtra as 43 35 ABCD शतिविधः । E drops the sūtra; F drops it. 36 ABCD शतिविधः । E drops the sūtra. 37 ABC अष्टविधः । 38 ABC 'मन्त्रिचारणानि' । 39 E चतुर्विंशतिविधं । 40 ABC कलक्षणम् । C 'वर्णनम्' । 41 F drops the sūtra. 42 AEEG प्रेमदोषचारः । D प्रमादोषचारः । F दशविधः प्रेमदोषचारः ।

- ५५ पञ्चविधैः परिचयः ।
 ५६ दश पुरुषाः “ स्त्रीणामनिष्टा भवन्ति ।
 ५७ दशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते ।”
 ५८ त्रिभिः “ कारणैः “ कामिन्यः “ संवध्यन्ते ।
 ५९ सप्तविधाः “ कामुकानां “ सुरतारम्भाः “ ।
 ६० अष्टविधं विदग्धानां “ सुरतम् ।
 ६१ नवविधं सुरतावसानम् ।
 ६२ नव शयनगुणाः ।
 ६३ दशविधः पार्थिवानां प्रमोदः ।
 ६४ चतुर्विधः प्रबोधः ।
 ६५ चतुर्विधा बुद्धिः ।
 ६६ अष्टौ बुद्धिगुणाः ।
 ६७ चतुर्विधं गान्धर्वम् ।
 ६८ त्रिविधं गीतम् ।
 ६९ पदत्रिंशद् गीतगुणाः ।
 ७० चतुर्विधं वाद्यम् ।
 ७१ द्विविधं नृत्यम् ।
 ७२ षोडशविधं काव्यम् ।
 ७३ दशविधं वक्तृत्वम् ।†
 ७४ षड्विधं भाषालक्षणम् ।
 ७५ पञ्चविधं पाण्डित्यम् ।

43 D पंचविंशतिविधः ।, F पंचविंशतिर्वि० ।

44 G नराः ।; F drops the sūtra.

45 F द्वादशभिः कारणैः स्त्रियोऽगिरज्यन्ते ।

46 ABG दशभिः ।

47 E प्रकारैः ।

48 H

कामिनीनां; E स्त्रियो० ।

49 ABCEFF विधे ।

50 CE कामिना ।

51 ABOEF ०रम्भः ।

52 D सुरतावसानं विदग्धानां; E ०दग्धानां; F अष्टविधो विदग्धानां सुरतारम्भः ।

53 ABG नवविधाः ।

54 A drops पार्थिवानां ।

55 ABG प्रमोदः ।

56 A नृत्यम् ।

57 AG वादलक्षणं ।

58 H द्वादश० ।; ABG विंशतिविधं ।, E षोडशविधं ।

59 H वक्षित्वं; F वक्तव्यत्वं ।

† E has

विंशतिविधं वक्तृत्वं between 73 and 74.

60 E षोडशविधं ।

- ७६ चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणम् ।
 ७७ पञ्चविधं दर्शनम् ।
 ७८ अष्टविधं माहेश्वरम् ।
 ७९ दशविधं ब्राह्म्यम् ।
 ८० चतुर्विधं साङ्ख्यम् ।
 ८१ संस्रविधं जैनम् ।
 ८२ दशविधं बौद्धम् ।
 ८३ चतुर्विधं चार्वाकम् ।
 ८४ चतुर्विंशतिविधं विचारकत्वम् ।
 ८५ दशविधं गुरुत्वम् ।
 ८६ पञ्चविधं चरितम् ।
 ८७ पञ्चविधं पार्थिवानां पालनम् ।
 ८८ सप्तविधा प्राप्तिः ।
 ८९ चतुर्विंशतिविधं शौर्यम् ।
 ९० दशविधं बलम् ।
 ९१ दशविधः सङ्ग्रहः ।
 ९२ दशविधो जयः ।
 ९३ पञ्चविधः परिच्छेदः ।
 ९४ पञ्चविधं प्रभुत्वम् ।
 ९५ सप्तविधमुत्तमत्वम् ।
 ९६ नवविधा शक्तिः ।
 ९७ सप्तविधा भुक्तिः ।
 ९८ अष्टविधमभिमानलक्षणम् ।

61 AG चतुर्विधं ; E °निवाद° । 62 E पद्द° । 63 G दर्शनलक्षणम् । ; E दर्शनानि । 64 F अष्टविधा माहेश्वरी । 65 D ब्राह्म्यम् । ; E ब्राह्मणम् । 66 E सप्तविंशतिविधं जैन्यम् । 67 ABG धं चारकत्वं ; F °धं वा लक्षणम् । 68 E चतुर्विधं । 69 AB चारित्रं । 70 AG drop पार्थिवानां . ■ पार्थिव्या । 71 G चतुर्विधं । 72 G सप्तविधं ।

९९ चतुर्विधं वात्सल्यम् ।

१०० पंचविधो महोत्सवः* ।

१०१ अष्टौ लब्धियोगाः† ।

† इति सूत्राणां शतमेकोत्तरम् ॥ १०१ ॥

*

॥ इति वस्तुसंख्यासंग्रहः समाख्यातः ॥

73 AB १०० ■ १; C १०० इत्यनुक्रमणिका १; D चेति १०० छ १; ■ १०० इति सूत्राणि समूहे समाख्यातः १; F १०२ १. * B gives चतुर्विधा गतिश्च १ after sūtra १६०. † From इति to स्मात् is given only by B.

वस्तुरत्नकोश-विवरणम् ।

अथातो वस्तुविवरणं समाख्यायते ।

*गणराजं नमस्कृत्य गजतुण्डं सुरोत्तमम् ।

समस्तविघ्नहन्तारं रत्नकोशमुदीर्यते ॥ १ ॥

यथा—

१. तत्रादौ त्रीणि भुवनानि कथ्यन्ते । तद् यथा—

१ सुरभुवनम् । २ नरभुवनम् । ३ नागभुवनम् । इति ।

२. त्रिविधं लोकसंस्थानम् ।

१ देवलोकसंस्थानम् । २ दानवलोकसंस्थानम् ।

३ मानवलोकसंस्थानम् । इति ।

- २) A १ देवसंस्थानम् । २ मानवसंस्थानम् । ३ दानवसंस्थानम् ।
 B १ देवसंस्थानम् । २ दानवसंस्थानम् । ३ मानवसंस्थानम् ।
 C १ देवलोकस्थानम् । २ मनुष्यलोकस्थानम् । ३ दानवलोकस्थानम् ।
 D १ दानवसंस्थानम् । २ मानवसंस्थानम् । ३ गंधर्वसंस्थानम् ।
 E देवदानवमानवानां संस्थानम् ।
 F १ देवस्थानं । २ दानवस्थानं । ३ मानवस्थानं चेति ।

३. त्रिविधा भूमिः ।

१ उन्नतप्रदेशा । २ निम्नप्रदेशा । ३ समप्रदेशा । इति ।

- ३) AG १ उत्तमप्रदेशः । २ निम्नप्रदेशः । ३ समप्रदेशः ।
 E १ उच्चा । २ नीचा । ३ समा ।
 F १ उन्नतप्रदेशा । २ नीचप्रदेशा । ३ समप्रदेशा ।

† कथानी...यथा is given only by B.

*o alone gives this sloka after

इत्यनुक्रमणिका । 1 BCE तत्र श्री० । 3 ABCEFG omit कथ्यन्ते ।

4 ABCEFG omit तद्वया । 5 ABG मानव । 6 ABEG omit क्षेत्र । 7 CEF

स्थानम् । 8 H omits लोक ।

४. त्रिविधाः पुरुषाः ।

१ उत्तमाः । २ मध्यमाः । ३ अधमाः । इति ।

- ४) ABG १ उत्तम । २ मध्यम । ३ अधम ।
 C १ उत्तम २ मध्यम ३ अधमाश्चेति ।
 E १ उत्तमा । २ अधमा । ३ मध्यमा ।

५. त्रयः पदार्थाः ।

१ धातुपदार्थः । २ जीवपदार्थः । ३ मूलपदार्थः । इति ।

- ५) C धातुमूलजीवाश्चेति
 E १ धातु । २ मूल । ३ जीवा ।
 F १ मूलगतपदार्थाः । २ धातुगतपदार्थाः । ३ जीवगतपदार्थाः ।

६. चत्वारः पुरुषार्थाः ।

१ धर्मः । २ अर्थः । ३ कामः । ४ मोक्षः । इति ।

- ६) ABG १ धर्मः । २ अर्थः । ३ कामः । ४ मोक्षः ।
 CF धर्मार्थः । काम मोक्षः ।
 D १ धर्मः । २ अर्थः । ३ कामः । ४ मोक्षरूपाः ।

७. पट्टत्रिंशद् राजवंशाः ।

१ सूर्यवंशः । २ सोमवंशः । ३ यादववंशः । ४ कदम्बवंशः ।
 ५ परमारवंशः । ६ इक्ष्वाकुवंशः । ७ चाहुआणवंशः । ८ चौलुक्यवंशः ।
 ९ मौरिकवंशः । १० शिलारवंशः । ११ सैन्धववंशः । १२ छिन्दक-
 वंशः । १३ चापोत्कटवंशः । १४ प्रतीहारवंशः । १५ मुडुकवंशः ।
 १६ राष्ट्रकूटवंशः । १७ शकटवंशः । १८ करटवंशः । १९ करटपाल-
 वंशः । २० चन्दिह्ववंशः । २१ गुहिलवंशः । २२ गुहिलपुत्रवंशः ।
 २३ पोतिकपुत्रवंशः । २४ मंकाणकवंशः । २५ धान्यपालवंशः ।
 २६ राजपालवंशः । २७ अनङ्गवंशः । २८ निकुम्भवंशः । २९ दधि-
 करवंशः । ३० कलचुरवंशः । ३१ कालमुखवंशः । ३२ दायिकवंशः ।
 ३३ हूणवंशः । ३४ हरिणवंशः । ३५ डोडिवंशः । ३६ मारववंशः ।
 इति ।

७) A १ ब्रह्मवंश । २ सूर्यवंश । ३ सोमवंश । ४ यादववंश । ५ कुडुम्बवंश । ६ परमारवंश । ७ इक्ष्वाकु । ८ बाह्लीक । ९ चौलुम्ब । १० छन्दिक । ११ सिलार । १२ सैन्धव । १३ डामी । १४ चापोत्कट । १५ पडीहार । १६ लडुक । १७ राष्ट्रकूट । १८ शक । १९ करटपाल । २० कोटपाल । २१ वन्दिह । २२ गुहिल । २३ गुहिल-पुत्र । २४ पौतिक । २५ मोरी । २६ मंकुयाण । २७ धान्यपाल । २८ राजपाल । २९ अनङ्ग । ३० निकुम्भ । ३१ दाडिम । ३२ कलिछुर । ३३ दधिमुख । ३४ हूण । ३५ हरितड । ३६ डोड । ३७ परमार ।

७) B १ ब्रह्मवंश । २ सूर्यवंश । ३ सोमवंश । ४ यादववंश । ५ कदम्बवंश । ६ इक्ष्वाकु । ७ बाह्लीक । ८ चौलुम्ब । ९ छन्दिक । १० सिलार । ११ सैन्धव । १२ डामी । १३ चापोत्कट । १४ पडीहार । १५ लडुक । १६ राष्ट्रकूट । १७ शक । १८ करटपाल । १९ कोटपाल । २० चन्दिह । २१ गुहिल । २२ गुहिलपुत्र । २३ मौदिक । २४ मोरी । २५ मंकुयाण । २६ धान्यपाल । २७ राजपाल । २८ अनङ्ग । २९ निकुम्भ । ३० दाडिम । ३१ कलिछुर । ३२ दधिमुख । ३३ हूण । ३४ हरितड । ३५ डोड । ३६ परमार ।

७) C १ रवि । २ सोम । ३ यादव । ४ कदम्ब । ५ परमार । ६ इक्ष्वाकु । ७ चहुआण । ८ रोरीच । ९ सिलार । १० करण्ड । ११ चण्डिल । १२ गोहिल । १३ मकुआण । १४ पौलक । १५ राजपाल । १६ धानपाल । १७ देय । १८ निकुम्भ । १९ दधिकर । २० कोकिल । २१ तरुष्क । २२ दधिपक । २३ हूण । २४ हरिअड । २५ कोबोलिक । २६ कलानुर । २७ हरित । २८ सैमट । २९ राठोऊड । ३० शोलंक । ३१ जोधिम । ३२ कलध्व ।

७) D १ सूर्यवंश । २ सोमवंश । ३ यादव । ४ इक्ष्वाकु । ५ कदम्ब । ६ परमार । ७ चौहान । ८ चौलुम्ब । ९ छन्दिक । १० मोरी । ११ सिलार । १२ सैन्धव । १३ चापो-त्कट । १४ प्रतीहार । १५ लकुट । १६ कराट । १७ काल । १८ पाल । १९ टाक । २० थंडेल । २१ राष्ट्रकूट । २२ शंकु । २३ फरंड । २४ गोहिलपुत्र । २५ गहिलुन । २६ पौतिक । २७ मुष्कायण । २८ मकुआणा । २९ पोलक । ३० राजपालक । ३१ धनपालक । ३२ धान्यपाल । ३३ अनङ्ग । ३४ निकुम्भ । ३५ घिधिम । ३६ दधि-कर । ३७ कोल । ३८ कोलानुर । ३९ दधिपक । ४० सिहिलक-जातिमेद । ४१ सोलंकी । ४२ दापिक । ४३ हूण । ४४ हरिअड । ४५ डोड । ४६ डोडीआ । ४७ राष्ट्रकूट । ४८ जातिमेद । ४९ मारु राठुडा । ४९ माखवा । ५० पातिकर । ५१ डेलार । ५२ लुडक । ५३ फराट । ५४ कोल । ५५ चिन्दिलु । ५६ मुष्का-यण । ५७ डोडीआंकाश्चेति जातिमेदाः अनेककोटिदाः ॥ ३६ ॥

७) E १ सूर्यवंश । २ सोमवंश । ३ यादववंश । ४ कदम्बवंश । ५ चहुआण । ६ चौलुम्ब । ७ छन्दिक । ८ सिलार । ९ सैन्धव । १० चाउडा । ११ पडिहार । १२ तुडक । १३ राठडड । १४ करटपाल । १५ चन्दिह । १६ गुहिल । १७ गड-लोत्त । १८ पौतिक । १९ मोरी । २० मकुआणा । २१ अनंग । २२ राजपाल । २३ वारड । २४ दहीया । २५ डामी । २६ हरीयडा । २७ टाक । २८ मींदा । २९ माया । ३० हूण । ३१ निकुन्दम । ३२ कोल । ३३ दधिपक । ३४ डेहिया । ३५ सुरिमा । ३६ परमारवंशाश्चेति ।

७) G १ ब्रह्मवंश । २ सूर्यवंश । ३ सोमवंश । ४ यादववंश । ५ कुटुम्बवंश ।
 ६ परमारवंश । ७ इक्ष्वाकु । ८ बाह्लीक । ९ चौलुक्य । १० छन्दिक । ११ सिलार ।
 १२ सैन्धव । १३ डामी । १४ चापोत्कट । १५ पडिहार । १६ लडुक । १७ राष्ट्रकूट ।
 १८ शक । १९ करटपाल । २० कोटपाल । २१ बंदिल । २२ गुहिल । २३ गुहिल-
 पुत्र । २४ पौतिक । २५ मोरी । २६ मंकुयाण । २७ धान्यपाल । २८ राजपाल ।
 २९ अतङ्ग । ३० निकुम्भ । ३१ दाडिम । ३२ कलिच्छुर । ३३ दधिमुख । ३४ हूण ।
 ३५ हरितड । ३६ डोड । ३७ परमार ।

८. सप्ताङ्गं राज्यम् ।

१ स्वामि । २ अमात्य । ३ जनपद । ४ भाण्डागार । ५ दुर्ग ।
 ६ बल । ७ मित्राङ्ग । इति^१ ।

८) G स्वामी । जनपद । अमात्य । कोश । दुर्ग । बल । सुहृदिति ।

F स्वामी । अमात्य । दुर्ग । राष्ट्र । मण्डार । सैन्य । मित्राङ्गं चेति ।

९. पण्णवती राजगुणाः ।

१ वंशगुण । २ विद्यागुण । ३ विनयगुण । ४ विजयगुण । ५ विवेक-
 गुण । ६ विचारगुण । ७ विस्तारगुण । ८ सदाचारगुण । ९ सत्यगुण ।
 १० शौचगुण । ११ सन्मानगुण । १२ समाधानगुण । १३ सौख्यगुण ।
 १४ सौजन्यगुण । १५ सौभाग्यगुण । १६ रूपगुण । १७ स्वरूपगुण ।
 १८ संयोगगुण । १९ वियोगगुण । २० विभागगुण । २१ साङ्गत्यगुण ।
 २२ संपूर्णत्वगुण । २३ सौम्यत्वगुण । २४ सकलत्वगुण । २५ सलज्जत्व-
 गुण । २६ डसनत्वगुण । २७ प्रभुत्वगुण । २८ प्राज्ञलत्वगुण । २९ पावक-
 त्वगुण । ३० पाण्डित्यगुण । ३१ प्रणयिमानत्वगुण । ३२ प्रामाणिकत्वगुण ।
 ३३ शरणप्रदत्वगुण । ३४ प्रमोदगुण । ३५ प्रतापगुण । ३६ प्रारंभगुण ।
 ३७ परिच्छेदगुण । ३८ संग्रहगुण । ३९ विग्रहगुण । ४० सदाग्रहगुण ।
 ४१ निग्रहगुण । ४२ अनुग्रहगुण । ४३ तुष्टिगुण । ४४ पुष्टिगुण ।
 ४५ प्रीतिगुण । ४६ प्रशंसागुण । ४७ प्रतिष्ठागुण । ४८ स्वैर्यगुण ।
 ४९ धैर्यगुण । ५० शौर्यगुण । ५१ चातुर्यगुण । ५२ बुद्धिगुण । ५३ बल-
 गुण । ५४ सामर्थ्यगुण । ५५ आक्षेपगुण । ५६ विरोधगुण । ५७ आदर-
 गुण । ५८ दोषगुण । ५९ विशेषगुण । ६० विनोदगुण । ६१ वृद्धिगुण ।

६२ सिद्धिगुण । ६३ कान्तिगुण । ६४ कीर्तिगुण । ६५ विस्फूर्तिगुण ।
 ६६ व्युत्पत्तिगुण । ६७ वात्सल्यगुण । ६८ माङ्गल्यगुण । ६९ महोत्सव-
 गुण । ७० मन्त्रगुण । ७१ रसिकत्वगुण । ७२ भावकत्वगुण । ७३ गुरुत्व-
 गुण । ७४ स्मृतिगुण । ७५ शक्तिगुण । ७६ अशक्तिगुण । ७७ युक्तिगुण ।
 ७८ अयुक्तिगुण । ७९ अनुक्रमगुण । ८० अभिमानगुण । ८१ दानगुण ।
 ८२ मानगुण । ८३ कारुण्यगुण । ८४ दाक्षिण्यगुण । ८५ दर्शनगुण ।
 ८६ श्रवणगुण । ८७ घ्राणगुण । ८८ रसनगुण । ८९ मर्यादागुण ।
 ९० मदनगुण । ९१ उदारगुण । ९२ उत्साहगुण । ९३ हर्षगुण ।
 ९४ क्रोधगुण । ९५ लोभगुण । ९६ उत्तमगुणश्चेति ।

९) A १ विद्या । २ विनय । ३ विवेक । ४ विस्तार । ५ सदाचार । ६ सत्य ।
 ७ शौच । ८ सन्मान । ९ संस्थान । १० समाधान । ११ सौख्य । १२ सौजन्य ।
 १३ सौभाग्य । १४ रूपगुण । १५ स्वरूपगुण । १६ संयोग । १७ वियोग ।
 १८ विभाग । १९ सांगत्य । २० संपूर्णत्व । २१ सोमत्व । २२ सकलत्व । २३ सल-
 ज्जत्व । २४ प्रसन्नत्व । २५ प्रभुत्व । २६ प्राञ्जल्यत्व । २७ पालकत्व । २८ पाण्डित्य ।
 २९ प्रणयित्व । ३० प्रमाण । ३१ दारण । ३२ प्रमोद । ३३ प्रसाद । ३४ प्रताप ।
 ३५ प्रारंभ । ३६ प्रभाव । ३७ परिछद् । ३८ संग्रह । ३९ सदाग्रह । ४० निग्रह ।
 ४१ विग्रह । ४२ अनुग्रह । ४३ तुष्टि । ४४ पुष्टि । ४५ प्रीति । ४६ प्राप्ति ।
 ४७ प्रशंसा । ४८ प्रतिष्ठा । ४९ प्रतिज्ञा । ५० स्वैर्य । ५१ धैर्य । ५२ शौर्य ।
 ५३ धानुर्य । ५४ गांभीर्य । ५५ बुद्धि । ५६ बल । ५७ अभ्यक्ष । ५८ विरोध ।
 ५९ विषय । ६० विदोष । ६१ विनोद । ६२ वृद्धि । ६३ सिद्धि । ६४ कान्ति ।
 ६५ कीर्त्ति । ६६ विस्फूर्ति । ६७ व्युत्पत्ति । ६८ वात्सल्य । ६९ माङ्गल्य । ७० महो-
 त्सव । ७१ मन्त्र । ७२ रसिकत्व । ७३ भावकत्व । ७४ गुरुत्व । ७५ स्मृति ।
 ७६ शक्ति । ७७ मुक्ति । ७८ युक्ति । ७९ आसक्ति । ८० अनुक्रम । ८१ अभिमान ।
 ८२ दान । ८३ कारुण्य । ८४ दर्शन । ८५ स्पर्शन । ८६ रसन । ८७ श्रवण ।
 ८८ घ्राण । ८९ मर्यादा । ९० मंडन । ९१ उदात्त । ९२ उद्य । ९३ उत्साह ।
 ९४ उत्तमगुणाः ।

९) B १ विद्या । २ विनय । ३ विवेक । ४ विज्ञय । ५ विस्तार । ६ सदाचार ।
 ७ सत्य । ८ शौच । ९ सन्मान । १० संस्थान । ११ समाधान । १२ सौख्य ।
 १३ सौजन्य । १४ सौभाग्य । १५ रूप । १६ स्वरूप । १७ संयोग । १८ वियोग ।
 १९ विभाग । २० सांगत्य । २१ संपूर्णत्व । २२ सोमत्व । २३ सकलत्व । २४ सल-
 ज्जत्व । २५ प्रसन्नत्व । २६ प्रभुत्व । २७ प्राञ्जल्यत्व । २८ पालकत्व । २९ पाण्डित्य ।
 ३० प्रणयित्व । ३१ प्रमाण । ३२ शरण । ३३ प्रमोद । ३४ प्रसाद । ३५ प्रताप ।
 ३६ प्रारंभ । ३७ प्रभाव । ३८ परिछद् । ३९ संग्रह । ४० सदाग्रह । ४१ निग्रह ।
 ४२ विग्रह । ४३ अनुग्रह । ४४ तुष्टि । ४५ पुष्टि । ४६ प्रीति । ४७ प्राप्ति ।
 ४८ प्रशंसा । ४९ प्रतिष्ठा । ५० प्रतिज्ञा । ५१ स्वैर्य । ५२ धैर्य । ५३ शौर्य ।

५४ चातुर्य । ५५ गाम्भीर्य । ५६ बुद्धि । ५७ बल । ५८ अधीश्र । ५९ विरोध ।
 ६० विषय । ६१ विशेष । ६२ विनोद । ६३ वृद्धि । ६४ सिद्धि । ६५ कान्ति ।
 ६६ कीर्त्ति । ६७ विस्फूर्ति । ६८ व्युत्पत्ति । ६९ वात्सल्य । ७० महोत्सव । ७१ मन्त्र ।
 ७२ रसिकत्व । ७३ भावकत्व । ७४ गुह्यत्व । ७५ स्मृति । ७६ मुक्ति । ७७ युक्ति ।
 ७८ आसक्ति । ७९ अनुक्रम । ८० अनुराग । ८१ अभिमान । ८२ दान । ८३ कारु-
 ण्य । ८४ दर्शन । ८५ स्पर्शन । ८६ रसन । ८७ श्रवण । ८८ घ्राण । ८९ मर्यादा ।
 ९० मण्डन । ९१ उदात्त । ९२ उदय । ९३ उत्साह । ९४ उत्तमगुणाः ।

९) D १ वंश । २ विद्या । ३ विनय । ४ विजय । ५ विवेक । ६ विचार ।
 ७ सदाचार । ८ विस्तार । ९ सत्य । १० शौच । ११ सन्मान । १२ समाधान ।
 १३ संस्थान । १४ सौख्य । १५ सौजन्य । १६ सौभाग्य । १७ रूप । १८ स्वरूप ।
 १९ संयोग । २० वियोग । २१ सांगत्य । २२ संपूर्णत्व । २३ सोमत्व । २४ सक-
 लत्व । २५ प्रसन्नत्व । २६ प्रभुत्व । २७ प्राञ्जलत्व । २८ पालकत्व । २९ पाण्डित्य ।
 ३० प्रणयित्व । ३१ प्रसरण । ३२ प्रमोद । ३३ प्रताप । ३४ प्रारंभ । ३५ प्रभाव ।
 ३६ परिच्छेद । ३७ संग्रह । ३८ निग्रह । ३९ अनुग्रह । ४० सदाग्रह । ४१ निग्रह ।
 ४२ तुष्टि । ४३ पुष्टि । ४४ प्रीति । ४५ प्राप्ति । ४६ प्रशंसा । ४७ प्रतिष्ठा ।
 ४८ प्रतिष्ठा । ४९ स्वैर्य । ५० धैर्य । ५१ शौर्य । ५२ गाम्भीर्य । ५३ चातुर्य ।
 ५४ यशोवत । ५५ सदोदित । ५६ सर्वसह । ५७ धर्मचर । ५८ बुद्धि । ५९ बल ।
 ६० अप्यक्ष । ६१ निरोध । ६२ विनोद । ६३ वृद्धि । ६४ सिद्धि । ६५ कान्ति ।
 ६६ कीर्त्ति । ६७ विस्फूर्ति । ६८ व्युत्पत्ति । ६९ वात्सल्य । ७० माङ्गल्य । ७१ महो-
 त्सव । ७२ मन्त्र । ७३ रसिकत्व । ७४ भावकत्व । ७५ गुह्यत्व । ७६ स्मृति ।
 ७७ शक्ति । ७८ भक्ति । ७९ युक्ति । ८० अनुराग । ८१ अनुक्रम । ८२ अभिमान ।
 ८३ दान । ८४ कारुण्य । ८५ दाक्षिण्य । ८६ दर्शन । ८७ स्पर्शन । ८८ श्रवण ।
 ८९ रसन । ९० घ्राण । ९१ मर्यादा । ९२ मण्डन । ९३ उदय । ९४ उदारता ।
 ९५ उत्साह । ९६ उत्तमत्व । गुणाधेति ।

९) E १ वंश । २ विद्या । ३ विनय । ४ विजय । ५ विवेक । ६ विचार ।
 ७ विस्तार । ८ सदाचार । ९ सत्य । १० शौच । ११ सन्मान । १२ संस्थान ।
 १३ समाधान । १४ सौजन्य । १५ सौख्य । १६ सौभाग्य । १७ सावधान ।
 १८ रूप । १९ स्वरूप । २० संयोग । २१ सांगत्य । २२ विभाग । २३ संपूर्णत्व ।
 २४ स्वजनत्व । २५ प्रसन्नत्व । २६ प्रभुत्व । २७ प्राञ्जलत्व । २८ पालकत्व ।
 २९ पाण्डित्य । ३० प्रणयित्व । ३१ प्रमाणत्व । ३२ शरण । ३३ प्रमोद । ३४ प्रताप ।
 ३५ प्रारंभ । ३६ प्रभाव । ३७ परिच्छेद । ३८ संग्रह । ३९ निग्रह । ४० अनुग्रह ।
 ४१ विग्रह । ४२ आग्रह । ४३ पुष्टि । ४४ तुष्टि । ४५ प्रीति । ४६ प्राप्ति ।
 ४७ प्रशंसा । ४८ प्रतिष्ठा । ४९ स्वैर्य । ५० धैर्य । ५१ शौर्य । ५२ चातुर्य ।
 ५३ गाम्भीर्य । ५४ बुद्धि । ५५ बल । ५६ आक्षेप । ५७ निरोध । ५८ विषय ।
 ५९ विरोध । ६० विनोद । ६१ कृद्धि । ६२ वृद्धि । ६३ सिद्धि । ६४ कान्ति ।
 ६५ कीर्त्ति । ६६ विस्फूर्ति । ६७ वात्सल्य । ६८ माङ्गल्य । ६९ महोत्सव । ७० मन्त्र ।
 ७१ रसिकत्व । ७२ गुह्यत्व । ७३ भावुकत्व । ७४ स्मृति । ७५ शक्ति । ७६ मुक्ति ।
 ७७ युक्ति । ७८ मुक्ति । ७९ अनुराग । ८० अनुवास । ८१ उपकृति । ८२ अभिमान ।
 ८३ दान । ८४ करुणा । ८५ दाक्षिण्य । ८६ दर्शन । ८७ स्पर्शन । ८८ रसन ।
 ८९ श्रवण । ९० श्रावण । ९१ मर्यादा । ९२ मंडन । ९३ घ्राण । ९४ उदय ।
 ९५ ग्रहण । ९६ उदात्त । ९७ उत्साह । ९८ उत्तमत्व । गुणाधेति ।

१) F १ वंश । २ विद्या । ३ विजय । ४ विनय । ५ विवेक । ६ विचार । ७ विस्तार । ८ सदाचार । ९ सत्य । १० शौच । ११ सन्मान । १२ संस्थान । १३ समाधान । १४ सौख्य । १५ सौजन्य । १६ सौभाग्य । १७ रूप । १८ स्वरूप । १९ संयोग । २० विभाग । २१ संगति । २२ संपूर्ण । २३ सौम्य । २४ सलज्जत्व । २५ सकलत्व । २६ प्रसन्नत्व । २७ प्राञ्जलत्व । २८ प्रागल्भ्य । २९ पालकत्व । ३० पाण्डित्य । ३१ प्रणयत्व । ३२ प्रणाम । ३३ प्रसरण । ३४ प्रमोद । ३५ प्रताप । ३६ प्रारम्भ । ३७ प्रभाव । ३८ परिच्छेद । ३९ संग्रह । ४० सदाग्रह । ४१ आग्रह । ४२ निग्रह । ४३ विग्रह । ४४ तुष्टि । ४५ पुष्टि । ४६ प्रीति । ४७ प्राप्ति । ४८ प्रशंसा । ४९ प्रतिष्ठा । ५० प्रतिज्ञा । ५१ स्थैर्य । ५२ धैर्य । ५३ शौर्य । ५४ चानुर्य । ५५ गांभीर्य । ५६ वृद्धि । ५७ बल । ५८ अधिकांक्षा । ५९ निरोध । ६० वियोध । ६१ वेप । ६२ विगोप । ६३ विनोद । ६४ सिद्धि । ६५ कान्ति । ६६ कीर्त्ति । ६७ विस्फूर्ति । ६८ व्युत्पत्ति । ६९ वात्सल्य । ७० माङ्गल्य । ७१ मंहोत्सव । ७२ मन्त्र । ७३ रसिकत्व । ७४ पावकत्व । ७५ गुरुत्व । ७६ स्मृति । ७७ शक्ति । ७८ मुक्ति । ७९ युक्ति । ८० अशक्ति । ८१ अनुक्रम । ८२ अनुवश । ८३ अनुराग । ८४ अभिमान । ८५ वदान्य । ८६ कारुण्य । ८७ दाक्षिण्य । ८८ दर्शन । ८९ स्पर्शन । ९० रसन । ९१ ध्रुवण । ९२ ग्रहण । ९३ मर्यादा । ९४ मण्डन । ९५ उदय । ९६ उदात्त । ९७ उत्साह । ९८ उत्तमत्व । गुणाश्चेति ।

२) G १ विद्या । २ विनय । ३ विवेक । ४ विस्तार । ५ सदाचार । ६ सत्य । ७ शौच । ८ सन्मान । ९ संस्थान । १० समाधान । ११ सौख्य । १२ सौजन्य । १३ सौभाग्य । १४ रूपगुण । १५ स्वरूपगुण । १६ संयोग । १७ वियोग । १८ विभाग । १९ सांगत्य । २० संपूर्णत्व । २१ सोमत्व । २२ सकलत्व । २३ सलज्जत्व । २४ प्रसन्नत्व । २५ प्रभुत्व । २६ प्राञ्जलत्व । २७ पालकत्व । २८ पाण्डित्य । २९ प्रणयित्व । ३० प्रमाण । ३१ शरण । ३२ प्रमोद । ३३ प्रसाद । ३४ प्रताप । ३५ प्रारम्भ । ३६ प्रभाव । ३७ परिच्छन्द । ३८ संग्रह । ३९ सदाग्रह । ४० निग्रह । ४१ विग्रह । ४२ अनुग्रह । ४३ तुष्टि । ४४ पुष्टि । ४५ प्रीति । ४६ प्राप्ति । ४७ प्रशंसा । ४८ प्रतिष्ठा । ४९ प्रतिज्ञा । ५० स्थैर्य । ५१ धैर्य । ५२ शौर्य । ५३ चानुर्य । ५४ गांभीर्य । ५५ वृद्धि । ५६ बल । ५७ अभ्यक्ष । ५८ विरोध । ५९ विषय । ६० विशेष । ६१ विनोद । ६२ वृद्धि । ६३ सिद्धि । ६४ कान्ति । ६५ कीर्त्ति । ६६ विस्फूर्ति । ६७ व्युत्पत्ति । ६८ वात्सल्य । ६९ माङ्गल्य । ७० महोत्सव । ७१ मन्त्र । ७२ रसिकत्व । ७३ भावकत्व । ७४ गुरुत्व । ७५ स्मृति । ७६ शक्ति । ७७ मुक्ति । ७८ युक्ति । ७९ आसक्ति । ८० अनुक्रम । ८१ अभिमान । ८२ दान । ८३ कारुण्य । ८४ दर्शन । ८५ स्पर्शन । ८६ रसन । ८७ ध्रुवण । ८८ घ्राण । ८९ मर्यादा । ९० मण्डन । ९१ उदात्त । ९२ उदय । ९३ उत्साह । ९४ उत्तमगुणाः ।

१० षट्त्रिंशद् राजपात्राणि ।

१ धर्मपात्रं । २ अर्थपात्रं । ३ कामपात्रं । ४ विनोदपात्रं । ५ विद्यापात्रं । ६ विलासपात्रं । ७ विज्ञानपात्रं । ८ विचारपात्रं । ९ क्रीडापात्रं । १० हास्यपात्रं । ११ शृङ्गारपात्रं । १२ वीरपात्रं । १३ दर्शनपात्रं । १४ सत्पात्रं ।

१५ देवपात्रं । १६ राजपात्रं । १७ मानपात्रं । १८ मन्त्रिपात्रं । १९ संधि-
पात्रं । २० महत्तमपात्रं । २१ अमात्यपात्रं । २२ प्रधानपात्रं । २३ अध्यक्ष-
पात्रं । २४ सेनापात्रं । २५ नागरपात्रं । २६ पूज्यपात्रं । २७ मान्यपात्रं ।
२८ पदस्थपात्रं । २९ देशीपात्रं । ३० राज्ञीपात्रं । ३१ कुलपुत्रिकापात्रं ।
३२ पुनर्भूपात्रं । ३३ वेद्यापात्रं । ३४ प्रतिचारिकापात्रं । ३५ गुणपात्रं ।
३६ दासीपात्रं । इति ।

१०) A १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ विनोदपात्र । ४ कामपात्र । ५ विलासपात्र ।
६ विद्यापात्र । ७ विमानपात्र । ८ हास्यपात्र । ९ शृङ्गारपात्र । १० वीरपात्र ।
११ देवपात्र । १२ दानवपात्र । १३ कर्मपात्र । १४ मन्त्रिपात्र । १५ महत्तमपात्र ।
१६ अमात्यपात्र । १७ अध्यक्षपात्र । १८ सेनापालपात्र । १९ नागरपात्र । २० प्रधा-
नपूजापात्र । २१ मान्यपात्र । २२ राजमान्यपात्र । २३ पदस्थपात्र । २४ देवीपात्र ।
२५ राज्ञीपात्र । २६ कुलपुत्रिकापात्र । २७ पुनर्भूपात्र । २८ देशीपात्र । २९ प्रतिसार-
कपात्र । ३० दासीपात्र । ३१ देशपात्र । ३२ गुणपात्राणि ।

१०) II १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ विनोदपात्र । ४ कामपात्र । ५ विलासपात्र
६ विद्यापात्र । ७ विमानपात्र । ८ ज्ञानपात्र । ९ क्रीडापात्र । १० हास्यपात्र ।
११ वीरपात्र । १२ देवपात्र । १३ दानवपात्र । १४ कर्मपात्र । १५ मन्त्रिपात्र ।
१६ संधिपात्र । १७ महत्तमपात्र । १८ अमात्यपात्र । १९ अध्यक्षपात्र । २० सेना-
पात्र । २१ सेनापालपात्र । २२ प्रधानपूजापात्र । २३ मान्यपात्र । २४ राजमान्यपात्र ।
२५ पदस्थपात्र । २६ देवीपात्र । २७ राज्ञीपात्र । २८ कुलपुत्रिकापात्र । २९ पुनर्भू-
पात्र । ३० वेद्यापात्र । ३१ प्रतिसारकापात्र । ३२ दासीपात्र । ३३ देशपात्र ।
३४ गुणपात्राणि ।

१०) C १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ कामपात्र । ४ विनोदपात्र । ५ विद्यापात्र ।
६ विलासपात्र । ७ विमानपात्र । ८ ज्ञानपात्र । ९ क्रीडापात्र । १० हास्यपात्र ।
११ शृङ्गारपात्र । १२ वीरपात्र । १३ खेदपात्र । १४ राजमानपात्र । १५ मन्त्रिपात्र ।
१६ संधिपात्र । १७ महापात्र । १८ गंधपात्र । १९ अध्यक्षपात्र । २० सेनापात्र ।
२१ नागरपात्र । २२ पुण्यपात्र । २३ मान्यपात्र । २४ पदस्थपात्र । २५ कुतूहलपात्र ।
२६ स्तारिकापात्र । २७ सेवकपात्र । २८ धेष्टपात्र ।

१०) E १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ कामपात्र । ४ विनोदपात्र । ५ विलासपात्र ।
६ विद्यालपात्र । ७ विद्यापात्र । ८ विज्ञानपात्र । ९ क्रीडा । १० हास्य । ११ शृङ्गार ।
१२ वीर । १३ अभिनय । १४ देव । १५ दानव । १६ मानव । १७ ध्वज । १८ रथ ।
१९ कर्म । २० खेद । २१ मंत्री । २२ सिद्धिस्थान । २३ संधि । २४ महामात्य ।
२५ जमान्य । २६ प्रधान । २७ अध्यक्ष । २८ सेना । २९ नागर । ३० पूज्य ।
३१ जागरी । ३२ मान्य । ३३ द्वारपदस्थ । ३४ राज्यमान्य । ३५ देवी । ३६ राज्ञी ।
३७ कुलपुत्रिका । ३८ पुनर्भू । ३९ वेद्या । ४० अभिचारिका । ४१ दासी ।
४२ दास । ४३ परिचारिका । ४४ देश । ४५ गुणपात्राणि । इति ।

१०) F १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ कामपात्र । ४ विनोदपात्र । ५ विद्यापात्र । ६ विशालपात्र । ७ ज्ञानपात्र । ८ विद्वानपात्र । ९ क्रीडापात्र । १० हास्यपात्र । ११ शृङ्गारपात्र । १२ वीरपात्र । १३ खेहपात्र । १४ राजपात्र । १५ मान्यपात्र । १६ देवपात्र । १७ दानपात्र । १८ मानपात्र । १९ कर्मपात्र । २० मंत्रपात्र । २१ संधिपात्र । २२ अमात्यपात्र । २३ प्रधानपात्र । २४ अक्षरपात्र । २५ सेनापात्र । २६ नागरपात्र । २७ पुष्पपात्र । २८ पदच्छेदिपात्र । २९ राज्ञीपात्र । ३० पुनर्भूपात्र । ३१ वेश्यापात्र । ३२ दासीपात्र । ३३ पूज्यपात्र । ३४ अमिचारिकापात्राणीति ।

१०) G १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ विनोदपात्र । ४ कामपात्र । ५ विलासपात्र । ६ विज्ञानपात्र । ७ क्रीडापात्र । ८ हास्यपात्र । ९ शृङ्गारपात्र । १० वीरपात्र । ११ देवपात्र । १२ दानपात्र । १३ कर्मपात्र । १४ मंत्रिपात्र । १५ महत्तमपात्र । १६ अमात्यपात्र । १७ अध्यक्षपात्र । १८ सेनापालपात्र । १९ नागरपात्र । २० प्रधानपूजापात्र । २१ मान्यपात्र । २२ राजमान्य । २३ पदस्थपात्र । २४ वेशीपात्र । २५ राज्ञीपात्र । २६ कुलपुत्रिकापात्र । २७ पुनर्भूपात्र । २८ वेशपात्र । २९ प्रतिसारकापात्र । ३० दासीपात्र । ३१ देशपात्र । ३२ गुणपात्राणि ।

११. पदत्रिंशद् राजविनोदाः ।

१ दर्शनविनोदः । २ श्रवणविनोदः । ३ कृत्रिमविनोदः । ४ गीतविनोदः । ५ वाद्यविनोदः । ६ नृत्यविनोदः । ७ शुद्धलिखितविनोदः । ८ सख्यविनोदः । ९ वक्तृत्वविनोदः । १० कवित्वविनोदः । ११ शास्त्रविनोदः । १२ करविनोदः । १३ विबुध्यविनोदः । १४ अक्षरविनोदः । १५ गणितविनोदः । १६ शास्त्रविनोदः । १७ राजविनोदः । १८ तुरगविनोदः । १९ पक्षिविनोदः । २० आखेटकविनोदः । २१ जलविनोदः । २२ यंत्रविनोदः । २३ मंत्रविनोदः । २४ महोत्सवविनोदः । २५ फलविनोदः । २६ गणितविनोदः । २७ पठितविनोदः । २८ पत्रविनोदः । २९ पुष्पविनोदः । ३० कलाविनोदः । ३१ कथाविनोदः । ३२ केशविनोदः । ३३ प्रहेलिकाविनोदः । ३४ चित्रविनोदः । ३५ चलचित्रविनोदः । ३६ स्तवविनोदः । इति ।

११) A १ दर्शन । २ श्रवण । ३ गीत । ४ नृत्य । ५ वाद्य । ६ नृत्तपाठ । ७ लेख्य । ८ वक्तृत्व । ९ कवित्ववाद । १० शास्त्र । ११ युद्ध । १२ नियुद्ध । १३ गणित । १४ गज । १५ तुरग । १६ पक्षि । १७ आखेटक । १८ द्यूत । १९ जल । २० यंत्र । २१ मंत्र । २२ महोत्सव । २३ पत्र । २४ फल । २५ पुष्प । २६ कला । २७ कथा । २८ प्रहेलिका । २९ पदार्थकरण । ३० तत्त्व । ३१ घट । ३२ चित्र । ३३ स्तव ।

(११). B १ दर्शन । २ गीत । ३ नृत्य । ४ वृत्त । ५ पाठ । ६ लेख्य । ७ कवित्व । ८ शास्त्र । ९ युद्ध । १० विनोद । ११ नियुद्ध । १२ घाजिग्रविनोद । १३ गज । १४ तुरग । १५ पक्षि । १६ आखेटक । १७ घृत । १८ जल । १९ यंत्र । २० महोत्सव । २१ पत्र । २२ फल । २३ पुष्प । २४ कला । २५ कथा । २६ प्रहेलिका । २७ पदार्थकरण । २८ तत्त्व । २९ बल । ३० चित्र । ३१ सूत्रविनोद ।

(११) C १ गीत । २ वाद्य । ३ लिखित । ४ लेख्य । ५ वक्तव्य । ६ कवित्व । ७ शास्त्र । ८ युद्ध । ९ नियुद्ध । १० गज । ११ तुरग । १२ पक्षि । १३ आखेटक । १४ घृत । १५ जल । १६ यंत्र । १७ मंत्र । १८ महोत्सव । १९ फल । २० पुष्प । २१ चित्रगुण । २२ कथा । २३ प्रहेलिका । २४ सूत्रविनोदाश्चेति ।

(११) E १ दर्शनविनोद । २ ध्रुवण । ३ नृत्य । ४ गीत । ५ वाद्य । ६ नृत्य । ७ पाठ्य । ८ आख्यान । ९ वक्तव्य । १० लेख्य । ११ कवित्व । १२ वाद । १३ शास्त्र । १४ शास्त्रशास्त्र । १५ युद्धकार । १६ नियुद्धकार । १७ गणित । १८ गज । १९ तुरग । २० पक्षी । २१ आखेटक । २२ घृत । २३ जल । २४ यंत्र । २५ मंत्र । २६ महोत्सव । २७ पत्र । २८ पुष्प । २९ फल । ३० कला । ३१ कथा । ३२ प्रहेलिका । ३३ पदार्थ । ३४ तत्त्व । ३५ बल । ३६ चित्रसूत्र । इति विनोदाः ।

(११) F १ गीतविनोद । २ वाद्यविनोद । ३ दर्शनविनोद । ४ ध्रुवणविनोद । ५ नृत्यविनोद । ६ लिखित । ७ लेख्य । ८ वक्तृत्व । ९ कवित्व । १० वादिशास्त्र । ११ युद्ध । १२ नियुद्ध । १३ गणित । १४ गज । १५ तुरग । १६ पक्षि । १७ आखेटक । १८ घृत । १९ जलकीडा । २० यंत्र । २१ मंत्र । २२ महोत्सव । २३ पुष्प । २४ फल । २५ कला । २६ कथा । २७ प्रहेलिका । २८ पदार्थ । २९ तत्त्व । ३० बल । ३१ वित्त । ३२ सूत्र । ३३ खेलन । ३४ चित्रविनोदश्चेति ।

(११) G १ दर्शनविनोद । २ ध्रुवणविनोद । ३ गीतविनोद । ४ नृत्य । ५ वाद्य । ६ वृत्त । ७ पाठ । ८ लेख्य । ९ वक्तृत्व । १० कवित्व । ११ वादशास्त्र । १२ युद्धविनोद । १३ नियुद्ध । १४ गणित । १५ गज । १६ तुरग । १७ पक्षि । १८ आखेटक । १९ घृत । २० जल । २१ यंत्र । २२ मंत्र । २३ महोत्सव । २४ पत्र । २५ फल । २६ पुष्प । २७ कला । २८ कथा । २९ प्रहेलिका । ३० पदार्थकरण । ३१ तत्त्व । ३२ बल । ३३ चित्र । ३४ सूत्रविनोद ।

१२. अष्टादशविधेमास्थानम् ।

१ मल्ल । २ आत । ३ हित । ४ स्निग्ध । ५ मंत्रि । ६ महत्तम । ७ अमात्य । ८ बुद्धि । ९ सुख । १० उभयसुख । ११ आम्नायिक । १२ देशीपुरुष । १३ धर्मपुरुष । १४ धनपुरुष । १५ धान्यपुरुष । १६ काम्यपुरुष । १७ विज्ञानपुरुष । १८ राजपुरुष । इति ।

(११) AB १ मल्लस्थानं । २ आतस्थानं । ३ हितस्थानं । ४ स्निग्धस्थानं । ५ मंत्रि । ६ महत्तम । ७ अमात्य । ८ बुद्धि । ९ सुख । १० उभयसुख । ११ आरामिक । १२ संप्रामिक । १३ आम्नायिक । १४ देशीपुरुष । १५ धर्मपुरुष । १६ धनपुरुष । १७ कामपुरुष । १८ राजपुरुष । विज्ञानविनोदपात्राणि च ।

१२) C १ महत् । २ आत् । ३ हित । ४ क्षिग्ध । ५ महत्तम । ६ अमात्य । ७ प्रधान्य । ८ बुद्धिसुख । ९ विवाद । १० उभयसुख । ११ आम्नाइक । १२ संग्रामिक । १३ देशीय । १४ कामिक । १५ विज्ञान । १६ विचारिक । १७ संतोष । १८ प्रशंसा चेति ।

१२) E १ महत् । २ आत् । ३ हित । ४ क्षिग्ध । ५ मंत्रि । ६ अमात्य । ७ महत्तम । ८ बुद्धि । ९ सुख । १० उभयसुख । ११ आम्नायिक । १२ संग्रामिक । १३ देशीयपुरुष । १४ धर्मपुरुष । १५ धनपुरुष । १६ काम । १७ विज्ञान । १८ राज्य । १९ राजमान्य । २० विनोद । इति पात्र आस्थानम् ।

१२) F १ महत् । २ आत् । ३ हित । ४ क्षिग्ध । ५ मंत्रि । ६ महत्तम । ७ अमात्य । ८ प्रधान । ९ बुद्धिसुख । १० उदयसुख । ११ आम्नायिक । १२ संग्रामिक । १३ देशीयपुरुष । १४ धर्मपुरुष । १५ अर्थपुरुष । १६ कामपुरुष । १७ ज्ञानपुरुष । १८ विज्ञानपुरुष । १९ राजपुरुषश्चेति ।

१२) G १ महत्स्थानं । २ आत्स्थानं । ३ हितस्थानं । ४ क्षिग्धस्थानं । ५ मंत्रि । ६ महत्तम । ७ अमात्य । ८ बुद्धिसुख । ९ उभयसुख । १० आरामिक । ११ संग्रामिक । १२ आम्नायिक । १३ देशीयपुरुष । १४ धर्मपुरुष । १५ धनपुरुष । १६ कामपुरुष । १७ राजपुरुष । १८ विज्ञानविनोदपात्राणि च ।

*

१३. चतस्रो राजविद्याः ।

१ आन्वीक्षिकी । २ त्रयी । ३ वार्त्ता । ४ दण्डनीतिश्चेति विद्याः ।

1 G अथ चतस्रो राजविद्याम् ।

१३) ABD आन्वीक्षिकी । E अन्वेपिकी । F आन्वेपिकी ।

*

१४. चतस्रो राजनीतयः ।

१ साम । २ दान । ३ भेद । ४ दण्ड । इति ।

1 E चतस्र राजनीतयः ।

१४) C सामदानविधिमेदनिग्रहश्चेति ।

१४) D सामनीति उपप्रदाननीति भेदनीति दण्डनीति ।

१४) F साम दानं भेदः दण्डश्चेति ।

*

१५. पटत्रिंशद् आयुधानि ।

१ चक्र । २ धनुः । ३ वज्र । ४ खड्ग । ५ क्षुरिका । ६ तोमर । ७ कुन्त । ८ शूल । ९ त्रिशूल । १० शक्ति । ११ पाश । १२ अङ्कुश । १३ मुहर । १४ मक्षिका । १५ भल्ल । १६ भिडमाल । १७ मुसुंठि ।

1 A B E F G पटत्रिंशद् आयुधानि ।

१८ लुंठि । १९ गदा । २० शंख । २१ परशु । २२ पट्टिस । २३ रिष्टि ।
 २४ कणय । २५ संपन्न । २६ हल । २७ मुशल । २८ पुलिका ।
 २९ कर्त्तरि । ३० करपत्र । ३१ तरवारि । ३२ कोदाल । ३३ दुस्फोट ।
 ३४ गोफण । ३५ डाह । ३६ डवूस । इति ।

१५) AB १ चक्र । २ धनुष । ३ खड्ग । ४ तोमर । ५ कुंत । ६ त्रिशूल । ७ शक्ति ।
 ८ पाश । ९ अंकुश । १० मुद्गर । ११ मक्षिका । १२ भल्ल । १३ मिडिमाल ।
 १४ मुपंडि । १५ गदा । १६ शक्ति । १७ परशु । १८ पट्टिसु । १९ छट्टि ।
 २० करणक । २१ कंफन । २२ हल । २३ मुशल । २४ कुलिका । २५ करपत्र ।
 २६ कर्त्तरि । २७ फोपूल । २८ तरवारि । २९ दुस्फोट । ३० गोफणि । ३१ डाह ।
 ३२ डवूस । ३३ लुंठि । ३४ दंडशास्त्राणि ।

१५) C चक्र । २ पाश । ३ चाप । ४ घञ । ५ खड्ग । ६ छुरिका । ७ तोमर ।
 ८ कुंतल । ९ शूल । १० शक्ति । ११ अंकुश । १२ मुद्गर । १३ मिडिमाल ।
 १४ मुपंडी । १५ परिघ । १६ गदा । १७ परशु । १८ पट्टिश । १९ छट्टि । २० यष्टि ।
 २१ कणय । २२ कंकण । २३ हल । २४ मुशल । २५ करपत्र । २६ कर्त्तरि ।
 २७ कोदाल । २८ डवूस । २९ नाराच । ३० खेटक । ३१ कुठार । ३२ दंड ।
 ३३ पाश । ३४ चर्म । ३५ कुलिश । ३६ दुस्फोट । ३७ डाह ।

१५) E १ चक्र । २ धनुष । ३ घञ । ४ खड्ग । ५ छुरिका । ६ तोमर । ७ नाराच ।
 ८ कुंत । ९ शूल । १० शक्ति । ११ पाश । १२ मुडु । १३ भल्ल । १४ मक्षिका ।
 १५ मिडिमाल । १६ मुपंडी । १७ लुंठि । १८ दंड । १९ गदा । २० फांकु ।
 २१ परशु । २२ पट्टिश । २३ रिष्टि । २४ कणय । २५ कणय । २६ कंफन । २७ हल ।
 २८ मुशल । २९ भागलिका । ३० कर्त्तरि । ३१ करपत्र । ३२ तरवारि । ३३ कोदाल ।
 ३४ अंकुश । ३५ करवाल । ३६ दुस्फोट । ३७ गोफणि । ३८ दाहड । ३९ डमर ।
 इति ।

१५) F १ चक्र । २ धनुः । ३ घञ । ४ अंकुश । ५ खड्ग । ६ छुरिका । ७ तोमर ।
 ८ कुन्त । ९ शूल । १० त्रिशूल । ११ शक्ति । १२ पाश । १३ मुद्गर । १४ कुदाल ।
 १५ दुस्फोट । १६ गोफण । १७ यन्त्रगोलिका । १८ मसंडि । १९ लुण्ठि ।
 २० गदा । २१ दाङ्गु । २२ परशु । २३ पट्टिश । २४ रिष्टि । २५ कणाय । २६ कंफन ।
 २७ कर्त्तरि । २८ हल । २९ मुशल । ३० गुहिलका । ३१ करपत्र । ३२ तरवारि ।
 ३३ डाय । ३४ ढाल । ३५ डस्पूर । ३६ कुठार । ३७ दण्डध्येति ।

१५) G १ चक्र । २ धनुष । ३ खड्ग । ४ तोमर । ५ कुन्त । ६ त्रिशूल ।
 ७ शक्ति । ८ पाश । ९ अंकुश । १० मुद्गर । ११ मक्षिका । १२ भल्ल । १३ मिण्डि-
 माला । १४ मुपण्डि । १५ गदा । १६ शक्ति । १७ परशु । १८ पट्टिसु । १९ छट्टि ।
 २० करणक । २१ कंफन । २२ हल । २३ मुशल । २४ कुलिका । २५ परपत्र ।
 २६ कर्त्तरि । २७ फोपूल । २८ तरवारि । २९ दुस्फोट । ३० गोफणि । ३१ खोट ।
 ३२ डवूस । ३३ लुण्ठि । ३४ दण्डशास्त्राणि ।

१६. सैसविंशतिः शास्त्राणि ।

१ शब्दशास्त्र । २ छंदःशास्त्र । ३ अलंकारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र ।
५ कथाशास्त्र । ६ नाटकशास्त्र । ७ वाद्यशास्त्र । ८ निर्घट । ९ धर्मशास्त्र ।
१० अर्थ । ११ काम । १२ मोक्षशास्त्र । १३ वाद । १४ विद्या ।
१५ वास्तुशास्त्र । १६ विज्ञान । १७ कलाशास्त्र । १८ कृत्यशास्त्र ।
१९ कल्पशास्त्र । २० शिक्षा । २१ लक्षणशास्त्र । २२ पुराण ।
२३ मंत्रशास्त्र । २४ तर्कशास्त्र । २५ गणित । २६ गान्धर्व । २७ सिद्धान्त-
शास्त्र । इति ।

१६) AB १ शब्दशास्त्र । २ छंदःशास्त्र । ३ अलंकारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र ।
५ कथाशास्त्र । ६ नाट्यशास्त्र । ७ नाटकशास्त्र । ८ निर्घट । ९ धर्म । १० अर्थ ।
११ काम । १२ मोक्ष । १३ तर्क । १४ गणित । १५ गान्धर्व । १६ मंत्र । १७ वैद्यक ।
१८ वास्तु । १९ विज्ञान । २० विनोद । २१ कृत्य । २२ कला । २३ कल्प ।
२४ शिक्षा । २५ लक्षण । २६ पुराण । २७ सिद्धान्तशास्त्राणि ।

१६) E १ शब्द । २ छंद । ३ अलंकार । ४ काव्य । ५ कथा । ६ नाट्य ।
७ नाटक । ८ निर्घट । ९ निर्णय । १० धर्म । ११ अर्थ । १२ काम । १३ मोक्ष ।
१४ तर्क । १५ गणित । १६ गान्धर्व । १७ मंत्र । १८ विद्या । १९ वास्तु ।
२० विज्ञान । २१ विनोद । २२ नृत्य ।

१६) F १ शब्दशास्त्र । २ छंदःशास्त्र । ३ अलंकारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र । ५ कथा ।
६ नाटकशास्त्र । ७ निर्घण्टु । ८ धर्मशास्त्र । ९ अर्थशास्त्र । १० कामशास्त्र ।
११ मोक्षशास्त्र । १२ तर्कशास्त्र । १३ वाद । १४ वैद्यक । १५ वास्तु । १६ व्याख्यान ।
१७ गणित । १८ गान्धर्व । १९ मंत्र । २० विनोद । २१ कला । २२ कल्प ।
२३ शिक्षा । २४ पुराण । २५ सिद्धान्त । २६ नीतिशास्त्र । २७ वेद । इति शास्त्राणि ।

१६) G १ शब्दशास्त्र । २ छन्दशास्त्र । ३ अलङ्कारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र ।
५ कथाशास्त्र । ६ नाट्यशास्त्र । ७ नाटकशास्त्र । ८ निर्घण्ट । ९ धर्म । १० अर्थ ।
११ काम । १२ मोक्ष । १३ तर्क । १४ गणित । १५ गान्धर्व । १६ मंत्र ।
१७ वैद्यक । १८ वास्तु । १९ विज्ञान । २० विनोद । २१ कृत्य । २२ कला ।
२३ कल्प । २४ शिक्षा । २५ लक्षण । २६ पुराण । २७ सिद्धान्तशास्त्राणि ।

१७. 'द्विपञ्चाशत् तत्त्वानि ।

१ पृथ्वी । २ अप । ३ तेज । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द ।
७ रूप । ८ रस । ९ गंध । १० स्पर्श । ११ रसन । १२ स्पर्शन ।
१३ प्राण । १४ चक्षुः । १५ श्रोत्र । १६ वाक् । १७ पाणि । १८ पाद ।
१९ गुद । २० उपस्थ । २१ मन । २२ बुद्धि । २३ अहंकार । २४ प्रकृति ।
२५ पुरुष । २६ रक्त । २७ मांस । २८ मेद । २९ मज्जा ।
३० अस्थि । ३१ शुक्र । ३२ वात । ३३ पित्त । ३४ कफ । ३५ मल ।
३६ काम । ३७ क्रोध । ३८ लोह । ३९ मात्सर्य । ४० राग । ४१ नियति ।
४२ कालविद्या । ४३ शुद्धविद्या । ४४ माया । ४५ शक्ति । ४६ नाद ।
४७ बिंदु । ४८ कला । ४९ ज्योतिः । ५० ईश्वर । ५१ श्लेष्म ।
५२ सदाशिव । इति ।

१७) AB १ पृथ्वीतत्त्व । २ अपतत्त्व । ३ तेजस्तत्त्व । ४ वायुतत्त्व । ५ आकाशतत्त्व ।
६ शब्द । ७ स्पर्श । ८ रस । ९ रूप । १० गंध । ११ रसन । १२ स्पर्शन ।
१३ घ्राण । १४ चक्षुः । १५ श्रोत्र । १६ त्वक् । १७ पाणि । १८ पाद । १९ गुद ।
२० उपस्थ । २१ मन । २२ बुद्धि । २३ अहंकार । २४ प्रकृति । २५ पुरुष ।
२६ बिंदु । २७ रक्त । २८ मांस । २९ मेद । ३० अस्थि । ३१ मज्जा । ३२ शुक्र ।
३३ वात । ३४ पित्त । ३५ कफ । ३६ मल । ३७ काम । ३८ क्रोध । ३९ लोभ ।
४० मोह । ४१ भय । ४२ मात्सर्य । ४३ राग । ४४ नियति । ४५ कला । ४६ काल-
विद्या । ४७ शुद्धविद्या । ४८ माया । ४९ ज्योतिः । ५० नाद । ५१ शक्ति ।
५२ ईश्वर ।

१७) C १ पृथिवी । २ अप । ३ तेज । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द । ७ स्पर्श ।
८ रूप । ९ रस । १० गंध । ११ श्रोत्र । १२ त्वक् । १३ चक्षुः । १४ जिह्वा ।
१५ घ्राण । १६ वाक् । १७ हस्त । १८ उपस्थ । १९ वायु । २० पाद । २१ मनांसि ।
२२ बुद्धि । २३ अहंकार । २४ प्रकृति । २५ पुरुष । २६ रक्त । २७ मांस ।
२८ मेद । २९ मज्जा । ३० शुक्र । ३१ अस्थि । ३२ वात । ३३ पित्त । ३४ कफ ।
३५ मल । ३६ काम । ३७ क्रोध । ३८ लोभ । ३९ मोह । ४० मान । ४१ भय ।
४२ आश्चर्य । ४३ राग । ४४ नियति । ४५ कालविद्या । ४६ माया । ४७ शक्ति ।
४८ नाद । ४९ बिंदु । ५० कला । ५१ ज्योतिरिति ।

१७) E १ पृथिवी । २ अप । ३ तेज । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द । ७ स्पर्श ।
८ रस । ९ रूप । १० गंध । ११ रसन । १२ स्पर्शन । १३ घ्राण । १४ चक्षुः ।
१५ श्रोत्र । १६ त्वक् । १७ बुद्धि । १८ अहंकार । १९ पाणि । २० गुद । २१ पाद ।

२२ प्रकृति । २३ पुरुष । २४ विदुः । २५ रक्त । २६ मांस । २७ मेदः । २८ अस्थि ।
२९ मज्जा । ३० शुक्र । ३१ वात । ३२ पित्त । ३३ कफ । ३४ मल । ३५ काम ।
३६ क्रोध । ३७ लोभ । ३८ मोह । ३९ भय । ४० मात्सर्य । ४१ राग । ४२ कला ।
४३ कालविद्या । ४४ बुद्धि । ४५ शक्ति । ४६ ऐश्वर्य । ४७ माया । ४८ ज्योतिः ।
४९ नाद । ५० शक्ति । ५१ नियति ।

७१) F १ पृथ्वी । २ अप् । ३ तेजस् । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द ।
७ रूप । ८ रस । ९ स्पर्श । १० गन्ध । ११ दर्शन । १२ श्रोत्र । १३ वाक् ।
१४ पाणि । १५ पाद् । १६ गुद । १७ उपस्थ । १८ मनस् । १९ बुद्धि । २० अहं-
कार । २१ प्रकृति । २२ पुरुष । २३ रक्त । २४ मांस । २५ मेदः । २६ मज्जा ।
२७ शुक्र । २८ अस्थि । २९ वात । ३० पित्त । ३१ कफ । ३२ मल । ३३ काम ।
३४ क्रोध । ३५ लोभ । ३६ मोह । ३७ भय । ३८ मात्सर्य । ३९ राग । ४० नियति ।
४१ कालविद्या । ४२ युद्ध । ४३ माया । ४४ शक्ति । ४५ नाद । ४६ विन्दु ।
४७ ईश्वर । ४८ शिव । ४९ सदाशिवश्चेति ।

१७) G १ पृथ्वीतत्त्व । २ अप्तत्त्व । ३ तेजस्तत्त्व । ४ वायुतत्त्व । ५ आकाशतत्त्व ।
६ शब्द । ७ स्पर्श । ८ रस । ९ रूप । १० गंध । ११ रसन । १२ स्पर्शन ।
१३ घ्राण । १४ चक्षुः । १५ श्रोत्र । १६ त्वक् । १७ पाणि । १८ पाद् । १९ गुद ।
२० उपस्थ । २१ मन । २२ बुद्धि । २३ अहङ्कार । २४ प्रकृति । २५ पुरुष ।
२६ विन्दु । २७ रक्त । २८ मांस । २९ मेदः । ३० अस्थि । ३१ मज्जा । ३२ शुक्र ।
३३ वात । ३४ पित्त । ३५ कफ । ३६ मल । ३७ काम । ३८ क्रोध । ३९ लोभ ।
४० मोह । ४१ भय । ४२ मात्सर्य । ४३ राग । ४४ नय । ४५ कला । ४६ काल-
विद्या । ४७ शुद्धविद्या । ४८ माया । ४९ ज्योतिः । ५० नाद । ५१ शक्ति ।
५२ ईश्वर ।

#

१८. 'द्विसप्ततिः कलाः ।

१ गीतकला । २ वाद्यकला । ३ नृत्यकला । ४ गणितकला ।
५ पठितकला । ६ लिखितकला । ७ वक्तृत्वकला । ८ कवित्वकला ।
९ कथाकला । १० वचनकला । ११ नाटककला । १२ व्याकरणकला ।
१३ छंदःकला । १४ अलंकारकला । १५ दर्शनकला । १६ अभिधान-
कला । १७ धातुवादकला । १८ धर्मकला । १९ अर्थकला । २० काम-
कला । २१ वादकला । २२ बुद्धिकला । २३ शौचकला ।
२४ विचारकला । २५ नेपथ्यकला । २६ विलासकला । २७ नीति-
कला । २८ शकुनकला । २९ क्रीतकला । ३० वित्तकला ।
३१ संयोगकला । ३२ हस्तलाघवकला । ३३ सूत्रकला । ३४ कुसुम-

कला । ३५ इंद्रजालकला । ३६ सूचीकर्मकला । ३७ स्नेहकला ।
 ३८ पानककला । ३९ आहारककला । ४० सौभाग्यकला । ४१ प्रयोग-
 कला । ४२ मंत्रकला । ४३ वास्तुकला । ४४ वाणिज्यकला ।
 ४५ रत्नकला । ४६ पात्रकला । ४७ वैद्यकला । ४८ देशकला ।
 ४९ देशभाषितकला । ५० विजयकला । ५१ आयुधकला । ५२ युद्ध-
 कला । ५३ समयकला । ५४ वर्त्तनकला । ५५ हस्तिकला । ५६ तुरग-
 कला । ५७ नारीकला । ५८ पक्षिकला । ५९ भूमिकला । ६० लेप-
 कला । ६१ काष्ठकला । ६२ पुरुषकला । ६३ सैन्यकला । ६४ वृक्ष-
 कला । ६५ छद्मकला । ६६ हस्तकला । ६७ उत्तरकला । ६८ प्रत्युत्तर-
 कला । ६९ शरीरकला । ७० सत्त्वकला । ७१ शास्त्रकला । ७२ लक्षण-
 कला । इति ।

१८) A B १ गीतकला । २ नृत्यकला । ३ वाद्यकला । ४ बुद्धिकला । ५ शौच ।
 ६ मंत्रकला । ७ विचार । ८ वाद । ९ वास्तु । १० नेपथ्य । ११ विनोद । १२ वि-
 लास । १३ नीति । १४ शकुन । १५ चित्र । १६ संयोग । १७ हस्तलाघव ।
 १८ कुसुम । १९ इंद्रजाल । २० सूचीकर्म । २१ स्नेहपात्र । २२ आहार । २३ सौभाग्य ।
 २४ प्रयोग । २५ गंध । २६ वस्तु । २७ पात्र । २८ रत्न । २९ वैद्य । ३० देश-
 भाषित । ३१ विजय । ३२ वाणिज्य । ३३ आयुध । ३४ युद्ध । ३५ नियुद्ध ।
 ३६ समय । ३७ वर्त्तन । ३८ हस्ति । ३९ तुरग । ४० पक्षि । ४१ पुरुष । ४२ नारी ।
 ४३ भूमिलेप । ४४ काष्ठ । ४५ सैन्य । ४६ वृक्ष । ४७ छद्म । ४८ प्रत्युत्तर । ४९ उत्तर ।
 ५० शास्त्र । ५१ शास्त्र । ५२ गणित । ५३ पठित । ५४ लिखित । ५५ वक्त्रत्व ।
 ५६ कथा । ५७ व्यवसाय । ५८ व्याकरण । ५९ नाटक । ६० छंद । ६१ अलंकार ।
 ६२ दर्शन । ६३ अभ्यास । ६४ धातु । ६५ धर्म । ६६ अर्थ । ६७ काम । ६८ धृत ।
 ६९ शरीरकलाश्चेति ।

१८) C १ वाद्यकला । २ नृत्यकला । ३ गणित । ४ पठित । ५ लिखित । ६ लेख्य ।
 ७ वक्त्रत्व । ८ वचन । ९ कथा । १० नाटक । ११ व्याकरण । १२ छंद ।
 १३ अलंकार । १४ दर्शन । १५ अभिधान । १६ धातुकर्म । १७ धर्म । १८ अर्थ ।
 १९ काम । २० वाद । २१ बुद्धि । २२ पात्रकला । २३ मंत्र । २४ विनोद । २५ विचार ।
 २६ नेपथ्य । २७ विलास । २८ नीति । २९ शकुन । ३० क्रीडन । ३१ तंत्र ।
 ३२ संयोग । ३३ हस्तलाघव । ३४ सूत्र । ३५ कुसुम । ३६ चंद्र । ३७ जीव ।
 ३८ स्नेह । ३९ पान । ४० आहार । ४१ विहार । ४२ सौभाग्य । ४३ प्रयोग ।
 ४४ गंध । ४५ वाद । ४६ वस्तु । ४७ रत्न । ४८ पात्र । ४९ विद्या । ५० व्यास-
 कला । ५१ दशा । ५२ विजय । ५३ वाणिज्य । ५४ आयुध । ५५ युद्ध । ५६ समय-
 नियुद्ध । ५७ वृत्तन । ५८ वर्त्तन । ५९ हस्ति । ६० तुरग । ६१ पक्षि । ६२ नारी ।

६३ भूमि । ६४ लेपन । ६५ दंत । ६६ काष्ठ । ६७ इष्टिका । ६८ पाषाण । ६९ उत्तर ।
७० प्रत्युत्तर । ७१ सूचीकर्म । ७२ शरीरशास्त्रकलाश्चेति ।

१८) E १ गीत । २ नृत्य । ३ वाद्य । ४ गणित । ५ पठित । ६ लिखित । ७ वक्तृत्व ।
८ कवित्व । ९ काव्य । १० वाचकत्व । ११ नाद । १२ व्याकरण । १३ छंद ।
१४ अलंकार । १५ दर्शन । १६ अभिधान । १७ धातुवाद । १८ बुद्धि । १९ शौच ।
२० विचार । २१ नेपथ्य । २२ विलास । २३ नीति । २४ शकुन । २५ क्रीतविक्रय ।
२६ संयोग । २७ हस्तलाघव । २८ सूत्र । २९ कुसुम । ३० इन्द्रजाल । ३१ सूचिकर्म ।
३२ स्नेहपान । ३३ आहार । ३४ सौभाग्य । ३५ प्रयोग । ३६ गंध । ३७ वस्तु ।
३८ रत्न । ३९ पात्र । ४० वैद्य । ४१ देशभाषित । ४२ देशविजय । ४३ वाणिज्य ।
४४ आयुध । ४५ युद्ध । ४६ समय । ४७ वर्चन । ४८ हस्ती । ४९ तुरग ।
५० पुरुष । ५१ नारी । ५२ पक्षी । ५३ भूमि । ५४ लेप । ५५ काष्ठ । ५६ सैन्य ।
५७ वृक्ष । ५८ छत्र । ५९ हस्त । ६० उत्तर । ६१ प्रत्युत्तर । ६२ शैल । ६३ शरीर ।
६४ शास्त्रकला चेति ।

१८) F १ लिखित । २ गणित । ३ गीत । ४ वाद्य । ५ नृत्य । ६ पठित । ७ वक्तृत्व ।
८ कवित्व । ९ कथा । १० विनोद । ११ वचन । १२ नाटक । १३ व्याकरण ।
१४ छन्दस् । १५ अलंकार । १६ दर्शन । १७ अभिधान । १८ धातुवाद । १९ धर्मवाद ।
२० अर्थवाद । २१ कामवाद । २२ बुद्धि । २३ शौच । २४ मन्त्र । २५ विचार ।
२६ नेपथ्य । २७ विलास । २८ स्वस्थकर्म । २९ नीति । ३० शकुन । ३१ क्रीडन ।
३२ चित्र । ३३ लोहकर्म । ३४ काष्ठकर्म । ३५ दन्तकर्म । ३६ चर्मकर्म । ३७ संयोग ।
३८ हस्तलाघव । ३९ कुसुम । ४० इन्द्रजाल । ४१ स्नेहपान । ४२ आहार ।
४३ विहार । ४४ सौभाग्य । ४५ प्रयोग । ४६ गंध । ४७ वाद्य । ४८ वास्तु ।
४९ रत्न । ५० पात्र । ५१ वैद्य । ५२ देशभाषा । ५३ विजय । ५४ वाणिज्य ।
५५ आयुध । ५६ युद्धसमय । ५७ हस्तिपरीक्षा । ५८ अश्वपरीक्षा । ५९ नरपरीक्षा ।
६० नारीपरीक्षा । ६१ रत्नपरीक्षा । ६२ पक्षिपरीक्षा । ६३ भूमिपरीक्षा । ६४ इष्टकर्म ।
६५ पाषाणकर्म । ६६ उत्तर । ६७ प्रत्युत्तर । ६८ वृक्ष । ६९ छत्र । ७० शास्त्र ।
७१ चौरग्रहण । ७२ कागडाजय ।

१८) G १ गीतकला । २ नृत्यकला । ३ वाद्यकला । ४ बुद्धिकला । ५ शौचकला ।
६ मंत्रकला । ७ विचारकला । ८ वाद्य । ९ वास्तु । १० नेपथ्य । ११ विनोद ।
१२ विलास । १३ नीति । १४ शकुन । १५ चित्र । १६ संयोग । १७ हस्त ।
१८ लाघव । १९ कुसुम । २० इन्द्रजाल । २१ सूचीकर्म । २२ स्नेह । २३ पान ।
२४ आहार । २५ सौभाग्य । २६ प्रयोग । २७ गंध । २८ वस्तु । २९ पात्र ।
३० रत्न । ३१ वैद्य । ३२ देश । ३३ विजय । ३४ वाणिज्य । ३५ आयुध । ३६ युद्ध ।
३७ नियुद्ध । ३८ समय । ३९ वर्चन । ४० हस्ति । ४१ तुरग । ४२ पक्षि ।
४३ पुरुष । ४४ नारी । ४५ भूमि । ४६ लेप । ४७ काष्ठ । ४८ सैन्य । ४९ वृक्ष ।
५० छत्र । ५१ प्रस्थ । ५२ उत्तर । ५३ शास्त्र । ५४ शास्त्र । ५५ गणित ।
५६ पठित । ५७ लिखित । ५८ वक्तृत्व । ५९ कथा । ६० व्ययन । ६१ व्याकरण ।
६२ नाटक । ६३ छन्द । ६४ अलंकार । ६५ दर्शन । ६६ अभ्यात्म । ६७ धातु ।
६८ धर्म । ६९ अर्थ । ७० काम । ७१ सूत । ७२ शरीरकलाश्चेति ।

१९. चतुरशीतिर्विज्ञानानि ।

१ हेतुविज्ञानं । २ तत्त्वविज्ञानं । ३ मोहविज्ञानं । ४ कर्मविज्ञानं ।
 ५ धर्मविज्ञानं । ६ लक्ष्मीविज्ञानं । ७ योगविज्ञानं । ८ देवविज्ञानं ।
 ९ शंखविज्ञानं । १० दंतविज्ञानं । ११ काचविज्ञानं । १२ गुटिका-
 विज्ञानं । १३ रसायनविज्ञानं । १४ वचनविज्ञानं । १५ कवित्व-
 विज्ञानं । १६ गुरुत्वविज्ञानं । १७ पारंपर्यविज्ञानं । १८ ज्योतिष्क-
 विज्ञानं । १९ वैद्यकविज्ञानं । २० मेघविज्ञान । २१ यंत्रविज्ञानं ।
 २२ मंत्रविज्ञानं । २३ मर्दनविज्ञानं । २४ नेपथ्यविज्ञानं । २५ मस्तक-
 विज्ञानं । २६ इष्टिविज्ञानं । २७ लेपविज्ञानं । २८ सूत्रविज्ञानं ।
 २९ चित्रकर्मविज्ञानं । ३० रंगविज्ञानं । ३१ शूचिकर्मविज्ञानं ।
 ३२ शकुनविज्ञानं । ३३ छद्मविज्ञानं । ३४ गंधयुक्तिविज्ञानं । ३५ आराम-
 विज्ञानं । ३६ शैलविज्ञानं । ३७ काव्यविज्ञानं । ३८ कांस्यविज्ञानं ।
 ३९ काष्ठविज्ञानं । ४० कुंभविज्ञानं । ४१ लोहविज्ञानं । ४२ पत्रविज्ञानं ।
 ४३ वंशविज्ञानं । ४४ नखविज्ञानं । ४५ तृणविज्ञानं । ४६ प्रासाद-
 विज्ञानं । ४७ धातुविज्ञानं । ४८ विभूषणविज्ञानं । ४९ स्वरोदय-
 विज्ञानं । ५० द्यूतविज्ञानं । ५१ अध्यात्मविज्ञानं । ५२ अग्निविज्ञानं ।
 ५३ विद्वेषणविज्ञानं । ५४ उच्चाटनविज्ञानं । ५५ स्तंभनविज्ञानं ।
 ५६ वशीकरणविज्ञानं । ५७ वस्तुविज्ञानं । ५८ स्वयंभूविज्ञानं । ५९ हस्ति-
 शिक्षाविज्ञानं । ६० अश्वविज्ञानं । ६१ पक्षिविज्ञानं । ६२ स्त्रीकाम-
 विज्ञानं । ६३ चक्रविज्ञानं । ६४ वस्त्राकारविज्ञानं । ६५ पशुपाल-
 विज्ञानं । ६६ कृपिविज्ञानं । ६७ वाणिज्यविज्ञानं । ६८ लक्षण-
 विज्ञानं । ६९ कालविज्ञानं । ७० शस्त्रबंधविज्ञानं । ७१ शुद्धकर-
 विज्ञानं । ७२ विशुद्धकरविज्ञानं । ७३ आखेटकविज्ञानं । ७४ कौतूहल-
 विज्ञानं । ७५ कोशविज्ञानं । ७६ पुष्पविज्ञानं । ७७ इंद्रजालविज्ञानं ।

७८ पानविधिविज्ञानं । ७९ अशनविधिविज्ञानं । ८० विनोदविज्ञानं ।
८१ सौभाग्य-विज्ञानं । ८२ शौचविज्ञानं । ८३ विनयविज्ञानं ।
८४ नीतिविज्ञानं* । इति ।

१९) A १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहजविज्ञान । ४ कर्मविज्ञान । ५ धर्मविज्ञान ।
६ मर्मविज्ञान । ७ शंखविज्ञान । ८ दंतविज्ञान । ९ काच । १० गुटिका । ११ योग ।
१२ रसायन । १३ घचन । १४ कवित्व । १५ नेपथ्य । १६ मंत्र । १७ तंत्र ।
१८ मर्दन । १९ पत्रक । २० वृष्टिक । २१ लेपकर्म । २२ सूत्र । २३ चित्र ।
२४ रंग । २५ सूचीकर्म । २६ शकुन । २७ छद्म । २८ निर्माल्य । २९ गंधयुक्ति ।
३० आसन । ३१ शील । ३२ काष्ठकर्म । ३३ कुंभ । ३४ लोह । ३५ यंत्र । ३६ वंश ।
३७ नख । ३८ तृण । ३९ प्रसाद । ४० धातु । ४१ विभूषण । ४२ स्वरोदय ।
४३ द्यूत । ४४ अध्यात्म । ४५ अग्नि । ४६ जल । ४७ विद्वेषण । ४८ उच्चाटन ।
४९ स्तंभन । ५० वशीकरण । ५१ हस्तिशिक्षा । ५२ अभ्य । ५३ पक्षि । ५४ स्त्रीकाम ।
५५ रत्न । ५६ वस्त्राकार । ५७ पाशुपाल्य । ५८ कृपि । ५९ वाणिज्य । ६० लक्षण ।
६१ काल । ६२ शास्त्र । ६३ शास्त्रबंध । ६४ आयुधकार । ६५ नियुद्धकार ।
६६ आरेखक । ६७ कुतूहल । ६८ कोश । ६९ पुष्प । ७० इंद्रजाल । ७१ पानविधि ।
७२ अशन । ७३ विनोद । ७४ सौजन्य । ७५ सौभाग्य । ७६ शौच । ७७ विनय ।
७८ नीति । ७९ आयु । ८० वाद । ८१ व्यापार । ८२ धारण । इति विज्ञानानि ।

१९) B १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहन । ४ कर्म । ५ धर्म । ६ मर्म ।
७ शंख । ८ दंत । ९ काच । १० गुटिका । ११ योग । १२ रसायन । १३ घचन ।
१४ कवित्व । १५ नेपथ्य । १६ मंत्र । १७ मर्दन । १८ पत्रक । १९ वृष्टिक ।
२० लेपकर्म । २१ सूत्र । २२ चित्र । २३ रंग । २४ सूचीकर्म । २५ शकुन ।
२६ छद्म । २७ निर्माल्य । २८ गंधयुक्ति । २९ आसन । ३० शील । ३१ काष्ठकर्म ।
३२ कुंभ । ३३ लोह । ३४ यंत्र । ३५ वंश । ३६ नख । ३७ तृण । ३८ प्रसाद ।
३९ धातु । ४० विभूषण । ४१ स्वरोदय । ४२ द्यूत । ४३ अध्यात्म । ४४ अग्नि ।
४५ जल । ४६ विद्वेषण । ४७ उच्चाटन । ४८ स्तंभन । ४९ वशीकरण । ५० हस्ति-
शिक्षा । ५१ अभ्य । ५२ पक्षि । ५३ स्त्रीकाम । ५४ रत्न । ५५ वस्त्राकार ।
५६ पाशुपाल्य । ५७ कृपि । ५८ वाणिज्य । ५९ लक्षण । ६० काल । ६१ शास्त्र ।
६२ शास्त्रबंध । ६३ आयुधकार । ६४ नियुद्धकार । ६५ आरेखक । ६६ कुतूहल ।
६७ कोश । ६८ पुष्प । ६९ इंद्रजाल । ७० पानविधि । ७१ अशन । ७२ विनोद ।
७३ सौजन्य । ७४ सौभाग्य । ७५ शौच । ७६ विनय । ७७ नीति । ७८ आयुर्वेद ।
७९ व्यापार । ८० धारण । इति विज्ञानानि ।

१९) C १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहविज्ञान । ४ कर्मविज्ञान । ५ शंखविज्ञान ।
६ काचविज्ञान । ७ गुटिकाविज्ञान । ८ योगविज्ञान । ९ रसायनविज्ञान । १० घचन-
विज्ञान । ११ कवित्वविज्ञान । १२ नेपथ्यविज्ञान । १३ मंत्रविज्ञान । १४ तंत्र ।
१५ मर्दन । १६ पत्रक । १७ वृष्टिक । १८ लेपन । १९ सूत्र । २० नाति । २१ सूचि ।

* after नीतिविज्ञानं we find आयुर्विज्ञानं । वादविज्ञानं । व्यापारविज्ञानं । and
धारणविज्ञानं चेति ।

२२ शकुन । २३ छद्म । २४ नैर्मल्य । २५ गंधयुक्ति । २६ आराम । २७ शील ।
 २८ काव्य । २९ कांस्य । ३० रौप्य । ३१ कांचन । ३२ काष्ठ । ३३ लोह । ३४ पत्र ।
 ३५ वंश । ३६ नख । ३७ दशन । ३८ तृण । ३९ प्रसाद । ४० धातु । ४१ भूषण ।
 ४२ स्वरोदय । ४३ द्यूत । ४४ अध्यात्म । ४५ अग्नि । ४६ जल । ४७ विद्वेषण ।
 ४८ उच्चाटन । ४९ स्तंभन । ५० मोहन । ५१ वशीकरण । ५२ संदीपन । ५३ स्वयंभू ।
 ५४ हस्तिशिक्षा । ५५ अभ्यशिक्षा । ५६ पक्षि । ५७ स्त्रीकाम । ५८ चरित्र । ५९ वज्र-
 कर । ६० पशुपालन । ६१ कृषि । ६२ वाणिज्य । ६३ लक्षण । ६४ काल ।
 ६५ पान । ६६ शस्त्रबंध । ६७ नियुक्तकरण । ६८ आखेटक । ६९ कुतूहल ।
 ७० कोश । ७१ पुष्प । ७२ इंद्रजाल । ७३ विनोद । ७४ सोभाग्य । ७५ वस्त्र ।
 ७६ शौच । ७७ आयुरिति ।

(१९) E १ हेतुविज्ञानं । २ तत्त्व । ३ मोहन । ४ धर्मविज्ञानं । ५ कर्मविज्ञानं ।
 ६ मर्म । ७ लक्ष्मी । ८ संयोग । ९ शंख । १० दंत । ११ काक । १२ गुटिका । १३ योग ।
 १४ रसायन । १५ वचन । १६ कवित्व । १७ यंत्र । १८ मंत्र । १९ मर्दन ।
 २० तंत्र । २१ नैपथ्य । २२ खचित । २३ इष्टिका । २४ लेख्य । २५ सूत्र ।
 २६ चित्रकर्म । २७ शकुन । २८ रंगकर्म । २९ सूचीकर्म । ३० छद्म । ३१ कर्मकार ।
 ३२ नैर्मल्य । ३३ गंधयुक्ति । ३४ आराम । ३५ शील । ३६ कांस्य । ३७ काष्ठ ।
 ३८ कुंभ । ३९ लोहपात्र । ४० विश । ४१ नख । ४२ दशन । ४३ तृण । ४४ वशी-
 करण । ४५ भूतर्पणं । ४६ वस्तु । ४७ स्वयंभू । ४८ हस्ति । ४९ शिक्षा ।
 ५० पक्षी । ५१ हस्तीकाम । ५२ अभ्यशिक्षा । ५३ रत्न । ५४ वस्त्रकार । ५५ चक्र ।
 ५६ वज्राकार । ५७ पशुपाल । ५८ कृषि । ५९ वाणिज्य । ६० लक्षण । ६१ काल ।
 ६२ पानविधि । ६३ अशनविधि । ६४ प्रसाद । ६५ धातु । ६६ विभूषण ।
 ६७ स्वरोदय । ६८ द्यूत । ६९ अध्यात्म । ७० अग्निविशेषणं । ७१ उच्चाटनं ।
 ७२ स्तंभनं । ७३ मोहनं । ७४ वंश । ७५ वंध । ७६ नियुक्तकार । ७७ आखेट ।
 ७८ काकु । ७९ कुतूहल । ८० कोश । ८१ पुष्प । ८२ इंद्रजाल । ८३ विनोद ।
 ८४ सौभाग्य । ८५ प्रयोग । ८६ शौच । ८७ ज्ञाननय । ८८ प्रीति । ८९ आयुः ।
 ९० याद । ९१ व्यापार । ९२ धारणं । ९३ आयुर्वेदाश्चेति ।

(१९) F १ हेतुविज्ञान । २ धर्मविज्ञान । ३ धर्मविज्ञान । ४ कर्मविज्ञान । ५ लक्ष्मीयोग ।
 ६ शकुनकर्म । ७ दन्तकर्म । ८ काष्ठकर्म । ९ गुटिका । १० रसायन । ११ वचन ।
 १२ कवित्व । १३ यंत्र । १४ मंत्र । १५ तंत्र । १६ मर्दन । १७ नैपथ्य । १८ सूतिका ।
 १९ इष्ट । २० लेख्य । २१ सूत्र । २२ चित्रकर्म । २३ रंगकर्म । २४ सूचीकर्म ।
 २५ शकुनि । २६ छद्मकर । २७ कर्मकर । २८ नैर्मल्य । २९ गंधयुक्ति । ३० आराम ।
 ३१ शील । ३२ काव्य । ३३ कांस्य । ३४ काष्ठ । ३५ कुंभकर्म । ३६ लोहकर्म ।
 ३७ उपदंश । ३८ पत्र । ३९ वंश । ४० नख । ४१ दशन । ४२ तृण । ४३ प्रसाद ।
 ४४ धातु । ४५ विभूषण । ४६ स्वरोदय । ४७ द्यूत । ४८ अध्यात्म । ४९ अस्थिस्तम्भ ।
 ५० जलस्तम्भ । ५१ विद्वेषण । ५२ उच्चाटन । ५३ स्तम्भन । ५४ मोहन । ५५ वशीकरण ।
 ५६ वस्तु । ५७ गजशिक्षा । ५८ अभ्यशिक्षा । ५९ पक्षिशिक्षा । ६० रत्नकर्म ।
 ६१ वस्त्रकर्म । ६२ वज्रकर्म । ६३ पशुपाल्य । ६४ कृषि । ६५ वाणिज्य । ६६ लक्षण ।
 ६७ कला । ६८ पानविधि । ६९ अशनविधि । ७० अस्त्रबंध । ७१ नियुक्तकरण ।
 ७२ आखेटक । ७३ कुतूहल । ७४ पुष्प । ७५ इंद्रजाल । ७६ विनोद । ७७ सौभाग्य-

कारण । ७८ प्रयोग । ७९ शौच । ८० ज्ञान । ८१ विनय । ८२ नीति । ८३ आयु । ८४ प्रीति । ८५ व्यापार । ८६ धारणविज्ञान ।

१९) G १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहन । ४ कर्म । ५ धर्म । ६ मर्म । ७ शङ्ख । ८ दंत । ९ काच । १० गुटिका । ११ योग । १२ रसायन । १३ वचन । १४ कवित्व । १५ नेपथ्य । १६ मंत्र । १७ तंत्र । १८ मर्दन । १९ पत्रक । २० वृष्टिक । २१ लेपकर्म । २२ सूत्र । २३ चित्र । २४ रङ्ग । २५ सूचीकर्म । २६ शकुन । २७ छद्म । २८ नैर्मल्य । २९ गंध । ३० युक्ति । ३१ आसन । ३२ शील । ३३ काष्ठ-कर्म । ३४ कुंभ । ३५ लोह । ३६ यंत्र । ३७ वंश । ३८ नख । ३९ तुण । ४० प्रसाद । ४१ धातु । ४२ विभूषण । ४३ स्वरोद्य । ४४ द्यूत । ४५ अध्यात्म । ४६ अग्नि । ४७ जल । ४८ विद्वेषण । ४९ उच्चाटन । ५० वशीकरण । ५१ हस्तिशिक्षा । ५२ मध्व । ५३ पक्षि । ५४ स्त्री । ५५ काम । ५६ रक्त । ५७ ध्वजकार । ५८ पाशु-पाल्य । ५९ कृषि । ६० वाणिज्य । ६१ लक्षण । ६२ काल । ६३ शास्त्र । ६४ शास्त्रबन्ध । ६५ आयुषकार । ६६ नियुद्धकार । ६७ आखेटक । ६८ कुतूहल । ६९ केश । ७० पुष्प । ७१ इन्द्रजाल । ७२ पानविधि । ७३ अशन । ७४ यिनोद । ७५ सौजन्य । ७६ सौभाग्य । ७७ शौच । ७८ विनय । ७९ नीति । ८० आयु । ८१ वाद । ८२ व्यापार । ८३ धारणा । इति विज्ञानानि ।

*

२०. चतुराशीतिर्देशाः ।

पूर्वदेशाः— १ अंजनदेशः । २ गौडदेशः । ३ कान्यकुब्जदेशः । ४ कर्लिंगदेशः । ५ अंगदेशः । ६ बंगदेशः । ७ कुरंगदेशः । ८ गोलादेशः । ९ राठ्यदेशः । १० वरेन्द्रदेशः । ११ यामुनदेशः । १२ गंगापारदेशः । १३ अंतर्वेदिदेशः । १४ मागधदेशः ।

मध्यदेशाः— १ कुरुदेशः । २ डाहलदेशः । ३ कामरूपदेशः । ४ कामाक्षदेशः । ५ उड्डूदेशः । ६ पुंड्रदेशः । ७ उडुसिदेशः । ८ अग्निमुखदेशः । ९ पंचालदेशः । १० सूरसेनदेशः । ११ जालंधरदेशः । १२ लोहितपाददेशः ।

पश्चिमस्थलदेशाः— १ कच्छदेशः । २ वालंभदेशः । ३ सौराष्ट्रदेशः । ४ कोंकणदेशः । ५ लाटदेशः । ६ मालवदेशः । ७ अवन्तीदेशः । ८ श्रीमालदेशः । ९ अर्बुददेशः । १० मेदपाटदेशः । ११ मरुदेशः । १२ कंबोजदेशः । १३ पारियात्रदेशः । १४ लोहपुरदेशः ।

१५ सेरटकदेशः । १६ तामलिसदेशः । १७ किरातदेशः ।
१८ सौवीरदेशः । १९ वोक्काणदेशः ।

उत्तरापथदेशाः— १ गूर्जरदेशः । २ सिंधुदेशः । ३ केकाणदेशः ।
४ नेपालदेशः । ५ टाकदेशः । ६ तुरुष्कदेशः । ७ तार्ङ्गिकारदेशः ।
८ चर्वरदेशः । ९ कीरदेशः । १० खसदेशः । ११ काश्मीरदेशः ।
१२ हिमालयदेशः । १३ श्रीराष्ट्रदेशः । १४ वज्रलदेशः ।

दक्षिणापथदेशाः— १ सिंहलदेशः । २ चउडदेशः । ३ कोरलदेशः ।
४ पांडुदेशः । ५ आन्ध्रदेशः । ६ विन्ध्यदेशः । ७ कर्णाटदेशः ।
८ द्रविडदेशः । ९ श्रीपर्वतदेशः । १० विदर्भदेशः । ११ धाराधरदेशः ।
१२ कांजीदेशः । १३ तापीतटदेशः । १४ महाराष्ट्रदेशः ।
१५ आभीरदेशः । १६ नर्मदातटदेशः । १७ मलयदेशः ।
१८ वराटदेशः । १९ उरलदेशः ।

२०) A पूर्वदेशाः— १ अंगदेशः । २ वंगदेशः । ३ गौडदेशः । ४ कन्यकुब्ज । ५ कलिङ्ग ।
६ गोष्ठ । ७ अंग । ८ वंगाल । ९ कुरंग । १० राठ । ११ चारंगी । १२ यामुन ।
१३ सरयूपार । १४ अंतर्वेद । १५ मगध । मध्यदेशाः— १ कुच । २ डाहल । ३ कामरु ।
४ उड । ५ पंचाल । ६ सीरसेन । ७ जालंधर । ८ लोहपाद । पश्चिमस्थल— १ पाल्लभ ।
२ सीराष्ट्र । ३ कुंकुण । ४ लाट । ५ धीमाल । ६ अरुंद । ७ मेदपाट । ८ कच्छ ।
९ मालय । १० अयंती । ११ पारियात्र । १२ कंयोज । १३ तामलित । १४ किरात ।
१५ सेरटक । १६ सौवीर । १७ मीष्काण । उत्तरापथ— १ गूर्जर । २ सिंधु ।
३ केकाण । ४ नेपाल । ५ तुरुष्क । ६ तार्ङ्गिक । ७ चर्वर । ८ खसकीर ।
९ काश्मीर । १० वज्रल । ११ हिमालय । १२ लोहपुर । १३ धीराष्ट्र ।
दक्षिणापथ— १ मलय । २ सीघल । ३ पांड । ४ कोरल । ५ अंध्र । ६ विन्ध्य ।
७ कर्णाट । ८ द्रविड । ९ धीपर्वत । १० वैदर्भ । ११ विराट । १२ उरल ।
१३ तार्पीतट । १४ महाराष्ट्र । १५ आभीर । १६ नर्मद । १७ कामाक्ष । १८ कंडु ।
१९ पापांतिका । २० चौड । २१ आराट्ट । २२ चर्वेद्र । २३ गंगापार । २४ सीतप ।
२५ कांती । २६ नागणिक । २७ द्वीपदेशाश्चेति ।

२०) B पूर्वदिशि देशाः— १ अंगदेशः । २ वंगदेशः । ३ गौडदेशः । ४ कन्यकुब्ज ।
५ कलिङ्ग । ६ गोष्ठ । ७ वङ्गाल । ८ कुरंग । ९ सरठ । १० चारंगी । ११ यामुन ।
१२ सरयूपार । १३ अंतर्वेद । १४ मगध । मध्यदेशाः— १ कुच । २ डाहल ।
३ कामरु । ४ उड । ५ पंचाल । ६ सीरसेन । ७ जालंधर । ८ लोहपाद ।
पश्चिमस्थल— १ पाल्लभ । २ सीराष्ट्र । ३ कुंकुण । ४ लाट । ५ धीमाल ।
६ अरुंद । ७ मेदपाट । ८ मरु । ९ कच्छ । १० मालय । ११ अयंती ।

१२ पारियात्र । १३ कंजोज । १४ तामलिष । १५ किरात । १६ सेरटक । १७ सौवीर ।
१८ वोकाण । उत्तरापथ— १ गुर्जर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल ।
५ तुरष्क । ६ ताजिक । ७ वय्यर । ८ खसकीर । ९ काश्मीर । १० वज्रल ।
११ हिमालय । १२ लोहपुर । १३ श्रीराक्ष । दक्षिणापथ— १ मलय । २ सीघल ।
३ पांड । ४ कोरल । ५ अंध्र । ६ विंध्य । ७ कर्णाट । ८ द्रविड । ९ धीपर्वत ।
१० वैदर्भ । ११ विराट । १२ उरल । १३ कांजी । १४ तापीतट । १५ महाराष्ट्र ।
१६ आभीर । १७ नर्मदा । १८ कामाक्ष । १९ कंडु । २० पापांतिका । २१ चौड ।
२२ आराध्य । २३ घरेन्द्र । २४ गंगापार । २५ सौसप । २६ कांती । २७ नागणिक ।
२८ द्वीपदेशाश्चेति ।

२०) O १ कुरुंग । २ वंगाल । ३ आराध्य । ४ घरेन्द्र । ५ यामन । ६ गंगापार ।
७ अंतर्वेध । ८ मागध । मध्य— १ कुरु । २ डाहल । ३ कामरू । ४ पुंद्रक ।
५ पंचाल । ६ अग्नि । ७ कास । ८ सूरसेन । ९ जालंधर । १० लोहितपाद ।
अथ पश्चिमायां दिशि— १ काच्छल । २ चालंभ । ३ सौराष्ट्र । ४ कुंकण । ५ लाड ।
६ धीमाल । ७ अर्बुद । ८ मेदपाट । ९ मारु । १० मावल । ११ अवंति ।
१२ नागणित । १३ किरात । १४ शकट । १५ सौवीर । १६ वोकाण । उत्तरपंथे—
१ गुर्जर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल । ५ तुरष्क । ६ तायक । ७ वय्यर ।
८ यजूर । ९ कीर । १० कश्मीर । ११ हिमालय । १२ लोहपुर । १३ श्रीराज्य ।
दक्षिणदिशि— १ पांडु । २ कोरल । ३ पाडल । ४ अद्र । ५ वंध्य । ६ कर्कट ।
७ द्राविड । ८ धीपर्वत । ९ तंद्रभद्र । १० धरानंग । ११ उरल । १२ जीमूत ।
१३ मुलतान । १४ तापीतट । १५ महातट । १६ महाराष्ट्र । १७ आभीर ।
१८ नर्मदातट । १९ कामाक्षा । २० हूनदेश । २१ कलिग । २२ मद्र । २३ सुमंत-
देश । २४ द्वीपश्चेति ।

२०) E पूर्वदिशि— १ गौड । २ कन्यकुब्ज । ३ कलिग । ४ गोल । ५ वंग ।
६ कुरुंग । ७ वंगाल । ८ आराट । ९ घरेन्द्र । १० यामन । ११ गंगापार ।
१२ अंतर्वेध । १३ मगध । मध्य देश— १ कुरुदेश । २ डाहल । ३ कामरूप ।
४ यंबु । ५ पुंड । ६ चौड । ७ मालय । ८ अग्नि । ९ पंचाल । १० सूरसेन ।
११ जालंधर । १२ लोहितपाद । पश्चिम— १ काच्छल । २ चालंभ । ३ सौराष्ट्र ।
४ कुंकण । ५ धीमाल । ६ अर्बुद । ७ मेदपाट । ८ मारु । ९ मच्छ । १० मालवु ।
११ पारियात्र । १२ कंजोज । १३ तामलिष । १४ अवंती । १५ नागणित । १६ किरात ।
१७ शकुंत । १८ सौवीर । १९ कुंकण । २० वोकाण । उत्तरि— १ गुजराति ।
२ सिंधु । ३ नेपाल । ४ गुर्जर । ५ भोट । ६ डाक । ७ तुरष्क । ८ तायक ।
९ वय्यर । १० वुसर । ११ काश्मीर । १२ वजूर । १३ हिमालय । १४ लोहपुर ।
१५ धीकाष्ठ । १६ खीराज्य । दक्षिण— १ मालय । २ शिघल । ३ कोरिल ।
४ पाडल । ५ अंध्र । ६ विंध्य । ७ कर्णाट । ८ द्राविड । ९ धीपर्वत ।
१० वैदर्भ । ११ वैराट । १२ घाउर । १३ लाज । १४ तापीतट । १५ महाराष्ट्र ।
१६ आभीरदेश । १७ नर्मदातट । १८ कामाक्षा । १९ कच । २० पापांतिक ।
२१ चौड । द्वीपांतर देश बहु लि ।

२०) F १ गौड । २ चौड । ३ कन्यकुब्ज । ४ अङ्ग । ५ यङ्ग । ६ कलिङ्ग ।
७ तिलङ्ग । ८ गोल । ९ बङ्गाल । १० आराध्य । ११ घरेन्द्र । १२ यामन । १३ गंगापार ।

१४ अंतर्वेद । १५ मगध । मध्य— १ कुरुक्षेत्र । १२ डाहल । ३ कामरूप ।
 ४ उन्द्र । ५ पोन्द्र । ६ पञ्चाल । ७ शौरसेन । ८ मगधमुख । ९ मालव ।
 १० जालन्धर । ११ लोहितपाद । पश्चिमायां दिशि— १ काठेल । २ वालंभ ।
 ३ सौराष्ट्र । ४ कुंकण । ५ लाटदेश । ६ स्थलदेश । ७ दमगात । ८ अर्बुद ।
 ९ मेदपाट । १० अवन्ती । ११ किरात । १२ शकट । १३ सौवीर । १४ कुंकुम ।
 उत्तरापथः— १ गूर्जर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल । ५ टाक । ६ तुरष्क ।
 ७ तायक । ८ वर्वर । ९ वज्रर । १० कीर । ११ कासीर । १२ हिमालय ।
 १३ लोहपुर । १४ धीकाष्ट । दक्षिणस्यां दिशि— १ मलय । २ सिंहल । ३ कौरल ।
 ४ पाडल । ५ अंध्र । ६ वंध्य । ७ कर्कट । ८ द्रविड । ९ श्रीपथ । १० वैदर्भ ।
 ११ घारडर । १२ लाजी । १३ तापीतट । १४ तोमल । १५ पण्ड । १६ स्त्रीराज्य ।
 दक्षिणपथ— १ कर्णाट । २ महाराष्ट्र । ३ आभीर । ४ नर्मदातट । ५ कामाक्षा ।
 ६ कंचण । ७ कुंतल । ८ पापीतिक । ९ चौदही । एते देशा द्वात्रिंशत्सहस्राः ।

२०) G पूर्वदेशः— १ अंगदेशः । २ वंगदेश । ३ गौडदेश । ४ कन्यकुब्ज ।
 ५ कलिंग । ६ गोष्ट । ७ अंग । ८ वंगाल । ९ कुरंग । १० सरठ । ११ बार्ध्री ।
 १२ यामुन । १३ सत्यूपार । १४ अंतर्वेद । १५ मगध । मध्य— १ कुरु । २ डाहल ।
 ३ कामरूप । ४ ओड । ५ पंचाल । ६ सौरसेन । ७ जालंधर । ८ लोहपाद ।
 पश्चिमस्थल— १ वालंभ । २ सौराष्ट्र । ३ कुंकुण । ४ लाट । ५ धीमाल । ६ अर्बुद ।
 ७ मेदपाट । ८ कच्छ । ९ मालव । १० अवन्ती । ११ पारियात्र । १२ कंयोज ।
 १३ तामलित । १४ किरात । १५ सेरटक । १६ सौवीर । १७ बोकाण ।
 उत्तरापथ— १ गूर्जर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल । ५ तुरष्क । ६ ताजिक ।
 ७ वर्वर । ८ खल । ९ कीर । १० काश्मीर । ११ यज्ञला । १२ हिमालय ।
 १३ लोहपुर । १४ धीराज । दक्षिणपथ— १ मलय । २ सीघल । ३ पांड ।
 ४ कौरल । ५ अंध्र । ६ विंध्य । ७ कर्णाट । ८ द्रविड । ९ धीपर्वत ।
 १० वैदर्भ । ११ विराट । १२ ओरल । १३ तापीतट । १४ महाराष्ट्र । १५ आभीर ।
 १६ नर्मदा । १७ कामाक्ष । १८ कंदु । १९ पापांतिका । २० चौड । २१ आराध्य ।
 २२ वरेंद्र । २३ गङ्गापार । २४ सांसप । २५ कांती । २६ नागणिक ।
 २७ द्वीपदेशाश्चेति ।

•

२१. द्वात्रिंशल्लक्षणस्थानानि ।

१ स्वर्गलक्षणं । २ मर्त्यलक्षणं । ३ पाताललक्षणं । ४ तनुलक्षणं ।
 ५ त्रिचालक्षणं । ६ विज्ञानलक्षणं । ७ वास्तुलक्षणं । ८ विनोदलक्षणं ।
 ९ वादलक्षणं । १० कलालक्षणं । ११ गीतलक्षणं । १२ वाचलक्षणं ।
 १३ नृत्यलक्षणं । १४ रूपलक्षणं । १५ धर्मलक्षणं । १६ अर्थलक्षणं ।
 १७ कामलक्षणं । १८ मोक्षलक्षणं । १९ देशलक्षणं । २० पात्रलक्षणं ।

२१ समयलक्षणं । २२ पुरुषलक्षणं । २३ ज्योतिष्कलक्षणं ।
२४ चित्रलक्षणं । २५ स्त्रीलक्षणं । २६ गजलक्षणं । २७ तुरगलक्षणं ।
२८ पक्षिलक्षणं । २९ सत्त्वलक्षणं । ३० व्यापारलक्षणं । ३१ वस्तुलक्षणं ।
३२ विवेकलक्षणं । इति ।

२१) A B १ स्वर्गलक्षणं । २ मृत्यु । ३ पाताल । ४ तत्त्व । ५ विद्या । ६ विज्ञान ।
७ ज्ञान । ८ वास्तु । ९ विनोद । १० वाद । ११ कला । १२ कल्प । १३ गीत ।
१४ वाद्य । १५ नृत्य । १६ कृत्य । १७ धर्म । १८ अर्थ । १९ काम । २० मोक्ष ।
२१ देश । २२ काल । २३ पात्र । २४ पुरुष । २५ स्त्री । २६ गज । २७ तुरग ।
२८ पक्षि । २९ रत्न । ३० सद्गयापार । ३१ सत्त्व । ३२ वस्तु । इति लक्षणानि ।

२१) C १ स्वर्ग । २ पाताल । ३ मृत्यु । ४ तत्त्व । ५ रूप । ६ विद्या । ७ मनु ।
८ विज्ञान । ९ वस्तु । १० विनोद । ११ वार्ता । १२ गीत । १३ वाद्य । १४ नृत्य ।
१५ रूपरु । १६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष । २० काल । २१ देश ।
२२ पात्र । २३ द्रव्य । २४ समय । २५ पुरुष । २६ स्त्री । २७ गज । २८ पक्षी ।
२९ तुरग । ३० धर्म । ३१ रत्न । ३२ मितहार । ३३ सद्यस्त्वु ज्ञानमिति ।

२१) D १ स्वर्ग । २ मृत्यु । ३ पाताल । ४ तनु । ५ विद्या । ६ विज्ञान । ७ वास्तु ।
८ विनोद । ९ वाद्य । १० गीत । ११ नाट्य । १२ वार्ता । १३ नृत्य । १४ रूप ।
१५ धर्म । १६ अर्थ । १७ काम । १८ मोक्ष । १९ देशकाल । २० पात्र । २१ समयक ।
२२ समय । २३ पुरुष । २४ स्त्री । २५ गज । २६ तुरग । २७ पक्षी । २८ रत्न ।
२९ पान । ३० आहार । ३१ सद्गयापार । ३२ वस्तुलक्षणं चेति ।

२१) E १ स्वर्गलक्षण । २ मृत्युलक्षण । ३ पाताललक्षण । ४ तत्त्वलक्षण ।
५ विद्यालक्षण । ६ विज्ञानलक्षण । ७ वास्तु । ८ विनोद । ९ वाद । १० कला ।
११ कल्प । १२ गीतलक्षण । १३ वाद्यलक्षण । १४ नृत्यलक्षण । १५ कृत्य ।
१६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष । २० काल । २१ पात्र । २२ पुरुष ।
२३ स्त्रीलक्षण । २४ गज । २५ तुरग । २६ पक्षि । २७ रत्न । २८ पान ।
२९ सत्त्व । ३० वस्तु । ३१ भद्र । ३२ आहार । एतानि शुभलक्षणानि ।

२१) F १ स्वर्गलक्षण । २ मृत्यु । ३ पाताल । ४ तत्त्व । ५ विद्या । ६ विज्ञान ।
७ ज्ञान । ८ वास्तु । ९ विनोद । १० वाद । ११ कला । १२ कल्प । १३ गीत ।
१४ वाद्य । १५ नृत्य । १६ कृत्य । १७ धर्म । १८ अर्थ । १९ काम । २० मोक्ष ।
२१ देश । २२ काल । २३ पात्र । २४ पुरुष । २५ स्त्री । २६ तुरग । २७ पक्षि ।
२८ रत्न । २९ सद्गयापार । ३० सत्त्व । ३१ आहार । ३२ वस्तुलक्षणानि ।

*

२२. चतुर्विंशतिविधं गृहम् ।

१ प्रासाद । २ आयतनं । ३ हर्म्यं । ४ गृहं । ५ कोश ।

६ कोष्ठागारं । ७ पानीयगृहं । ८ शौचगृहं । ९ शालागृहं ।
 १० मठस्थानं । ११ सत्रागारं । १२ शृङ्गारगृहं । १३ धर्मस्थानं ।
 १४ विनोदस्थानं । १५ अश्वशाला । १६ गजशाला । १७ वास्तुभवनं ।
 १८ मंडपं । १९ भोजनशाला । २० तापसशाला । २१ अग्रासनं ।
 २२ आवेशनं । २३ अर्घस्थानं । २४ राजांगणम् । इति ।

२२) A १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।
 ७ पानीयस्थान । ८ शौचगृह । ९ माल्यगृह । १० मठस्थान । ११ सत्रागार ।
 १२ शृङ्गारगृह । १३ धर्मस्थान । १४ विनोदस्थान । १५ मंडप । १६ हस्तिशाला ।
 १७ वासमभवन । १८ मंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।
 २२ आवेशन । २३ अर्घस्थान । २४ राजांगणं च ।

२२) B १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।
 ७ पानीयस्थान । ८ शौचगृह । ९ माल्यगृह । १० मठस्थान । ११ सत्रागार ।
 १२ शृङ्गारगृह । १३ धर्मस्थान । १४ विनोदस्थान । १५ मंदिर । १६ हस्तिशाला ।
 १७ वासमभवन । १८ मंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।
 २२ अर्घस्थान । २३ राजांगणं च ।

२२) C १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।
 ७ पानीयगृह । ८ शौचगृह । ९ शालागृह । १० माल्यगृह । ११ मठगृह । १२ सत्रागार ।
 १३ शृङ्गारगृह । १४ धर्मस्थान । १५ विनोदस्थान । १६ मंदिर । १७ हस्तिशाला ।
 १८ मंडपशाला । १९ अग्नशाला । २० भोजनशाला । २१ शयनशाला । २२ गर्भागार ।
 २३ सत्रास्थान । २४ राज्यांगणं चेति ।

२२) D १ प्रासाद । २ आयतन । ३ हर्म्य । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।
 ७ पानीगृह । ८ धौतगृह । ९ शालागृह । १० माल्यगृह । ११ मठस्थान ।
 १२ सत्रागार । १३ शृङ्गारगृह । १४ धर्मस्थान । १५ विनोदस्थान । १६ मंडुर ।
 १७ हस्तिशाला । १८ वासमंडप । १९ महानसं । २० भोजनशाला । २१ अग्रासनं ।
 २२ आवेशनं । २३ अर्घस्थानं । २४ राजांगणं इति ।

२२) E १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।
 ७ पानीयगृह । ८ शौचगृह । ९ शालागृह । १० माल्यगृह । ११ मठस्थान ।
 १२ सत्रागार । १३ शृङ्गारस्थान । १४ धर्मस्थान । १५ विनोदस्थान । १६ वाजिशाला ।
 १७ हस्तिशाला । १८ वासमंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।
 २२ आवेशन । २३ अर्घस्थान । २४ राजांगणं चेति ।

२२) G १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।
 ७ पानीयस्थान । ८ शौचगृह । ९ माल्यगृह । १० मठस्थान । ११ सत्रागार ।
 १२ शृङ्गारगृह । १३ धर्मस्थान । १४ विनोदस्थान । १५ मंडुर । १६ हस्तिशाला ।
 १७ वासमभवन । १८ मंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।
 २२ आवेशन । २३ अर्घस्थान । २४ राजांगणं च ।

२३. अष्टोत्तरशतं मङ्गलम् ।

१ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ आदित्य । ५ लोकपाल ।
 ६ अग्नि । ७ अमर । ८ सागर । ९ नदी । १० पर्वत । ११ गगन ।
 १२ अहर्गण । १३ गंधर्व । १४ स्कन्द । १५ विनायक । १६ ज्योतिष्क ।
 १७ तीर्थ । १८ द्विज । १९ वर । २० धर्मशास्त्र । २१ वेद ।
 २२ पद्म । २३ पद्माक्ष । २४ कौस्तुभ । २५ काञ्चन । २६ रूप्य ।
 २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मधु । ३० मद्य । ३१ सिद्धान्त ।
 ३२ चन्दन । ३३ श्वेतवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ रोचना । ३६ मृत्तिका ।
 ३७ गोमय । ३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध । ४१ मणिमय ।
 ४२ शिला । ४३ मोदक । ४४ शंख । ४५ प्रियङ्गु । ४६ वाच ।
 ४७ पुष्प । ४८ श्रुत । ४९ सर्पप । ५० दधि । ५१ दूर्वा । ५२ अक्षत ।
 ५३ उदंबर । ५४ आम्र । ५५ छत्र । ५६ वादित्र । ५७ हस्ति ।
 ५८ मुक्ताफल । ५९ खंजरीट । ६० वृष । ६१ ध्वज । ६२ हंस ।
 ६३ कन्या । ६४ दर्पण । ६५ पीठ । ६६ कुश । ६७ तुरंग । ६८ वेणु ।
 ६९ वीणा । ७० ध्वनि । ७१ सिंघ । ७२ मेघ । ७३ स्वस्तिक ।
 ७४ तोरण । ७५ कुंभ । ७६ चामर । ७७ गौ सवत्सा । ७८ आर्द्र-
 मांस । ७९ स्त्री सवत्सा । ८० वाहन । ८१ प्रदान । ८२ विद्या ।
 ८३ पानीय । ८४ तुष्टि । ८५ पुष्टि । ८६ प्रसाद । ८७ उल्लोच ।
 ८८ सत्य । ८९ पूर्णपात्र । ९० आर्द्रशाक । ९१ आमिष । ९२ पिप्पल-
 पत्र । ९३ श्रीवृक्ष । ९४ तालवृक्ष । ९५ पूजा । ९६ निधि । ९७ नर ।
 ९८ सहया । ९९ गौरी । १०० गङ्गा । १०१ सरस्वती । १०२ नर्मदा ।
 १०३ यमुना । १०४ कमला । १०५ सिद्धि । १०६ प्रीति । १०७ कीर्ति ।
 १०८ बीज । इति ।

२३) A १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकपाल । ७ अग्नि । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रह । १४ गण । १५ गंधर्व । १६ चन्द्र । १७ विनायक । १८ ज्योतिष । १९ धर्मशास्त्र । २० द्विजवर । २१ वेद । २२ पद्म । २३ प्रदीप । २४ कौस्तुभ । २५ कांचन । २६ रूप्य । २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मधु । ३० मद्य । ३१ सिद्धान्त । ३२ चंद्रन । ३३ सितवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ रोचना । ३६ मृत्तिका । ३७ गोमय । ३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध । ४१ अक्षत । ४२ रत्नमणि । ४३ मोदक । ४४ शङ्ख । ४५ प्रियङ्गु । ४६ जव । ४७ श्वेतपुष्प । ४८ सर्पप । ४९ दधि । ५० आम्र । ५१ उदुंबर । ५२ छत्र । ५३ घादित्र । ५४ हस्ति । ५५ वीजपूरक । ५६ मुक्ताफल । ५७ दूर्वा । ५८ खंजरीट । ५९ वृषभ । ६० ध्वज । ६१ हंस । ६२ कन्या । ६३ दर्पण । ६४ मत्स्य । ६५ तुरंगम । ६६ गीत । ६७ वीणा । ६८ ध्वनि । ६९ सिंह । ७० मेघ । ७१ स्वस्ति । ७२ तोरण । ७३ कुंभ । ७४ चामर । ७५ गौ सयत्ता । ७६ आर्द्रमांस । ७७ स्त्री सपुत्रा । ७८ याहन । ७९ प्रदान । ८० विद्या । ८१ पानीय । ८२ पुष्टि । ८३ तुष्टि । ८४ प्रसाद । ८५ उल्लोच । ८६ पूर्णपात्र । ८७ आर्द्रशास्त्रा । ८८ प्रियवान्य । ८९ श्रीवृक्ष । ९० तालवृत्त । ९१ पूजा । ९२ निधि । ९३ नरसहस्र । ९४ गौरी । ९५ गंगा । ९६ सरस्वती । ९७ नर्मदा । ९८ यमुना । ९९ सिद्धपीठ । १०० कीर्ति । इति मंगलानि ।

२३) B १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकपाल । ७ अग्नि । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रह । १४ गण । १५ गंधर्व । १६ चन्द्र । १७ विनायक । १८ ज्योतिष । १९ धर्मशास्त्र । २० द्विजवर । २१ वेद । २२ पद्म । २३ प्रदीप । २४ कौस्तुभ । २५ कांचन । २६ रूप्य । २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मधु । ३० मद्य । ३१ सिद्धान्त । ३२ चंद्रन । ३३ सितवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ रोचना । ३६ मृत्तिका । ३७ गोमय । ३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध । ४१ अक्षत । ४२ रत्नमणि । ४३ मोदक । ४४ शङ्ख । ४५ प्रियङ्गु । ४६ जव । ४७ श्वेतपुष्प । ४८ सर्पप । ४९ दधि । ५० आम्र । ५१ उदुंबर । ५२ छत्र । ५३ घादित्र । ५४ हस्ति । ५५ वीजपूरक । ५६ मुक्ताफल । ५७ दूर्वा । ५८ खंजरीट । ५९ वृषभ । ६० ध्वज । ६१ हंस । ६२ कन्या । ६३ दर्पण । ६४ मत्स्य । ६५ तुरंगम । ६६ गीत । ६७ वीणा । ६८ ध्वनि । ६९ सिंह । ७० मेघ । ७१ स्वस्ति । ७२ तोरण । ७३ कुंभ । ७४ चामर । ७५ गौ सयत्ता । ७६ आर्द्रमांस । ७७ स्त्री सपुत्रा । ७८ याहन । ७९ प्रदान । ८० विद्या । ८१ पानीय । ८२ पुष्टि । ८३ तुष्टि । ८४ प्रसाद । ८५ उल्लोच । ८६ पूर्णपात्र । ८७ आर्द्रशास्त्रा । ८८ प्रियवान्य । ८९ श्रीवृक्ष । ९० तालवृत्त । ९१ पूजा । ९२ निधि । ९३ नरसहस्र । ९४ गौरी । ९५ गंगा । ९६ सरस्वती । ९७ नर्मदा । ९८ यमुना । ९९ सिद्धपीठ । १०० कीर्ति । इति मंगलानि ।

२३) C १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकपाल । ७ अग्निपाल । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रहण । १४ गंधर्व । १५ चंद्र । १६ विनायक । १७ ज्योति । १८ तीर्थाधि । १९ धर्मशास्त्र । २० वेद । २१ पद्म । २२ पर्वत । २३ कौस्तुभ । २४ कांचन । २५ भूमि । २६ रूप्य । २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मद्य । ३० मधु । ३१ सिद्धान्त । ३२ चंद्रन । ३३ श्वेतवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ गोरोचन । ३६ मृत्तिका । ३७ गोमय । ३८ वस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध ।

४१ रत्न । ४२ अन्न । ४३ मोदक । ४४ शङ्ख । ४५ प्रियङ्गु । ४६ वाक् । ४७ श्वेतपुष्प ।
४८ सर्प । ४९ दधि । ५० दूर्वा । ५१ अश्वत्थ । ५२ उर्ध्वर । ५३ आम्र । ५४ छत्र ।
५५ वाय । ५६ दर्भ । ५७ हस्ति । ५८ वाजि । ५९ मुक्ताफल । ६० खंजरीट ।
६१ वृषभ । ६२ राजहंस । ६३ कन्या । ६४ दर्पण । ६५ दीप । ६६ अंकुश ।
६७ गोसवत्सा । ६८ आर्द्रमांस । ६९ रेणु । ७० वीणा । ७१ घनि । ७२ सिंह ।
७३ मेघ । ७४ स्थस्तिक । ७५ तोरण । ७६ कुम्भ । ७७ चामर । ७८ विद्युत् ।
७९ गीत । ८० मत्स्य । ८१ स्त्रीपुत्र । ८२ सपुत्रा स्त्री । ८३ वाहन । ८४ विद्या ।
८५ पानीय । ८६ पुष्टि । ८७ तुष्टि । ८८ पूर्णकलश । ८९ प्रसाद । ९० उल्लोच ।
९१ मन्दिर । ९२ शय्या । ९३ पूर्णपात्र । ९४ आर्द्रशाक । ९५ पिप्पलपत्र । ९६ गंगा ।
९७ यमुना । ९८ श्रीवृक्ष । ९९ पूजाविधि । १०० निधि । १०१ सिद्धि । १०२ जीति ।
१०३ क्रीति । १०४ गौरी । १०५ यशस्वेति ।

२३) E १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ चन्द्र । ५ सूर्य । ६ लोकपाल ।
७ अग्निपाल । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रहण ।
१४ गन्धर्व । १५ नायक । १६ स्वज्योतिष । १७ तीर्थ । १८ द्विजवर । १९ धर्मशास्त्रविद् ।
२० सन्नपथ । २१ कौस्तुभ । २२ कांचन । २३ रूप्य । २४ ताम्र । २५ मधु ।
२६ मद्य । २७ सिद्धान्त । २८ चन्दन । २९ श्वेतवल्गु । ३० वेद्या । ३१ गोरोचन ।
३२ मृत्तिका । ३३ गोमय । ३४ शास्त्र । ३५ भाजन । ३६ ओषधी । ३७ कमल ।
३८ मय । ३९ शय्या । ४० पोत । ४१ प्रियवाक्य । ४२ प्रीति । ४३ रत्न । ४४ मणिशाला ।
४५ मोदक । ४६ शङ्ख । ४७ प्रियङ्गु । ४८ वच्चा । ४९ श्वेतपुष्प । ५० सर्प । ५१ दधि ।
५२ दूर्वा । ५३ अश्वत्थ । ५४ चन्दन । ५५ वेदन । ५६ माला । ५७ उर्ध्वर ।
५८ आम्र । ५९ छत्र । ६० वादित्र । ६१ हस्ति । ६२ वीजपूर । ६३ मुक्ताफल ।
६४ खंजरीट । ६५ वृषभ । ६६ हंस । ६७ कन्या । ६८ दर्पण । ६९ पीठ । ७० कुश ।
७१ तुरंगम । ७२ गीत । ७३ वेणु । ७४ सिंह । ७५ मेघ । ७६ मेघ । ७७ स्थस्तिक ।
७८ तोरण । ७९ कुम्भ । ८० चामर । ८१ सवत्सा गौ । ८२ आर्द्रमांस । ८३ स्त्रीपुत्र ।
८४ वाहन । ८५ विप्रदान । ८६ विद्या । ८७ आर्द्रामलक । ८८ आसिप । ८९ पिप्पल ।
९० श्रीवृक्ष । ९१ तालवृक्ष । ९२ पूजा । ९३ निधि । ९४ नगरनायक । ९५ गौरी ।
९६ गंगा । ९७ सरस्वती । ९८ यमुना । ९९ नर्मदा । १०० प्रसिद्धा । १०१ कीर्तय-
श्चेति मंगलम् ।

२३) F १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ माहेश्वर । ४ वीतराग । ५ स्कन्द । ६ आदित्य ।
७ लोरोपाल । ८ गान्धर्व । ९ चंच । १० विनायक । ११ ज्योतिष्क । १२ तीर्थ ।
१३ द्विज । १४ धर्मशास्त्र । १५ वेदशास्त्र । १६ पुराण । १७ पद्म । १८ पर्यंक ।
१९ कौस्तुभ । २० कांचन । २१ रूप्य । २२ ताम्र । २३ घृत । २४ मद्य । २५ मधु ।
२६ सिद्धांत । २७ श्वेतांबर । २८ गोरोचन । २९ मृत्तिका । ३० अग्नि । ३१ अमर ।
३२ सागर । ३३ नदी । ३४ पर्वत । ३५ गगन । ३६ ग्रहण । ३७ गोमय ।
३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषधीरत्न । ४१ मनशाला । ४२ मोदक । ४३ संस्क ।
४४ वाजिन् । ४५ प्रियङ्गु । ४६ श्वेतपुष्प । ४७ सर्प । ४८ दधि । ४९ दूर्वा ।
५० अश्वत्थ । ५१ आम्र । ५२ उर्ध्वर । ५३ छत्र । ५४ वाजिन् । ५५ दर्भ ।
५६ हस्ति । ५७ वीजपूर । ५८ मुक्ताफल । ५९ खंजरीट । ६० वृषभ । ६१ राजहंस ।

६२ कन्या । ६३ दर्पण । ६४ प्रदीप । ६५ अंकुश । ६६ तुरंग । ६७ गीत ।
 ६८ वेणु । ६९ घीणा । ७० घ्वनि । ७१ भूमि । ७२ सह । ७३ मेघ । ७४ स्वस्तिक ।
 ७५ तोरण । ७६ कुम्भ । ७७ चमर । ७८ सवैद्य । ७९ गौ । ८० आर्द्रमांस ।
 ८१ स्त्रीपुरुषजुग्म । ८२ वाहन । ८३ प्रदान । ८४ विद्या । ८५ पानीय । ८६ तुष्टि ।
 ८७ पुष्टि । ८८ प्रसाद । ८९ उल्लास । ९० मदिरा । ९१ सैन्य । ९२ घोरपात्र ।
 ९३ आर्द्रशार्क । ९४ पिप्पलपत्र । ९५ धीवृक्ष फल । ९६ तालवृक्ष । ९७ पूजा ।
 ९८ निधि । ९९ गौरी । १०० गंगा । १०१ सरस्वती । १०२ नर्मदा । १०३ यमुना ।
 १०४ तृती । १०५ गोदावरी । १०६ सिद्धि । १०७ प्रीति । १०८ कीर्त्तयद्येति ।

२३) G १ ग्रहा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकपाल ।
 ७ अग्नि । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्यंत । १२ गगन । १३ ग्रह ।
 १४ गण । १५ गंधर्व । १६ चंद्र । १७ विनायक । १८ ज्योतिष । १९ धर्म ।
 २० शास्त्र । २१ द्विजवर । २२ वेद । २३ पद्म । २४ प्रदीप । २५ कौस्तुभ ।
 २६ कांचन । २७ रूप्य । २८ ताम्र । २९ घृत । ३० मधु । ३१ मद्य । ३२ सिद्धांत ।
 ३३ चंदन । ३४ सितयस्त्र । ३५ वेद्या । ३६ रोचना । ३७ मृत्तिका । ३८ गोमय ।
 ३९ शस्त्र । ४० अंजन । ४१ औषध । ४२ अक्षत । ४३ रत्नमणि । ४४ मोदक ।
 ४५ शंस । ४६ प्रियंगु । ४७ जय । ४८ श्वेतपुष्प । ४९ सर्पप । ५० द्विधि ।
 ५१ आम्र । ५२ उदुम्बर । ५३ छत्र । ५४ वादित्र । ५५ हस्ति । ५६ बीजपूरक ।
 ५७ मुक्ताफल । ५८ दूर्वा । ५९ खंजरीट । ६० धूपम । ६१ ध्वज । ६२ हंस ।
 ६३ कन्या । ६४ दर्पण । ६५ मत्स्य । ६६ तुरंगम । ६७ गीत । ६८ घीणा ।
 ६९ घ्वनि । ७० सिंह । ७१ मेघ । ७२ स्वस्ति । ७३ तोरण । ७४ कुम्भ । ७५ चामर ।
 ७६ गौ । ७७ सवत्सा । ७८ आर्द्र । ७९ मांस । ८० स्त्री सपुत्रा । ८१ वाहन ।
 ८२ प्रदान । ८३ विद्या । ८४ पानीय । ८५ पुष्टि । ८६ तुष्टि । ८७ प्रसाद ।
 ८८ उल्लास । ८९ पूर्णपात्र । ९० आर्द्रशार्का । ९१ प्रियवाक्य । ९२ धीवृक्ष ।
 ९३ तालवृक्ष । ९४ पूजानिधि । ९५ नरसहस्र । ९६ गौरी । ९७ गंगा । ९८ सरस्वती ।
 ९९ नर्मदा । १०० यमुना । १०१ कमला । १०२ सिद्धपीठकीर्त्ति । इति मंगलानि ।

•

२४. त्रिविधं दानम् ।

१ अभयदान । २ उपकारदान । ३ द्रव्यदान । इति दानानि ।

२४) C adds चेति after दानानि ।

D अभयदान । पूर्णदान । उपायकरदान ।

E द्रव्यविधादानं ।

F अभय उपकारद्रव्य ।

•

२५. पञ्चविधं यशः ।

१ ज्ञानकृत । २ प्रतापकृत । ३ पराक्रमकृत । ४ सदाचारकृत ।

५ रूपकृत । इति ।

- २५) A १ ज्ञानकृतयशः । २ प्रतापयशः । ३ पराक्रमयशः । ४ सदाचारयशः । ५ वर्णन ।
 B १ ज्ञानकृतयशः । २ प्रतापयशः । ३ सदाचारयशः । ४ पराक्रमयशः । ५ वर्णन ।
 C १ ज्ञानकृतं । २ प्रतापकृतं । ३ पराजयकृतं । ४ जन्मकृतं । ५ सदाचार-
 वर्तितमिति ।
 D १ जन्मतन्वतां यशः । २ प्रतापः । ३ कीर्तिः । ४ पराक्रमः । ५ रूपसदाचार-
 वर्णकृतश्चेति ।
 E १ जन्मरूपं । २ बालकृतं । ३ प्रतापकृतं । ४ कीर्तिरूपं । ५ पराक्रमरूपं ।
 G १ ज्ञानकृतयशः । २ प्रतापयशः । ३ पराक्रमयशः । ४ सदाचारयशः । वर्णन ।

*

२६. सप्तविधा कीर्तिः ।

- १ दानकीर्ति । २ पुण्यकीर्ति । ३ काव्यकीर्ति । ४ वक्तृत्वकीर्ति ।
 ५ वर्तनकीर्ति । ६ शौर्यकीर्ति । ७ विद्वज्जनकीर्ति । इति ।

- २६) AB १ दानकीर्ति । २ पुण्य । ३ वर्तन । ४ विद्वान् । ५ काव्य । ६ वक्तृत्व ।
 D १ दानकीर्तिः । २ पुण्यकीर्ति । ३ विद्वज्जनकीर्ति । ४ वक्तृत्वकीर्ति ।
 ५ काव्यकीर्ति । ६ वर्तनकीर्ति । ७ सूर्यकीर्ति ।
 E १ दानकीर्ति । २ पुण्यकीर्ति । ३ विद्वज्जनसंगतिकीर्ति । ४ वक्तृत्वकीर्ति ।
 ५ काव्यवर्तन । ६ शौर्य । ७ गीतिकीर्तिश्चेति ।
 F १ दानकीर्ति । २ पुण्यकीर्ति । ३ द्विविधजनकीर्ति । ४ वक्रोक्तिकीर्ति ।
 ५ काव्यकीर्ति । ६ आवर्तनकीर्ति । ७ शौर्यकीर्तिः ।
 G १ दानकीर्ति । २ पुण्य । ३ वर्तन । ४ विद्वान् । ५ काव्य । ६ वक्तृत्व ।

*

२७. नव रसाः ।

- १ शृङ्गार । २ हास्य । ३ करुण । ४ रौद्र । ५ वीर । ६ भयानक ।
 ७ वीभत्स । ८ अद्भुत । ९ शान्तः—इति रसाः ।

- 1 A B D G अष्टौ रसाः ।
 E नव नाट्यरसाः ।
 C omits this Sūtra and Vivaraṇa.
 2 AB शान्तरसः ।
 D शान्ताश्च ।
 E शांत इति ।
 F शांत नवधा रसाः ।

*

२८. एकोनपञ्चाशद् भावाः ।

१ रति । २ हास्य । ३ उत्साह । ४ विस्मय । ५ क्रोध । ६ शोक ।
७ जुगुप्सा । ८ भय । ९ स्तम्भ । १० स्वरभेद । ११ स्वेद । १२ रोमांच ।
१३ वेपथु । १४ विवर्ण । १५ अश्रु । १६ प्रलय । १७ निर्वेद ।
१८ ग्लानि । १९ शंका । २० असूया । २१ मूढ । २२ श्रम ।
२३ आलस्य । २४ दैन्य । २५ चिंता । २६ मोह । २७ स्मृति ।
२८ धृति । २९ क्रीडा । ३० चपलता । ३१ जडता । ३२ आवेश ।
३३ हर्ष । ३४ विवाद । ३५ असुख । ३६ गर्व । ३७ अपस्मार ।
३८ निद्रा । ३९ सुप्ता । ४० विबोध । ४१ अवभिषा(हित्य) ।
४२ उग्रता । ४३ उन्माद । ४४ मति । ४५ व्याधि । ४६ विरक्त ।
४७ वितर्क । ४८ त्रास । ४९ मरण । इति ।

२८) AB १ रति । २ हास । ३ उत्साह । ४ विस्मय । ५ क्रोध । ६ शोक ।
७ जुगुप्सा । ८ भय । ९ स्तम्भ । १० स्वेद । ११ स्ववृत्ति । १२ क्रीडा । १३ चपलता ।
१४ हर्षता । १५ जडता । १६ मति । १७ मूढ । १८ आवेग । १९ विषाद ।
२० भीतसुप्त्य । २१ गर्व । २२ अपस्मार । २३ निद्रा । २४ सुप्त । २५ विबोध ।
२६ अमर्ष । २७ उन्माद । २८ उग्रता । २९ व्याधि । ३० वितर्क । ३१ त्रास ।
३२ स्वरभेद । ३३ रोमांच । ३४ वेपथु । ३५ वैवर्ण्य । ३६ अश्रु । ३७ निर्वेद ।
३८ ग्लानि । ३९ शंका । ४० धम । ४१ आलस्य । ४२ दैन्य । ४३ चिंता ।
४४ मोह । ४५ स्मृति । ४६ अवहित्य । ४७ विदाय । ४८ प्रलाप । ४९ मरणांत ।
इति भाषाः ।

२८) C १ रति । २ हास । ३ उत्साह । ४ विस्मय । ५ शोक । ६ क्रोध ।
७ ग्लानि । ८ शंका । ९ धम । १० आलस्य । ११ चिंता । १२ मोह । १३ स्मृति ।
१४ धृति । १५ क्रीडा । १६ चपलता । १७ जडता । १८ हर्ष । १९ आवेश ।
२० विषाद । २१ असुख । २२ गर्व । २३ अपस्मार । २४ निद्रा । २५ स्वप्न ।
२६ बोध । २७ अमर्ष । २८ उग्रता । २९ उन्माद । ३० मति । ३१ व्याधि ।
३२ निरक्ति । ३३ वितर्क । ३४ संतोष । ३५ विचार । ३६ विध्वंस । ३७ विश्लेष ।
३८ विपत्ति । ३९ व्यावृत्ति । ४० प्रशंसा । ४१ कारुण्य । ४२ दंभ । ४३ मान ।
४४ उद्योत । ४५ नीरसता । ४६ तितिक्षा । ४७ त्रास । ४८ मरण । चेति ।

२८) D १ रति । २ हास । ३ शोक । ४ क्रोध । ५ उत्साह । ६ भय । ७ जुगुप्सा ।
८ विम्वय । ९ शम । १० स्तम्भ । ११ स्वेद । १२ स्वरभेद । १३ रोमांच । १४ वेपथु ।
१५ विवर्ण । १६ अश्रु । १७ प्रलाप । १८ निर्वेद । १९ ग्लानि । २० शंका । २१ असूया ।

२२ मद । २३ प्रमोद । २४ आश्रम । २५ आलस्य । २६ दैन्य । २७ चिन्ता । २८ मोह ।
२९ स्मृति । ३० धृति । ३१ क्रीडा । ३२ चपलता । ३३ जडता । ३४ हर्ष । ३५ मति ।
३६ मूढ । ३७ आवेश । ३८ विषाद । ३९ आसुख । ४० औत्सुक्य । ४१ गर्व ।
४२ अपसार । ४३ निद्रा । ४४ स्वप्न । ४५ विवोध । ४६ अमर्ष । ४७ उत्सर्गः ।

२८) F १ रति । २ हास । ३ शोक । ४ क्रोध । ५ उत्साह । ६ भय । ७ जुगुप्सा ।
८ विस्रय । ९ स्तम्भ । १० स्वेद । ११ स्वरमेदाः । १२ रोमाञ्चाः । १३ वेपथु ।
१४ विवर्णता । १५ अश्रु । १६ प्रलाप । १७ निर्वेद । १८ ग्लानि । १९ शंका । २० असूया ।
२१ आश्चर्य । २२ आलस्य । २३ देह्य । २४ चिन्ता । २५ दैन्य । २६ अशौच । २७ मद ।
२८ ध्रम । २९ मोह । ३० स्मृति । ३१ धृति । ३२ क्रीडा । ३३ च[प]लता । ३४ जडता ।
३५ हर्ष । ३६ आश्रय । ३७ विषाद । ३८ असुख । ३९ गर्व । ४० उत्सुक्य । ४१ अपसार ।
४२ निद्रा । ४३ स्वप्न । ४४ विवोध । ४५ अमर्ष । ४६ उग्रता । ४७ उन्माद । ४८ मति ।
४९ व्याधि । ५० रक्त । ५१ चित्तक । ५२ आस । ५३ मरणं । चेति ।

२८) G १ रति । २ हास । ३ उत्साह । ४ विस्रय । ५ क्रोध । ६ शोक ।
७ जुगुप्सा । ८ भय । ९ स्तम्भ । १० स्वेद । ११ स्वधृति । १२ क्रीडा । १३ चपलता ।
१४ हर्षता । १५ जडता । १६ मतिमूढ । १७ आवेग । १८ विषाद । १९ औत्सुक्य ।
२० गर्व । २१ अपसार । २२ निद्रा । २३ सुप्त । २४ विवोध । २५ अमर्ष । २६ उन्माद ।
२७ उग्रता । २८ व्याधि । २९ रक्त । ३० तर्क । ३१ आस । ३२ स्वरमेद । ३३ रोमांच ।
३४ वेपथु । ३५ वैषम्य । ३६ अश्रु । ३७ प्रलाप । ३८ निर्वेद । ३९ ग्लानि । ४० शंका ।
४१ ध्रम । ४२ आलस्य । ४३ दैन्य । ४४ चिन्ता । ४५ मोह । ४६ स्मृति । ४७ अवहित्य ।
४८ विदाघ । ४९ मरणांत । इति भाषाः ।

*

२९. * चत्वारोऽभिनयाः ।

*

३०. चेतस्रो वृत्तयः ।

१ सात्त्वती । २ भारती । ३ कैशिकी । ४ आरभटी । इति ।

- ३०) A १ सात्त्वती । २ भारती । ३ कैशिकी । ४ आरभटी ।
B १ सात्त्वती । २ भारती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।
G १ भारती । २ सात्त्वती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी चेति ।
D १ सात्त्विकी । २ भारती । ३ कैशिकी । ४ आरभटी चेति ।
E १ भारती । २ सात्त्वती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।
F १ भारती । २ सात्त्विकी । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।
G १ सात्त्वती । २ भारती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।

* There is no Vivarana of this sūtra given in the Mss. though the sūtra is mentioned in the contents.

1 E drops चतस्रो वृत्तयः ।

३१. चत्वारो महानायकाः ।

१ धीरोद्धत । २ धीरोदात्त । ३ धीरललित । ४ धीरशान्त । इति ।

३१) A १ धीर । २ धीरोदात्त । ३ धीरललित । ४ उद्धत ।

B १ धीर । २ उद्धत । ३ धीरोदात्त । ४ धीरललित ।

C 1 gives no Vivaraṇa

DEF १ धीरोद्धत । २ धीरोदात्त । ३ धीरललित । ४ धीरोपशान्त ।

G १ धीर । २ उद्धत । ३ धीरोदात्त । ४ धीरललित ।

*

३२. चत्वारो नायकाः ।

१ अनुकूल । २ दक्षिण । ३ शठ । ४ धृष्ट । इति ।

३२) O १ अनुकूल । २ दक्षिण । ३ धृष्ट । ४ पडश्च ।

D १ दक्षिणः । २ अनुकूल । ३ शिव । ४ धृष्टश्चेति ।

E १ दक्ष । २ अनुकूल । ३ शठ । ४ धृष्टश्चेति ।

F १ अनुकूल । २ दक्ष । ३ शत । ४ धृष्टश्चेति ।

*

३३. द्वात्रिंशद् नायकगुणाः ।

१ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्थ । ४ शूरवान् । ५ संततव्यय ।
६ प्रीतिवान् । ७ सुराग । ८ सावयववान् । ९ प्रियंवद । १० कीर्ति-
वान् । ११ त्यागी । १२ विवेकी । १३ शृङ्गारवान् । १४ अभिमानी ।
१५ श्लाघ्यवान् । १६ समुज्ज्वलवेषः । १७ सकलकलाकुशल ।
१८ सत्यवन्त । १९ प्रिय । २० अवदान । २१ सुजन । २२ सुगन्ध ।
२३ सुवृत्तमन्त्र । २४ क्लेशसह । २५ प्रदम्बपथ्यः । २६ पण्डित ।
२७ उत्तमसत्य । २८ धर्मिष्ठमहोत्साही । २९ गुणग्राही । ३० सुपात्र-
ग्राही । ३१ क्षमी । ३२ परिभावक । इति ।

1 A G 'नायक ।

B 'नायिक ।

2 G नायिकाः

3 A द्वात्रिंशद्गुणनायकः । E द्वात्रिंशद्गुणो नायकः । F द्वात्रिंशद्गुणो नायकः ।

३३) A १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ स्वतंत्र । ६ सावयव । ७ प्रीतिमान् । ८ प्रियंवद् । ९ सुभग । १० सत्यवान् । ११ कीर्तिमान् । १२ त्यागी । १३ विवेकी । १४ शृङ्गारी । १५ अभिमानी । १६ श्लाघवान् । १७ समुज्ज्वलवेष । १८ शयाङ्गी । १९ सकलकलाकुशल । २० सत्यासवह । २१ श्रद्धधान । २२ सुगंध । २३ सुवृत्त । २४ मंत्र । २५ क्लेशसह । २६ भाषापंडित । २७ उत्तमसत्य । २८ धर्मिष्ठ । २९ महोत्साह । ३० गुणप्राही । ३१ क्षमी । ३२ परिभाषुक ।

३३) B १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ स्वतंत्र । ६ सावयव । ७ प्रीतिमान् । ८ प्रियंवद् । ९ सुभग । १० सत्यवान् । ११ कीर्तिमान् । १२ त्यागी । १३ विवेकी । १४ शृङ्गारी । १५ अभिमानी । १६ श्लाघवान् । १७ समुज्ज्वलवेष । १८ शयाङ्गी । १९ सकलकलाकुशल । २० सत्यासवह । २१ श्रद्धावान् । २२ सुगंध । २३ सुवृत्त । २४ मंत्र । २५ क्लेशसह । २६ भाषापंडित । २७ उत्तमसत्य । २८ धर्मिष्ठ । २९ महोत्साह । ३० गुणप्राही । ३१ क्षमी । ३२ परिभाषुकः ।

३३) E १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ प्रियंवद् । ६ संततव्यय । ७ प्रीतिमान् । ८ सुभग । ९ विनयवान् । १० त्यागी । ११ विवेकी । १२ शृङ्गारवान् । १३ अभिमान । १४ श्लाघ्य । १५ समुज्ज्वलवेष । १६ सकलकलाकुशल । १७ सत्यवान् । १८ प्रियः । १९ सुवृत्तः । २० अवदात । २१ स्वजन । २२ सुहृद् । २३ [श्रद्धा]धान । २४ सुगंधप्रिय । २५ मंत्रवान् । २६ क्लेशसह । २७ प्रवृत्ता । २८ प्रकाशकः । २९ पंडित । ३० उत्तम । ३१ ससत्त्व । ३२ धार्मिक । ३३ महोत्साही । ३४ गुणप्राही । ३५ क्षमा[वान्] । ३६ परिभाषिकश्चेति ।

३३) F १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ संततव्ययी । ६ प्रतिभावान् । ७ शुभग । ८ विनयवान् । ९ कीर्तिमान् । १० त्यागी । ११ विवेकी । १२ शृङ्गारी । १३ अभिमानी । १४ श्लाघावान् । १५ समुज्ज्वलवेष । १६ सकलकलाकुशल । १७ सत्यवान् । १८ प्रिय । १९ अवदान । २० स्वजनप्रियः । २१ सुगंधप्रियः । २२ सुवृत्त । २३ मंत्रवान् । २४ क्लेशापहारी । २५ प्रवृत्ताप्रकाशकः । २६ पंडितसत्तम । २७ उत्तमसत्तम । २८ धार्मिक । २९ महोत्साही । ३० गुणप्राही । ३१ क्षमी । ३२ परिभाषकश्चेति ।

३३) G १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ स्वतंत्र । ६ सावयव । ७ प्रीतिमान् । ८ प्रियंवद् । ९ सुभग । १० सत्यवान् । ११ त्यागी । १२ विवेकी । १३ शृङ्गारी । १४ अभिमानी । १५ श्लाघावान् । १६ समुज्ज्वलवेष । १७ शयाङ्गी । १८ सकलकलाकुशल । १९ सत्यासवह । २० श्रद्धाधान । २१ सुगंध । २२ सुवृत्त । २३ मंत्र । २४ क्लेशसह । २५ भाषापंडित । २६ उत्तमसत्य । २७ धर्मिष्ठ । २८ महोत्साह । २९ गुणप्राही । ३० क्षमी । ३१ परिभाषुक ।

*

३४. त्रिविधा महानायिकाः ।

१ स्वकीया । २ परकीया । ३ पण्याङ्गना । इति ।

*

३५ अष्टौ नायिकाः ।

१ वासकसज्जा । २ विरहोत्कण्ठिता । ३ खण्डिता । ४ विप्रलब्धा ।
५ प्रोपितभर्तृका । ६ कलहांतरिता । ७ अभिसारिका । ८ स्वाधीन-
भर्तृका । इति ।

३५) A B १ विरहोत्कण्ठिता । २ खण्डिता । ३ कलहांतरिता । ४ विप्रलब्धा(?) ।
५ प्रोपितभर्तृका । ६ अभिसारिका । ७ स्वाधीनपतिका ।

३५) C १ वासकसज्जा । २ खण्डिता । ३ उत्कण्ठिता । ४ कलहांतरिता ।
५ विप्रलब्धा । ६ प्रोपितभर्तृका । ७ अभिसारिका । ८ स्वाधीनपतिका चेति ।

३५) D १ वासकसज्जा । २ विरहोत्कण्ठिता । ३ खण्डिता । ४ विप्रलम्भा ।
५ प्रोपितभर्तृका । ६ कलहांतरिता । ७ अभिसारिका । ८ स्वाधीनभर्तृका चेति ।

•

३६. द्वात्रिंशद् नायिकानां गुणाः ।

१ सुररूपा । २ सुभगा । ३ सुवेपा । ४ सुरतप्रवीणा । ५ सुनेत्रा ।
६ सुखाश्रया । ७ विभोगिनी । ८ विचक्षणा । ९ प्रियभाषिणी ।
१० प्रसन्नमुखी । ११ पीनस्तनी । १२ चारुलोचना । १३ रसिका ।
१४ लज्जान्विता । १५ लक्षणयुता । १६ पठितज्ञा । १७ गीतज्ञा ।
१८ वाद्यज्ञा । १९ नृत्यज्ञा । २० सुप्रमाणशरीरा । २१ सुगंधप्रिया ।
२२ नातिमानिनी । २३ चतुरा । २४ मधुरा । २५ स्नेहमती ।
२६ विमर्षमती । २७ गूढमंत्रा । २८ सत्यवती । २९ कलावती ।
३० शीलवती । ३१ प्रज्ञावती । ३२ गुणान्विता । इति ।

३६) AB १ सुररूपा । २ सुवेपा । ३ सुभगा । ४ सुरतप्रवीणा । ५ सुसत्या ।
६ विप(?)श्रिता । ७ विनीता । ८ भोगिनी । ९ विचक्षणा । १० प्रियभाषिणी ।
११ प्रसन्नमुखी । १२ पीनस्तनी । १३ चारुलोचना । १४ रसिका । १५ लज्जान्विता ।
१६ लक्षणयुता । १७ वाद्यज्ञा । १८ गीतज्ञा । १९ नृत्यज्ञा । २० वाद्यज्ञा ।

1 A B G नायिकाः । C D E नायकाः ।

2 F स्वाधीनपतिका ।

3 A B द्वात्रिंशद्गुणनायिकाः । CD द्वात्रिंशद्गुणनायिकाः । E द्वात्रिंशद्गुणनायिकानां
गुणाः । G द्वात्रिंशद्गुणनायिका ।

२१ सुप्रमाणशरीरा । २२ सुगंधप्रिया । २३ नातिमानिनी । २४ चतुरा । २५ मधुरा ।
२६ स्नेहवती । २७ विमर्शवती । २८ सुवृत्तमंत्रा । २९ सत्यवती । ३० प्रज्ञावती ।
३१ चैतन्या । ३२ शीलवती । ३३ गुणान्विता ।

३६) C १ कुलिना । २ शीलवती । ३ वयस्विनी । ४ प्रियंवदा । ५ श(?)ति)तव्यया ।
६ प्रीतिमति । ७ सुभगा । ८ सुसत्त्वा । ९ सुवेपा । १० सुविनीता । ११ सुरतप्रवीणा ।
१२ चारुनेत्रा । १३ सुखप्रिया । १४ विभोगिनी । १५ विचक्षणा । १६ प्रियभाषिणी ।
१७ प्रसन्नमुखी । १८ पीनस्तनी । १९ रसिका । २० लज्जान्विता । २१ लक्षणयुक्ता ।
२२ पठितज्ञा । २३ गीतज्ञा । २४ नृत्यज्ञा । २५ वि(?)वा)यज्ञा । २६ सुकुमारशरीरा ।
२७ सुगंधप्रिया । २८ नातिमानिनी । २९ स्नेहवती । ३० गुणान्विता । चेति ।

३६) E १ कुष्टि(?)लि)नी । २ सुरूपा । ३ सुभगा । ४ समर्या । ५ सुवेपा ।
६ सुविनीता । ७ सुरतप्रवीणा । ८ चारुनेत्रा । ९ सुखप्रिया । १० विभोगिनी ।
११ विचक्षणा । १२ प्रियभाषिणी । १३ प्रसन्नमुखी । १४ पीनस्तनी । १५ रसिका ।
१६ लज्जान्विता । १७ लक्षणयुक्ता । १८ पठितज्ञा । १९ गीतज्ञा । २० वाद्यज्ञा ।
२१ नृत्यज्ञा । २२ सुकुमारशरीरा । २३ सुगंधप्रिया । २४ नातिमानिनी ।
२५ मधुरवाक्या । २६ स्नेहवती । २७ आचारवती । २८ रूपवती । २९ संमोगवती ।
३० गुणवती । ३१ सुशीला । ३२ धर्मज्ञा । चेति ।

३६) F १ कुलीना । २ सुभगा । ३ स्वरूपा । ४ सुसत्त्वा । ५ सुवेपा । ६ सुविनीता ।
७ सुरत्न(?)ति)प्रवीणा । ८ चारुनेत्रा । ९ सुखप्रिया । १० विभोगिनी । ११ विचक्षणा ।
१२ प्रियभाषिणी । १३ प्रसन्नमुखी । १४ पीनस्तनी । १५ रसिका । १६ लज्जान्विता ।
१७ लक्षणयुक्ता । १८ गीतज्ञा । १९ वाद्यज्ञा । २० नृत्यज्ञा । २१ सुकुमारशरीरा ।
२२ सुगंधप्रिया । २३ नातिमानिनी । २४ मधुरवाक्या । २५ स्नेहवती ।
२६ ईर्ष्यारहिता । २७ सत्यवती । २८ शीलवती । २९ प्रज्ञावती । ३० सुसंवृत्तशरीरा ।
३१ गुणान्विता । चेति ।

३६) G १ सुरूपा । २ सुवेपा । ३ सुभगा । ४ सुरतप्रवीणा । ५ सुसत्त्वा ।
६ विप(?)सुख)धता । ७ विनीता । ८ भोगिनी । ९ विचक्षणा । १० प्रियभाषिणी ।
११ प्रसन्नमुखी । १२ पीनस्तनी । १३ चारुलोचना । १४ रसिका । १५ लज्जान्विता ।
लक्षणयुक्ता । १६ वाक्यज्ञा । १७ गीतज्ञा । १८ नृत्यज्ञा । १९ वाद्यज्ञा । २० सुप्रमाणशरीरा ।
२१ सुगंधप्रिया । २२ नातिमानिनी । २३ चतुरा । २४ मधुरा । २५ स्नेहवती ।
२६ विमर्शवती । २७ संवृत्तमंत्रा । २८ सत्यवती । २९ प्रज्ञावती । ३० चैतन्या ।
३१ शीलवती । ३२ गुणान्विता ।

*

३७. 'त्रिविधं सौख्यम् ।

१ आङ्गिक । २ वाचिक । ३ मानसिक । इति ।

३७) F शरीरं । मानसिकं चेति ।

*

1 ABG add अथ त्रिविधं ।; F द्विविधं । 2 ABG शारीरिकं ।; E कायिकं ।
3 AB drop इति ।; CDE मानसिकं चेति ।

३८. चत्वारि सौख्यकारणानि ।

१ योगाभ्यासकारणम् । २ अभिमानकारणम् । ३ सम्प्रत्ययकारणम् ।
४ विषयकारणम् । इति ।

३९. नवविधो गंधोपयोगः ।

१ तैलाधिवासः । २ जलाधिवासः । ३ वस्त्राधिवासः । ४ मुखाधि-
वासः । ५ उद्वर्तनाधिवासः । ६ विलेपनाधिवासः । ७ स्नानाधिवासः ।
८ धूपनाधिवासः । ९ भोजनाधिवासः । इति ।

३९) O १ तैलाधिवासः । २ पुष्पवासः । ३ मुखवासः । ४ जलवासः । ५ स्नानवासः ।
६ उद्वर्तनवासः । ७ धूपनवासः । ८ तांबूलवासः । ९ भोजनवासः ।

३९) D १ तैलाधियासे । २ जलाधियासे । ३ मुखाधियासे । ४ स्थाने ।
५ उद्वर्तने । ६ उदके । ७ विलेपने । ८ धूपने । ९ भोजने । चेति ।

३९) E १ तैलाधिवासः । २ जलाधिवासः । ३ सुगन्धजलं । ४ उद्वर्तनाधिवासः । ५ धूप ।
६ तांबूल । ७ भोजनाधिवासः । ८ वस्त्राधिवासः । ९ मुखाधिवासः ।

३९) F १ तैलाधियासे । २ जलाधियासे । ३ वस्त्राधियासे । ४ मुखे । ५ उद्वर्तने ।
६ स्नाने । ७ विलेपने । ८ धूपने । ९ भोजने । चेति ।

४०. दशविधं शौचम् ।

१ भावशौचं । २ स्नानशौचं । ३ जलशौचं । ४ मृत्तिकाशौचं ।
५ दमशुशौचं । ६ संस्कारशौचं । ७ पवित्रवाक्यं । ८ प्राणिदयाशौचं ।
९ अर्थशौचं । १० आचारशौचं । इति ।

४०) B १ जलशौचं । २ मृत्तिकाशौचं । ३ गंधः । ४ दमशु । ५ संस्कारः ।
६ पवित्रवाक्यं । ७ प्राणिदयाशौचं । ८ अर्थशौचं । ९ आचारशौचं ।

४०) C १ भावशौचं । २ मुखशौचं । ३ मृत्तिकाशौचं । ४ गंधशौचं । ५ दमशुशौचं ।
६ दमशुशौचं । ७ स्नानशौचं । ८ नक्षत्रशौचं । ९ आनलं चेति ।

1 A B C D E F omit the Sūtra and its Vivarana.

2 A B G अथ नवम् ।

3 A B G अथ दशम् ।

४०) D १ मुखशौच । २ कक्षा । ३ कर । ४ श्मश्रु । ५ जल । ६ मृत्तिका । ७ नख । ८ मल । ९ वृत्ति । १० भावशौच ।

४०) E १ मुखशौच । २ स्नानशौच । ३ मृत्तिकाशौच । ४ गंधशौच । ५ कक्षा । ६ श्मश्रु । ७ जल । ८ नख । ९ अनिल । १० सर्वशौच । इति दशविधं शौचम् ।

४०) F १ मुखशौच । २ स्नानशौच । ३ मृत्तिका । ४ कक्षा । ५ गंध । ६ म(?)श्मश्रु । ७ जल । ८ पवित्रभाषण । ९ नख । १० आचारशौच चेति ।

४०) G १ भावशौचं । २ स्नानशौचं । ३ जलशौचं । ४ मृत्तिकाशौचं । ५ गंधश्मश्रु । ६ संस्कार । ७ पवित्रवाक्य । ८ प्राणिदयाशौचम् । ९ अर्थशौचम् । १० आचारशौचम् ।

*

४१. द्विविधः कामः ।

१ स्वाभाविक । २ कृत्रिम । इति ।

*

४२. देश कामावस्थाः ।

१ अभिलाषा । २ चिंता । ३ स्मृति । ४ गुणकीर्तन । ५ उद्वेग । ६ प्रलाप । ७ उन्माद । ८ व्याधि । ९ जडता । १० मरण । इति ।

४२) C १ अभिलाषा । २ चिंता । ३ स्मृति । ४ गुणकीर्तन । ५ उद्वेग । ६ उन्माद । ७ व्याधि । ८ जडता । ९ मरणं चेति ।

४२) D १ अभिलाषा । २ चिंता । ३ रस । ४ गुणकीर्तन । ५ उद्वेग । ६ प्रलाप । ७ उन्माद । ८ व्याधि । ९ जडता । १० मरणं चेति ।

*

४३. विंशती रक्तखीणां लक्षणानि ।

१ पूर्वं भाषते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेष्टि । १२ प्रोषिते दुर्मना

1 A B G अथ द्वि° ।

2 A G कृत्रिमश्च ।

3 F दशविधा कामावस्था ।

4 D लक्षणस्यानानि ।

भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ स्नेहवती । १८ संभोगार्थिनी । १९ सन्मुखावलोकिनी । २० सदा विनीता ।

४३) A B १ पूर्वं भाषते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गयति । १५ पूर्वचुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकिनी । १७ सदा विनीता । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी ।

४३) C १ पूर्वं भाषितं । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे पुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ सखीजने गुणान् कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चाद् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठते । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ चुम्बनं ददाति । १६ समदुःखा । १७ स्नेहवती । १८ मित्राणि दात्री । १९ सुवेणा । २० सुभोगार्थिनी चेति ।

४३) D १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शने प्रसन्ना भवति । ३ समं तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् सुपति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ सन्मुखावलोकिनी । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी चेति ।

४३) E १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शनात् प्रशान्ता भवति । ३ संतुष्टा इति तुष्यति । ४ संभाषणेन हृष्यति । ५ गुणान् प्रकाशयति । ६ स्तनयोः पीडनं । ७ भूषणोद्गादनं । ८ हसनं । ९ नूपुरोत्कर्षणं । १० कर्णकङ्कयनं । ११ केशकीर्णं । १२ प्रचारणसंयमनं । १३ सखीजने दोषान् प्रच्छादयति । १४ सन्मुखी शेते । १५ पश्चात् स्वपति । १६ पूर्वमुत्तिष्ठति । १७ मित्राणि पूजयति । १८ अमित्राणि द्वेषयति । १९ प्रोषिते दुर्मना भवति । २० स्वधनं ददाति । २१ प्रथमे आलिङ्गनं करोति । २२ पूर्वमेव स्ववचनात् भाषयति । २३ चुम्बनं करोति । २४ समदुःखे सदा विनीता । २५ सन्मुख्यावलोकिनी । २६ स्नेहवती । २७ संभोगार्थिनी ।

४३) F १ पूमायात्(पूर्वं भाषते) । २ दर्शनात् प्रसन्ना भवति । ३ संतुष्टा । ४ संभाषिताद् हृष्यति । ५ गुणान् सखीजनं वदति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात्स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं ददाति । १६ समानदुःखा । १७ विनीता । १८ सन्मुखावलोकिनी । १९ स्नेहवती । २० संभोगार्थिनी चेति ।

४३) G १ पूर्वं भाषते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ सम्भाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखिजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेष्टि । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गयति । १५ पूर्वचुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकनी । १७ सदा विनीता । १८ स्नेहवती । १९ सम्भोगार्थिनी ।

*

४४. एकविंशतिर्विरक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।

१ चुम्बिता विमुखं करोति । २ मुखं परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाक्यं नावमन्यते । ८ मित्राणि द्वेष्टि । ९ अमित्राणि पूजयति । १० सदा गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यति । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरति । १४ सुकृतं विस्मरयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ दुःखिते सुखिता भवति । २० विप्रियं वदति । २१ संभोगे सुखं न वाञ्छति ।

४४) O १ चुम्बने मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवति । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ सन्मुखी न शेते । ६ मित्राणि द्वेष्टति । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता उत्कथयति । ९ गमने हृष्टा । १० दुष्कृतं स्मरति । ११ सुकृतं विस्मरयति । १२ उक्तं न मन्यते । १३ दोषान् प्रकटीकरोति । १४ गुणानाच्छादयति । १५ सन्मुखं न पश्यति । १६ दुःखिते सानन्दा । १७ अप्रियंवदा । १८ संभोगे सुखं नापगच्छति । १९ कोपमुत्पादयति ।

४४) D १ चुम्बिता विमुखं करोति । २ मुखं च परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाचं न मन्यते । ८ मित्राणि द्वेष्टति । ९ अमित्राणि पूजयति । १० गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यते । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरति । १४ सुकृतं विस्मरयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ विप्रियं वदति । २० दुःखिते सुखिता भवति । २१ संभोगेषु सुखं न वाञ्छति ।

४४) E १ मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवती । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ पराङ्मुखी शेते । ६ मित्राणि द्वेष्टि । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता भवति । ९ उक्ता कुप्यति । १० गमने तुष्यति । ११ दुःखिते दुःखिता [न] भवति । १२ विप्रियं

भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ स्नेहवती । १८ संभोगार्थिनी । १९ सन्मुखावलोकिनी । २० सदा विनीता ।

४३) A B १ पूर्वं भाषते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गयति । १५ पूर्वचुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकिनी । १७ सदा विनीता । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी ।

४३) C १ पूर्वं भाषितं । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे पुष्यति । ४ संभाषिता हृष्टा भवति । ५ सखिजने गुणान् कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चाद् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठते । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ चुम्बनं ददाति । १६ समदुःखा । १७ स्नेहवती । १८ मिष्टान्नं दात्री । १९ सुवेपा । २० सुभोगार्थिनी चेति ।

४३) D १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शने प्रसन्ना भवति । ३ समं तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् सुषति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ सन्मुखावलोकिनी । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी चेति ।

४३) E १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शनात् प्रशान्ता भवति । ३ संतुष्टा इति तुष्यति । ४ संभाषणेन हृष्यति । ५ गुणान् प्रकाशयति । ६ स्तनयोः पीडनं । ७ भूषणोद्घाटनं । ८ हसनं । ९ नूपुरोत्कर्षणं । १० कर्णकङ्कयनं । ११ केशकीर्णं । १२ प्रचारणसंयमनं । १३ सखीजने दोषान् प्रच्छादयति । १४ सन्मुखी शेते । १५ पश्चात् स्वपिति । १६ पूर्वमुत्तिष्ठति । १७ मित्राणि पूजयति । १८ अमित्राणि द्वेषयति । १९ प्रोषिते दुर्मना भवति । २० स्वधनं ददाति । २१ प्रथमं आलिङ्गनं करोति । २२ पूर्वमेव स्ववचनात् भाषयति । २३ चुम्बनं करोति । २४ समदुःखे सदा विनीता । २५ सन्मुखिबालोकिनी । २६ स्नेहवती । २७ संभोगार्थिनी ।

४३) F १ पूमायात् (पूर्वं भाषते) । २ दर्शनात् प्रसन्ना भवति । ३ संतुष्टा । ४ संभाषिताद् हृष्यति । ५ गुणान् सखीजनं वदति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात्स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं ददाति । १६ समानदुःखा । १७ विनीता । १८ सन्मुखावलोकिनी । १९ स्नेहवती । २० संभोगार्थिनी चेति ।

४३) G १ पूर्वं भाष्यते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ सम्मापिता हृष्यति । ५ गुणान् सखिजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेष्टि । १२ प्रोपिते दुर्मता भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममार्त्तिगयति । १५ पूर्वचुंबनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकिनी । १७ सदा विनीता । १८ स्नेहवती । १९ सम्भोगार्थिनी ।

*

४४. एकविंशतिर्विरक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।

१ चुंबिता विमुखं करोति । २ मुखं परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाक्यं नावमन्यते । ८ मित्राणि द्वेष्टि । ९ अमित्राणि पूजयति । १० सदा गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यति । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरति । १४ सुकृतं विस्मारयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ दुःखिते सुखिता भवति । २० विप्रियं वदति । २१ संभोगे सुखं न वाञ्छति ।

४४) C १ चुंबने मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवति । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ सन्मुखी न शेते । ६ मित्राणि द्वेष्टयति । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता उत्कथयति । ९ गमने हृष्टा । १० दुष्कृतं स्मरति । ११ सुरुतं विस्मारयति । १२ उक्तं न मन्यते । १३ दोषान् प्रकटीकरोति । १४ गुणान् प्रच्छादयति । १५ सन्मुखं न पश्यति । १६ दुःखिते सानंदा । १७ अप्रियवदा । १८ संभोगे सुखं नावगच्छति । १९ कोपमुत्पादयति ।

४४) D १ चुम्बिता विमुखं करोति । २ मुखं च परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाक्यं न मन्यते । ८ मित्राणि द्वेष्टयति । ९ कुमित्राणि पूजयति । १० गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यते । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरयति । १४ सुरुतं विस्मारयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ विप्रियं वदति । २० दुःखिते सुखिता भवति । २१ संभोगेषु सुखं न वाञ्छति ।

४४) E १ मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवती । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ पराङ्मुखी शेते । ६ मित्राणि द्वेष्टि । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता भवति । ९ उक्ता कुप्यति । १० गमने तुष्यति । ११ दुःखिते दुःखिता [न] भवति । १२ विप्रियं

वदति । १३ संभोगसुखं न वाञ्छति । १४ स्वेच्छया विचरति । १५ दुष्टतं सरति । १६ सुकृतं विस्मारयति । १७ दत्तं न मन्यते । १८ दोषान् प्रकटीकरोति । १९ गुणान् प्रच्छादयति । २० सन्मुखं न पश्यति ।

४४) F १ चुम्बिता परान्मुखी भवति । २ चुम्बितानन्तरं निष्ठीवति । ३ मुखं च परिमार्जयति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वचनं नावमन्यते । ८ मित्राणि ह्येष्टि । ९ अमित्राणि पूजयति । १० सदैव गर्विता । ११ उक्ता कुप्यति । १२ प्रोपिते तुष्यति । १३ दुष्टतं सारयति । १४ सुकृतं विस्मारयति । १५ दत्तमवमन्यते । १६ दोषान् प्रकटयते । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ दुःखेन दुःखिता न भवति । २० विप्रियं वदति । २१ संभोगं न वदति ।

*

४५. द्वाविंशतिः कामिनीनां विकारेङ्गितानि ।

१ सानुरागनिरीक्षणं । २ श्रवणसंयमनं । ३ अङ्गुलीमोटनं । ४ मुद्रिकाकर्पणं । ५ नूपुरोत्कर्पणं । ६ गुप्ताङ्गदर्शनं । ७ सख्या सह हसनं । ८ भूषणोद्घाटनं । ९ कर्णमोटनं । १० कर्णकङ्कयनं । ११ केशप्रकीर्णनं । १२ पुष्पसंयमनं । १३ नखविलेखनम् । १४ परिधानसंयमनं । १५ निश्वासोच्छ्वसनं । १६ प्राग् विजृम्भणं । १७ बालालिङ्गनं । १८ बालमुखचुम्बनं । १९ प्रियभाषणं । २० परोक्षे नामकीर्तनम् । २१ अतिक्रान्तप्रेक्षणम् । २२ गुणव्यावर्णनं । इति ।

४५) C १ उद्येनिष्ठीवती । २ सानुरागा संयमनं । ३ अङ्गुलीस्फोटनं । ४ मुद्रिकाकर्पणं । ५ गुप्ताङ्गदर्शनं । ६ सख्या सह हसनं । ७ नूपुरोत्कर्पणं । ८ स्तनोपपीडनं । ९ भूषणोद्घाटनं । १० कर्णकङ्कयनं । ११ केशप्रकीर्णनं । १२ परिधानसंयमनं । १३ निश्वासोच्छ्वसनं । १४ वागविजृम्भणं । १५ बालालिङ्गनं । १६ बालमुखचुम्बनं । १७ प्रियभाषणं । १८ अतिक्रान्तप्रेक्षणं । १९ परोक्षनामस्मरणं । २० गुणवर्णनं । २१ विरहवेदना ।

४५) D १ सानुरागनिरीक्षणं । २ श्रवणसंयमनं । ३ अङ्गुलीस्फोटनं । ४ सदा प्रसन्नं । ५ मुद्रिकाकर्पणं । ६ गुप्ताङ्गदर्शनं । ७ सख्या सह हसनं । ८ भूषणोद्घाटनं । ९ कर्णोत्कर्पणं । १० कर्णकङ्कयनं । ११ केशप्रकीर्णनं । १२ पुष्पसंयमनं । १३ नखविलेखनं । १४ परिधानसंयमनं । १५ निश्वासोच्छ्वसनं । १६ प्राग् विजृम्भणं । १७ बालालिङ्गनं । १८ बालमुखचुम्बनं । १९ प्रियभाषणं । २० परोक्षे नामकीर्तनम् ।

1 A G द्वाविंशतिकामिनीनां । 2 B D E द्वाविंशतिकामिनीनां । 3 C अथ द्वाविंशतिकामिनीनां । 4 ABG मुद्रिका कर्पणं । 5 ABG केशप्रकीर्णनम् । 6 ABG omit प्राग् । 7 ABG बालचुम्बनं । 8 AB परोक्षे नामग्रहणं । 9 G omits परोक्षे नामकीर्तनम् ।

। ४५) E १ उच्चैर्निष्ठीवती । २ सानुरागनिरीक्षणं । ३ श्रवणसंयमनं । ४ अंगुलीस्फोटनं । ५ मुद्रिकाकर्पणं । ६ गुताङ्गदर्शनं । ७ परिधानसंयमनं । ८ निश्वासोश्वा(?)च्छ्वासनं । ९ प्राक्(?)विजृम्भणं । १० बालमुखचुम्बनं । ११ प्रियलक्षणं(?)श्लेषणं । १२ अतिक्रान्तप्रेक्षणं । १३ पश्चात्तामस्सरणं ।

४५) F १ सानुरागनिरीक्षणं । २ श्रवणसंयमनं । ३ अङ्गुल्या मोटनं । ४ मुद्रिका-
कर्पणं । ५ गुताङ्गदर्शनं । ६ सख्या सह हसनं । ७ स्तनोपपीडनं । ८ भूषणोद्घाटनं ।
९ नूपुरोत्कर्पणं । १० कर्णकण्डूयनं । ११ केशप्रकीर्णनं । १२ प्रावरणसंयमनं ।
१३ नखविलेखनं । १४ वि(?)निश्वासोच्छ्वासनं । १५ प्राग् विजृम्भणं । १६ बालालिङ्गनं ।
१७ बालकमुखचुम्बनं । १८ प्रियश्लेषणं । १९ अतिक्रान्तप्रेक्षणं । २० परोक्षे नामस्सरणं ।
२१ गुणव्याचरणं । २२ संभोगवान्छा चेति ।

४

४६. चतुर्विंशतिरसतीनां लक्षणानि ।

१ द्वारदेशे शायिनी । २ पश्चादवलोकिनी । ३ पुंश्चली सखी ।
४ भोगार्थिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गाश्रिता । ७ पतिद्वेषिणी ।
८ पतिरहिता । ९ हीनाङ्गभार्या । १० मृतापत्या । ११ बहुदेवरालापिनी ।
१२ बहुदेवतापूजिनी । १३ विनोदप्रिया । १४ भोगिनी [सखी] ।
१५ अतिमानिनी । १६ कृत्रिमलज्जान्विता । १७ परप्रीतिरता । १८ वृद्ध-
भार्या । १९ सततहास्या । २० प्रोषितभर्तृका । २१ लोभान्विता ।
२२ बहुभाषिणी । २३ क्रीडनप्रिया । २४ वंध्या । इति ।

४६) A B १ द्वारदेशे शायिनी । २ पश्चादवलोकिनी । ३ पुंश्चली सखी ।
४ भोगिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गाश्रिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता ।
९ हीनाङ्गभार्या । १० मृतापत्या । ११ बहुदेवरालापिनी । १२ बहुदेवतापूजिनी ।
१३ विनोदकारिणी । १४ भोगार्थिनी । १५ अतिमानिनी । १६ कृत्रिमलज्जान्विता ।
१७ परप्रीतिरता । १८ वृद्धभार्या । १९ सततहास्या । २० प्रोषितभर्तृका । २१ लोभान्विता ।
२२ बहुभाषिणी । २३ क्रीडनप्रिया । २४ वंध्या ।

४६) C १ द्वारदेशशायिनी । २ पश्चादवलोकिनी । ३ पुंश्चली । ४ भोगिनी ।
५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गमाश्रिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता । ९ दा(?)रीनयुवतीनां
संगिनी । १० जलवाहनीनां संगिनी । ११ विनोदप्रिया । १२ अतिमानिनी ।
१३ दूरं जलानयने गच्छति । १४ कुम्भकाररजकानां संगिनी । १५ कुटिनी ।
१६ कृत्रिमलज्जान्विता(?)कृत्रिमलज्जान्विता) । १७ अग्रणीता । १८ संत(?)सतत)हास्या ।
१९ लोभान्विता । २० बहुभाषिणी । २१ क्रीडनप्रिया । २२ केशसंवाहनप्रिया ।
२३ आत्मगृहं परित्यज्य परगृहे वार्ता करोति । २४ स्वपतिं परित्यज्य अन्यमाकांक्षति ।

1 A B G अथ चतु० । E चतुर्विंशत्यसतीलक्षणानि । C D चतुर्विंशति
असतीनां लक्षणानि । 2 B पश्चादवलोकिनी ।

४६) D १ द्वारदेशशायिनी । २ पश्चाद्वल्लोकिनी । ३ पुंश्चली । ४ भोगिनी । ५ गोष्ठिम्रिया । ६ राजमार्ग(र्गो)धिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता । ९ हीनाङ्गभार्या । १० मृतवत्सा । ११ देवर्जन(रालापिनी) । १२ गोष्ठिम्रिया । १३ बहुदेवतापूजनं । १४ वि(र्त्स)भोगार्थिनी । १५ अतिमानिनी । १६ कृत्रिमलज्जान्विता । १७ परप्रीतिरता । १८ वृद्धभार्या । १९ सततहास्या । २० प्रोषितभर्तृका । २१ लोभान्विता । २२ बहुभाषिणी । २३ क्रीडापरा चेति ।

४६) E १ द्वारदेशशायिनी । २ पश्चाद्वल्लोकिनी । ३ पुंश्चली । ४ भोगिनी । ५ गोष्ठिम्रिया । ६ राजमार्ग(र्गो)दिनी । ७ पतिमन्वेपणी(पतिद्वेषिणी) । ८ पतिरहिता । ९ हीनयुवतीसंगिनी । १० जलवाहिनीनां संगिनी । ११ विनोदप्रिया । १२ प्र(अ)तिमानिनी । १३ दूरजलानयनाय गच्छति । १४ कुम्भकाररजकसंगतिं करोति । १५ कृत्रिमलज्जान्विता । १६ परप्रीतिरता । १७ सततं हास्या । १८ विनोदं बहिर्गमयति । १९ लोभान्विता । २० बहुभाषिणी । २१ क्रीडनप्रिया । २२ केशसंवाहनप्रिया । २३ आत्मगृहे धातुं परित्यज्य परगृहे धातुं करणाय रसिका । २४ स्वपतिं परित्यज्य परपुरुषान्वेषणं करोतीति ।

४६) F १ द्वारदेशशायिनी । २ पश्चात्प्रयिलोकिनी । ३ पुंश्चलीसखी । ४ भा(र्भो)गिनी । ५ गोष्ठिम्रिया । ६ राजमार्गधिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिवर्जिता । ९ हीनयुवतीनां सङ्गिनी । १० गजवाहकानां प्रिया । ११ विनोदप्रिया । १२ अभिमानिनी । १३ दूरे पानीयानयनाय प्रजति । १४ कुम्भकाररजकसंगतिं करोति । १५ कन्दुकसंगतिं करोति । १६ कृत्स्नि(र्त्रि)मलज्जान्विता । १७ परप्रीतिरता । १८ सततहास्या । १९ निर्जने बहिर्गमिनी । २० लोभान्विता । २१ बहुभाषिणी । २२ क्रीडनप्रिया । २३ केशसंवाहनप्रिया । २४ स्वगृहं मुक्त्वान्यगृहे धातुं करणाय गच्छति । २५ रसिका । २६ स्वपतिं परित्यज्य परपुरुषान्वेषणं करोति ।

४६) G १ द्वारदेशे शायिनी । २ पश्चात्प्रायल्लोकिनी । ३ पुंश्चलीसखी । ४ भोगिनी । ५ गोष्ठिम्रिया । ६ राजमार्गधिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता । ९ हीनाङ्गभार्या । १० वध्या । ११ मृतापत्या । १२ बहुदेवरालापिनी । १३ बहुदेवतापूजनी । १४ विनोदकारिणी । १५ भोगार्थिनी । १६ अतिमानिनी । १७ कृत्रिमलज्जान्विता । १८ परप्रीतिरता । १९ वृद्धभार्या । २० सततहास्या । २१ प्रोषितभर्तृका । २२ लोभान्विता । २३ बहुभाषिणी । २४ क्रीडनप्रिया ।

*

४७. षोडश दुष्टस्त्रीणां लक्षणानि ।

१ पिङ्गाक्षी । २ कूपगच्छा । ३ लम्बोष्ठी । ४ खरालापा । ५ ऊर्ध्वकेशी । ६ लम्बोदरी । ७ दीर्घललाटी । ८ संहितभ्रूः । ९ पुष्पितनखी । १० प्रविरलदशना । ११ अतिदीर्घा । १२ अतिवामना । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा । १५ अतिगौरा । १६ अतिकृष्णा । इति ।

1 A G अथ षोडशस्त्रीणामपलक्षणानि । II अथ षोडशदुष्टस्त्रीणामपलक्षणानि । C षोडशस्त्रीणां अपलक्षणानि । E दुष्टस्त्रीणां षोडशापलक्षणानि ।

४७) A B G १ पिङ्गाक्षी । २ कृष्णगङ्गा । ३ लंबोष्ठी । ४ खण्डालापी । ५ ऊर्ध्वकेशी ।
६ दीर्घललाटी । ७ संहितभ्रूः । ८ पुष्पितनखी । ९ प्रविरलदशना । १० अतिदीर्घा ।
११ अतीवयामनी । १२ अतीवस्थूला । १३ अतीवगौरा । १४ अतीवकृष्णा ।
१५ अतीवकृशा । १६ प्रलंबोदरी ।

४७) C १ पिङ्गाक्षी । २ कृष्णगङ्गा । ३ लंबोष्ठी । ४ ऊर्ध्वकेशा । ५ लंबोदरी ।
६ दीर्घललाटा । ७ मिलितभ्रूः(?) । ८ पुष्पितनखी । ९ अतिविरल(?)विरल(?)दशना ।
१० अतिदीर्घा । ११ अतिवयामना । १२ अतिस्थूला । १३ अतिरुशंगि । १४ अतिगौरा ।
१५ अतिकृष्णा । १६ अतीव(?)रोमवतीति ।

४७) D १ पिङ्गाक्षी । २ कृष्णगङ्गा । ३ लंबोष्ठी । ४ खण्डालापी । ५ ऊर्ध्वकेशी ।
६ लंबोदरी । ७ दीर्घललाटा । ८ संगतभ्रूः(?) । ९ पुष्पितमुखी(?)पुष्पितनखी) ।
१० प्रविरलदशना । ११ अतिदीर्घा । १२ अतिवयामना । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा ।
१५ अतिगौरा । १६ अतिकृष्णा । चेति ।

४७) E १ पिङ्गाक्षी । २ कृष्णगङ्गा । ३ लंबोष्ठी । ४ ऊर्ध्वकेशी । ५ प्रलंबोदरी ।
६ दीर्घललाटा । ७ मिलितभ्रूः(?) । ८ पुष्पितनखी । ९ अतिविरलकेशा । १० विरल-
दशना । ११ अतिदीर्घा । १२ अतिवयामना । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा ।
१५ अतिगौरा । १६ अतिरोमवती । १७ भूमिपर्वतागुलका । १८ मुकुटकेशा ।
१९ दीर्घदंता । २० खरदेहा ।

४७) F १ पिङ्गाक्षी । २ कृष्णगङ्गा । ३ लंबोदरी । ४ लिम्बोष्ठी(?)लिम्बोष्ठी) । ५ खण्डालापी ।
६ ऊर्ध्वकेशी । ७ दीर्घललाटा । ८ संहितचूचुका । ९ पुष्पितनखी । १० प्रयी(?)वि?)रल-
दशना । ११ अतिदीर्घा । १२ दीर्घजहा । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा । १५ अतिगौरा ।
१६ अतिकृष्णा । १७ अतिरोमवती । १८ दीर्घदंता । १९ खरदेहा । २० मुखे(?)
किला । २१ भूमिलगितपादपूजाङ्गलिकाञ्चेति ।

४८. अष्टौ स्त्रीणामविश्वासकारणानि ।

१ भर्तुः स्वैरिता । २ पुरुषार्थिनी । ३ प्रण(?)णी)तगोष्ठी । ४ निरङ्कुशा ।
५ विदेशवासा । ६ अन्यपुरुषं सन्मुखं विलोकयति । ७ यस्य
तस्य सन्मुखं हसति । ८ उक्ता सती शपथं करोति । इति ।

४८) ABG १ भर्तुः स्वैरिता । २ पुरुषार्थिनी । ३ प्रण(?)णी)तगोष्ठी । ४ निरङ्कुशा ।
५ विदेशवासा । ६ पुञ्चली । ७ पति(?)त्यु?)रीप्यादोषः ।

४८) C १ भर्तुः स्वैर विचरति । २ अन्यपुरुषसन्मुखं विलोकयति । ३ गोष्ठीं करोति ।
४ निरङ्कुशा । ५ यं यं पश्यति तस्य तस्य सन्मुखं विलोकयति । ६ गोष्ठीं करोति(?) ।
७ संसर्गं करोति । ८ ईर्ष्यां करोति ।

४८) D १ भर्तुस्वैरिता । २ पुण्यार्थिनी । ३ प्रण(?)णी)तगोष्ठी । ४ निरङ्कुशा ।
५ विदेशवासा । ६ सप्यानी समृत्युपवातः(?) । ७ पुञ्चलीसंसर्गजा । ८ ईर्ष्यादोषा-
(?)ईर्ष्यादोषा)ञ्चेति ।

1 ABG अष्टौ स्त्रीणां अविश्वासकारणानि । C अष्टौ अश्लेषाणां अविश्वासकारणानि ।
E स्त्रीणां अष्टौ अविश्वासकारणानि ।

४८) E १ भक्तुः स्वैरं विचरति । २ अन्यपुरुषं सन्मुखं विलोकयति । ३ गोष्ठीं करोति । ४ निरंकुशं करोति । ५ यस्य तस्य सन्मुखं हसति । ६ उक्ता सती यथार्थमनुकरोति । ७ अन्यं जल्पति । ८ स्वैरिणीसंसर्गं करोति । ९ पतिं वञ्चयित्वा रात्रौ परपुरुषगृहे गच्छति ।

४८) F १ स्वैरगमा । २ परपुरुषसंमुखं विलोकयति । ३ उक्ता सती शपथान् करोति । ४ अलीकं जल्पति । ५ स्वैरिणीसंसर्गं विदधाति । ६ पतौ ईर्ष्यां करोति ।

*

४९. अष्टौ नार्योऽगम्याः ।

१ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ राजपत्नी । ४ मित्रपत्नी । ५ वर्णाधिका । ६ अस्पृशा । ७ प्रव्रजिता । ८ कुमारी । इति ।

४९) A १ स्वगोत्रजा । २ राजपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वर्णाधिका । ५ पूजिता । ६ कुमारी । ७ राजपत्नी ।

४९) B १ स्वगोत्रजा । २ राजपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वर्णाधिका । ५ अस्पृशा । ६ पूजिता । ७ कुमारी । ८ गुरु[प]त्नी ।

४९) C १ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वर्णाधिका । ५ राजपत्नी । ६ अस्पृशा । ७ दोषसंयुक्ता । ८ कुमारी चेति ।

४९) D १ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ राजपत्नी । ४ मित्रपत्नी । ५ वर्णाधिका । ६ अस्पृशा । ७ प्रव्रजिता । ८ कुमारी चेति ।

४९) F १ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ राजपत्नी । ५ वर्णाधिकी-
(का) । ६ अस्पृशा । ७ प्रव्रज्या । ८ कुमारी चेति ।

४९) E १ स्वगोत्रजा । २ [पर]पुरुषपत्नी । ३ राजपत्नी । ४ मित्रपत्नी । ५ वर्णाधिका । ६ अस्पृशा । ७ दोषसंयुक्ता । ८ कुमारीका ।

४९) G १ स्वगोत्रजा । २ राजपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वर्णाधिका । ५ पूजिता । ६ कुमारी । ७ राजपत्नी ।

*

५०. अष्टविधो मूर्खः ।

१ निर्लेजः । २ शठः । ३ क्लीबः । ४ निर्धृणः । ५ व्यसनी । ६ अतिलोभी । ७ गर्वितः । ८ निष्ठुरः इति ।

५०) C १ अप्रस्तावकः । २ कुपण्डितः । ३ कुबुद्धिः । ४ कुव्यसनी । ५ स्वभृंशी । ६ स्वमर्मप्रकाशी । ७ गर्वितः । ८ विष्टर(निष्ठुर)चेति ।

५०) E १ निर्लेजः । २ शठः । ३ क्लीबः । ४ निर्धृणः । ५ व्यसनी । ६ अतिभोगी । ७ गर्वितः । ८ निष्ठुरः । इति ।

५०) F १ अप्रज्ञावी(?) । २ कुपण्डितः । ३ कुबुद्धिः । ४ कुव्यसनी । ५ निष्ठुरः । ६ स्वमर्मप्रकाशकः । ७ अभिमानी । ८ अर्सेयद्वप्रलापी चेति ।

*

५१. चतुर्विंशतिविधं नागरिकवर्णनम् ।

१ नगरे संस्थानं । २ आसन्नोदकभवनं । ३ प्रच्छन्नमहानसं । ४ गुप्तकार्यचिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडपः । ६ विभक्तं वास-
भवनं । ७ नेपथ्योपकारप्राचुर्यं । ८ गृहोपकरणबाहुल्यं । ९ शयना-
सनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनः । ११ पार्श्वे प्रविशा(वेश)-
नस्थानं । १२ मध्ये स्नानपीठं । १३ प्रभाते व्यायामविधानं ।
१४ मध्याह्ने भोजनविधानं । १५ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १६ कुलोचि-
तविधिना वर्तनं । १७ प्रदोषे गीतादिविनोदविधानं । १८ निशायां
स्वदारासुरतं । १९ कदाचिद्रोष्टीरम्यत्वं । २० कदाचित् पात्रप्रेक्षणं ।
२१ कदाचिदुद्यानगमनं । २२ माल्यादिभोगकथनं । २३ सदैव
ऋतुसमुचितोपभोगः । २४ विद्वज्जनसंसर्गः ।

५१) A १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नोदकभवनं । ३ प्रच्छन्नमहानसं । ४ गुप्तकार्य-
चिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडपः । ६ विभक्तं वासभवनं । ७ नेपथ्योपकारप्राचुर्यं ।
८ गृहोपकरणबाहुल्यं । ९ शयनासनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनः पार्श्वे प्रविशा(वेश)न-
स्थानं । ११ मध्ये स्नानपीठं । १२ प्रभाते व्यायामविधानं । १३ मध्याह्ने भोजनविधानं ।
१४ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १५ कुलोचितविधिना वर्तनं । १६ प्रदोषे गीतादिविनोद-
विधानं । १७ निशायां स्वदारासुरतं । १८ कदाचिद्रोष्टीरम्यत्वं । १९ कदाचित् पात्रप्रेक्षणं ।
२० कदाचिद्वि(दु)द्यानवा(व)गमनं ।

५१) B १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नो[द्]कभवनं । ३ प्रच्छन्नमहानसं । ४ गुप्तकार्य-
चिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडपः । ६ विभक्तं वासभवनं । ७ नेपथ्योपकारप्राचुर्यं ।
८ गृहोपकरणबाहुल्यं । ९ शयनासनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनपार्श्वे प्रविशा(वेश)नस्थानं ।
११ मध्ये स्नानपीठं । १२ प्रभाते व्यायामविधानं । १३ मध्याह्ने भोजनविधानं ।
१४ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १५ कुलोचितविधिना वर्तनं । १६ प्रदोषे गीतादिविनोद-
विधानं । १७ निशायां स्वदारासुरतं । १८ कदाचित् गोष्टीरम्यत्वं । १९ कदाचित् पात्रप्रेक्षणं ।
२० कदाचित् वि(उ)द्यानवन(ना)गमनं । २१ सदैव ऋतुसमुचितोपभोगः ।

५१) C १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नो(द्)कभवनं । ३ गुप्तकार्यचिन्ता । ४ स्थापनीय
पार्श्वपानीयं । ५ सुतावेदकं । ६ पृथक् रंघनकं । ७ नेपथ्याग्रहणं । ८ नेपथ्योपकरणं ।
९ प्राचुर्यगृहोपकरणं । १० बाहुल्यं रम्यत्वं । ११ माल्यादि भोगमय्यत्वं । १२ गुप्तस्थानं ।
१३ प्रभाते व्यायामविधानं । १४ मध्याह्ने भोजनविधानं । १५ ङाछन्नप्रकारस्थानं(?) ।
१६ नित्यविद्याभ्यसनं । १७ कुलोचिते मार्गे वर्तनीयं । १८ प्रदोषे गीतविनोद ।

१९ निशायां सुरतोपचारः । २० कदाचिद्दुःखानगमनं । २१ कदाचित् क्षेत्रनिरीक्षणं । २२ सदैव कर्मसूचितो विभागः । २३ पुत्रपौत्रेषु हेतुकरणं ।

५१) D १ यथा नगरे स्थानं । २ आसन्नोद्भवमनं । ३ सवनां(?) प्रच्छादनं । ४ महासनं । ५ परसेव्या गृहमुत्पत्तिच्छाया मित्राणां स्थानस्फोट(?) । ६ नव विश्वमंडपं । ७ विरक्तकचासभवः । ८ नेपथ्यैवकरणं । ९ प्रासार्यगृहे(?) उपकरणवाहुल्यं । १० शय्यासनरम्यत्वं । ११ माल्यादिभोगकथनं । १२ वाञ्छितमित्रजनपार्थं आचमनस्थानं । १३ अंतरे स्थानस्थानं । १४ प्रभाते व्यायामविधानं । १५ मध्ये भोजनं विधानं । १६ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १७ कुलोचितव्यवहरणं । १८ प्रदोषांते गीतविधानं । १९ निशायां सुरतोपचारः । २० कदाचिद्गोष्ठीरम्यत्वं । २१ न(?) कदाचित्प्रात्रप्रेक्षणं । २२ कदाचिदुद्याने गमनं चेति ।

५१) E १ आसन्नोद्भवमनंतस्तु । २ कार्यचिंतास्थापनं । ३ पार्थं पानीयरंधनं । ४ विभक्तं नेपथ्यगृहं । ५ नेपथ्योपकरणं । ६ प्राचुर्यं गृहोपकरणं । ७ प्राचुर्यं गृहप्रकरणवाहुल्यं । ८ शास्त्रवाहुल्यं । ९ आसनवाहुल्यं । १० रम्यसमौल्यादिभागभ्यत्यं । ११ गुप्तं स्थानं स्यात् । १२ प्रभाते नियमविधानं । १३ मध्याह्ने भोजनविधानं । १४ प्रच्छन्नमंडारस्थानं । १५ नित्यं विद्याभ्यसनं । १६ कुलोचितेन मार्गेण वर्त्तनीयं । १७ प्रदोषे गीतविनोदः । १८ निशायां सुरतोपचारः । १९ कदाचिदुद्यानगमनं । २० कदाचित् क्षेत्रनिरीक्षणं । २१ सदैव देवगुरुभक्तिः कार्या । २२ स्वजनपालनं । २३ सदैव समुचितवित्तविभागः ।

५१) F १ आसन्नोद्भवमनं । २ गुप्तकार्यचिन्तास्थापनं । ३ पार्थं पानीयस्य स्थाने रन्धनकं । ४ विमुक्तने मध्यगृहं । ५ नेपथ्योपकरणप्राचुर्यं । ६ गृहोपकरणवाहुल्यं । ७ रम्यत्वं । ८ माल्यादिभोगभावितत्वं । ९ मालादिभोगभ्यत्यं । १० गुप्तस्थानं स्थानस्य । ११ प्रभाते व्यायामविधानं । १२ मध्याह्ने भोजनविधानं । १३ प्रच्छन्नमण्डारस्थानं । १४ नित्यं विद्याभ्यसनं । १५ कुलोचितेन मार्गेण प्रवर्त्तनीयं । १६ प्रदोषे गीतविनोदः । १७ निशान्ते सुरतोपचारः । १८ कदाचिदुद्यानगमनं । १९ कदाचित्क्षेत्रनिरीक्षणं । २० विद्वज्जनसंसर्गः । २१ कुसंगपरित्यागः । २२ धर्मधृढा । २३ जीवरक्षा । २४ सदैव समुचितोपक्रिया ।

५१) G १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नोद्भवमनं । ३ प्रच्छन्नमहानसं । ४ गुप्तकार्यचिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडपः । ६ विभक्तं वासभवनं । ७ नेपथ्योपकरणप्राचुर्यं । ८ गृहोपकरणवाहुल्यं । ९ शयनासनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनः । ११ पार्थं प्रविशा(विश)नस्थानं । १२ मध्ये स्नानपीठं । १३ प्रभाते व्यायामविधानं । १४ मध्याह्ने भोजनविधानं । १५ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १६ कुलोचितविधिना वर्त्तनं । १७ प्रदोषे गीतादिविनोदविधानं । १८ निशायां स्वदाससुरतः । १९ कदाचिद्गोष्ठीरम्यत्वं । २० कदाचित्प्रात्रप्रेक्षणं । २१ कदाचिद्दि(दु)द्यानवाव(वन)गमनं । २२ असम्पूर्णलक्षणावयवः । २३ निर्लक्षणः ।

५२. त्रिविधं रूपम् ।

१ असंपूर्णलक्षणावयवं । २ संपूर्णलक्षणावयवं । ३ निर्लक्षणावयवं । इति ।

1 A omits त्रिविधं रूपं ।

† These ought to be in the following section.

- ५२) A १ असंपूर्णलक्षणावयवं । २ निर्लक्षण ।
 ५२) B १ संपूर्णलक्षणावयवं । २ असंपूर्णलक्षणावयवं । ३ निर्लक्षण ।
 ५२) C १ संपूर्णावयवं । २ निर्लक्षणावयवं । ३ असंपूर्णलक्षणावयवं ।
 ५२) D १ संपूर्णलक्षणावयवं चेति ।
 ५२) E १ संपूर्णलक्षणावयवं । २ लक्षणावयवं । ३ असंपूर्णलक्षणावयवं ।
 ५२) G has given no Vivarana (see foot note p. 54)

*

५३. त्रिविधं स्वरूपम् ।

१ मुग्धस्वभावं । २ चतुरस्वभावं । मुग्धचतुरस्वभावं । इति ।

- ५३) AB १ मुग्धस्वभाव । २ मुखर । ३ चतुर ।
 ५३) C १ मुग्धस्वभावं । २ मुग्धचतुरस्वभावं । ३ चतुरस्वभावं ।
 ५३) D १ मुग्धस्वभावं । २ सुसद्भावं । ३ चतुरस्वभावश्चेति ।
 ५३) E १ मुग्धस्वभावं । २ मुग्धस्वभावं । ३ मुग्धचतुरस्वभावं चेति ।
 ५३) F १ मुग्धस्वभावं । २ मुग्धचतुरस्वभावं । ३ चतुरस्वभावं ।
 ५३) G १ मुग्धस्वभाव । २ मुखर । ३ चतुर

*

५४. द्वादशविधः प्रमदोपचारः ।

१ रूपस्त्रिनीनां रम्योपचारेण । २ भीरूणामाश्वासनेन । ३ चपलानां
 गांभीर्येण । ४ पंडितानां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां (तीनां) कलाभिः ।
 ६ शृङ्गारिणीनां सुवेपथया । ७ विनोदशिलानां क्रीडनेन । ८ हीनसत्त्वानां
 कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शाठ्येन । १० निर्विकल्पानां
 सरलस्वभावेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ विदग्धानां
 कुकुमो (? कुकभो) पचारेण । इति ।

५४) A १ रूपस्त्रिनीनां रम्योपचारेण । २ भीरूणां आश्वासनेन । ३ चपलानां गांभीर्येण ।
 ४ पंडितानां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां कलाभिः । ६ शृङ्गारिणीनां सुवेपथया । ७ विनोदशीलां
 क्रीडनेन । ८ हीनसत्त्वां कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शाठ्येन । १० निर्विकल्पां
 सुकुमाप्रयोगेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ धूर्तानां शाठ्येन ।

1 AB अथ द्वादशविधप्रमोदोपचारः । C द्वादश प्रमोदोपचारः ।
 D द्वादशविधः प्रमोदोपचारः । E अथ द्वादशविधः प्रमोदोपचारः ।
 F द्वादशविधः प्रमदानामुपचारः । G अथ द्वादशविधप्रमोदोपचारः ।

५४) B १ रूपस्त्रिणां रम्योपचारेण । २ भीरूणामाश्वासनेन । ३ चपलानां गांभीर्येण । ४ पंडितां तां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां कलाभिः । ६ शृङ्गारिणां सुवेपतया । ७ विनोदशीलानां क्रीडनेन । ८ हीनसत्त्वानां कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शाठ्येन । १० निर्विकल्पनां सुकुमारप्रयोगेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ धूर्तानां शाठ्येन ।

५४) C १ रूपवतीं रम्योपचारेण । २ भीरूणामविश्वासनेन । ३ चपलानां गांभीर्येण । ४ पंडितानां सखीत्वेन । ५ बालानां भक्षप्रदानेन । ६ प्रज्ञावतीनां कलाभिः । ७ शृङ्गारिणीनां सुवेपेण । ८ विनोदिनीनां सुक्रीडनेन । ९ हीनसत्त्वानां कारुण्येन । १० शठस्वभावानां घातेन । ११ निर्विकल्पानां सरलस्वभावेन । १२ धुधितानां भोजनदानेन ।

५४) D १ सुरुपिणी । २ राजोपचारेण । ३ भीसमां(?)भीरूणामाश्वासनेन । ४ चपलां गांभीर्येण । ५ पंडितां भोजन्येन । ६ घर्माण्यं कारुण्येन । ७ प्रज्ञावती । ८ कलाभिः शृङ्गारिणी । ९ सुवेपतया विनोदिनी । १० क्रीडनेन । ११ विदग्धानां सुकुमोपचारेण चेति ।

५४) E १ रूपयती रम्योपचारेण । २ भीरोः आश्वासनेन । ३ चपला गांभीर्येण । ४ पंडिता सत्येन । ५ बाला भक्षप्रदानेन । ६ प्रज्ञायती कलाभिः । ७ शृङ्गारिणी सुवेपतया । ८ विनोदशीला क्रीडनेन । ९ दीनसत्या कारुण्येन । १० शठ(?)स्वभावशाठ्येन । ११ निर्विकल्पा सरलस्वभावेन । १२ सुकुमारा सुकुमारोपचारेण ।

५४) F १ रूपयती रम्योपचारेण । २ भीरोः आश्वासनेन । ३ चपलानां गांभीर्येण । ४ पंडितानां ना(?)सत्येन । ५ बालां भक्षप्रदानेन । ६ प्रज्ञायती कलनैः । ७ शृङ्गारिणी-रन्यवेपतया । ८ विनोदशीला क्रीडनेन । ९ दीनसत्यां क्रीडनेन । १० कारुण्येन वा । ११ शठभावा घातेन । १२ निर्विकल्पां सरलस्वभावेन । १३ सुधामां(?)आरोपचारेण ।

५४) G १ रूपस्त्रिणी रम्योपचारेण । २ भीरूमाश्वासनेन । ३ चपलां गांभीर्येण । ४ पंडितानां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां कलाभिः । ६ शृङ्गारिणां सुवेपतया । ७ विनोदशीलं क्रीडनेन । ८ हीनसत्यां कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शाठ्येन । १० निर्विकल्पां सुकुमार-प्रयोगेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ धूर्तानां शाठ्येन ।

५५. पञ्चविधः परिचयः ।

१ प्रसिद्धिख्यापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ संभाषणमाधुर्यं । ४ वाञ्छितोपचारप्रयोजनं । ५ विकारसूचनं । इति ।

५५) C १ प्रसिद्धस्थापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ संभाषणमाधुर्यं । ४ विकारशोधनं । ५ वाञ्छितोपचारप्रयोजनं ।

५५) D १ सीक्षापनः । २ दर्शनावर्जनः । ३ संभाषणमाधुर्यया । ४ सविकारसूचने । ५ कथितापचारप्रयोजनं चेति ।

५५) E १ प्रसिद्धस्थापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ मधुरवचःसंभाषणं । ४ आतिथ्यकरणं । ५ वाञ्छितोपचारप्रयुं(?)जनं चेति ।

५५) F १ प्रसिद्धस्थापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ मधुरवचनसंभाषणं । ४ आतिथ्यकरणं । ५ वाञ्छितोपचारपूजनं ।

५६. देश पुरुषाः स्त्रीणामनिष्टा भवन्ति ।

१ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ अभिमानी । ४ असंयद्धप्रलापी ।

५ संकुचितशायी । ६ निष्ठुरः । ७ कृपणः । ८ शौचहीनः ।

९ मूर्खः । १० क्रोधनः । इति ।

५६) C १ कुरूपः । २ निर्लज्जा । ३ अभिमानयुक्ता । ४ अनंतभाषिण । ५ निरकुशा ।

६ निष्ठुरा । ७ कृपणा । ८ अशौचरता । ९ हीना । १० मूर्खा ।

५६) D १ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ अभिमानी । ४ असंयद्धप्रलापी । ५ संकुचितशायी ।

६ निष्ठुरः । ७ कृपणः । ८ शौचहीनः । ९ मूर्खश्चेति ।

५६) E १ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ नित्ययोगी । ४ अभिमानी । ५ असंयद्धप्रलापी ।

६ संकुचितशायी । ७ निष्ठुरः । ८ कृपणः । ९ शौचहीनः । १० क्रोधी । ११ रूपभागी ।

१२ कर्णदुर्बलः । १३ मूर्खश्चेति ।

५६) F १ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ नित्ययोगी । ४ अभिमानी । ५ असंयद्धप्रलापी ।

६ संकुचितशायी । ७ निष्ठुरः । ८ कृपणः । ९ शौचहीनः । १० क्रोधी । ११ विरूपभापी ।

१२ कर्णदुर्बलः । मूर्खः । चेति ।

५७. देशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते ।

१ अज्ञानता । २ अभिमानावलेपता । ३ निष्ठुरता । ४ दरिद्रता ।

५ अतिप्रवासता । ६ क्रूरव्यसनता । ७ भोगहीनता ।

८ अतिप्रसंगता । ९ सौभाग्यहीनता । १० अनुचितता । इति ।

५७) C १ अज्ञानता । २ अभिमानता । ३ प्रतापिता । ४ निष्ठुरता । ५ अतिप्रवा-

सता । ६ अतिप्रसंगता । ७ सौभाग्यहीनता । ८ अनौचित्यं । ९ निर्दयत्वम् ।

१० अप्रीतिता ।

५७) D १ अज्ञानता । २ अभिमानता । ३ अवलेपता । ४ निष्ठुरता । ५ दरिद्रता ।

६ सौभाग्यहीनता । ७ अतिप्रसंगता । ८ अतिअनौचित्यता । ९ अतिशयता ।

११ भावुका चेति ।

५७) E १ अज्ञानता । २ अभिमानता । ३ निष्ठुरता । ४ दरिद्रता । ५ सौभाग्य-

हीनता । ६ अरूपता । ७ अनौचित्यता । ८ दीनहीनता । ९ निर्दिनी(?) ।

१० वार्धक्यता । ११ विरूपमापिता । १२ अमावश्चेति ।

५७) F १ अज्ञानता । २ अभिमानता । ३ निष्ठुरता । ४ दरिद्रता । ५ सौभाग्य-

हीनता । ६ अरूपता । ७ अनौचित्यता । ८ दानहीनता । ९ निर्वायिता ।

१० काठयानता(?) । ११ विरूपमापिता । १२ अमावश्चेति ।

1 E दशपुरुषाः स्त्रीणां अनिष्टाः । 2 C वदन्ति । 3 C दशभिस्त्रियो विरज्यन्ते ।

F दशभिः प्रकारैः स्त्रियो विरज्यन्ते । 4 A B G अतिप्रवासता । 5 A E G अनौचित्यता ।

५८. त्रिभिः कारणैः कामिन्यः संबध्यन्ते ।

१ अर्थतः । २ कामतः । ३ सुकुमारोपचारतः । इति ।

५८) A B G १ अर्थतः । २ कामतः । ३ सुकुमारोपचारतः ।

५८) C १ अर्थकामतः । २ सुकुमारोपचारतः । ३ संभोगकामतः ।

५८) D १ अर्थतः कामरतः । २ सुकुमारः । ३ उपचारश्चेति ।

५८) E १ अदानतः । २ कामतः । ३ सुकुमालवचनायुपचारतः ।

५८) F १ अर्थदानतः । २ कामतः । ३ वचनायुपचारतः । चेति ।

५९. सप्तविधाः कामुकानां सुरतारम्भाः ।

१ क्रीडापात्राणि । २ भोजनादि । ३ उपचारविलेपनानि ।

४ धूपनानि । ५ ताम्बूलादीनि । ६ पुष्पादिमाल्यानि ।

७ हास्यादिभिर्मर्माणि । इति ।

५९) C १ पुष्पमालादिदानं । २ यत्नार्थकरदानं । ३ आभ्यासनं । ४ सुस्वादमक्ष-
मोज्यं । ५ आलिङ्गनादिदानं । ६ अक्षोपकथा प्रस्ताव । ७ यिनोदहांस्यकरणं ।

५९) D १ क्रीडापात्राणि । २ भोजनायुपचारेण विलेपनानि । ३ धूपनानि ।
४ तांबूलकानि । ५ पुष्पमाल्यादि । ६ हास्यादि । ७ रम्यादि । चेति ।

५९) E १ क्रीडापात्राणि । २ भोजनायुपचारविलेपनानि । ३ तांबूलदा(लादी)नि ।
४ पुष्पादिमाल्यानि । ५ यत्नार्थकरदानानि । ६ हास्यादिमर्माणि । ७ हास्यादिमर्माणि ।

५९) F १ क्रीडापत्राणि । २ भोजनायुपचारेण । ३ विलेपनेन । ४ तांबूलदानेन ।
५ पुष्पादिभोगेन । ६ यत्नार्थकरणेन । ७ अर्थप्रदानेन ।

५९) G १ क्रीडापात्राणि । २ भोजनायुपचार । ३ विलेपनानि । ४ धूपनानि ।
५ ताम्बूलादीनां । ६ पुष्पादिमाल्यानि । ७ हास्यादिमर्माणि ।

६०. अष्टविधं विदग्धानां सुरतम् ।

१ आलिङ्गनं । २ चुम्बनं । ३ धावनं । ४ केशधारणं ।

५ वराङ्गशोचनं । ६ सीत्कारादिमोचनं । ७ नखस्पर्शनं ।

८ मृदुकुटनं । इति ।

१ A B G त्रिभिः कामिन्यः संबध्यन्ते । C त्रिभिः संबध्यन्ते । D त्रिभिः कारणैः
कामिनीनां संबध्यन्ते । E त्रिभिः प्रकारैः कामिन्यः संबध्यन्ते । २ A B G सप्तविध-
सुरतानां सुरतारम्भाः । ३ A B G अष्टविधं विदग्धानां सुरतम् । C अष्टविधं सुरतम् ।
D अष्टविधं विदग्धानां सुरतारम्भानां ।

६०) AB १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ केशधारणं । ५ वरं(?)वरांग-
संवेशनं । ६ शरीरादिकूजनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ कुट्टनं ।

६०) C १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ कंचप्रधारणं । ५ वरं(?)रांगशोधनं ।
६ सीत्कृतादिमोचनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं ।

६०) D १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ केशोमा(?)द्धारणं । ५ रागादिव्यसनं ।
६ सीत्कारादिमुचनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं । चेति ।

६०) E १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ शयनं । ४ केशधारणं । ५ वरांगशोधनं ।
६ सीत्कृतादिमोचनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं ।

६०) F १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ केशग्रहणं । ५ वराङ्गशोधनं ।
६ शीत्कृतकरणं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं । चेति ।

६०) G १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ कन्ता(?)कुन्तलाधारणं ।
५ रङ्ग(?)वराङ्गसंवेशनं । ६ शरीरादिकूजनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ कुट्टनं ।

*

६१. नवविधं सुरतावसानम् ।

१ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वे आचमनं । ३ ताम्बूलादिग्रहणं ।
४ फलादिभक्षणं । ५ पानभोज्यादिविधानं । ६ क्रीडापात्रप्रवेशनं ।
७ सुभाषितजल्पनं । ८ सानुरागप्रेक्षणं । ९ मनोवाञ्छितविनोदः ।
इति ।

६१) C १ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वचालनं । ३ ताम्बूलादिग्रहणं । ४ अनुरागपोषणं ।
५ वाञ्छितविनोदः ।

६१) D १ पार्श्वे आचमनं । २ ताम्बूलादिग्रहणं । ३ इक्षुरसादिभक्षणं ।
४ पानभोज्यादिविधानं । ५ क्रीडापात्रप्रवेशनं । ६ सुभाषितजल्पनं । ७ अनुरागपोषणं ।
८ संतोषवाञ्छितं । ९ विनोदाश्चेति ।

६१) E १ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वविवर्तनं । ३ ताम्बूलादिग्रहणं । ४ फलादिभक्षणं ।
५ पानभोजनविधानं । ६ क्रीडापात्रप्रवेशनं । ७ सुभाषितमापणं । ८ अनुगोषणं(?)अनुराग-
पोषणं) । ९ मनोवाञ्छितविनोदाश्चेति ।

६१) F १ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वे वाऽऽचमनं । ३ ताम्बूलादिभक्षणं ।
४ फलादिभक्षणं । ५ पानभोजनादिविधानं । ६ क्रीडापात्रप्रवेशनं । ७ सुभाषितजननं ।
८ अनुरागपोषणं । ९ मनोवाञ्छितविनोदः । चेति ।

*

६२. नव शयनगुणाः ।

१ अनम्रशायी । २ प्रसारितगात्रशायी । ३ मृदुगात्रशायी ।

४ सौम्यावयवशायी । ५ अनुशयनं । ६ अभूमिशायी ।
७ अशब्दशायी । ८ सन्मुखशायी । ९ वामपार्श्वशायी । इति ।

६२) A B १ अनम्रशायी । २ मृदुगात्रशायी । ३ प्रसारितगात्रशायी ।
४ सौम्यावयव । ५ अनुशयन । ६ नात्यर्थानप्रातः(?) । ७ अशब्द । ८ सन्मुख ।
६२) C १ अनम्र । २ प्रसारितगात्र । ३ सौम्यावयव । ४ सन्मुखशायी ।
५ अशब्दशायी । ६ अभूमिशायी । ७ संबद्धशायी । ८ मृदुपत्रशायी ।
९ नात्यर्थशायी ।

६२) D १ अनम्रशायी । २ प्रसारितगात्रशायी । ३ अन्योन्यशायी । ४ सौम्यशायी ।
५ असन्मुखशायी । ६ असंबद्धशायी । ७ सन्मुखशायी । चेति ।

६२) E १ अनम्रशायी । २ प्रसारितगात्रशायी । ३ सौम्यावयवशायी ।
४ संबद्धशायी । ५ सन्मुखशायी । ६ अनुशयनाद्यर्थः । ७ अशब्दशायी ।
८ वामपार्श्वशायी । ९ उक्तानि(?)शायी ।

६२) F १ अनुशायी । २ सन्मुखशायी । ३ प्रसारितगात्रशायी । ४ सौम्यावयव-
शायी । ५ संबद्धशायी । ६ वामपार्श्वशायी । ७ अवि(?)स्तनशायी । ८ निश्चलाङ्ग-
शायी । चेति ।

६२) G १ अनम्रशायी । २ मृदुगात्रशायी । ३ प्रसारितगात्रशायी । ४ सौम्यावयव ।
५ अनुशयन । ६ नात्यर्थ(?) । ७ नप्रातः(?) । ८ अशब्द । ९ सन्मुख ।

६३. दशविधः पार्थिवानां प्रमोदः ।

१ ज्ञाने । २ दाने । ३ वले । ४ राज्ये । ५ विनोदे ।
६ वैरिनिग्रहे । ७ शौर्ये । ८ धर्मे । ९ सुखे । १० शौचे
प्रमोदो दशधा मतः ॥

६३) C ज्ञाने दाने जये राज्ये(?) विनोदे वैरिनिग्रहे । शौर्ये धर्मे च सौत्ये च
प्रमोदो दशधा मतः(?) ॥

६३) D ज्ञाने दाने वले राज्ये विनोदे वैरिनिग्रहे । सूर्ये धर्मे तपे सौत्ये प्रमोदो दशधा
मतः ॥

६३) E ज्ञानेन । दानेन । वलेन । सुराज्येन । विनोदेन । वैरिनिग्रहेण । शौर्येण ।
धर्मेण । तपसा । सौत्येण । प्रमोदो दशधा मतः ।

६३) F १ ज्ञाने । २ दाने । ३ वले । ४ राज्ये । ५ विनोदे । ६ वैरिनिग्रहे ।
७ शौर्ये । ८ धर्मे । ९ जये । १० मौत्ये(?) सौत्ये) प्रमोदो दशधा मतः ।

1 A B अथ दशविधः । C दशविधपार्थिवानां प्रमोदः । D दशविधः प्रमोदः ।
F दशविधप्रमोदविचारः । E वैरिनिग्रहे ।

६४. चतुर्विधः प्रबोधः ।

१ बालसंस्कारप्रबोधः । २ शास्त्रप्रबोधः । ३ प्रज्ञाप्रबोधः ।
तत्त्वनिश्चयप्रबोधः । इति ।

६४) B १ शास्त्रप्रबोधः । २ प्रज्ञाप्रबोधः । ३ तत्त्वनिश्चयप्रबोधः ।

६४) C १ शास्त्रप्रबोधः । २ प्रज्ञानप्रबोधः । ३ तत्त्वप्रबोधप्रबोधश्चेति ।

६४) D १ बालानां संस्कारप्रबोधः । २ काव्यप्रबोधः । ३ ज्ञानप्रबोधः ।

४ वनिर्णयप्रबोधः ।

६४) E १ बालसंयमनं । २ बालसंस्कारप्रबोधः । ३ शास्त्रप्रबोधः । ४ प्रज्ञाप्रबोधः ।

५ तत्त्वनिश्चयप्रबोधः ।

६४) F १ बालसंस्कारप्रबोधः । २ शास्त्रप्रबोधः । ३ प्रज्ञाप्रबोधः । ४ वचननिश्चय-
प्रबोधः ।

*

६५. चतुर्विधा बुद्धिः ।

१ स्वभावजाता । २ श्रुतोत्पादिता । ३ कर्मजाता ।
४ पारिणामिकी । इति ।

६५) C १ स्वभावजा । २ उत्पादिता । ३ परिणामिकी । ४ कर्मजाश्चेति ।

६५) D १ उत्पत्तिकी । २ धैर्यिकी । ३ कर्मजा । ४ पारिणामिकी चेति ।

६५) E १ स्वभावजा । २ उत्पादिका । ३ परिणामिका । ४ कर्मजा चेति ।

६५) F १ स्वभावजा । २ श्रुतोत्पन्ना । ३ उत्पात्तिकी । ४ परिणामिकी चेति ।

*

६६. अष्टौ बुद्धिगुणाः ।

शुश्रूषा श्रवणं चैव ग्रहणं धारणं तथा । ऊहापोहोऽर्थविज्ञानं तत्त्वज्ञानं
च धीगुणाः ।

६६) C १ शुश्रूषा । २ श्रवणं । ३ ग्रहणं । ४ दर्शनं । ५ धारणं । ६ अर्थविज्ञानं ।
७ धर्मविज्ञानं । तत्त्वविज्ञानं ।

६६) D १ स्वरूपग्रहणं । २ ग्रहणं । ३ धारणं । ४ विज्ञानं । ५ ऊहनं ।
६ अपोहनं । ७ तत्त्वज्ञानं चेति ।

६६) E १ शुश्रूषा । २ श्रवणं । ३ ग्रहणं । ४ धारणं । ५ ऊह । ६ अपोह ।
७ विज्ञानं । ८ तत्त्वज्ञानं चेति ।

६६) F १ शुश्रूषा । २ श्रवणं । ३ ग्रहणं । ४ धारणं । ५ ऊह । ६ अपोह ।
७ अर्थविज्ञानं । ८ वचनज्ञानं चेति ।

1 C चतुर्विध आबोधः । E चतुर्विधः बोधः । G तत्त्वज्ञानं ।

६७. चतुर्विधं गान्धर्वम् ।

१ अवधानगतं(?) । २ स्वरगतं । ३ पदगतं । ४ तालगतं । इति ।

६७) C E F १ स्वरगतं । २ पदगतं । ३ तालगतं । ४ अवधानगतं ।

६७) D १ स्वरगतं । २ पदगतं । ३ अवधानं चेति ।

*

६८. त्रिविधं गीतम् ।

१ महागीतं । २ अनुगीतं । ३ उपगीतं । इति ।

६८) A B G १ महागीतं । २ अनुगीतं । ३ उपगीतं ।

६८) D १ उपगीतं । २ महागीतं । ३ अनुगीतं चेति ।

६८) E gives only त्रिविधं गीतं but does not mention the names.

६८) F १ महागीतं । २ उपगीतं । ३ अनुगीतं ।

*

६९. पट्त्रिंशद्गीतगुणाः ।

१ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं ।

६ सुबन्धं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं ।

११ सदर्थं । १२ सुग्रहं । १३ सुल्लिष्टं । १४ क्रमस्थं ।

१५ सुसमयकं (१ सुयमकं) । १६ सुवर्णं । १७ संपूर्णं ।

१८ सालंकारं । १९ सुभाषाद्यं । २० सुगन्धस्थं (१ सुगंधीरं) ।

२१ व्युत्पन्नं । २२ मधुरं । २३ स्फुटं । २४ सुप्रभं ।

२५ प्रसन्नं । २६ कंपितं । २७ समजातं । २८ रौद्रगीतं ।

२९ ओजःसगतं (१ ओजःसंगतं) । ३० द्रुतं । ३१ मुखस्थापकं ।

३२ हतांशं । ३३ विलम्बितं । ३४ अग्राम्यं । ३५ मध्यं ।

३६ सुप्रमाणं । इति ।

६९) A १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुबन्धं ।

७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं । ११ सदर्थं(?) । १२ सुग्रहं । १३ ल्लिष्टं ।

१४ क्रमस्थं । १५ सुसमयकं(?) सुयमकं) । १६ सुवर्णं । १७ सुरसं । १८ सुसंपूर्णं ।

१९ सालंकारं । २० सुभाषाद्यं । २१ सुगन्धस्थं । २२ व्युत्पन्नं । २३ मधुरं ।

1 F पट्त्रिंशद् गुणाः ।

२४ स्फुटं । २५ सुप्रभं । २६ प्रसन्नं । २७ समजातं । २८ रौद्रगीतं । २९ ओजः संगतं । ३० दर्शनस्थितं । ३१ सुखस्थापकं । ३२ हतांशं । ३३ त्रिम(?)भापितं । ३४ मध्यं प्रमाणं । ३५ कवित्कपितं ।

६९) B १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुबंधं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं । ११ सदार्थ(?)सदर्थं) । १२ सुग्रहं । १३ शिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ सुमय(?)यम)कं । १६ सुवर्णं । १७ सुरकं । १८ संपूर्णं । १९ सालंकारं । २० सुभाषाणं । २१ सुगंधस्थं । २२ व्युत्पन्नं । २३ मधुरं । २४ स्फुटं । २५ सुप्रभं । २६ प्रसन्नं । २७ अग्राम्यं । २८ कवित्कपितं । २९ समजातं । ३० रौद्रगीतं । ३१ ओजःसंगतं । ३२ दर्शनस्थितं । ३३ सुखस्थापकं । ३४ हतसं(?)हतांशं) । ३५ विल(?)भापितं । ३६ मध्यं प्रमाणं ।

६९) C १ सुस्वरं । २ सुपदं । ३ शुद्धं । ४ ललितं । ५ सुसंबंधं । ६ सुजियं(?) । ७ सुरागं । ८ सुरसं । ९ समं । १० विप्रमं । ११ सदार्थ(?)सदर्थं) । १२ सुग्रहं । १३ सुशिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ यमकं । १६ सुवर्णं । १७ सुरकं । १८ सालंकारं । १९ सुभाषाणं(?)शब्दं) । २० सुसंधिस्थं । २१ सु(?)व्यु)त्पत्तिकं । २२ मधुरं । २३ स्फुटं । २४ प्रसन्नं । २५ अग्राम्यं(?)अग्राम्यं) । २६ सुकवित्त्वं । २७ विचारयतां(?) । २८ सुखस्थितं । २९ विलंबितं । ३० द्रुतं । ३१ मध्यं । ३२ उत्कीयमाणं । ३३ सुयार्थं । ३४ सुकलं । ३५ सुनृत्वं ।

६९) D १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुप्रयत्नं । ७ सुरागं । ८ सुरसं । ९ समं । १० सदार्थ(?)सदर्थं) । ११ सुग्रहं । १२ दृष्टं । १३ सुकाव्यं । १४ सुयमकं । १५ सुरकं । १६ संपूर्णं । १७ सालंकारं । १८ सुभाषाणं(?)सुभाषाणं) । १९ सुसंधिस्थं । २० व्युत्पन्नं । २१ गंभीरं । २२ स्फुटं । २३ सुप्रभं । २४ अग्राम्यं । २५ कुचितं । २६ क(?)कं)पितं । २७ समायातं । २८ रौद्रगीतं । २९ प्रसन्नं । ३० स्थितं । ३१ सुखस्था(?)सुखस्थापकं) । ३२ द्रुतं । ३३ मध्यं । ३४ विलम्बितं । ३५ गुह्यं । ३६ प्राञ्जल्यं । ३७ उक्तप्रमाणं चेति ।

६९) E १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुसंबंधं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० सुसंगीतं । ११ सुहर्षं । १२ सुग्रहं । १३ शिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ सुवर्णं । १६ सुगमं । १७ सुरकं । १८ संपूर्णं । १९ सालंकारं । २० सुभाषाणं(?)शब्दं) । २१ सुधिष्णं(?)ध्वं) । २२ मधुरं । २३ स्फुटं । २४ प्रसन्नं । २५ अग्राम्यं । २६ कुचितं । २७ कं पितं । २८ समायातं । २९ विद्यासंगतं । ३० प्रथमस्थितं । ३१ सुखस्थं । ३२ द्रुतं । ३३ विलंबनं(?)वितं) । ३४ मध्यं । ३५ उक्तं । ३६ प्रमाणं चेति ।

६९) F १ स्वरगतं । २ सुस्वरं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुसंबंधं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० सुसंगीतं । ११ सहर्षं(?)सदर्थं) । १२ सुग्रहं । १३ सुशिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ सुवर्णं । १६ सुगमं । १७ सुरकं । १८ संपूर्णं । १९ सालंकारं । २० सुभाषाणं(?)शब्दं) । २१ सुसंधिष्ठं । २२ सुयतनं(?) । २३ सुयु(?)व्यु)त्पन्नं । २४ मधुरं । २५ स्फुटं । २६ प्रसन्नं । २७ संग्राम्यं । २८ विकल्पितं । २९ समूज(?)जि)नं । ३० विद्यासंगतं । ३१ प्रथमस्थं । ३२ सुखस्थं । ३३ द्रुतविलंबितं । ३४ मध्यं । ३५ सुप्रमाणं । चेति ।

६९) G १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुबंधं ।
 ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं । ११ सदर्थं । १२ सुग्रहं । १३ शिष्टं ।
 १४ कपस्थं । १५ सुसमयकं । १६ सुयज्ञं । १७ सुरक्तं । १८ संपूर्णं । १९ सालङ्कारं ।
 २० सुभाषाद्यं(?) । २१ सुगन्धस्थं । २२ व्युत्पन्नं । २३ मधुरं । २४ स्फुटं ।
 २५ सुप्रभं । २६ प्रसन्नं । २७ [कं]पितं । २८ समजातं । २९ रौद्रगीतं । ३० ओजः
 र्सगतं । ३१ दर्शनस्थितं । ३२ सुखव्यापकं । ३३ हतांशं । ३४ विल(?)पितं ।
 ३५ मध्यं प्रमाणं ।

७०. चतुर्विधं वाच्यम् ।

१ ततं । २ विततं । ३ घनं । ४ सुषिरं । इति ।

७०) C १ ततं । २ विततं । ३ घनं । ४ सुषिरं(?) ।

७०) D १ ततं । २ विततं । ३ घनं । ४ शिखरं (सुषिरं) चेति ।

७०) F १ स्फुटं । २ विततं । ३ घनं । ४ सुषिरं ।

७१. 'द्विप्रकारं नृत्यम् ।

१ ताण्डवं । २ लास्यं । इति ।

७१) D E १ लास्यं ताण्डवं च ।

७१) F १ लास्यं ताण्डवं चेति ।

७२. 'षोडशविधं काव्यम् ।

१ समयः । २ प्रतिभा । ३ अभ्यासः । ४ विद्या ।

५ जातिः । ६ गीतिः । ७ रीतिः । ८ वृत्तिः । ९ वाच्यं ।

१० वाचकं । ११ छन्दः । १२ अलङ्कारः । १३ गुणः ।

१४ रसः । १५ भावः । १६ अभिनयः । इति ।

७२) A B १ समयप्रतिभा । २ अभ्यास । ३ विद्या । ४ जाति । ५ गीति ।

६ रीति । ७ वृत्ति । ८ वात्सल्य । ९ वाचक । १० छन्द । ११ अलङ्कार ।

१२ गुण । १३ दोष । १४ रस । १५ भाव । १६ अभिनयं ।

७२) C १ समयति । २ अभ्यास । ३ विद्या । ४ जाति । ५ गीति । ६ वृत्ति ।

७ वाच्यं । ८ वाचकं । ९ छन्द । १० अलङ्कार । ११ गुण । १२ दोष । १३ रस ।

१४ भाव । १५ हाव । १६ अभिमानश्चेति ।

७२) D १ अभ्यासः । २ विद्या । ३ रीति । ४ गीति । ५ वृत्तिः । ६ काव्यं ।
७ अलंकारः । ८ वाचना । ९ प्रबोधः । १० गुणः । ११ दोषः । १२ रसः ।
१३ भावः । १४ अभिधानं । १५ जातिः । चेति ।

७२) E १ समय । २ प्रतिभाषा । ३ अभ्यास । ४ जाति । ५ गीति(?)ति ।
६ रीति । ७ वृत्तवाच्य । ८ वाचक । ९ छन्दः । १० अलंकार । ११ गुण ।
१२ दोष । १३ रस । १४ भाव । १५ अभिनय । १६ विद्या ।

७२) F १ समय । २ प्रतिभा । ३ अभ्यास । ४ विद्या । ५ जाति । ६ गीति ।
७ रीति । ८ वृत्ति । ९ वाच्य । १० वाचक । ११ छन्दः । १२ अलंकार ।
१३ गुण । १४ दोष । १५ रस । १६ अभिनयश्चेति ।

७२) G १ समय । २ प्रतिभा । ३ अभ्यास । ४ विद्या । ५ जाति । ६ गीति ।
७ रीति । ८ वृत्ति । ९ वाच्य । १० वाचक । ११ छन्दः । १२ अलंकार ।
१३ गुणदोष । १४ रस । १५ भाव । १६ अभिनयः ।

७३. दशविधं वक्तृत्वम् ।

१ परिभावितं । २ सत्यं । ३ मधुरं । ४ सार्थकं ।
५ परिस्फुटं । ६ परिमितं । ७ मनोहरं । ८ विचित्रं ।
९ प्रसन्नं । १० भावानुगतं । इति ।

† C E F give no vivarana.

७३) D १ मधुरं । २ सार्थक(?)कं । ३ परिस्फुटं । ४ सुमनोहरं । ५ परिमित्र(?)तं ।
६ चित्रं । ७ प्रसन्न । ८ भा[षा]नुगतं ।

७४. षड्विधं भाषालक्षणम् ।

१ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचं ।
५ मागधं । ६ सौरसेनं । इति ।

७४) A B G १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचिकं । ५ मागधं ।
६ सौरसेनं ।

७४) C १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचिकं । ५ मागधं ।
६ [सौर]सेनं ।

७४) D १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचकं । ५ मागधं ।
६ सौरसेनं ।

७४) E १ संस्कृत । २ प्राकृत । ३ अपभ्रंश । ४ पैशाच । ५ मागध ।
६ सूरसेन ।

† A B सार्थकं ।

७४) F १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचिकं । ५ सूस्तेनं ।
६ मागधं चेति ।

*

७५. पञ्चविधं पाण्डित्यम् ।

१ वक्तृत्वं । २ कवित्वं । ३ वादित्वं । ४ आगमिकत्वं ।
५ सारस्वतप्रमाणं । इति ।

७५) C १ वक्तृत्वं । २ वक्षित्वं । ३ आगम । ४ सारस्वत । ५ प्रमाणं । चेति ।
७५) D १ वक्तृत्वं । २ आगमित्वं । ३ शालसंस्कार । ४ प्रौढित्वं ।
५ सारस्वतप्रमाणं ।

७५) E १ वक्तृत्वं । २ वादित्वं । ३ कवित्वं । ४ आगमत्वं । ५ गमत्वं ।
७५) F १ वक्तृत्वं । २ वादस्कं (इदित्वं) । ३ कवित्वं । ४ आगमत्वं । ५ गमत्वं चेति ।

*

७६. चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणम् ।

१ उत्पत्तिः । २ समाप्तिः । ३ सत्यवादः । ४ प्रतिवादः ।
५ पक्षः । ६ प्रतिपक्षः । ७ प्रमाणं । ८ प्रमेयं । ९ प्रमेदः ।
१० प्रश्नः । ११ प्रत्युत्तरः । १२ दूषणं । १३ अर्थान्तरं ।
१४ उपन्यासः । १५ अनुवादः । १६ आदेशः । १७ निर्वाहः ।
१८ निर्णयः । १९ विग्रहस्थानं । २० अर्थान्तरसमता । २१ सुस्वरत्वं ।
२२ उच्चारणं । २३ जयः । २४ पराजयः । इति ।

७६) AB १ उत्पत्तिः । २ समापतिः । ३ सत्यवादि । ४ प्रतिवादि । ५ पक्ष-
प्रमाण । ६ प्रमेय । ७ प्रमेद । ८ प्रश्न । ९ प्रत्युत्तर । १० दूषण । ११ भ्रूषण ।
१२ अर्थान्तर । १३ उपन्यास । १४ अनुवाद । १५ आदेश । १६ निर्वाह । १७ निर्णय ।
१८ निश्चय । १९ स्थान । २० समता । २१ निग्रह । २२ जय । २३ अजय ।

७६) C १ उत्पत्तिः । २ समापतिः । ३ सत्यवादः । ४ पक्षः । ५ प्रतिपक्षः ।
६ प्रमाण । ७ प्रमेय । ८ प्रमेदः । ९ प्रसन्नः । १० प्रत्युत्तरः । ११ दूषण । १२ उप-
न्यास । १३ आदेशः । १४ निर्णयः । १५ निश्चयः । १६ नियमः । १७ अर्थः ।
१८ समता । १९ वर्णनः । २० माधुर्यं । २१ सुस्वरत्वं । २२ उच्चारणः । २३ जयः ।
२४ पराजयः ।

७६) D १ उत्पत्तिः । २ समापतिः । ३ सत्यवादी । ४ पक्षः । ५ प्रतिपक्षः ।
६ प्रमाणः । ७ प्रमेयः । ८ प्रसन्नः । ९ प्रमेदः । १० उत्तरप्रत्युत्तरः । ११ दूषणः ।

1 E पंचपाण्डित्यं । 2 C चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणं ।

१२ भूषण । १३ अभ्यन्तर । १४ अनुवाद । १५ अमेद् । १६ निर्वाह । १७ निर्णय ।
१८ विग्रहस्थान । १९ समता । २० जय । २१ अजयश्चेति ।

७६) E १ उत्पत्तिः । २ समापत्तिः । ३ सत्यवादी । ४ सभावाद । ५ पक्ष ।
६ प्रतिपक्षमाण । ७ प्रमेय । ८ शस्त्रप्रमेद । ९ प्रसन्न । १० प्रत्युत्तर । ११ दूषण ।
१२ भूषण । १३ उपन्यास । १४ अनुवाद । १५ दशसमिता । १६ निर्णयस्थान ।
१७ अर्थोत्तर । १८ समता । १९ जय । २० पराजयश्चेति ।

७६) F १ उत्पत्तिः । २ समाप्तिः । ३ सभावादपक्ष । ४ प्रमाण । ५ प्रमेय ।
६ प्रतिपक्ष । ७ प्रमेद । ८ प्रसन्न । ९ प्रत्युत्तर । १० दूषण । ११ भूषण ।
१२ उपन्यास । १३ अनुवाद । १४ आदेश । १५ निर्णय । १६ निश्चय ।
१७ प्रतिपक्ष । १८ निश्चयस्थान । १९ अर्थान्तरसमता । २० जय । २१ पराजयश्चेति ।

७६) G १ उत्पत्तिः । २ सभापत्तिः । ३ सत्यवादि । ४ प्रतियादि । ५ पक्ष ।
६ प्रमाण । ७ प्रमेय । ८ प्रमेद । ९ पक्ष । १० प्रत्युत्तर । ११ दूषण ।
१२ भूषण । १३ अर्थान्तर । १४ उपन्यास । १५ अनुवाद । १६ आदेश ।
१७ निर्वाह । १८ निर्णय । १९ निश्चय । २० स्थान । २१ समता । २२ निग्रह ।
२३ जय । २४ अजय ।

*

७७. षड्विधं दर्शनम् ।

१ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ साङ्ख्यं । ४ बौद्धं । ५ जैनं ।

६ चार्वाकं । इति ।

७७) D १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ साङ्ख्यं । ४ जैनं । ५ बौद्धं । ६ चार्वाकं चेति ।

७७) E १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ साङ्ख्यं । ४ जैन्यं । ५ बौद्धं । ६ चार्वाकं ।

७७) F १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ साङ्ख्यं । ४ बौद्धं । ५ जैनं । ६ चार्वाकं चेति ।

७७) G १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ साङ्ख्यं । ४ बौद्धं । ५ जैनं । ६ चार्वाकं ।

*

७८. अष्टविधं माहेश्वरम् ।

१ नैयायिकं । २ वैशेषिकं । ३ शैवं । ४ पाशुपतं ।

५ महाव्रतं । ६ कालमुखं । ७ शांभवं । ८ मुक्तिपर्यंतं । इति ।

७८) ABG १ नैयायिक । २ वैशेषिक । ३ शिवधर्म । ४ शैव । ५ कालमुख ।
६ पाशुपत । ७ महाव्रत । ८ मुक्तिपर्यंत ।

७८) C १ पाशुपत । २ कालमुख । ३ महाव्रत । ४ शांभवपर्यंत । ५ शिवधर्म । ६ शैव ।

७८) D १ न्याय । २ विशेषक । ३ शिवधर्म । ४ शैव । ५ पाशुपत । ६ काल-
मुख । ७ महाव्रतिकः ।

७८) E १ न्याय । २ वैशेषिक । ३ शैव । ४ पाशुपत । ५ कालमुख । ६ महा-
व्रतिक । ७ शिवधर्म । ८ पर्यंतश्चेति ।

1 A B E F G षट् दर्शनानि । C षड्विधं दर्शनलक्षणं । 2 C अष्टविधं माहेश्वरं ।

७८) F gives no Vivaraṇa . 1 -

७९. दशविधं ब्राह्म्यम् ।

१ प्रमाणं । २ संस्कारः । ३ कर्मवर्तनं । ४ होमः । ५ जापः । ६ श्रुता-
ध्ययनं । ७ गार्हस्थ्यं । ८ वानप्रस्थं । ९ यतिः । १० ब्रह्मचर्यं । इति ।

७९) A १ लक्षण । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ ब्रह्मचारी । ६ गृहस्थ ।
७ वानप्रस्थ । ८ यति । ९ ब्रह्मपर्येत । १० वर्तन ।

७९) B १ लक्षण । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ वर्तन । ६ ब्रह्मचारी ।
७ गृहस्थ । ८ वानप्रस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मपर्येत ।

७९) C १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ वर्तन । ६ ब्रह्मचारी ।
७ गृहस्थ । ८ वानप्रस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मपर्येत ।

७९) D १ प्रमाण । २ संस्कार । ३ कर्मवर्तन । ४ होम । ५ जाप । ६ श्रुता-
ध्ययन । ७ वानप्रस्थ । ८ गृहस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मपर्येत । चेति ।

७९) E १ प्रमाण । २ संस्कार । ३ कर्म । ४ वर्तन । ५ ब्रह्मचारी । ६ गृहस्थ ।
७ वानप्रस्थ । ८ यति ।

७९) F १ लक्षण । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ वर्तन । ६ ब्रह्मचारी ।
७ गृहस्थ । ८ वानप्रस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मचर्यं । चेति ।

७९) G १ प्रमाण । २ संस्कार । ३ कर्म । ४ वर्तन । ५ ब्रह्मचारी । ६ गृहस्थ ।
७ वानप्रस्थ । ८ यति । ९ ब्रह्म । १० पर्येत ।

८०. चतुर्विधं साङ्ख्यम् ।

१ तत्त्वं । २ प्रमाणं । ३ प्रकारः । ४ सर्वात्मं । इति ।

८०) AG १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ प्रकार । ४ सर्वात्मपर्येत ।

८०) B १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ प्रकार । ४ प्रमेदः । ५ प्रमोदपर्येत ।
६ सर्वात्मपर्येत ।

८०) C १ तत्त्वांग । २ सर्वात्मता । ३ प्रमाणं । ४ प्रकार ।

८०) D १ तत्त्वप्रमाणं । २ सर्वात्मा । ३ प्रकार । ४ कार्यं । चेति ।

८०) E १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ सर्वात्मा । ४ प्रकारपर्येत ।

८०) F १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ सर्वात्मं । चेति ।

८१. सप्तविधं जैनम् ।

१ सर्वज्ञः । २ धर्मः । ३ तत्त्वार्थः । ४ प्रमाणं । ५ प्रतिमा ।
६ प्रमेदः । ७ सिद्धिः । इति ।

- ८१) A B D F G १ सर्वज्ञ । २ धर्म । ३ तत्त्वार्थ । ४ प्रमाण । ५ प्रतिमा । ६ प्रमेद । ७ सिद्धिपर्यंत ।
 ८१) C १ सर्वज्ञ । २ धर्म । ३ तत्त्व । ४ प्रमाण । ५ अर्थ । ६ प्रतिमा । ७ प्रतिमेद । ८ सिद्धिश्चेति ।
 ८१) E १ सर्वज्ञ । २ तत्त्वार्थ । ३ प्रमाण । ४ प्रतिमा । ५ प्रमेदसिद्धि । ६ पर्यंत । ७ धर्मश्चेति ।

८२. दशविधं बौद्धम् ।

१ सौगतं । २ पारमिता । ३ विहारः । ४ प्रमाणं । ५ सौत्रान्तिकं । ६ वैभाषिकं । ७ यौगाचारं । ८ माध्यमिकं । ९ मोक्षः । १० सर्व-
 दशारिगतं । इति ।

- ८२) A १ स्वसंयद्ध । २ पर्वत । ३ पारिगत । ४ विहार । ५ प्रमाण । ६ सूत्रान्तिक । ७ वैभाषिक । ८ योगाचार । ९ माध्यमिक । १० मोक्षपर्यंत ।
 ८२) B G १ स्वसंयद्ध । २ पर्वत । ३ पारिगत । ४ विहारः । ५ प्रमाण । ६ सूत्रान्तिक । ७ वैभाषिक । ८ योगाचार । ९ माध्यमिक । १० मोक्षपर्यन्त ।
 ८२) C १ सौगतं । २ परिपद । ३ परिमितं । ४ विहार । ५ प्रमाणं । ६ शैवास्तिकं । ७ वैभाषिकं । ८ योगाचारं । ९ माध्यमिकं । १० मोक्षश्चेति ।
 ८२) D १ सगता । २ परिमिता । ३ पारमिता । ४ विहार । ५ प्रमाण । ६ सौत्रान्तिक । ७ वैराशरु(?) । ८ योगोपचार । ९ मोक्षपर्यंत ।
 ८२) E १ सुगत । २ परिगत । ३ पारमित । ४ विहार । ५ प्रमाण । ६ सौत्रान्तिक । ७ योगांत । ८ माध्यमिक । ९ मोक्ष । १० माध्यमपर्यंतश्चेति ।
 ८२) E १ स्वागतं । २ सर्वदशारिगतविहार । ३ प्रमाण । ४ प्रमेद । ५ शैवास्तिक । ६ विभाषिका । ७ योगाचार । ८ माध्यमिका । ९ परमित । १० मोक्षपर्यन्तं ।

८३. चतुर्विधं चार्वाकम् ।

१ तत्त्वं । २ प्रमाणं । ३ प्रमेदः । ४ प्रमोदः । इति ।

- ८३) A B G १ तत्त्वार्थ । २ प्रमाण । ३ प्रमेद । ४ प्रमोदपर्यन्त ।
 ८३) C १ तत्त्व । २ प्रमाणं । ३ मेद । ४ पर्यंक ।
 ८३) E १ तत्त्वप्रमाणं । २ प्रमेद । ३ प्रमोद । ४ पर्यंतश्चेति ।
 ८३) F १ तत्त्वार्थ । २ प्रमाण । ३ प्रमेद । ४ प्रमोदपर्यन्तं । चेति ।

८४. चतुर्विंशतिविधं विचारकत्वम् ।

१ विद्या । २ विज्ञानं । ३ विनोदः । ४ कला । ५ कवित्वं ।
६ वक्तृत्वं । ७ गीतं । ८ वाद्यं । ९ नृत्यं । १० देशः । ११ कालः ।
१२ पात्रं । १३ प्रमेयं । १४ वादः । १५ जयः । १६ रसः । १७ भावः ।
१८ अभिनयः । १९ धर्मः । २० अर्थः । २१ कामः । २२ मोक्षः ।
२३ लोकवादः । २४ विचारः । इति ।

८४) A B G १ विद्या । २ विनोद । ३ विज्ञान । ४ कला । ५ कवित्व ।
६ वक्तृत्व । ७ गीत । ८ वाद्य । ९ नृत्य । १० देश । ११ काल । १२ पात्र ।
१३ प्रमेय । १४ पर्याय । १५ जय । १६ रस । १७ भाव । १८ अभिनय ।
१९ धर्म । २० अर्थ । २१ काम । २२ मोक्ष । २३ लोकवाद । २४ विचारपर्येत ।

८४) C १ विद्या । २ विज्ञान । ३ विनोद । ४ कला । ५ कवित्व । ६ वक्तृत्व ।
७ गीत । ८ नृत्य । ९ देश । १० काल । ११ पात्र । १२ प्रमेय । १३ पर्याय ।
१४ संवाद । १५ अभिनय । १६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष ।
२० लोकपर्येतकश्चेति ।

८४) E १ विद्या । २ विज्ञान । ३ विनोद । ४ कला । ५ कवित्व । ६ वक्तृत्व ।
७ गीत । ८ नृत्य । ९ वाद्य । १० देश । ११ पात्र । १२ प्रमेय । १३ रस ।
१४ वाद । १५ अभिनय । १६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष ।
२० लोकवादपर्येतकश्चेति ।

८४) F १ विद्या । २ विज्ञान । ३ विनोद । ४ कला । ५ कवित्व । ६ वक्तृत्व ।
७ गीत । ८ नृत्य । ९ वाद्य । १० देश । ११ काल । १२ पात्र । १३ प्रमेय ।
१४ पर्याय । १५ जय । १६ रसवाद । १७ अभिनय । १८ धर्म । १९ अर्थ ।
२० काम । २१ मोक्ष । २२ लोक । २३ वाद । २४ विचारपर्येतकश्चेति ।

•

८५. दशविधं गुरुत्वम् ।

१ वंशे २ ज्ञाने ३ पदे ४ सत्त्वे ५ शौर्ये ६ दाने ७ बले ८ जये ।
९ संताने १० स्वगुणे चेति गुरुत्वं दशधा मतम् ॥

८५) E १ वि(वंशे)ज्ञाने पदे शौर्ये सत्त्वे दाने बले जये । संताने स्वगुणे चेति ।

८५) F १ वंशे । २ दाने । ३ पदे । ४ शौर्ये । ५ दैवे । ६ दाने । ७ बले ।
८ जये । ८ विजये । ९ विज्ञाने । १० स्वगुणे गुरुत्वं दशधा मतम् ।

•

1 A B G अथ चतुर्विंशति । ■ C चार्वाकः । F वादलक्षणं । 3 C चादत्तं ।
4 A G स्वगुणे । B सुगुणे ।

८६. पञ्चविधं चरितम् ।

१ ज्ञानचरितं । २ मानचरितं । ३ दानचरितं । ४ वीरविलासचरितं ।
५ धर्मारम्भचरितं । इति ।

८६) C १ विलासचरित्रं । २ धर्मचरित्रं । ३ वीरचरित्रं । ४ गुणः प्रक्षेपणं ।

८६) E १ दानं । २ मानं । ३ ज्ञानं । ४ विचार । ५ विलास ।

८६) F १ वीरचरितं । २ विलासचरितं । ३ ज्ञानचरित्रं । ४ कलाचरित्रं । ५ गुण-
प्रक्षामचरितं चेति ।

*

८७. पञ्चविधं पार्थिवानां पालनम् ।

१ राज्यपालनं । २ प्रजापालनं । ३ भूमिपालनं । ४ धर्मपालनं ।
५ शरीरपालनं । इति ।

८७) C १ कर्मपालनं । २ धर्मपालनं । ३ प्रजापालनं । ४ भूमिपालनं । ५ शरीरपालनं ।

८७) E १ धर्मपालनं । २ राज्यपालनं । ३ भूमिपालनं । ४ शरीरपालनं । ५ प्रजापालनं ।

८७) F १ साधुपालनं । २ राज्यपालनं । ३ प्रजापालनं । ४ भूमिपालनं ।
५ सत्यपालनं । चेति ।

*

८८. सप्तविधा प्राप्तिः ।

१ ज्ञाने २ धर्मे ३ बले ४ कामे ५ विज्ञाने ६ पात्रसंग्रहे ।
७ महार्थे भूमुजां नित्यं प्राप्तिः सप्तविधा मता ॥

८८) C ज्ञाने धर्मे बले कामे विज्ञाने पात्रसंग्रहे । सर्वार्थभूत(भु)जां चैव प्राप्तिः सप्तविधा
मता ॥

८८) E ज्ञाने धर्मे बले कामे विज्ञाने पात्रसंग्रहे । सर्वार्थभूमुजां नित्यं प्राप्तिः सप्तविधा
मता ॥

८८) F ज्ञाने धर्मे क(ब)ले कामे विज्ञाने पात्रसंग्रहे । सर्वार्थं भूमुजानां नित्यप्राप्तिः ।

*

८९. चतुर्विंशतिविधं शौर्यम् ।

१ शब्दशौर्यं । २ प्रतापशौर्यं । ३ दानशौर्यं । ४ स्थानशौर्यं ।
५ उदयशौर्यं । ६ तेजशौर्यं । ७ संग्रामशौर्यं । ८ प्रतिपत्तिशौर्यं । ९ जय-

शौर्य । १० मानशौर्य । ११ ज्ञानशौर्य । १२ साहसशौर्य । १३ शरणा-
गतशौर्य । १४ प्रमोदशौर्य । १५ उद्यमशौर्य । १६ अर्थशौर्य ।
१७ आचारशौर्य । १८ बलशौर्य । १९ कीर्तिशौर्य । २० धर्मशौर्य ।
२१ रक्षणशौर्य । २२ गुणशौर्य । २३ परिवोधशौर्य । २४ प्रबोधशौर्य ।
इति ।

८९) A B G १ शब्दशौर्य । २ प्रतापशौर्य । ३ दान । ४ स्थान । ५ उद्यम । ६ तेज ।
७ संप्राम । ८ प्रतिपन्न । ९ जय । १० मान । ११ ज्ञान । १२ साहस । १३ शरणागत ।
१४ परिवोध । १५ प्रमोद । १६ उद्यम । १७ अर्थ । १८ आचार । १९ बल । २० कीर्ति ।
२१ लक्षण । २२ गुण । २३ ज्ञान । २४ मान ।

८९) C १ नाम । २ शब्द । ३ प्रताप । ४ दान । ५ स्थान । ६ उत्तम । ७ तेज ।
८ संप्राम । ९ प्रतिपत्ति । १० जयमान । ११ ज्ञान । १२ साहस । १३ शरणागत ।
१४ रक्षण । १५ प्रबोध । १६ प्रमोद । १७ आज्ञा । १८ उद्यम । १९ यथाचार । २० बल ।
२१ कीर्ति । २२ शौर्य । २३ धर्म । २४ रक्षण चेति ।

८९) E १ ज्ञान । २ मान । ३ शब्द । ४ प्रताप । ५ दान । ६ उद्यम । ७ तेज ।
८ संप्राम । ९ जय । १० साहस । ११ प्रतिपन्न । १२ शरणागत । १३ प्रबोध । १४ प्रमोद ।
१५ आज्ञा । १६ उद्यम । १७ अर्थ । १८ आचार । १९ बल । २० कीर्ति । २१ लक्षण ।
२२ शौर्य चेति ।

८९) F १ तनु । २ शब्द । ३ प्रताप । ४ दान । ५ स्थान । ६ उद्यम । ७ तेज ।
८ संप्राम । ९ प्रतिपन्न । १० जय । ११ मान । १२ ज्ञान । १३ साहस । १४ शरणागत ।
१५ प्रबोध । १६ प्रमोद । १७ आज्ञा । १८ उद्यम । १९ अर्थ । २० आचार । २१ बल ।
२२ कीर्ति । २३ लक्षण । २४ गुणशौर्य चेति ।

९० दशविधं बलम् ।

वाङ्मायबुद्धिमन्त्रैश्च स्थानसैन्यसुहृज्जनैः । शकुनेर्देवतैश्चेति राज्ञां
दशविधं बलम् ॥

९०) C १ वाक्पुल । २ कायबल । ३ बुद्धिबल । ४ मंत्रबल । ५ स्थानबल ।
६ सैन्यबल । ७ सुहृत्पुल । ८ शकुनबल । ९ राजबल ।

९०) E १ वाक् । २ काय । ३ बुद्धि । ४ मंत्र । ५ मन । ६ सुहृद । ७ शकुन ।
८ सैन्य । ९ ध्वने । १० धृति । ११ देवता चेति ।

९०) F वक्तायुः बुद्धिमन्त्रैश्च स्थानं सैन्यं सुहृज्जनैः ।

शकुनेर्देवतैश्चेति राज्ञां दशविधं बलम् ॥

९१. दशविधः सङ्ग्रहः ।

ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बले जये । धर्मे मित्रे श्रुते यज्ञे
दशधा गुणसङ्ग्रहः ॥

- ९१) A ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बले धर्मे जये गुणेषु श्रुतसंग्रहः ॥
९१) B ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बाल धर्मे जये गुणेषु श्रुतसंग्रहः ॥
९१) C ज्ञाने पात्रे च विक्रे च पक्ष्यायोगे बले जये लक्षित ।
९१) E १ ज्ञानपात्र । २ मित्रपात्र । ३ शौर्यपात्र । ४ नियोग । ५ बल ।
६ प्रमीण । ७ यज्ञ । ८ धर्म । गुणसंग्रहः ।
९१) F ज्ञाने पात्रे च मित्रे च पत्नीयोगे बले जये । धर्मे गुणे श्रुते चैव संग्रहः सप्तधा
मतः ॥
९१) G ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बले धर्मे जये गुणेषु श्रुतसंग्रहः ॥

९२. दशविधो जयः ।

ज्ञानासनप्रतापैश्च सङ्ग्रामैश्च सुहृज्जनैः । निद्राहारोदयैश्चेति राज्ञां दश-
विधो जयः ॥

- ९२) A G ज्ञानासनं प्रतापैर्वा संग्रामैश्च सुहृज्जनैः ।
निद्राहारोदयाश्चेति राज्ञां दशविधो जयः ॥
९२) B ज्ञानासनं प्रतापैर्वा संग्रामैश्च सुहृज्जनैः ।
निद्राहारैर्दयाश्चेति राज्ञां दशविधो जयः ॥
९२) C १ ज्ञान । २ सैन्य । ३ प्रताप । ४ काम । ५ संग्राम । ६ ऐश्वर्य । ७ श्रुत ।
८ मित्र । ९ सत्य ।
९२) E १ मित्र । २ पात्र । ३ नियोग । ४ वासना । ५ सुहृद । ६ प्रताप ।
७ ऐश्वर्य । ८ संग्राम । ९ वाक । १० परिधमी । ११ निद्रा । १२ आहार । १३ इन्द्रिय ।
९२) F ज्ञानासनप्रतापेऽर्थात् संग्रामैश्च सुहृज्जनैः ।
निद्राहारेन्द्रिये चेति राज्ञां दशविधो जयः ॥

९३. पञ्चविधः परिच्छेदः ।

१ अलक्षितं । २ लक्षितं । ३ मानसिकं । ४ वाचिकं । ५ कार्मिकं ।
चेति ।

- ९३) A B C D G give no Vivaraṇa
९३) E १ अलक्षित । २ लक्षित । ३ मानसिक । ४ वाचिक । ५ कर्मण ।
९३) F १ अलक्षित । २ लक्षित । ३ मानसिक । ४ वाचिक । ५ कर्मणा चेति ।

९४. पञ्चविधं प्रभुत्वम् ।

१ कुलप्रभुत्वं । २ ज्ञानप्रभुत्वं । ३ दानप्रभुत्वं । ४ स्थानप्रभुत्वं ।
५ अभयप्रभुत्वं । इति ।

९४) A G १ कुलप्रभुत्वं । २ ज्ञानप्रभुत्वं । ३ दानप्रभुत्वं । ४ स्थानप्रभुत्वं ।
५ अभयप्रभुत्वं ।

९४) B १ कुलप्रभुत्वं । २ दानप्रभुत्वं । ३ स्थानप्रभुत्वं । ४ अभयप्रभुत्वं ।

९४) C १ कुल । २ शौर्य । ३ दान । ४ स्थापन । ५ गुण ।

९४) E १ ज्ञानप्रभुत्व । २ अक्षय । ३ शौर्य । ४ स्थापना । ५ प्रज्ञान । ६ अभय ।

९४) F १ ज्ञानप्रभुत्व । २ आय(?)प्रभुत्व । ३ शौर्यप्रभुत्व । ४ स्थानप्रभुत्व ।
५ दानप्रभुत्व चेति ।

*

९५. सप्तविधमुत्तमत्वम् ।

१ वयः । २ कुलं । ३ रूपं । ४ शीलं । ५ पदं । ६ ज्ञानं ।
७ प्रयोगः । इति ।

९५) A B G १ वयः । २ कुल । ३ रूप । ४ शील । ५ पद । ६ ज्ञान ।
७ प्रयोगपर्यंतं चेति

९५) C gives no Vivaraṇa

९५) E १ वयः । २ कुलं । ३ शीलं । ४ रूपं । ५ पदं । ६ ज्ञानं । ७ प्रयोगः ।

९५) F १ वयस् । २ कुल । ३ शील । ४ रूप । ५ पद । ६ ज्ञान । ७ योग ।
८ प्रयोगश्चेति ।

*

९६. नवविधा शक्तिः ।

१ धर्मशक्तिः । २ दानशक्तिः । ३ मन्त्रशक्तिः । ४ ज्ञानशक्तिः ।
५ अर्थशक्तिः । ६ कामशक्तिः । ७ युद्धशक्तिः । ८ व्यायामशक्तिः ।
९ भोजनशक्तिः । इति ।

९६) C १ व्यायामशक्ति । २ ज्ञानशक्ति । ३ दानशक्ति । ४ धर्मशक्ति ।
५ अर्थशक्ति । ६ युद्धशक्ति । ७ भोजनशक्ति । ८ विद्याशक्ति ।

९६) E १ धर्मशक्तिः । २ मन्त्रशक्तिः । ३ कामशक्तिः । ४ भोजनशक्तिः । ५ युद्ध ।
६ व्यायाम । ७ देश । ८ उपार्जन । ९ वाद ।

९६) F १ दानशक्ति । २ धर्मशक्ति । ३ मन्त्रशक्ति । ४ ज्ञानशक्ति । ५ कामशक्ति ।
६ अर्थशक्ति । ७ युद्धशक्ति । ८ भोजनशक्ति । ९ व्यायामशक्तिश्चेति ।

*

१७. सप्तविधा भुक्तिः ।

१ शब्दः । २ स्पर्शः । ३ रूपं । ४ रसः । ५ गन्धः । ६ अभिमानः ।

७ देशः । इति ।

१७) C gives no Vivarana

१७) E १ प्रतिमान । २ द्रव्य । ३ शब्द । ४ स्पर्श । ५ रूप । ६ रस । ७ गंध ।
८ देशभुक्ति ।

१७) F १ अभिमान । २ शब्द । ३ रस । ४ रूप । ५ गंध । ६ देश ।
७ स्पर्शभुक्तिश्चेति ।

१८. अष्टविधमभिमानलक्षणम् ।

ज्ञाने दाने बले धर्मे धर्मार्थे शत्रुमारणे । समारम्भे च युद्धे च
अभिमानं प्रचक्षते ॥

१८) A ज्ञाने दाने धर्मे अर्थे कामे बले शत्रुघाते । समारम्भोद्धितं च ।

१८) B ज्ञाने धर्मे अर्थे कामे बले शत्रुघाते समारम्भे स्थितं च ।

१८) E १ ज्ञान । २ दान । ३ बल । ४ धर्म । ५ अर्थ । ६ काम । ७ शत्रु ।
८ घात । ९ समारम्भ । १० उद्धृतं चेति ।

१८) F १ ज्ञाने । २ दाने । ३ बले । ४ कर्मे । ५ कामे । ६ अर्थे । ७ शत्रु-
मारणे । ८ समारम्भे चेति ।

१८) G १ ज्ञाने । २ दाने । ३ धर्मे । ४ अर्थे । ५ कामे । ६ बले । ७ शत्रु-
घाते । ८ समारम्भो स्थितं च ।

१९. चतुर्विधं वात्सल्यम् ।

देवानां सहस्ररूपां च मन्त्राणां बल्लभे जने । स्नेहेन मानसं यच्च
तद्वात्सल्यं चतुर्विधम् ॥

१९) A B G देवानां सहस्ररूपां च मन्त्राणां बल्लभे जने । स्नेहेन मानसं यच्च तद्वात्सल्यं
चतुर्विधम् ॥

१९) C देवानां सहस्ररूपां च धियां बल्लभमोजने । स्नेहेन मानसं यच्च तद्वासे ।

१९) E देवानां गुरुरूपां च मित्राणां वर्णमोजने । स्नेहेन मनसा यच्च तद्वात्सल्यं
चतुर्विधम् ॥

१९) F देवानां सहस्ररूपां मित्राणां बल्लभे जने । स्नेहेन संत[तौ] वात्सल्यं चतुर्विधम् ॥

१००. पञ्चविधो महोत्सवः ।

१ ज्ञानमहोत्सवः । २ धर्ममहोत्सवः । ३ अर्थमहोत्सवः । ४ काम-
महोत्सवः । ५ मोक्षमहोत्सवः । इति ।

१००) A G १ ज्ञानमहोत्सवः । २ धर्ममहोत्सवः । ३ काममहोत्सवः ।

१००) B १ ज्ञानमहोत्सवः । २ अर्थमहोत्सवः । ३ काममहोत्सवः ।

१००) C १ काममहोत्सवः । २ द्रव्यमहोत्सवः । ३ मोक्षमहोत्सवः ।

१००) E १ ज्ञान । २ धर्म । ३ अर्थ । ४ काम । ५ मोक्षमहोत्सवश्चेति ।

१००) F १ धर्ममहोत्सवः । २ द्रव्यमहोत्सवः । ३ काममहोत्सवः । ४ ज्ञानमहोत्सवः ।
५ मोक्षमहोत्सवः ।

१०१. अष्टौ लब्धियोगः ।

१ अणिमा । २ महिमा । ३ लघिमा । ४ गरिमा । ५ ईषत्वं ।
६ वशित्वं । ७ प्राप्तिः । ८ प्राकाम्यं । चेति ।

१०१) ABG give no Vivarana.

१०१) C १ अणिमा । २ महिमा । ३ लघिमा । ४ गरिमा । ५ प्राप्तिः । ६ प्राकाम्यं ।
७ ईषत्वं । ८ वशित्वं ।

१०१) E १ अणिमा । २ महिमा । ३ गरिमा । ४ लघिमा । ५ ईषत्वं । ६ वशित्वं ।
७ प्राप्तिः । ८ प्राकाम्यमेव ।

१०१) F १ अणिमा । २ महिमा । ३ गरिमा । ४ लघिमा । ५ ईषत्वं ।
६ विसत्त्य (?) । ७ वशित्वं । ८ प्राकाम्यं चेति ।

1 C drops the Sūtra but gives the Vivarana.

Appendix A.

Ms. E.

Additional Sūtras:—

पटत्रिंशत् वादित्राणि ।

१ १ मेरी २ मृदंग ३ पटह ४ मरुज ५ कसाल ६ ताल ७ लघुताल
८ शंख ९ तूर्य १० भुंगल ११ घर्घरी १२ तल्लूरी १३ वंश १४ वीणा १५ पणव
१६ दंड १७ डमरु १८ काहल १९ गर्गरी २० दुहिलि २१ मरह २२ कुंडलिका
२३ ककच २४ रावण २५ कर २६ किन्नरिक २७ त्रिवल २८ भ्राटणी २९ हंडक
३० तंत्यं ३१ करज ३२ नागक ३३ द्दकुंड ३४ नयसरली ३५ वीणात्रयं
३६ लघुमली मुख वाजिना अपदन विनोदी ॥ १०० ॥

*

पंचविंशति गुणोमात्यः ।

जनपदोमिजातः स्ववह । कृत स्वल्प । वधुपन् । ग्राह्य धारयिष्णु । दक्ष । धाम्नी ।
प्रगल्भ । प्रतिपत्तिमान् । सोत्साह । प्रभायुक्ता । क्लेशसह । शुचि । मित्रद्वन्द्वमक्ति । शीलवान् ।
यली । आरोग्यवान् । शक्तियुक्त । स्तम्भ । चापलहर संयोगो वैरिणः । अकर्ता ॥ १०१ ॥

*

राज्ञां अष्टादशतीर्थानि ।

मंत्री । पुरोहित । सेनापति । युवराज । दौवारिक । अंतर्देशिक । प्रशास । महात् ।
संनिपाद । प्रदेष्ट । नायक । पौरव्यवहारिक । परिवादाध्यक्ष । दंड । दुर्गतिपाल ।
आदविका ॥ २ ॥

*

अष्टौ स्वर्गगुणाः ।

विपघात । रसायण । मंगलार्थ । विनीत । प्रदक्षणावर्त्त । गुरु अदग्ध ॥ ३ ॥

अष्ट गुणं पयः ।

सुगंधि सुव्यकरसं । तृष्णाग्रं । शीतलं । लघु । हयं । स्वच्छं ॥ ४ ॥

*

Explanation in Old Gujarati:—

श्रीगुरुभ्यो नमः । अयातो रत्नकोशं व्याख्यास्यामः । वस्तुविज्ञानं । सर्वशास्त्रमयं
स्वयं । सर्वज्ञानप्रकाशकं । स्वल्पग्रंथं सुवोधार्यं । रत्नकोशं समभ्यसेत् । १ । तत्र शतेन
सूत्राणां । कर्तव्यः संप्रहो यथा ॥ २ ॥ अय इति मंगलार्थं । ग्रंथनुकर्ता श्रीवेदव्यास कहि
छि । ये मि चौदविद्या सर्वं प्रगट कीषी । हवि रत्नकोश पद विनामि ग्रंथ कहिछि । ते ग्रंथ
केहबुछि । सर्ववस्तुनु ज्ञान येह यिमी जणाह । वलीकेहबुछि ते ग्रंथ । सर्व शास्त्र मयछि ।
मनोरम छि । रत्ननु मंदार छि । सर्वज्ञाननु प्रकाश थाह । स्वल्पयोहुं ग्रंथ अनिशोधये
प्रतिबोधये घणु । पदबुंये रत्नकोश ते निरूपी छि । ते ग्रंथमाहिंनु एक १०० सूत्र करी
संप्रह करी छि । ते सूत्रकी हां । ते कही छि । तत्रादौ त्रिभुवनानि । ते सूत्रमाहिं प्रथम
अण्य भुवन कही छि ॥ त्रिविधं लोकसंस्थानं.....।

*

Appendix B.

Similar topics from some other works:-

राजवंशाः ।

Kumārāpala Prabandha gives the following list of the राजवंशः. They are as follows—तत्र वंशः पट्टविंशत्, एवम् इक्ष्वाकुवंश १, सूर्यवंश २, सोम ३, यादव ४, परमार ५, चाहमान ६, चौलुस्य ७, छिन्दक ८, सिलार ९, सैन्धव १०, चापोत्कट ११, प्रतीहार १२, चन्दुक १३, राट १४, कूर्पट १५ शक १६, करट १७, पाल १८, करक १९, वाउल २०, चन्देल २१, उहिल पुत्र २२, पौलिक २३, मौरिक २४, मंक्षुयाणक २५, धान्यपालक २६, राजपालक २७, अम(न)ह २८, निकुम्भ २९, दधिलक्ष ३०, तुल्दलियक ३१, हूण ३२, हरियड ३३, नट ३४, माप ३५, पोपर ३६, नामानः ।

[-जिनमण्डनकृतकुमारपालप्रबन्धः, पृ. १]

आयुधानि ।

चक्र । धनु । यज्ञ । खड्ग । धुरिका । तोमर । कुन्त । त्रिशूल । शक्ति । परशु । मक्षिका । भल्लि । भिण्डपाल । मुष्टि । लुण्ठि । शङ्ख । पाश । पट्टिश । यष्टि । कणय । कम्पन । हल । मुशल । गुलिका । कर्त्तरी । करपत्र । तरवार । कुदाल । कुस्कोट । कोफणि । डाह । डध्युस्त । मुग्गर । गदा । घन । करवालिका ।

[श्रीष्ठाश्रयमहाकाव्य (पृ. २२) अजु. म. न. द्विवेदी]

(see p. 17 of the text.)

कलाः ।

गीतम्, वाद्यम्, नृत्यम्, आलेख्यम्, विशेषकच्छेद्यम्, तण्डुलकुसुमयलिविकाराः, पुष्पात्तरणम्, दशनवसनाङ्गरागः, मणिमूसिकाकर्म, शयनरचनम्, उदकवाद्यम्, उदकाघातः, चित्राश्च योगाः, माल्यप्रथनविकल्पाः, शेखरकापीडयोजनम्, नेपथ्यप्रयोगाः, कर्णपत्रमङ्गाः, गन्धयुक्तिः, भूषणयोजनम्, पेन्द्रजालाः, कौचुमाराश्च योगाः, हस्तलाघवम्, विचित्रशाक्यूपमक्षयविकारक्रिया, पानकरसरागासषयोजनं, सूचीवानकर्माणि, सूत्रक्रीडा, शीणाडमरुकवाद्यानि, प्रहेलिका, प्रतिमाला, दुर्वाचकयोगाः, पुस्तकवाचनम्, नाटकाख्यायिकादर्शनम्, काव्यसमस्यापूरणम्, पट्टिकावेत्रचानविकल्पाः, तक्षकर्माणि, तक्षणम्, वास्तुविद्या, रूप्यरत्नपरीक्षा, धातुवादः मणिरागाकरचानम्, वृक्षायुर्वेदयोगाः, मेपकुण्डलावकयुद्धविधिः, शुकसारिकाप्रलापनम्, उन्सादने संवाहने केशमर्दने कौशलम्, अक्षरमुष्टिकाकथनम्, म्लेच्छितविकल्पाः, देशमापाविज्ञानम्, पुष्पशकटिका, निमित्तज्ञानम्, यन्त्रमातृका, धारणमातृका संपाद्यम्, मानसी काव्यक्रिया, अभिधानकोपः, छन्दोज्ञानम्, क्रियाकल्पः, छलितकयोगाः, वल्लगोपनानि, द्यूतविशेषाः, आकर्षक्रीडा, बालक्रीडनकानि, वैनयिकीनां, वैजयिकीनां, व्यायामिकीनां च विद्यानां ज्ञानम् (इति चतुःपट्टिरङ्गविद्याः कामसूत्रस्यावयवविन्यः) ॥

कामसूत्रे १ साधारणेऽधिकरणे, ३ विद्यासमुद्देशप्रकरणम् । पृ. ३२-३३ (C. S. S.)

(see p. 21)

जयमंगला on सूत्र १५ अ. ३ अधिकरण १.

शास्त्रान्तरे चतुःषष्टिर्मूलकला उक्ताः । तत्र कर्माध्याया चतुर्विंशतिः । तद्यथा-गीतं, नृत्यं, वाद्यं, कौशललिपिज्ञानं, वचनं, चोदायं, चित्रविधिः, पुस्तकर्म, पत्रच्छेद्यम्, माल्य-विधिः, गन्धयुक्त्यास्वाद्यविधानं, रत्नपरीक्षा, सीवनं, रत्नपरिक्षानम्, उपकरणक्रिया, मान-विधिः, आजीवज्ञानम्, तिथ्यग्योनिचिकित्सितम्, मायाकृतपापण्डसमयज्ञानं, क्रीडाकौशलं, लोकज्ञानं, वैचक्षण्यं, संवाहनं, शरीरसंस्कारः विशेषकौशलं चेति ।

यूताध्याया विंशतिः । तत्र निर्जीवाः पञ्चदश । तद्यथा-

आयुःप्राप्ति, अक्षविधानं, रूपसंख्या, क्रियामार्गणम्, धीजग्रहणम्, नयमानं, करणा-दानं चित्राचित्रविधिः, गूढराशिः, तुल्याभिहारः, क्षिप्रग्रहणम्, अनुप्राप्तिलेखस्मृतिः, अग्नि-कर्मः, छलव्यामोहनम्, ग्रहदानं चेति ।

सजीवाः पञ्च । तद्यथा-

उपस्थानविधिः, युद्धं, कृतं, गतं, वृत्तं चेति ।

शायनोपचारिकाः षोडश । तद्यथा-

पुरुषस्य भाषग्रहणं स्वरागप्रकाशनम्, प्रत्यङ्गदानं, नखदन्तयोर्विचारौ, नीषीकसंनं, शुद्धस्य संस्पर्शानुलोम्यम्, परमार्थकौशलं, हर्षणं, समानार्थता कृतार्थता, असंप्रोत्साह-नम्, मृदुक्रोधप्रवर्तनं, सम्यक् क्रोधनियतनं, क्रुद्धप्रसादनं, सुतपस्वित्यागः, चरमस्वापविधिः, शुद्धगृहणमिति ।

चतस्र उत्तरकलाः- साधुपातं रमणाय शापदानम्, स्वशपथक्रिया, प्रस्थितानुगम-नम्, पुनः पुनर्निरीक्षणं च । इति चतुःषष्टिर्मूलकलाः ।

जयमंगला टीका

कामसूत्रे १ साधारणेऽधिकरणे ३ अध्याये, विद्यासमुद्देशप्रकरणम् । पृ. ३१ (C.S.S.)

ॐ

भाषाः ।

रतिः । हासः । शोकः । क्रोधः । उत्साहः । मयम् । जुगुप्सा । विस्रयः । निर्वेदः । ग्लानिः । शङ्का । अक्षया । मदः । ध्रमः । आलस्यम् । दैन्यम् । चिन्ता । मोहः । स्मृतिः । धृतिः । प्रीडा । चपलता । हर्षः । आवेगः । जडता । गर्वः । विषादः । औत्सुष्यम् । निद्रा । अप-सारः । सुप्तम् । वियोधः । अमर्षः । अवहित्यम् । उग्रता । मतिः । व्याधिः । उन्मादः । मर-णम् । शसः । वितर्कः । खेदः । स्तम्भः । कम्पः । अक्षम् । वैवर्ण्यम् । रोमाञ्चः । स्वरसादः । प्रलयः ।

(ना. शा. अ. ७. काशी. सं. सिरीइ)

रति । हास । शोक । क्रोध । विस्रय । उत्साह । मय । जुगुप्सा । निर्वेद । ग्लानि । शङ्का । अक्षया । मद । ध्रम । आलस्य । दैन्य । चिन्ता । मोह । स्मृति । धृति । प्रीडा ।

मीडा । चपलता । हर्ष । आवेग । जडता । गर्व । विशद । औत्सुक्य । निद्रा । अपस्मार ।
मुक्त । (योष) वियोष । अमर्ष । अयद्विष्य । उग्रता । मति । व्याधि । उन्माद । मरण । प्रास ।
संदेह । रोमाञ्च । स्वरमेद । अधु । धैर्यम् ।

(see p. 38)

(विष्णुधर्मोत्तर, तृतीयखण्ड अ. ३०)

ॐ

अमिनयाः ।

आङ्गिको पाञ्चिकश्चैव आहार्यः सात्त्विकस्तथा ।

ज्ञेयस्त्यमिनयो विप्राश्चतुर्धा परिकल्पितः ॥

(नाट्यशास्त्र-प्र. ८. श्लो. ९)

(see p. 39)

*

*

*

अकारादिशब्दानुक्रमणिका ।

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अगीतसंगता	५७	२३	अदानत	५८	६
अगीतिता	५७	२१	अक्रुत	३७	२०
अग्नि	२५	११, २४	अद्र	१८	२९
"	२६	४	अधम	८	२, ३, ४, ५
"	२७	९	अधिकांशा	१३	१०
"	२९	१२	अधील	१२	१
"	३३	३	अध्यक्ष	११	१९
"	३४	२, १८	"	१२	१८
"	३५	३२	"	१३	२७
"	३६	१०	"	१४	३२
अग्निपाल	३४	३३	अध्यक्षपात्र	१४	२, १०, १७, २५
"	३५	१३	"	१५	११
अग्निमुख	३०	२	अप्यारम्भ	२२	२१
अग्निमुखदेरा	२७	२४	"	२३	३७
अग्निविशेषणम्	२६	२२	"	२५	११, २४
अग्निविज्ञानं	२४	१६	"	२६	४, २२, ३८
अग्रप्य	६३	१५	"	२७	९
अग्रार्म्य	६२	२०	अप्यारम्भविज्ञान	२४	१६
"	६३	८, २१, २९	अनम	६०	५
"	६८	८, २१, २९	अनमराशी	५९	२६
अग्रसन	३२	१, १४, २९, ३४	"	६०	३, ८, १०, १५
अग्रसनं	२८	२२	अनंग	९	६, १२, २६, ३५
"	३२	४	अनंगवंश	८	२४
"	३२	२४	अनिल	४५	४
अजय	६६	२१	अनिष्ट	४	२
"	६७	२, १५	अनुकूल	४०	८, ९, १०, ११, १२
अग्निमा	७३	११	अनुक्रम	११	२३
"	७६	९, १३, १५	"	१२	५, २१, ३८
अति अनौचित्यता	५७	२३	"	१३	१४, ३१
अति असंगतता	५७	२०, २३	अनुकनगुण	११	५
अतिकान्त प्रेक्षणम्	४८	१७, २२	अनुगीत	६२	९, ७, ८, १०
अति प्रवासता	५७	१७, १९	अनुगोपणं	५९	२३
"	५७	१९	अनुग्रह	११	१७, ३४
अति प्रसंगता	५७	१८, २०	"	१२	१४, ३१
अतिरुता	५७	२३	"	१३	२५
अती	३५	१	अनुग्रहगुण	१०	२४
			अनुविगता	५७	१८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अनुराग	१२	५, २१, ३८	अभिधानफल	२१	२७
॥	१३	१५	अभिधानं	६५	३
अनुरागपोषणं	५९	१७, २०, २७	अभिनय	६४	२१, २४
अनुवशा	१३	१४	”	६५	६, ९, १२
अनुवाद	६६	१५, २०	”	७०	५, ९, १३, २१
॥	६७	१, ५, ९, १३	अभिनव	१४	३०
अनुवास	१२	३८	”	७०	१७
अनुशयन	६०	४, १६	अभिमान	११	२३
अनुशयनाघर्यं (?)	६०	११	”	१२	५, २१, ३८
अनुशयनं	६६	१, १६	”	१३	१५, ३१
अनुशयनं	६०	१	”	४१	१५
अनुशायी	६०	१३	”	६४	२७
अनौचितं	५७	२०	”	७५	२, ५
अनौचित्यता	५७	२६, २९	अभिमानकारण	४४	९
अनंतभाषिन्	५७	५	अभिमानगुण	११	५
अक्षराला	३२	१९	अभिमानता	५७	१९, २२, २५, २८
अन्योन्यशायी	६०	८	अभिमानयुक्ता	५७	५
अप	२०	२, २१, २९	अभिमानलक्षण	५	२३
”	२१	६	अभिमानावलेपता	५७	१६
अपगीतं	६२	७	अभिमानि	४०	१६
अपतरव	२०	१२	”	४१	३, ९, २२, २९
”	२१	१४	”	५७	२, ७, ९, १२
अपव्रज	६५	२०, २२, २३, २४, २५	अभिलाषा	४५	१२, १४, १६
अपव्रजं	६६	१	अभिसारिका	१४	३४
अपस्मार	२९	४, १०, १६	”	४२	९, ३५
”	३८	८, १५, २३	अभूतिशायी	६०	१, ६
अपेक्षनं	६१	२३	अभेद	६७	१
अप्रियंवदा	४७	१८	अभ्यन्तर	६७	१
अप्रीतिता	५७	२१	अभ्यास	६४	१८, २२, २५
अभय	३४	७	”	६५	१, ४, ७, १०
अभयउपशब्दव्य	३६	३१	अमर	३३	३
अभयदान	३६	२७	”	३४	२, १८, ३४
अभयप्रभुत्वं	७४	३	”	३५	१३, २२, ३२
अभयमुख (?)	१७	१४	”	३६	१०
॥	१६	३४	अमर्ष	३८	१६, २४
अमागी	५७	१०	”	३९	४, ११, १६
अभाव	५७	२३, २७, ३०	अमाल	१०	९, ११, १२
अभिचारिकापात्र	१५	७	”	१४	३२
अभिधान	२२	२५	”	१६	३०, ३४
”	२३	५, १६	”	१७	१, ५, ९, १४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अमाल्यपात्र	१४	१०, १७	अर्घ्यसौच	४४	१९, २१
"	१५	५, ११	"	४५	८
अमाल्यपात्र	२	१४	अर्घ्यसौच	७२	२
अमित्राणि द्वेपयति	४६	१३, १८, २६	अर्घ्यस्थान	३२	३०
अमित्राणि द्वेष्टि	४५	२२	अर्घ्यस्थानं	३२	२५
"	४६	७, ३२	अर्घ्यानुभाविनी	४६	१६, २२
"	४७	३	अर्घ्यान्तर	६६	१४, २०
अमित्राणि पूजयति	४७	९, १५, २७	"	६७	६
"	४८	६	अर्घ्यान्तरसमता	६६	१६
अमोह	६१	२४, २६	"	६७	१०
अमोहन	६१	२३	अर्घ्यान्तरसमता	६७	१३
अयुक्तिगुण	११	५	अर्घ्यशक्ति	७५	१५
अरूपता	५७	२६, २९	अर्घ्यस्थान	३२	५, १०, १५
अर्चास्थान	३२	३५	अर्घुद	२८	१७, ३२
अर्घ्य	८	१२, १३, १४, १५	"	२९	१४, २८
"	१९	४, ९	"	३०	४, १७
"	२२	२१, २५	अर्घुददेश	२७	२८
"	२३	३८	अलक्षित	७३	२१, २४
"	३१	७, १२, १७, २३, २८	अलिखित	७३	२२
"	६४	२४	अलंकार	१९	१३
"	६९	३	"	२२	२०, २५
"	७०	५, १०, १३, १७, २१	"	२३	५, १६, ३७
"	७२	७, १५, १९	"	६४	२०, २३, २६
"	७५	११, १५	"	६५	२, ५, ८, ११
"	७६	६	अलंकारकला	२१	२७
अर्घ्यकला	२१	२८	अलंकारशास्त्र	१९	२, ८, १७, २२
अर्घ्यकामत	५८	४	अवदान	४०	१८
अर्घ्यत	५८	२, ३	"	४१	१६, २३
अर्घ्यताः कामरत	५८	५	अवधान	६२	४
अर्घ्यदानत	५८	७	अवधानगत	६२	२, ३
अर्घ्यपात्र	१३	३५	अवन्ती	२८	१८, ३२
"	१४	७, १४, २२, २८	"	२९	१४, २९
"	१५	१, ८	"	३०	५, १८
अर्घ्यपुरुष	१७	११	अवन्तीदेश	२७	२७
अर्घ्यमहोत्सव	७६	२, ४	अवभिषा(! हित्वा)	३८	९
अर्घ्यलक्षण	३०	३२	अवलेपता	५७	२२
अर्घ्यनाद	२३	१७	अवसान	४	७
अर्घ्यविज्ञान	६१	२, २७	अवहित्य	३८	१९
"	६१	२०, २७	"	१९	३९
अर्घ्यशक्ति	७४	१८, २१			
अर्घ्यशास्त्र	१९	१८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अवि(ध)स्वनशायी	६०	१४	अक्षमता	५७	२२
अविधास	३	१३	अक्षरपात्र	१५	५
अशक्ति	१३	१४	अक्षरविनोद	१५	१९
अशक्तिगुण	११	४	अज्ञानता	५७	१६, १९, २४, २५, २८
"	१८	६, १२, २२, २४	आकाश	२०	२, १९, २१
अशान	२५	२६, २९	"	२१	६
"	२७	१४	आकाशतत्त्व	२०	१२
अशानविधि	२६	२१, ३८	"	२१	१४
अशनविधिविज्ञान	२५	१	आखेट	२६	२३
अशब्द	६०	४, १६	आखेटक	१५	२९
अशब्दशायी	६०	२, ६, ११	"	१६	३, ७, १३, १८, २४
अशेषकथाप्रस्तान	५८	१३	"	२६	३, ८, ९
अशौच	३९	८	"	२७	१३
अशौचरता	५७	६	आखेटकविनोद	१५	२१
अशु	३८	४, १७, ३०	आखेटकविज्ञान	२४	२३
"	३९	७, १८	आख्यान	१७	११
अश्व	२५	१०, २६	आगम	६६	६, ९, १०
"	२७	११	आगमिकत्व	६६	४
अश्वपरीक्षा	२३	२३	आगमित्व	६६	७
अश्वविज्ञान	२४	१९	आगलिका	१८	२१
अश्वशाला	३२	३	आग्रह	१२	३२
अश्वशिक्षा	२६	६, १९, ३६	"	१३	७
अमन्मुखशायी	६०	९	आतृक	४३	६९
अमृल	३८	८, २३	आचार	७२	७, १५, १९
"	३९	१०	आचारवर्ती	४३	४३
अमृदा	३८	५, ३०	आचारशौच	४४	१९, २१
"	३९	७	"	४५	६, ८
असयदप्रलापी	५७	२, ७, ९, १२	आचारशौर्य	७२	३
असयदशायी	६०	९	आत्मस्नान	१६	३३
अस्थि	२०	७, १६, २५	"	१७	१३
"	२१	१, १०, १८,	आदरगुण	१०	२७
अस्थिरात्म	२६	३४	आदित्य	३२	११, १५, १९
अन्नबोध	२६	३८	"	३३	२
अहर्गण	३३	४	"	३४	१, १७, ३३
अहंकार	३०	५, १५, २४, ३१	"	३५	२८
"	२१	८, १७	"	३८	९
अशन	२४	७, २३	आदेश	२	६
"	३३	११	"	६६	१५, २०, २४
"	३५	२, २०, ३६	"	६७	९, १३
"	३६	१५			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
आनल	४४	२३	आराध्य	२९	१९, ३९
आन्ध्रदेश	२८	८	”	३०	२५
आन्वीषिकी	१७	१८, २०	आराम	२६	१, १६, ३१
आन्वेपिकी	१७	२०	आरामविज्ञान	२४	११
आप्त	१६	२९	आरामिक	१६	३४
”	१७	१५	”	१७	१४
आप्ताहित	१७	९	आर्द्र	३६	२१
आप्तीर	२८	२४	आर्द्रमास	२५	१५, २६
”	२९	७, २०	”	३३	१८
”	३०	२४	”	३४	१२, २८
आप्तीरदेश	२८	११	”	३५	५, १४
”	२९	३६	”	३६	३
आप्तेर	३०	११	आर्द्रशाक	३३	१९
आप्तप्रभुत्व	७४	७, ८	”	३६	६
आमिष	३३	१९	आर्द्रशाखा	३४	१४, ३०
”	३५	२५	”	३५	९
आन्नायिक	१६	३०, ३५	”	३६	२३
आन्न	३३	१२	आर्द्रमल्लक	३५	२५
”	३५	२, ३६	आलस	३९	१
”	३६	१७	आलस्य	३८	६, १८, ३१
”	३८	८, २४	”	३९	८, १९
आम्ल	३५	२१	आलिङ्गन	५८	१३, २३
आयतन	३२	६, ११, १६, २१, २६	”	५९	१, ३, ५, ७, ९, ११
”	३१	३२	आवर्तनकीर्ति	३७	१६
आयु	२५	१७	आवस्य	३९	१०
”	२६	१०, २५	आवेग	३८	१४
”	२७	१, १५	”	३९	१५
आयुष	२	१	आवेश	२८	७, २२
”	२२	१६, ३१	”	३९	३
”	२३	१०, २३, ३२	आवेशन	३२	१०, ३०, ३५
आयुषकला	२२	५	”	३२	५, २५
आयुषकार	२५	१४, २८	आथर्म्य	२०	२७
”	२७	१३	”	३९	८
आयुर्वेद	२५	३०	आथर्म	३९	१
”	२६	३२	आश्वासन	५८	१२
आरमटी	३९	२३, २४, २५, २६, २७, २८, ३०	आमफि	११	२३
आराट	२९	१४	”	१२	५
आराज	२८	८	”	१३	३१
”	२९	८	आसन	३५	९, २२
			”	३७	७

[illegible]

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
उत्साहगुण	११	८	उपम्य	२१	८, १७
उत्प्लव्य	३९	११	उपागगीत	६२	८
उत्तरि गुजराती	२९	३०	उपायकरदान	३६	२९
उत्तरापथदेशा	२८	३	उपार्जन	७४	२३
उदके	४४	११	उभयदान	३६	२९
उदय	११	२५	उभयप्रभुत्व	७४	५
"	१२	७, २३, ४०	उभयमुख	१६	३०
"	१३	१७, ३३	"	१७	२, ६
"	७२	५, १३, १७	उरल	२८	२४
उदयमुख	१७	१०	"	२९	६, १९
उदयशौर्य	७१	२२	उरलदेश	२८	१२
उदंबर	३३	१२	उल्लास	३४	१२, २९
"	३५	२, २०, ३६	"	३६	५
उद्यम	७२	७, ११, १५, १९	उल्लेख	३३	१८
उद्यमशौर्य	७२	२	"	३५	८
उद्धत	४०	६, ३४	"	३६	१३
उद्धततम	७५	१२	ऊह	६१	२४, २६
उदात्त	१२	७	ऊहन	६१	२२
"	१३	१७, ३३	ऊहापोह	६१	१९
उदात्ता	११	२५	ऐश्वर्य	७३	१७
उदात्तगुण	११	८	"	२१	४
उदारता	१२	२३	ओढ	३०	१६
उद्भूत	३८	२७	ओजः	६४	५
उद्भूतता	४४	१२	ओजः समर्त	६२	१९
उद्भूतनवास	४४	९	"	६३	१, ९
उद्भूतनाधिवास	४४	६	"	६४	५
उद्भूतने	४४	११	ओरल	३०	२४
उन्म	३०	२	ओपष	३३	९
उन्नतप्रदेश	७	१७, २०	"	३४	६, १२, ३८
उन्मद	३९	११	ओपषी	३५	१७
उन्माद	३८	१०, १६, २४	ओपषीरल	३५	३४
"	३९	१६	ओत्प्लव्य	३८	१५
"	४५	१३, १५, १७	"	३९	१, १०, १५
उपकारदान	३६	२७	ओपष	३६	१५
उपकृति	१२	३८	अंगुग	४	३५
उपगति	६२	६, १०	"	१८	३७
उपचार	५८	५	"	२९	१७
उपचारविलेपन	५८	९	"	३६	१
उपदेश	२६	३३	अग	२८	१४
उपन्यास	६६	१५, २०, २३	"	२९	३८
"	६७	५, ९, १३	"	३०	१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अंगदेश	२७	१९	कथाकला	२१	२६
"	३०	१३	कथाविनोद	१५	२४
अंगुलीमोटन	४८	११	कथाशास्त्र	१९	३,८,२३
अंगुलीरफोटन	४८	१८,२४	कदम्ब	९	१५,२१
अंजन	३३	९	कदम्बवर्षा	८	१७
"	३४	६,२२,३८	"	९	८,३२
"	३५	३४	कन्ता(कुन्ताला)धारण	५९	११
"	३६	१५	कन्यकुञ्ज	३०	१३
अंजनदेश	२७	१८	कन्या	३३	१४
अनाविदेश	२७	२१	"	३४	१०,२६
अनवैद	२९	११,२९	"	३५	४,२२
"	३०	१,१५	"	३६	१,१९
अनवैध	२९	२५	कट	२०	६,१७,२५
अंग्र	२८	२२	"	२१	२,१०,१९
"	२९	५,२८,२२,३४	कमल	३५	१७
"	३०	९,२३	कमला	३३	२२
कच	२९	३६	"	३४	३२
कचप्रधारण	५९	३	"	३६	२५
कच्छ	२८	१७,३३	कर	४५	१
"	३०	१८	करटपास	९	४,११
कच्छप्रदेश	२७	२६	"	१०	४
कणय	१८	२,१४,२०	करटपालवैद्य	८	२१
कणाय	१८	२७	करटवाल	९	३४
कर्कट	२९	१८	करटवर्षा	८	२१
"	३०	९	करणक	१८	८,३३
कर्कटकूपन	४६	२४	करपत्र	१८	१४,२१,२८
"	४८	१३,२०,२६	करवाल	१८	२२
कर्कटुर्बल	५७	११,१८	करविनोद	१५	१९
कर्कमोटन	४८	१३	कराट	९	२३
कर्णाट	२८	२३	करुण	३७	१९
"	२९	५,३४	करुण	१२	३९
"	३०	१०,२२	कर्न	१४	३१
कर्णाटदेश	८	२८	"	२५	१८
कर्णोत्थर्पण	४८	२५	"	२७	३
कर्णरि	१८	३,९,२८,३४	"	६८	४,६,१९,१४,१६
कथा	१५	३१	"	७५	१३
"	१६	४,९,१४,२०,२६	कर्मघर	२६	३१
"	१९	१३,१७	कर्मघार	२६	१५
"	२२	२०,२४	कर्मशा	६१	१४,१६
"	२३	१५,३६	कर्मशाखा	६१	१२
			कर्मशा	७३	२१

अकारादिशब्दानुक्रमणिका ।

६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
कर्मण	७३	२२	कवित्व	२६	१३, २९
कर्मपात्र	१४	९, १६	"	२७	५
"	१५	४, १०	कवित्वकला	२१	२५
कर्मपालन	७१	१०	कवित्व(?) त्वकं) पित	६३	३, ८
कर्मवर्तेन	६८	१०	कवित्व	६६	४, ९, १०
कर्मविज्ञान	२५	४, २२	"	७०	२, ७, ११, १५, १९
"	२६	११, २७	कवित्ववाद	१५	२८
"	२४	२	कवित्वविनोद	१५	१८
कल	९	२०	कवित्वविज्ञान	२५	१४
कलाचुरांश	८	२५	"	२४	५
कलाहोतरिता	४२	३, ४, ६, ९	कदमीर	२९	१७
कला	६	४	कला	४५	१, ३, ५
"	१५	३०	कलाशौच	४४	२२
"	१६	४, १४, २०, २६	काकु	२६	२४
"	१९	११, २०, २५	कागडाग्रय(?)	२३	२६
"	२०	१०, १९, २८	काच	२५	५, १९
"	२१	३, २०, २३	"	२७	४
"	२६	३८	काचविज्ञान	२५	३३
"	२१	६, २१	काचविज्ञान	२४	४
"	७०	२, ७, ११, १५, १९	काठवाक्यता(?)	५७	३०
कलाचरित्र	७१	६	कान्ति	११	२०
कलातुर	९	१९	"	१२	२, १८, ३५
कलामुख	६७	२६, २९	"	१३	११, २८
कलालक्षण	३०	३१	कान्तिगुण	११	१
कलावदी	४२	१७	कान्यकुब्ज	२८	२७
कलाविनोद	१५	२४	"	२९	२३, ३८
कलाशास्त्र	१९	५	कान्यकुब्जदेश	२७	१८
कलिधुर	९	६, १३	काभ	३	६
कलिचधुर	१०	६	"	८	१२, १३, १४, १५
कलिंग	२८	१३, २८	"	१७	७
"	२९	२१, २३	"	१९	४, १०, १४
"	३०	१४	"	२०	८, १७, २६
"	२९	३८	"	२१	२, १०, १९
कलिंगदेश	२७	१९	"	२२	२१, २६
कल्प	३१	६, २२, २७	"	२३	३८
"	१९	११, २०, २६	"	२७	११
कल्पशास्त्र	१९	६	"	३१	७, १२, १७, २३, २८
कवित्व	१६	१, ६, ११, १७, २३	"	७०	५, १०, १३, १७, २२
"	२३	४, १५	"	७१	१५
कविन्द	२५	६, २०	"	७३	१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
काम	७५	११, १३, १५
"	७६	६
कामकला	२१	२८
कामत	५८	२, ३, ६, ७
कामपात्र	१३	३५
"	१४	७, १४, २२, २८
"	१५	१, ८
कामपुरुष	१६	३६
"	१७	११, १५
काममहोत्सव	७६	२, ३, ४, ५, ७
कामरु	२८	१५, ३०
"	२९	११
"	३०	२६
कामरूप	२९	२५
"	३०	१
कामरूपदेश	२७	२२
कामलक्ष्मी	३१	३३
कामवाद	२३	१७
कामशाफि	७४	१८, २२, २४
कामशास्त्र	१९	१८
कामाक्ष	२८	२४
"	२९	७
"	३०	२५
कामाक्षदेश	२७	२३
कामाक्षा	२९	२१, २६
"	३०	११
कामावस्था	३	७
कामिक	१७	३
कामिनी	३	१०
"	४	४
कामुक	४	५
काम्यपुरुष	१६	३२
कर्मजा	६१	१५
कामिक	७३	२०
काय	७२	२५
कायबल	७२	२३
कार्य	६८	२४
कारण	२७	१
कारुण्य	११	२४
"	१२	५, २२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
कारुण्य	१३	१५, ३२
"	३८	३६
कारुण्यगुण	११	६
कारु	९	२३
"	२५	१४, २७
"	२६	७, ३०
"	२७	१२
"	३१	८, १२, २३, २९
"	६७	२५, २८
"	७०	३८, १२, २७
कारमुख	६८	१
कारविद्या	२०	९, १९, २४
"	२१	४, १३, २०
कारविज्ञान	२४	२२
कार्य	४	१८
"	१९	१३
"	२३	४
"	२६	२, ३२
"	३७	१०, १७
कार्य	६५	१
कार्यकीर्ति	३७	८, १२, १६
कार्यप्रबोध	६१	१, ६
कार्यवर्तन	३७	१४
कार्यविज्ञान	२४	१२
कार्यशास्त्र	१९	८, १७, २२
काश्मीर	२८	२१
"	२९	३, ३२
"	३०	७, २१
काश्मीरदेश	२८	५
काष्ठ	२३	१
"	२६	२, १६
काष्ठ	२२	१८
"	२३	११, २४
"	२६	१२-३२
काष्ठकर्म	२६	१८
"	२७	७
काष्ठकल्प	२२	८
काष्ठ	२९	१२
काष्ठकर्म	२३	१९
"	२५	९, २२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
कषयविज्ञान	२४	१३	कुरंग	२८	२८
किरात	२८	१, १८	"	२९	२४
"	२९	१, १५, २९	"	३०	१४
"	३०	५, १९	कुरंगदेश	२७	१९
किर्तयः	३६	८	कुल	७४	६, ११, १३, १४,
"	३५	१७	"	१८	१५, १६
कीडा	१४	२३, २९	"	१८	१८
कीर	२९	१७	कुलपुत्रिका	१४	३४
"	३०	७, २१	कुलपुत्रिकापात्र	१४	४
कीरदेश	२८	५	कुलप्रभुत्वं	७४	२, ४, ५
कीर्ति	२	११	कुलिका	१८	- ८
"	११	२२	कुलिमा	४३	४, १७
"	१२	३, १९, ३६	कुलिश	१८	१६
"	१३	१२, १८	कुलीन	४०	१४
"	३३	२३	"	४१	१, ७, १३, २०, २७
"	३४	१६, ३२	कुश	३३	१४
"	३५	११	"	३५	२२
"	३७	४	कुसुम	२२	१४, २८
"	७२	७, १२, १५, २०	"	२३	७, २०, ३०
कीर्तिमान्	४१	२१	कुसुमकला	२१	३२
कीर्तिरूप	३७	५	कुष्टि(लि१)नी	४३	१०
कीर्तिवान्	४०	१५	कुल्य	१९	११
"	४१	२१	"	३१	७, २९, २८
कीर्तिशौर्य	७२	३	कुल्यशास्त्र	१९	५
कुडुर्बंश	९	१	कुन्निम	४५	१०
कुडुर्बंश	१०	१	कुन्निमविनोद	१५	१६
कुडल	५९	२, १२	कुपय	५७	३, ८, १०, १३
कुडार	१८	१५, २९	कुपणा	५७	६
कुडल्ल	२६	८, २४, २९	कुपि	२५	१३, ३७
"	२७	१३	"	२६	७, २०, ३७
कुडल्लपात्र	१४	२६	"	२७	१२
कुन्त	१८	२५, ३०	कुपिविज्ञान	२४	२१
कुपित	६२	१८	कुष्टि	१८	७, ३३
कुमारोपचारतः	५८	३	केकाय(दिश)	२८	३, २०
कुम्भित्राणि	४७	२२	"	२९	३, १६
कुव	२८	१५	"	३०	६, २०
"	३०	१५	केस	२७	१४
कुदेश	२७	२२	केसकीर्ण	४६	२४
कुरुप	५७	२, ७, ९, १३	केसमहणं	५९	९
कुरुपा	५७	५	केसधारणं	५८	२३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
वेलाधारणं	५९	१	वंकण	२९	२८
वेलाप्रकीर्णनं	४८	१४, २०, २६	वंकृण	२८	१७
केशोभा(ः)रण	५९	५	वंकम	३०	१२
केशविनोद	१५	२४	वंङ्ग	२८	२४
केशकी	३९	२४	॥	२९	७
केशिकी	३९	२३, २७	वंङ्ग	३०	२५
कौकणदेश	२७	२७	कंपन	१८	८, २०, ३३
कोदाल	१८	१५	कंपित	६३	१८
कोकिल	९	१८	(कं)पितं	६४	५
कोदाल	१८	३	॥	६३	२२
कोटपाल	९	४, ११	कुंपितं	६३	२९
॥	१०	४	कंवोज	२८	१८
कोपूल(ः)	१८	९, २४	॥	२९	१, २९
कोरल	२८	७, १२	॥	३०	१८
कोरल	२९	५	कंवोजदेश	२७	२९
कोल	९	२७, ३०, ३७	काचन	२६	२
कोलानुर	९	२७	॥	३३	६
कोवोलिक	९	१९	॥	३४	४, २०, ३६
कोष	१०	११	॥	३५	१५, ३१
॥	२५	१५, २९	॥	३६	१, १३
॥	२६	९, २४	काजी	२९	६
॥	३१	३२	काजीदेश	२८	१०
॥	३२	९, ११, १६, २१, २६, ३१	काती	३०	२६
कोशविज्ञान	२४	२४	॥	२८	२६
कोठागारं	३२	१	कास्य	३६	२, १६, ३२
॥	३२	९, ११, १६, २१, २६, ३१	कास्यविज्ञान	२४	१९
कोपमुत्पादयति	४७	१९	कंकण	२८	३१
कोतुहलविज्ञानं	२४	२३	कुक्कण	२९	१३, ३०
कोरल	२९	१८	॥	३०	१४
कोरल	३०	८, २३	कुंकुण	३०	१७
कोरल	२९	३३	कुंकुम	३०	५
कोशकी	३९	२५, ३०	कुंभितं	६३	२२, २९
कोशिकी	३९	२६, २८, २९	कुंभ	१७	२९
कोस्तुम	३३	६	॥	१८	५, १८
॥	३४	४, २०, ३६	कुंभल	१८	१२
॥	३५	१५, ३१	॥	३०	१२
॥	३६	१२	कुंभ	२५	९, २३
वंकण	१८	१४	॥	२६	१७
			॥	२७	८
			॥	३३	१६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
कुंम	३४	११, २७	खंजरीट	३४	९, २५
"	३५	६, २४	"	३५	३, २२, ३७
"	३६	३, २०	"	३६	१८
कुंमविज्ञान	२४	१३	खेटक	१८	१५
कुंरंग	२८	१४	खेलन	१६	२१
"	२९	१०	गगनं	३३	३
कुलपुत्रिकापात्र	१४	१२, १९	"	३४	२, १८, ३४
"	१५	१३	"	३५	१२, ३३
कमल्य	६२	१४, २४	"	३६	१०
"	६३	६, १३, २७, ३४	गज	१५	२९
"	६४	३	"	१६	१२, १८, २४, २७
कौटन	२३	१८	"	३१	२, ८, १३, १८, २४
"	२३	२७	गजवाला	३२	३
कौटनेन	५८	१८	गजशिक्षा	२६	३६
कौडा	३८	७, २२	गण	३४	२, १२
"	३९	२	"	३६	११
कौडापात्र	१५	२, ९	गणित	१५	२९
कौडापात्र	१४	८, १५, २३	"	१६	१२, १८, २४
कौडापात्र	१३	३६	"	१९	७, १०, १५, २०, २४
कौडापात्रप्रवेशनम्	५९	१५, २०, २३, २६	"	२२	१९, २३
कौडापात्राणि	५८	९, १४, १६, २०	"	२३	३, १४, ३५
क्रीतविक्रय	२३	६	गणितकला	२१	२४
कूरम्यसनता	५७	१७	गणितविनोद	१५	२०, २३
कोप	२०	८, १७, २६	गदा	१८	१, ७, १३, १९,
"	२१	३, ११, १९			२७, ३२
"	३८	२, १२, २०, २८	गन्ध	४	३
"	३९	५, १३	"	२१	७, १५
कोपगुण	११	९	गन्ध	७५	२, ५, ७
कोपन	५७	४	गमत्वं	६६	९, १०
कोपी	५७	१०, १३	गरिमा	७६	११, १४, १६, १८
केशसह	४०	१९	गर्भागार	३२	१९
"	४१	५, ११, १७, ३१	गर्व	३८	८, १३, १५
केशापहादी	४१	२४	"	३९	३, १०, १६
खज	१७	२८	गर्विता	४७	१६, २२, २७
"	१९	५, ११, २४, ३०	ग्लानि	३८	५, १८, २१, ३०
खण्डिता	४३	६, ८, २४	"	३९	७, १८
खस	३०	२१	गहिलुत्र	९	२४
खसकीर	३८	२०	ग्रहण	६१	२०, २२, २४, २६
"	२९	३	गोमीर्य	११	१९
खंजरीट	३३	१३	"	१२	१६, ३४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
गोमीर्य	१३	१०, २७	गुणव्यावर्णन	४८	१७
गीत	४	१४	गुणसौर्य	७३	४, २०
"	१५	२७	गुणः प्रक्षेपणं	७१	" ४
"	१६	१, ६, १०	गुणान् प्रकाशयति	४६	२३
"	२१	६, ११	गुणान् प्रच्छादयति	४७	१२
"	२३	३, १४	"	४८	२
"	३१	६, ११, १६, २७	"	४७	१७, २४
"	३४	१०, २६	गुणान् सखीभने कथयति	११	५
"	३५	७, २३	"	४५	२०
"	३६	१, १९	"	४६	१७
गीत	६४	१९, २२, २५	"	४७	" २
गीतकला	२१	२४	गुणान् सखीभने वदति	४६	३१
"	६२	११	गुणान्विता	४२	१८
"	२३	२७	"	४३	३, ९, ३३, ३०
गीतगुणा	४	१५	गुह	२७	५, १४, ३१
गीतलक्षण	३०	३१	गुह	२१	८, १६
गीतविनोद	१५	१६	"	२५	३३
"	१६	१६, २२	गुप्तागदर्शन	४८	१३, १८, २५
गीतहा	४२	१४, २२	गुह्य	१२	४, २०, ३७
"	४३	८, १३, २०, २७	"	१३	१३, ३०
गीति	६४	१९, २२, २५	"	६३	२३
"	६५	१, ४, ७, १०	गुरुत्वगुण	११	३
"	३०	१४	गुरुत्वम्	५	१०
गुर्जर	२९	३१	गुरुत्वविज्ञान	२४	६
गुर्जरदेश	२८	३	गुहिल	९	४, ११, ३४
गुटिका	२५	५, १९	"	१०	१४
"	२६	१२, २८	गुहिलका	१८	२८
"	२७	४	गुहिलपुत्र	९	४, ११
गुटिकाविज्ञान	२४	४	"	१०	४
गुण	६४	२०, २४, २६	गुहिलपुत्रवंश	८	२२
"	७४	६	गुहिलवंश	९	२२
गुणकीर्तन	४५	१२, १४, १६	गोदावरी	३६	८
गुणप्राप्ति	४०	२०	गोफण	१८	४, ६, २२, ३४
"	४१	१२, १९, २५, ३२	गोमय	१८	२२
गुणदोष	६५	१२	"	३३	९
गुणपात्र	१४	५	"	३४	६, २२, ३८
"	१५	१४	"	३५	१७, ३३
गुणपात्राणि	१४	१३, २१, ३५	"	३६	१४
गुणवर्णन	४८	२२	गोरोचन	३४	३८
गुणवती	४३	१६	"	३५	१६, ३२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
गोल	२९	२३, ३९	गार्धर्व	१९	७, १०, १४, १५, २०
गोलादेश	२७	२०	"	३५	२९
गोष्ट	२८	१४, २८	गांभीर्य	१२	१
"	३०	१४	चउडदेश	२८	७
गोसवत्सा	३५	५	चक्र	२६	१९
गोहिल	९	१६	"	१७	२८
गोहिलपुत्र	९	२४	"	१८	५, ११, १७, २४, ३०
गौ	३६	३, २१	चक्रविज्ञानं	२४	२०
गौड	२९	३८	चक्षु	२०	४, १४, २२, ३०
गौडदेश	२७	१८	"	२१	१६
"	२८	१३, २७	चन्दिलवंश	८	३२
"	३०	१३	चण्डिल	९	१६
गौसवत्सा	३३	१६	चनुरा	४२	१६
"	३४	१२, २८	"	४३	२८
गंगा	३३	२१	चपलता	३८	७, १३, २२
"	३४	१५, ३१	"	३९	२, ९, १४
"	३५	९, २७	चमर	३६	३
गंगापार	२८	२५	चर्म	१८	१६
"	२९	८, २४, ३९	चर्मकर्म	१९	२३
"	३०	२६	चर्मविज्ञान	२६	२७
गंध	२०	१३, २२, ३०	चरितम्	५	११
"	२२	१५, २२	चरित्र	२६	६
"	२३	८, २१, २१	चलच्चित्रविनोद	१५	२५
"	२७	७	चाहुभाण	९	१६, ३२
"	४४	२०	चाउडा	९	३३
"	४५	५	चातुर्य	११	१९
"	७५	३, ५	"	१२	१, १६, ३३
गंधपात्र	१४	२५	"	१३	१०, २६
गंधपुष्पि	२६	१, १६, ३१	चातुर्यगुण	१०	२६
"	२५	८, २२	चाप	१८	११
गंधपुष्पिविज्ञान	२४	११	चापोत्कट	९	३, १०, २२
गंधर्व	३३	४	"	१०	३
"	३४	३, ९, १४	चापोत्कटवंश	८	२०
"	३५	१४	चास्नेत्रा	४३	६, ११, १८
"	३६	११	चारुलोचना	४२	१३, २१
गंधर्वसमूह	७	१३	"	४३	२६
गंधशौवं	४४	३०	चार्वाक	५	८
"	४५	३	"	६७	१८, १९, २०, २१, २२
गंधसमूह	४५	७	"	६९	२२
गंधर्व	४	१३	चाहुभाणवंश	८	१८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
चित्र	१५	३१	चंदन	३४	५, २१, ३७
"	१६	५, २७	"	३५	१२, १६
"	२२	१३	"	३६	१४
"	२३	१९, २९	चंद्र	२२	२८
"	२५	७, २१	"	३४	३, १९, ३५
"	२७	६	"	३५	१२
"	६५	१८	"	३६	११
चित्रकर्म	२६	१५, ३०	छत्र	३३	१२
चित्रकर्मविज्ञान	२८	१०	"	३४	८, २४
"	२७	२०	"	३५	२, २१, ३६
चित्रगुण	१६	९	"	३६	१७
चित्रलक्षण	२१	२	छात्र	२२	१८
चित्रविनोद	१५	२५	"	२३	१२, २५, ३५
"	१६	२१	"	२५	८, २२
चिन्तित	९	३०	"	२६	१५
चुम्बन	५८	३०	"	२७	७
"	५९	१, ३, ५, ७, ९, ११	छप्रकर	२६	३१
चुम्बन (व्यति)	४६	१४	छप्रकला	२२	९
चुम्बन (करोति)	४६	२८	छप्रविज्ञान	२४	११
चुम्बने (मुखं			छन्दशास्त्र	१९	८, ३२
परिमार्जयति)	४७	१४	छन्दस्	२३	१६, ३७
चुम्बिता (परान्मुखि			छन्दिक	९	९, ३३
" भवति)	४८	४	"	१०	२
चुम्बिता (विमुखं			छंद	१९	१३
करोति)	४७	७, २०	"	२२	२०, २४
चैतन्या	४३	३, २८	"	२३	४, १६
चोड	२९	२६	"	६४	२०, २३, २६
चोड	२९	३७	"	६५	५, ८, ११
चोरप्रदण	२३	२६	छंदकला	२१	२७
चौड	२५	२८	छंदःशास्त्र	१९	२, १७
"	२९	७, ३८	छिंदक	९	२२
"	३०	२५	छिन्दकवंश	८	१९
चौलिक्य	९	३३	छुरिका	१८	११, १७, २४
चौलुक्य	१०	२	जडता	३८	७, १४, २२
चौलुक्यवंश	८	१८	"	३९	२, ९, १५
चौदही	३०	१२	"	४५	१३, १५, १७
चौहाण	९	२३	जनपद	१०	९
चंच	३५	२९	जनतन्वता	३७	४
चडेल	९	२४	जन्मकृति	३७	३
चंदन	३३	८	जन्मकर्म	३७	५

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
जय	५	१७
"	६०	२५
"	६६	१७, २१, २५
"	६७	१, २, ६, १०, १५
"	७०	४
"	७१	२२
जयमान	७२	१०
जल	१५	२९
"	१६	३, ८, १३, २५
"	२५	११, २५
"	२६	४
"	२७	१०
"	४५	१, ४, ६
जलक्रीडा	१६	१९
जलवास	४४	८
जलविनोद	१५	२१
जलशौच	४४	१७, २०
"	४५	७
जलस्नान	२६	३५
जलाधिवास	४४	१०, १४
जलाधिवासः	४४	५, १२
जागृति	१४	३३
जाति	६४	१९, २२, २५
"	६५	३, ४, ७, १०
जाप	६८	१०
जालंधर	२८	१६, २०
"	२९	१२, २७
"	३०	३, १६
जालंधरदेश	२७	२४
जीति	३५	१०
जीमूत	२९	१९
जीव	२२	२८
जीवपदार्थ	८	७, ८, ९
शुश्रूषा	३८	२, ३, १३
"	३९	५, १४
जैनम्	५	६
"	६७	१७, १९, २१, २२
जैन्यम्	६७	२०
ओषिम	९	२०
उपेति	२०	१९, २८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
ज्योति	२१	४, २१
"	३४	३५
ज्योतिष	३४	१, १९
"	३६	११
ज्योतिष्क	३३	४
"	३५	२९
ज्योतिष्कलक्षण	३१	१
ज्योतिष्कविज्ञान	२४	६
डाक	९	२३, ३६
"	२९	३१
"	३०	६
डाकदेश	२८	४
कबूत	१८	४, १०, १५, २५
कमल	१८	२२
काय	१८	२९
कापी	९	३, १०, ३६
"	१०	३
काह	१८	४, ९, १६
काहल	२८	१५, २९
"	३०	१, १५
काहलदेश	२७	२२
कोट	९	७, १४, २८
"	१०	७
कोटीआ	९	२, २८, ३७
कोटीवंश	८	२६
कोह	१८	३४
तर्क	१९	१७
"	३९	१०, २४
तर्कशास्त्र	१९	७, १९
तर्त	६४	९, १०, ११
तत्त्वनिर्णय	६१	३, ४, ७, ९
तत्त्वनिश्चय	६१	३, ४, ५, ९
तत्त्वप्रमाण	६८	२४
"	६९	२६
तत्त्वम्	२	३
"	१५	३१
"	१६	५, १५, २०, २६
"	२६	११
"	३१	५, १०, २६
"	६८	१९, २०, २१, २५, २६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
तत्त्वम्	६९	३, २३, २५	तांबूलादिप्रद्वणं	५९	१४, १७, १८, २२, २९
तत्त्वलक्षणम्	३१	२०	तांबूलादिना	५८	१०, २१
तत्त्वविज्ञानम्	२४	१, २	तांबूलादिमक्षणम्	५९	२५
"	२५	४, १८, ३२	तांबूलवास	४४	९
"	२७	३	तितिसा	३८	२७
"	६१	२१	तिलंग	२९	३९
तत्त्वज्ञानम्	६१	२३, २५	तीर्थ	३३	५
तत्त्वार्थ	६८	२८	"	३५	१४, २९
"	६९	१, ५, २४, २७	तीर्थाधि	३४	३५
तत्त्वार्थ	६८	२३	तुरक	९	३४
तनु	३०	२९	तुरक	३०	६
"	३१	१५	तुरग	१५	२९
तपसा	६०	२३	"	२२	१७, ३२
तप्ती	३६	८	"	२३	१०, ३३
तत्त्वार्थ	१८	३, ९, २१, २८, ३४	"	३१	८, १४, १८, २४, २९
तद्वक्	९	१८	तुरगफल	२२	६
ताईकारदेश	२८	४	तुरगमिनोद	१५	२०
ताजिक	२९	३	तुरक	२८	२०
ताजिक	६४	१४	"	२९	३, ३१
तापीतट	२९	६, २०, ३५	"	३०	२०
तापीतटप्रदेश	२८	१०	तुरकदेश	२८	४
तामलि	२९	१, २९	तुरग	१६	३, ७, १२, १८, २४
तामलिदेश	२८	१	"	३३	१४
ताम	३३	७	"	३४	१०, २६
"	३४	४, २०, ३६	"	३५	२३
"	३५	१५, ३१	"	३६	१, १९
"	३६	१३	तुरगलक्षणं	३१	२
तामलि	३०	१९	तुष्टि	११	३४
तायक	२९	१६, ३१	"	१२	१५, ३२
"	३०	७	"	१३	८, २५
तालगतं	६२	२, ३	"	१७	११
तालगतं	३४	१४, ३०	"	३३	१८
"	३६	२४, ६७	"	३४	१३, २९
तालगतं	३३	२०	"	३५	८
"	३५	२६	"	३६	४, २२
तालसंस्कारप्रबोध	६१	१०	तुष्टिगुण	१०	२४
ताडन	४४	१३	तेज	२०	२, २१, २९
ताडनानि	५८	१५	"	२१	६
ताडनानी	५८	१०	"	७२	५, ९, १३, १७
ताडनानेन	५८	१८	तेजरीय	७१	१२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
तेजस्वरत्न	२०	१, १२	दर्पण	३५	४, २२
"	२१	१४	"	३६	१, १९
तैलाधिवास	४४	१२, ५८	दर्भ	३५	३, ३६
तैलाधिवासे	४४	१०, १४	दक्षिणता	५७	१६, २२, २५, २८
तोमर	१७	२८	दक्षन	२६	३, १७, ३३
तोमल	३०	१०	दशा	२२	३१
तोरण	३३	१६	दर्शन	५	२
"	३४	११, २७	"	११	३४
"	३५	६, २४	"	१२	६, २२, २९
"	३६	३, २०	"	१५	१५, ३२
तंत्र	२२	२७	"	१६	१
"	२५	६, ३४	"	२१	७
"	२६	१४, २९	"	२२	२१, २५
"	२७	५	"	२३	५, १६, ३७
तंद्रमत्र	२९	१९	"	६१	२०
प्रयी	१७	१८	दर्शनकला	२१	२७
प्रास	३८	११, १६, २७	दर्शनगुण	११	६
"	३९	१२, १७	दर्शनपात्र	१३	३७
प्रियङ्गु	१७	२९	दर्शनविनोद	१०	१६, २२
"	१८	५, २५	"	१५	१६
पुण	२५	१०, २३	दर्शनस्थित	६३	२, ९, २९
"	२६	३, १७, ३३	"	६४	६
"	२७	८	दर्शनात् (प्रशांता		
त्वक्	२०	१४, २९, ३१	भवति)	४६	२२
पुणविज्ञान	२४	१४	दर्शनात् (प्रसन्नता		
दत्ताम् (न मन्यते)	४७	११, २३	भवति)	४५	१९
"	४८	२, ८	" " "	४६	४, १०, ३०
दधि	३३	११	" " "	४७	१
"	३४	८, २४	दर्शने (प्रमत्त भवति)	४६	१६
"	३५	२, १९, ३५	दक्ष	४०	११, १२
"	३६	१६	दक्षिण	२९	३३
दधिकर	९	१८, २६	दक्षिणदिशि	२९	१८
दधिकरवंश	८	२४	दक्षिणा	४०	८, ९, १०
दधिपाक	९	१८, २७, ३७	दक्षिणापय	३०	११, २३
दधिमा	७६	१५	"	२८	२२
दधिमुख	९	६, १३	दहीया	९	३६
"	१०	६	दाडिम	९	६
दमगान	३०	४	"	१०	६
दर्पण	३३	१४	"	१३	९
"	३४	१०, २६	दान	२	१०

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
दान	११	२४	दीनहीनता	५७	२६
"	१२	५, २२, २९	दुर्ग	१०	९, ११, १२
"	१३	३१	दुष्कोट	१८	३, ९, १६, २६
"	१७	२२	दूर्वा	३३	११
"	३६	२६	"	३४	९, २५
"	७१	५	"	३५	२, २०, ३५
"	७२	५, ९, १७	"	३६	१८
"	७४	६	दूषण	६६	१४, १९, २३, २८
"	७५	११	"	६७	४, ८, १२
दानकीर्ति	३७	८, १०, ११, १३, १५, १७	देव	९	१७
दानगुण	११	५	"	३०	१४
दानचरितम्	७१	२	देवता	७२	२६
दानप्रभुत्वम्	७४	३, ४, ५, ९	देवपात्र	१४	१, ९, १६
दानव	१४	३०	"	१५	४, १०
दानवपात्र	१४	९, १६	देवलोकासंस्थान	७	८, १२
"	१५	४, १०	देवविज्ञान	२४	३
दानबल्लोकसंस्थान	७	८, १२	देवी	१४	३३
दानवसंस्थान	७	१०, ११, १३	देवीपान	१४	११, १९
दानवस्थान	७	१४, १५	देवसंस्थान	७	१०, ११
दानहीनता	५७	२९	देवस्थान	७	१४, १५
दानशक्ति	७४	१७, २०, २४	"	१५	१२
दानसौम्य	७१	२१	देस	१४	३५
दानानि	३६	२८	"	२३	३२
दाने	६०	१८, २४	"	२१	८, १२, २९
"	७०	२४, २७	"	७०	३, ८, १२, १६, २०
"	७५	१३, २५	"	७४	२३
दानेन	६०	२२	"	७५	२, ५
दापिक	९	२८	देशकला	२२	४
दामिकवर्ण	८	२५	देशकाल	३१	१७
दास	१४	३५	देशपात्र	१४	१३, २०
दासी	१४	३४	"	१५	१४
दासीपात्र	१४	६, १३, २०	देशभाषा	२३	२२
"	१५	७, १४	देशभाषितकला	२२	५
दाह	१८	२२	देशभाषित	२३	९
दाक्षिण्य	१२	२२	देशमुक्ति	७५	६
"	१३	१५	देशलक्षणम्	३०	३३
दाक्षिण्यगुण	११	६	देशविजय	२३	९
दीप	३५	४	देशीपात्र	१४	४, १२
			देशीपुरव	१४	७, १५
			"	१६	११, २५

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
देशीय	१७	३	हुत	६२	१९
देशीय पुरुष	१७	११	"	६३	१६, २३, ३०
देश्य	३९	८	हुतविलम्बित	६३	३७
दैव्य	३८	६, १८	द्वारपदस्थ	१४	३३
"	३९	१, ८, १९	द्विज	३३	५
दोष	६४	२४, २६	"	३५	१३
"	६५	२, १९	द्विजवर	३४	३, १९, ३५
दोषगुण	१०	२८	"	३५	१४
दंड	१७	२२	"	३६	१२
"	१८	१५, १९, २९	द्वीप	२९	२२
दंडनीतिविद्या	१७	१८	द्वीपदेश	२८	२६
दंडशास्त्र	१८	१०, ३५	"	२९	९
दंत	१७	४	"	३०	२७
"	२३	१	द्वीपान्तरदेश	२९	३७
"	२५	१९	धनपालक	९	२६
"	२६	१२	धनपुरुष	१७	७, १५
दंतकर्म	२३	१९	धनु	१७	२८
"	२६	२८	"	१८	२४
दंतविज्ञान	२४	४	धनुष्य	१८	५, १७, ३०
"	२५	५	धर्म	६४	९, १०, ११, १२
दंभ	३८	२६	धर्म	८	१२, १३, १४, १६
द्युत	१६	३, ८, १३, १९, २५	"	१९	९, १४, २३
"	२७	९	"	२२	२१, २५
द्युत	२२	२१	"	२३	३८
"	२३	३८	"	२७	३
"	२५	११, १४	"	३१	७, १२, १४, १७
"	२६	४, ३४	"	३६	११
द्युतविज्ञान	२४	१६	"	६८	२८
द्रव्य	३१	१३	"	६९	२, ३, ६
"	७५	३	"	७०	५, १०, १३, १७
द्रव्यदान	३६	२७	"	७२	१२
द्रव्यमहोत्सव	७६	५, ७	"	७५	१४
द्रव्यविद्यादिदान	३६	३०	"	७६	६
द्रविड	२८	२३	धर्मकला	२१	२८
"	२९	५	धर्मगुणसंप्रद	७३	७
"	३०	९, २२	धर्मनर	१२	१७
द्रविडदेश	२८	९	धर्मनरित	७२	४
दृष्टम्	६३	१९	धर्मपात्र	१४	७, १४, २२, २८
दृष्टि	१८	१३	"	१५	१, ८
दासिड	२९	१९, ३४	धर्मशालन	७१	८, १०, ११

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
धर्ममहोरसद	७६	२, ३, ७	धारण	२५	१७, ३१
धर्मलक्षण	३०	३२	धारण	२६	२६
धर्मवाद	२१	१६	"	६१	१०, २२, २४, २६
धर्मविज्ञान	२४	३	धारणा	२७	१६
"	२५	४	धाहल	२९	२५
"	२६	११, २७	धाराधरदेश	२८	९
"	६१	२१	धारणविज्ञान	२७	२
धर्मशक्ति	७४	२०, २२, २४,	धार्मिक	१८	२५
धर्मशास्त्र	१९	३	"	४१	२५
"	३३	५	धावन	१५	२९
"	३५	३०	"	५८	२३
"	७४	३, १९, ३५	"	५९	१, ३, ५, ९, ११
धर्मशास्त्रविद्	३५	१४	घट	४०	८, ९, १०, ११, १२
धर्मसौम्य	७२	३	घन	२६	२२
धर्मस्थान	३२, ८, १३, १८, २३, २८, ३३		"	३३	७
धर्मस्थान	३२	२	"	३४	५, २१, ३७
धर्मज्ञा	४३	१३	"	३५	३१
धर्मार्थभरचित	७१	३	"	३६	१३
धर्मिष्ठ	४१	६, १२, ३१	घति	३८	७, २२
धर्मिष्ठमहोरसाही	४०	२०	"	३९	२, ९
धर्मे	६०	१९, २०, २१, २५	धिधिम	२६	९
"	७१	१५	धीर	४०	३, ४, ६
"	७५	१०, १२, १३, १९	धीरललित	४०	२, ३, ५
धर्मेण	६०	२३	धीरशांत	४०	५
धरानय	२९	१९	धीरोदात्त	४०	२, ५
धातु	२३	३७	धीरोद्धत	४०	२, ५
"	२५	१०, २४	धीरोपशांत	४०	५
"	२६	३, २१, ३४	धूप	४४	१३
धातुकर्म	२२	२५	धूपनवास	४४	९
धातुगतपदार्थ	८	१०	धूपनाधिवासः	४४	७
धातुपदार्थ	८	७, ८, ९	धूपनानि	५८	१०, १४, २०
धातुवाद	२३	५, १६	धूपने	४४	११, १५
धातुवादकला	२१	२८	धैर्य	११	१८, ३५
धातुविज्ञान	२४	१५	"	१२	१६, ३३
धान	७५	१२	धैर्य	१३	९, २६
धान्यपाल	१०	५	धैर्यगुण	१०	२६
धान्यपालवशा	८	२३	धौतगृह	३२	२२
धान्यपुरुष	१६	३१	ध्राण	११	२५
धारउर	२९	३५	"	१२	६, २३, ४०
"	३०	१०	"	१३	३२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
ध्राण	२०	१४, २३, ३०	नागणिक	२८	२६
"	२१	१६	"	३०	२६
ध्राणगुण	११	७	नागणित	२९	१५
ध्वज	३३	१३	नागाणित	२९	२९
"	३४	१०, २६	नागभुवन	७	६
"	३६	१८	नागरपात्र	१४	३, १०, २६
ध्वनि	३३	१५	"	१५	६, ११
"	३४	११, २७	नागरिक	३	१६
"	३५	५	नाटक	१९	१४
"	३६	२, २०	"	२२	२०, २४
"	७२	५	नाटककला	२१	२६
नख	२५	१०, २३	नाटकशास्त्र	१९	३, ९, १८, २३
"	२६	३, १७, ३३	नाट्य	३१	१६
"	२७	८	"	१९	१३, १७
"	४१	२, ४, ६	नाट्यनायुपचारेण	५८	१८
नखविलेखन	४८	१४, २६	नाट्यशास्त्र	१९	९, २३
नखविज्ञान	२४	१४	नातिगाविनी	४३	१६
नखशौच	४४	२३	"	४३	९, १४, २१, २८
नखदर्शन	५८	२४	नात्यर्थ (?)	६०	१६
"	५९	२, ४, ६, ८, १०, १२	नात्यर्थसायी	६०	७
नगर	१४	३२	नात्यर्थानप्राप्त	६०	४
नगरनायक	३५	२६	नाट	२०	९, १९, २८
नदी	३३	३	"	२१	५, १२, २१
"	३४	२, १८, २४	"	२३	४
"	३५	१३, ३३	नाम	७२	९
"	३६	१०	नामर्द	२८	२४
नप्राप्त (?)	६०	१६	नामर्द	२९	७
नर्मदा	३३	२१	"	३०	२५
"	३४	१५, ३२	नायक	३५	१४
"	३५	२७	नायकाः	२	१८, २१
"	३६	७, २५	नायिका	३	१
नर्मदातट	२९	२१, ३६	नार्याः	३	१४
"	३०	११	नाराच	१८	५, १७
नर्मदातटदेश	२८	११	नारि	२२	३२
नय	२१	२०	नारी	२३	११, ३४
नर	३३	२०	नारीकला	२२	७
नरपरीक्षा	२३	२३	नारीग्रीक्षा	२३	२४
नरभुवन	७	६	निवृन्दम	९	३७
नरसहस्र	३४	१५, ३१	निवृम्म	९	६, १२, १७, २६
"	३६	२४	"	१०	६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
निकुम्भवंश	८	२४	नियुद्धकार	२७	१३
निग्रह	११	१६, ३३	नियोग	७३	६, १६
"	१२	१४, ३१	निरसता	३८	२७
निग्रह	१३	८, २४	निरोध	१२	१८, ३४
"	६६	२१	"	१३	१०
निग्रहगुण	१०	२४	निरंकुशा	५७	५
निषेध	१९	३, ९, १४	निर्लेज	५७	२, ७, ९, १३
निषण्ड	१९	१८	निर्लेजा	५७	५
निर्णय	१९	१४	निर्वाह	६६	१५, २०
"	६६	१६, २०, २१, २४	निर्वाह	६७	१, १४
"	६७	१, ९, १४	निर्वार्यता	५७	२९
निर्णयस्थान	६७	५	निर्वेद	३८	४, १७, ३०
नित्ययोगी	५७	१२	निर्वेद	३९	७, १८
नित्यरोगी	५७	९	निश्चय	६७	९, १०, १४
निद्रा	३८	८, १५, २३	निश्चयस्थान	६०	१४
"	३९	४, ११, १६	"	६७	१४
"	७३	१७	निश्चलाङ्गशायी	६०	१४
निर्दयत्वं	५७	२०	निष्ठासौख्यसर्ग	४८	१५, २१
निर्दिनी (!)	५७	२६	निष्ठैवति	४७	७, १४, २०, २६
निधि	३३	२०	निष्ठुर	५७	३, ८, १०, १३
"	३४	१४, ३१	निष्ठुर	५७	१३
"	३५	१०, २६	निष्ठुरता	५७	१६, १९, २२, २४, २५, २८
"	३६	७	निष्ठुरा	५७	६
निषण्ड	१९	२३	नीचप्रदेश	७	१९, २०
निर्मात्य	२५	८	नीति	२२	१३, २७
नैर्मल्य	२५	२२	"	२३	६, १८, २९
"	२६	१, ३१	"	२५	१७, ३०
निग्रप्रदेश	७	१७, १८	"	२७	१, १५
नियति	२०	८, १९, १७	"	२१	२९
"	२१	५, ११	नीतिकला	२१	१
नियम	६६	२४	नीतिमानिनी	४३	३
नियुपकरण	२६	८	नीतिविज्ञानं	२५	२१
नियुद्ध	१५	२८	नीतिशास्त्र	१९	२४
"	२४	२, ७, १८	नूपुरोत्कर्षणं	४६	१२, १८
"	२२	१६	"	४८	१३, १७
"	२३	३३	नेपथ्यं	२२	६, १८, २८
नियुद्धकरण	२६	३८	"	२३	६, २०
नियुद्धकार	१६	१२	"	२६	१४, २९
"	२५	१४, २८	"	२७	५
"	२६	२३			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
नेपथ्यवला	२१	१२९	पत्र	१६	४, १४, २५
नेपथ्यविज्ञान	२५	३४	"	२६	२, ३३
नेपथ्यविज्ञानं	२४	८	पत्रक	२५	७, २०
नेपाल	२८	२०	"	२७	५
"	२९	२, १६, ३१	पत्रविनोद	१५	२३
"	३०	६, २०	पत्रविज्ञानं	२४	१३
नेपालदेश	२८	४	पद	७४	१३, १५
नैर्मल्य	७७	७	पदगतं	६२	२, ३, ४
नैर्माल्य	२६	१६	पदस्थपात्र	१४	११, १९, २६
नैयायिक	६७	२६	"	१५	१२
नैयायिकं	६७	२४	पदस्थपात्रं	१४	४
नृत्तज्ञा	४३	२०	पदार्थ	८	६
नृत्तपाठ	१५	२७	"	१५	३१
नृत्य	४	१७	"	१६	१५
"	१५	२७	पदार्थकरण	१६	५, २६
"	१६	१, १०, २२	"	७०	२४, २७
"	३१	७, ११, १६, २८	पद्म	३४	४, २०, ३६
"	७०	३, ८, १२, १६, २०	"	३५	३०
नृत्यकला	२३	२७	पद्म	३६	१२
"	२२	११, २३	पर्याय	७०	९, १२, २१
"	२१	२४	पर्यंक	३५	३०
नृत्यलक्षणं	३०	३२	"	६७	२५
नृत्यलक्षणं	३१	२२	पर्यंत	३४	३६
नृत्यविनोद	१५	१७	"	६८	२७
"	१६	१७	"	६९	६, २६
नृत्यज्ञा	४२	१५, २२	"	६८	२
"	४३	८, १४, २७	परकीमा	४१	३४
न्याय	६७	३०	पदच्छेदिपात्र	१५	६
"	६८	१	परपत्र	१८	३३
प्रकृति	२०	५, १५	परमार	९	७, १४, १५, २१
पट्टि	१८	७, ३२	परमारवंश	८	१८
पठित	२२	१९, २३	"	९	२
"	२३	३, १४, ३६	"	१०	२
पठितवस्तु	२१	२५	परमित	६९	२१
पठितविनोद	१५	२३	पराक्रम	३७	४
पठितशा	४२	८, १३, १४	पराक्रमकृत	३६	३३
परीहार	९	३, १०, ३३	पराक्रमयस	३७	६, १२
"	१०	३	पराक्रममुखी	४७	८, २७
पण्याश्रना	४१	३४	"	४८	५
पत्र	१५	३०	पराजय	६६	१३, २६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पराजय	६७	६, १०	पशुपालन	२६	७
पराजयकृतं	३७	३	पशुपालविज्ञानं	२४	२०
परान्मुखी	४७	२१	पशुपाल्य	२६	३७
परिगत	६७	१८	पक्ष.	६६	१३, २२
परिवारिका	१४	३५	पक्ष	६७	३, ११
परिछद्	११	९६, ३३	पक्षप्रमाण	६६	१८
परिच्छेद्	५	१८	पक्षि	२२	१७, ३३
"	१२	१४, ३१	"	२३	३३
"	१३	७	"	२५	२३, २६
परिच्छन्द	१३	२४	"	६	२६
परिच्छेदगुण	१०	२३	पक्षि	२७	११
परिणामकी	६१	१४, १७	"	३१	९, १३, १८, २४, २९
परिणामिका	६१	१६	"	६६	२७
परिष	१८	१३	पक्षिकला	२२	७
परिधानसंयमनं	४८	१४, २०, २७	"	२३	२४
परिवोध	७२	७	पक्षिलक्षणं	३१	३
परिवोधशौर्य	७२	४	पक्षिविज्ञानं	२४	१९
परिभावक	४०	११	पक्षिशिक्षा	२६	३६
"	२६	४१	पक्षी	१५	२९
परिमायितं	६५	१४	"	१६	३, ८, १३, १८, २४
परिमाणुक	४१	१२, ३२	"	२३	११, १३
परिमापिक	४१	१९	"	२६	१९
परिमार्वंशा	९	३८	पक्षीविनोद	१५	१५
परिमिता	६९	१७	पाचक	२२	२६
परिमितं	६५	१५, १७	पाठ	१६	१, २३
"	६९	१४	पाठ्य	१६	११
परिपद्	६९	१४	पाठ्य	२९	१८, ३४
परिश्रमी	६३	१७	"	३०	९
परिस्पृष्टं	६५	१५, १७	पाणि	२०	४, १४, ३१
परोक्षनामस्मरणं	४८	२२	"	२१	८, १६
पवित्रभाषण	४५	६	पाणिङ्गल्य	११	३१
पवित्रवाक्य	४४	२१	"	१२	१३, ३०
"	४५	८	"	१३	६, २२
पर्वत	३३	३	पाताल	३१	५, १०, १५, २६
पर्वत	३४	२, १४, ३४	पाताललक्षणं	३१	२०
"	३५	१३, ३३	"	३०	२९
"	६९	१०	पातिकर	९	२९
पर्वद्	६९	१२	पात्र	२२	१५, ३०
पर्वश	३३	६	"	२३	९, २३, ३१
पशुपाल	२६	२०	"	३१	८, १३, १७, २७, २९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पात्र	७३	१६	पाल	९	२३
पात्रकला	२२	४	पालकत्व	११	१४, ३१
पात्रं	७०	४, ८, १२, १६, २०	"	१२	१२, २९
पात्रलक्षणं	३०	३३	"	१३	५, २२
पात्रसंग्रह	७०	१५	पात्रकत्व	१३	१३
पार्थिव	४	९	पात्रकत्वगुण	१०	२०
पाद	२०	४, १४, २३, ३१	पाश	१७	२९
"	२१	८, १६	"	१८	६, १६, १८, २५, ३१
पान	२२	२९	पाशुपतं	६७	२४
"	२३	३०	पाशुपत	६७	२७, २८, ३०
"	२६	८	पाशुपाल्य	२५	१३, २७
"	३१	१९, २४	"	२७	११
पानककला	२२	२	पाशुपत्य	६७	३१
पानमोज्यादिविज्ञानं	५९	१५, २०, २६	पापाण	२३	१, २५
पानमो जनविधानं	५९	२३	पार्थबालनं	५९	१७
पानविधि	२५	१५, २९	पार्थविवर्तनं	५९	२२
"	२६	२१, ३८	पार्थे भावमनं	५९	१४, १९
"	२७	१४	पार्थे वाऽऽचमनं	५९	२५
पानविधिविज्ञानं	२५	१	पित	२०	७, १७, २५
पानीय	३२	२२	पित	२१	२, १०, १९
पानीय	३३	१८	"	३५	२५
"	३४	१३, २९	पिप्लपत्र	३३	१९
"	३५	८	"	३५	९
"	३६	४, २२	पिप्लपत्र	३६	६
पानीयगृह	३२	१, २७	पीठ	३३	१४
पानीयस्थान	३२	७, १२, १७, ३२	"	३५	२२
पापातिक	२९	३६	पीनसनी	४२	१३, २१
पापातिष्ठा	३०	२५	"	४३	७, १२, १९, २६
"	२८	२५	पुण्यकीर्ति	३७	८, ११, १३, १५
"	२९	७	पुनर्भू	१४	३४
पापीतिक	३०	१२	पुनर्भूपात्र	१४	५, १२, १९
पारमि	६९	१८	"	१५	६, १३
पारमिता	६९	८, १६	पुराण	३५	३०
पारिगत	६९	१०, १२	"	१९	६, १२, २६, २९
पारिगामिकी	६९	१३, १५	पुरुष	१	९
पारियान	२८	१८	"	८	१
"	२९	१, २९	"	२०	६, १५, २४
"	३०	१८	"	२१	१, ९, १७
परियात्रदेश	२७	२९	"	२२	१७
पारपर्यविज्ञानं	२४	६	"	३१	८, १३, १८, २३, २९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पुण्यकला	२२	८	पूर्णदान	३६	२९
पुरुषलक्षणं	३१	१	पूर्णपात्र	३३	१९
पुरुषार्थ	१	११	"	३४	१३, ३८
"	८	११	"	३५	९
पुलिका	१८	२	"	३६	२३
पुष्टि	११	१७, ३४	पूमावात् (ईर्ष्याभापते)	४६	३०
"	१२	१५, ३२	पूर्वदिशि	२९	२३
"	१३	८, २५	पूर्वदिशि वेश्याः	२८	२७
"	३३	१८	पूर्वदेश	३०	१३
"	३५	८	पूर्वदेशाः	२७	१८
"	३६	५, २२	"	२८	१३
पुष्टिगुण	१०	२४	पूर्वं भाषते	४७	१
पुष्प	१५	३०	पूर्वं भाषते	४५	१९
पुष्प	१६	४, ८, १४, १९, २६	"	४६	४
"	२५	१५, २९	पूर्वं भाषिते	४६	१०
"	२६	९, २४, ३९	पूर्वमुत्तिष्ठति	४५	२१
"	२७	१४	"	४६	६, १८, २६, ३२
"	३३	११	"	४७	३
पुष्पपात्र	१४	२६	पूर्वमुत्तिष्ठते	४६	१३
"	१५	६	पूर्वमेव सुवनं करोति	४६	१, ८, २०
पुष्पमाश्रयादि	५८	१५	पूर्वमेव सुवनं ददाति	४६	३३
पुष्पनालादिवानं	५८	१२	पूर्वमेव स्ववचभावात्		
पुष्पवास	४८	८	भाषयति	४६	२७
पुष्पविज्ञानं	२४	२४	पृथ्वीः	२०	२, २१, २९
पुष्पसंयमनं	४८	१८, २६	"	२१	६
पुष्पादिभोगेन	५८	१९	पृथ्वीतत्त्व	२०	१२
पुष्पादिमात्स्यानि	५८	१०, १७, २१	"	२१	१४
पुष्टि	३४	१३, २९	पैशाचकं	६५	२६
पूर्वसुवनं करोति	४६	८	पैशाचं	६५	२०
"	४७	४	पैशाच	६५	२८
पूत्रा	३३	२०	पैशाचिकं	६५	२६, २४
"	३५	२६	"	६६	१
पूजा	३६	६	पोत	३५	१८
पूजानिधि	३६	२८	पोतिक	९	२५
पूजानिधि	३५	१०	पोतिकपुत्रवंश	८	१७
पूज्य	१४	३२	पोन्द्र	२	३०
पूज्यपात्र	१५	७	पौतिक	९	५
पूज्यपात्रं	१४	३	"	१०	५
पूज्य	३७	१०, १७	पौमिक	९	३५
पूर्णकला	३५	८	पौलक	९	१७

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पण्ड	३०	१०	प्रताप	७२	१, १३, १७
पंडित	४०	१९	"	७३	१४, १६
"	४१	१८	प्रतापकृत	३६	३३
पंडितसत्तम	४१	२४	प्रतापकृतं	३७	३, ५
पंचाल	२८	१६, ३०	प्रतापगुण	१०	२२
"	२९	१२, २६	प्रतापवश	३७	१, २, ६
"	३०	२, १६	प्रतापः	३७	४
पांड	२९	५	प्रतापशौर्य	७२	५
"	३०	२२	"	७१	२१
पांडित्य	११	१४	प्रतापिता	५७	१९
पांडित्यगुण	१०	२१	प्रतापैः	७३	१२
पांडित्यम्	४	२१	प्रतिवारिकापात्र	१४	५
पांडुदेश	२८	८	प्रतिपत्ति	७२	१०
पुंनक	२९	११	प्रतिपत्तिशौर्य	७१	२२
पुंनदेशः	२७	२३	प्रतिपात्र	७२	६, १४, १८
पुंठ	२९	२६	प्रतिपक्ष	६७	८, १०
प्रकाशमेव	७६	१७	प्रतिपक्षमाण	६७	४
प्रकाशम्	७६	१९	प्रतिपक्षः	६६	१३, २२
प्रकाशं	७६	१४	प्रतिपक्षि	६६	२७
प्रकार	६८	२०, २१, २३, २४	प्रतिमा	६४	१८
प्रकारः	६८	१९	"	६५	७, १०
प्रकारपर्यंत	६८	२५	प्रतिभाषा	६५	४
प्रकाशकः	४१	१८	प्रतिभाषान्	४१	२१
प्रकृति	२०	२४	प्रतिभेद	६९	४
"	२१	१, ९, १७	प्रतिमा	६८	२८
प्रचारणसंपन्न	४६	२४	"	६९	१, ३, ५
प्रजापालनं	७१	८, १०, ११, १२	प्रतिमान	७५	३
प्रणयित्व	११	१५, ३२	प्रतिवादः	६६	१२
"	१२	१३, ३०	प्रतिवादि	६६	१८
"	१३	६, २२	"	६७	११
प्रणयिमानत्वगुण	१०	२१	प्रतिवारिकापात्र	१४	१२, २०
प्रणाम	१३	६	"	१५	१३
प्रत्युत्तर	२३	२, १२, १५	प्रतिष्ठा	११	१८, ३५
"	६६	२३	"	१२	१५, ३३
"	६७	४, ८, १२	"	१३	९, २६
"	६६	१४, १९	प्रतिष्ठागुण	१०	२५
प्रत्युत्तरकला	२३	९	प्रतिष्ठा	११	१८, ३५
प्रताप	११	१५, ३२	"	१२	१६
"	१२	१३, ३०	"	१३	९, २६
"	१३	६, २३	प्रतीहार	९	२३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
प्रतीक्षारवसा	८	२०	प्रमाण	६९	१,५,१०,१२,१६,१८
प्रपमस्य	६३	३७			२०,३४,३७
प्रपमस्यै	६३	३०	प्रमाणम्	१२	३०
प्रपमं देते	४७	८,१४,२१,२६	प्रमादपदम्	६९	१७
"	४८	५	प्रमाणं	६३	३१
प्रपन्ना	४१	१७	"	६६	६,११
प्रपन्नादकारक	४१	२४	प्रमाणं	६८	१४,१९,२६,२८
प्रपन्न	३३	१७	"	६९	१,८,१४,२१,२५
"	३४	११,१८	प्रमेद	६९	१३
"	३६	४,२२	प्रमेदसिद्धि	६९	५
"	७४	७	प्रमेय	६६	१९,२३,२६
प्रपीत	३४	४,२०	"	६७	४,७,१२
"	३६	१,१२	प्रमेय	६६	११
प्रपन्न	१०	३२	"	७०	४,१२,१०
"	१७	१०	प्रमेद	११	१५,३३
प्रपन्नान्न	१७	५	"	१३	१३,३०
प्रपन्नान्न	१४	२	"	१३	६,१३
प्रपन्नान्नान्न	१४	१०,१८	"	३५	१
"	१५	११	"	६०	१३,१५
प्रपेय	७२	११,१४,१९	"	६३	११
"	६५	३	"	६६	१९
प्रपेयसिद्धि	७२	४	"	६९	२६
प्रपन्न	११	१६,३३	"	७२	७,११,१८,१९
"	१३	१३,३१	प्रमेदस्य	१०	२२
"	१३	७,२४	प्रमेदसिद्धि	६६	२१
प्रपन्न	११	१७,३१	"	६९	२४
"	१३	१३,१९	प्रमेदसिद्धि	७२	३
"	१३	३३	प्रमेद	६९	३३
प्रपन्नान्न	१०	१०	प्रमेद	६६	१४,२९
प्रपन्नान्न	५	१९	"	६३	८,१३,३३
प्रमेद	६६	११,३८	"	७६	१४
"	६७	४	"	१०	१
"	६८	११,३९	"	७७	११,१४
"	६९	१,१०,१३,१४,१६,१८	प्रमेदस्य	१०	३
प्रपन्नान्न	३	१९	प्रमेद	३८	४
प्रपन्न	११	१७,३३	प्रपन्न	३८	७,१३,१४,३०
"	१३	३३	"	७९	३३
प्रपन्न	१३	१३,३३	प्रमेद	७३	४
"	६७	७,१३	प्रमेद	१३	१६,३५
"	६८	१,१४,१९	प्रमेद	१३	१५,३३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
प्रशंसा	१३	१, २५	प्रज्ञावती	४३	२, २२, २९
"	१७	४	प्राकाम्य	७६	१७
"	३८	२६	प्राकृत	६५	२८
प्रशंसायुण	१०	२५	प्राकृतं	६५	२०, २२, २४, २६, २८
प्रसन्न	६६	२३, २८	"	६६	१
"	६७	४, ८	प्राग्निवृम्भणं	४८	१५, २७
प्रसन्नत्व	११	१४, ३१	प्रागल्भ्य	१३	५
"	१२	१२, २९	प्राज्ञत्व	११	१४
"	१३	५, २१	प्राण	२०	४
प्रसन्नं	६२	१८	प्राणिदयाशांचं	४४	१८, २१
"	६३	१, ८, १५, २२, २९, ३६	"	४५	८
"	६४	५	प्राधान्य	१७	२
"	६५	१६, १८	प्राज्ञत्व	१२	१२, २९
प्रसन्नमुखी	४२	१३, २१	"	१३	५, २२
"	४३	७, १२, १९, २६	प्राज्ञत्वगुण	१०	२०
प्रसरण	१२	१३	प्राज्ञत्वं	६३	२४
"	१३	६	प्राज्ञलित्व	११	३१
प्रस्य	२२	१८	प्राप्ति	५	१३
"	२३	३५	"	११	१७, ३४
प्रसाद	११	१५, ३२	"	१२	१५, ३२
"	१३	२३	"	१३	८, २५
"	२५	१०, २३	"	७६	१०, ११, १४
"	२६	३, २१	प्रामाणिकत्वगुण	१०	२१
"	२७	८	प्रारंभ	११	१६
"	२३	१८	प्रारंभ	१२	१३, ३१
"	३४	१३, २९	"	१३	७, २३
"	३८	५	प्रारंभगुण	१०	२२
प्रसाद	३६	५, २२	प्रासाद्	३१	३२
प्रसादितगान	६०	५	"	३२	६, ११, १६, २१, २६, ३१
प्रसादितगाप्रशायी	५९	२९	प्रासादविज्ञानं	२४	१४
"	६०	३, ८, १०, १३, १५	प्रिय	४०	१८
प्रसिद्धा	३५	२७	"	४१	२३
प्रथ	६६	१४, १९	प्रियम्	३३	१०
"	६३	१२	"	३४	७, २३
प्रहेलिका	१५	३१	"	३५	१, १९, ३५
"	१६	४, ९, १४, २०, २६	"	३६	१६
प्रहेलिकाविनोद	१५	२५	प्रियभाषणं	४८	१६, २२, २८
प्रहानप्रबोध	६१	५, १०	प्रियभाषिणी	४३	१२, २०
प्रहाप्रबोध	६१	२, ४, ८	"	४३	६, १२, १९, २५
प्रहावती	४२	१८	प्रियवाक्य	३४	१४, ३०

वाक्य	पृष्ठ	पंक्ति	वाक्य	पृष्ठ	पंक्ति
विश्वरूप	३५	१८	वज्र	१६	५, १५, २१, २७
"	३६	२३	"	७३	६
विश्वः	४१	१६	वज्र	११	१९
विश्वरूप	४०	१५	"	१३	१०, २७
"	४१	२, ८, १३, २८	"	६०	१८, २४
विश्वरूप	४३	४	"	७०	२४, २७
प्रोचमना	४१	१४	"	७१	१५
प्रोचि	११	१७, २४	"	७५	१३, १५
"	१२	१५, ३२	वज्रगुण	१०	१०, ११, २६
प्रोचि	१३	८, ३५	"	१३	१, १०, २४
"	१६	१५	"	७२	७, ११, १५, १९
"	१७	२	वज्रम्	५	१५
"	२३	२२	"	७५	११
"	३५	१८	वज्रशीर्ष	७२	३
"	३६	८	वज्रेण	६०	२२
प्रोचिगुण	१०	२५	वाक्य	९	२६
प्रोचिमति	४३	५	वाक्यगुण	३७	५
प्रोचिमान्	४१	२, ८, २८	वाक्यगुणमुच्यते	४८	१६, २१, २८
प्रोचिमान्	४०	१५	वाक्यगुणम्	६१	८
प्रोचिमान्	४३	१, ५, ७, ९	वाक्यगुणप्रयोग	६१	२, ८
प्रोचिदे वृष्मति	४८	७	वाक्य निश्चय	४८	१५, २१, २७
प्रोचिने वृष्मना	४५	२२	वाक्यनां वृष्मकारप्रयोग	६१	६
"	४६	१३, २६, ३३	वाहीक	९	२, ९
प्रोचिने वृष्मना भाति	४७	३	"	१०	२
"	४६	७, १९	विदु	२०	१०, १६, २८
प्रोचिज	६६	७	"	२१	१, १२, १८
वज्र	९	२४	वीज	३३	२३
वज्राट	९	३०	वीजदूर	३५	२१, ३७
वज्र	१६	४, ८, १४, २०, २५	वीजदूरक	३४	९, २५
"	१५	३०	"	३६	१७
वज्रविभाषण	५९	१५, २२, २५, २६	वीजम	३७	२०
वज्रविनोद	१५	२२	वुद्ध	२२	२२
वज्र	२९	१७	वुद्धि	४	२१
वज्र	२९	३२	"	१०	२६
वज्र	२९	१६	"	११	१९
वज्र	२८	२०	"	१२	१, १७, ३४
"	२९	६	"	१३	१०, २७
"	३०	७, २१	"	१६	३०, ३४
वज्रदेश	२८	५	"	१७	५
वज्र	१५	२१	"	२०	५, १५, २४, ३१

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
युधि	२१	४, ८, १७	भय	३९	५, १४
"	२३	५, १७	भाजन	३५	१७
"	७२	२५	भाण्डागार	१०	८
युधिकला	२१	२९	भारती	३९	२३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०
"	२३	२७	भाव	२	१४
युधिगुण	१०	२८	"	६४	२१, २४, २७
युधिगुणः	४	१२	"	६५	३, ६, १२
युधिबलं	७२	२३	"	७०	४, ९
युधिमुख	१७	१०	भावकत्व	१२	४, २०
युधिसख	१७	१४	"	१३	३०
युधिखख	१७	२	भावकत्वगुण	११	३
भूषर	२९	३२	भावशौर्य	४४	२, १७
भोक्ता	२९	१५, ३०	भावानुगत	६५	१६, १८
भोक्ताग	२९	२	भावुकत्व	१२	३७
भोक्तापदेश	२८	२, १७, १९, २०	मायुकाः	५७	२४
भौदं	५	७	भाषापंडित	४१	५, ११, ३१
भौदं	६७	२१, २२	भाषालक्षण	४	२०
भंगदेश	२७	१९	भिष्पाल	१८	१९
भंगाल	२८	१४, २८	भिडमाल	१७	३०
"	२९	१०, २४, ३९	"	१८	६, १२
"	३०	१४	भिडिमाला	१८	३१
भंदिख	९	४	भुक्ति	५	२२
भंप	२६	२३	"	११	२३
भंपु	२९	२६	"	१२	३७
भद्रचारि	६८	४, ६, ८, १२, १४, १६	भुक्तिपर्यंत	६७	२५, २७
भद्रपर्यंक	६८	९	भूतकर्मण	२६	१८
भद्रपर्यंत	६८	५, ७, १०, १२	भूमि	१	८
भद्रवर्षा	९	१८	"	७	१६
भद्रा	१०	१	"	२३	१, ११, ३४
"	३३	२	"	३४	३६
"	३४	१, १७, ३३	"	३६	२
"	३५	१२, २८	भूमिकला	२२	७
"	३६	९	भूमिपरीक्षा	२३	२४
भाई	६७	१७, १९, २०	भूमिगालन	७१	८, १०, ११, १२
भक्ति	१२	२१	भूमिदेय	२२	१८
भद्र	३१	२५	भूषण	२६	३
भय	१२	२१	"	६६	१९
"	२०	१९, २६	"	६७	१५, ८, १३
"	२१	३, ११, २०	भूगोलादृतनं	४८	१३, २०, २५
"	३८	३, १३, २८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
भेद	१७	२२	मव	३६	१३
भोगहीनता	५७	१७	मर्दन	२५	७, २०, ३५
भोगिनी	४२	२०	"	२६	१३, २९
"	४३	२५	"	२७	५
भोजनवास	४४	९	मर्दनविज्ञानं	२४	८
भोजनशक्ति	७४	१९, २१, २२, २५	मनु	३३	७
भोजनशाला	३२	४, ९, १४, १९, २४	"	३४	५, ११, ३७
		२९, ३४	"	३५	१५, ३१
भोजनादि	५८	९	"	३६	१३
भोजनाधिवास	४४	७, १३	मधुरवाक्या	४३	१५, २१
भोजनाष्टपचार	५८	१४, १६, २०	मधुरा	४२	१६
भोजने	४४	११, १५	"	४३	२८
भंडार	१०	१२	मधुरं	६२	१७, २५
मकुक्ष्माण	९	१७	"	६३	७, १४, २८, ३६
मकुक्ष्माणा	९	२५, ३५	"	६४	४
मगध	२८	१५, २९	"	६५	१४, १७
"	२९	२५	मध्य	२९	११
"	३०	१५	मध्य	३०	१५
मधुछ	३९	२८	मध्यदेश	२९	१५
मठगृह	३२	२७	मध्यदेशाः	२७	२९
मठस्थान	३२	७, १३, २२, २७, ३२	मध्यदेशाः	२८	९, १५
मठस्थानं	३२	२	मध्यम	८	२, ३, ४, ५
मजा	२०	६, १६, २५	मध्यमपर्यंत	६९	१९
"	२१	२, ९, १८	मध्यमिका	६९	२१
मणिमय	३३	९	मध्यं	६२	२०
मणिशाला	३५	१८	"	६३	१६, २३, ३०, ३७
मति	३८	१०, १४, २४	मयीं प्रमाणं	६३	३, १०
"	३९	२, ११	"	६४	७
मतिमूढ	३९	१५	मन	२०	५, १५
मर्यादरक्षणं	३०	२९	"	७२	१३, २५
मत्स्य	३४	१०, २६	मनशाला	३५	३४
"	३५	७	मनस्	२१	८, १७
"	३६	१९	मनु	३१	१०
मद	३९	१, ८	मनुष्यलोकस्थान	७	१७, २४, १२
मदनगुण	११	८	मनोवाञ्छितविनोदः	५९	१६, २७
मदिरा	३६	५	मनोहरं	६५	१५
मय	३३	७	मनासि	२०	२३
"	३४	५, २१, ३७	मण्डन	१२	७, २३
"	३५	१६, १८, ३१	"	१३	१६, ३३
			मर्म	२५	१८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
भर्म	२६	१२	महाराष्ट्र	३०	११, २४
„	२७	३	महाराष्ट्रदेश	२८	१०
भर्मविज्ञान	२५	५	महाव्रत	६७	२७, २८
भर्यादा	१२	६, २३, ४०	महाव्रतिक	६७	३०, ३१
„	१३	१६	„	६८	१
भर्यादा	२२	२५	महाव्रत	६७	२५
भर्यादागुण	११	७	महिमा	७६	१, ११, १३, १५
भरण	३१	११	महेश	३४	३३
भरण	३८	११, २७	महेश्वर	३३	२
„	४५	१३, १५	„	३४	१, ३, १७
भरणं	४५	१५, १७	„	३५	१३, २८
भरणाति	३८	१९	„	३८	९
„	३९	२०	महोत्सव	६	२
भरु	२८	३२	„	११	२१
भल	२०	१७, २६	„	१२	३, १९, २६
„	२१	२, १०, १९	„	१३	१२, २९
„	४५	२	„	१५	३०
भलय	३०	२२	„	१६	३, ८, १३, १९, २५
भलयदेश	२८	११	महोत्सवगुण	११	२
भल	१६	२१	महोत्सवविनोद	१५	२२
भल्ल	१७	१, ५, ९, ३०	महोत्साह	४१	१२, ३१
„	१८	६	महोत्साही	४१	१८, २५
भल्लम्भान	१६	३३	मक्षिका	१७	३०
भल्लम्भानं	१७	१३	„	१८	६, ३१
भ(ः)श्म)श्म	४५	५	मागध	२९	११
भण्ठि	१८	२६	„	३०	१
भल्लकविज्ञानं	२४	२८	„	६५	२८
भल्लतम	१६	२९, ३४	मागधदेश	२७	२१
„	१७	१, ५, ९, १४	मागधं	६५	२१, २२, २४, २६, २८
भल्लतमपात्र	१४	९, १७	„	६६	२
„	१५	१०	मात्सर्य	२०	८, १९
भल्लतमपात्रं	१४	२	„	२१	३, ११, २०
महागीतं	६२	६, ७, ८, १०	माधुर्य	६६	२५
महातट	२९	२०	माध्यमिक	६९	११, १३, १९
महानस	३२	९, १४, २४, २९, ३४	माध्यमिकं	६९	९, १५
महानायकाः	२	१७	मान	२०	२६
महापात्र	१४	२५	„	३८	२६
महामाल्य	१४	३१	„	७२	६, ८, १८
महाराष्ट्र	२८	२४	मानं	७१	५
„	२९	६, २०, ३५	मानगुण	११	६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
मानचरित्रं	७१	२	मित्रहार	३१	१४
मानराज	१५	४	मित्र	७३	१६
मानशत्रु	१४	१	मित्रराज	७३	६
मानव	१४	१०	मित्रम्	७३	१५
मानवलोचनम्यान	७	९	मित्राज्ञ	१०	१०, १२
मानवम्यान	७	१०, ११, १२, १४, १५	मिश्रसं दायी	४६	१४
मानवम्यान	७	१५	मुक्तादत्त	३३	१३
मानवोद्य	७२	१	"	३४	९, २५
मानविक	७३	२१, २२	"	३५	१, २१, २७
"	४३	३२	"	३६	१८
मानविक	४३	३३	मुक्ति	१२	४, ३८
"	७३	२०	"	१३	१४, ३१
"	७३	२२	मुक्ताग	४४	८
माह्व	११	२१	मुक्तागीच	४५	५, १३
"	१२	१९, १६	मुक्तागीच	४४	२३
"	१३	१२, २९	मुक्ताग(मुक्तागार)	६३	२३
माह्वमुग	११	२	मुक्तागार्क	६२	१९
माह्व	१४	३३	मुक्ताग	६३	२०
माह्वराज	१४	११, १८, २६	मुक्तागिराजः	४४	५, १३
"	१५	३, ९, १२	मुक्तागिराजो.	४४	१०
माह्वराज	१४	३	मुक्ता	४४	१४
मादा	१०	९	मुक्त	१८	१८
"	२१	४, १२, ३१	मुक्ताग	८	२०
माह्व	४५	१४	मुक्ता	१७	२०
माह्वराज	८	३६	"	१८	९, ११, ३१
माह्व	९	२९	मुक्ताग	४८	१२, १८, २५
माह्व	१८	१८, ३१	मुक्ताग	२९	२०
"	१९	३६, ३८	मुक्ताग	१८	१, ८, १४, ३१
"	३०	१, ३८	मुक्ताग(मुक्ताग)	६३	१०
माह्वराज	२०	३०	मुक्ताग	१८	७, १३, १९
माह्व	३५	१०	मुक्ताग	९	३५, ३०
माह्वराज	३३	१०	मुक्ताग	१०	२०
माह्वराज	३३	७, १२, १०, १३, १३	मुक्ताग	७३	१४
माह्वराज	३३	१४	मुक्ताग	३	१५
माह्वराज	९	३०	"	५०	४, ९, ८, ११, १४
माह्वराज	६०	३१	मुक्ताग	५०	९
माह्वराज	३५	१८	मुक्ताग	५१	१०
माह्वराज	९	३	मुक्ताग	३८	९
"	६०	१०, १९, १०, ३३	"	३३	३
माह्वराज	३८	१८	मुक्ताग	८	१०

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
मूलपदार्थ	८	७, ८, ९	मोहन	२५	१८
मृत्तिका	३३	८	"	२६	५, २३, ३५
"	३४	६, २२, २८	"	२७	३
"	३५	१७, ३२	मोहविज्ञान	४	३२
"	३६	१४	मोहविज्ञानं	२४	२
"	४५	१, ५	मोक्ष	८	१२, १३, १४, १५
मृत्तिकाशौच	४५	३	"	१९	१०, १४, २४
मृत्तिकाशौचं	४४	१७, २०, २२	"	३१	७, १२, १७, २३, २८
"	४५	७	"	६९	९, १५, १९
मृत्यु	३१	१०, १५, २६	"	७७	५, १०, १३, १७, २०
मृत्युलक्षणं	३१	२०	मोक्षपर्वत	६९	११, १३, १७, २१
मृदुदहनं	५९	४, ६, ८	मोक्षमहोत्सव	७६	२, ५, ६, ७
"	५८	२५	मोक्षलक्षणं	३०	३३
मृदुगानशायी	५९	२९	मोक्षशास्त्र	१९	४, १८
"	६०	३, १५	मौदिक	९	१२
मृदुपनशायी	६०	६	मौदिकवंश	८	१९
मेघ	३५	२३	मौल्ये (सील्ये)	६०	२५
मेघ	३३	१५	मंत्र	११	२२
"	३४	११, २७	"	१२	३, २०, २६
"	३५	६, २३	"	१३	१३, ३०
"	३६	२, २०	मंत्र	१५	३०
मेघविज्ञान	२४	७	"	१६	८, १३, १९, २५
मंडरा	३९	८	"	२३	१७
मेद	२०	६, १६, २५	"	१९	१०, २०, २४
"	२१	१, ९, १८	"	२३	२६
मेदपाद	२८	१७, ३२	"	२५	६, २०
"	२९	१४	"	२६	१३, २९
"	३०	५, १८	"	२७	५
मेदपाददेश	२७	२८	"	४१	५, ११, ३०
मौदिक	३३	१०	"	७२	३५
"	३४	७, २३	मंत्रकला	२२	३, १३
"	३५	१, १९, ३४	"	२३	२८
"	३६	१५	मंत्रगुण	११	३
मोरी	९	५, १२, २२, ३५	मंत्रपात्र	१५	४
मोरी	१०	५	मंत्रबले	७२	२३
मोह	२०	१८, २६	मंत्रबाल	४१	१७, २४
"	२१	३, १०, ११	मंत्रविनोद	१५	२२
"	३८	६, १९, २१	मंत्रविज्ञान	२४	८
"	३९	१, ९, १९	मंत्रविज्ञान	२५	३४
मोहविज्ञान	२५	४, ३२	मंत्रसक्तिः	७४	१७, २२, २४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
मंत्रशास्त्र	१९	७	यादववंश	८	१७
मंत्रि	१६	२९, ३३	यादववंश	१०	१
"	१७	५, ९, १३	यामन	२९	१०, २४, ३९
मंत्रिपात्र	१४	९, १६, २४	यामुन	२८	१४, २८
मंत्री	१४	३१	"	३०	१५
मंत्रीपात्र	१५	१०	यामुनदेश	२७	२०
मंकाणकवंश	८	२३	युक्ति	११	२३
मंजुयाण	९	५, १२	"	२७	७
"	१०	५	"	१२	१४, २१, ३८
मंडण	१२	४०	"	१३	१४, ३१
मंडन	११	२५	युक्तिगुण	११	४
मंडप	३२	९, १४, ३४	युद्ध	१३	१०, ३२
मंडपशाला	३२	१९	"	२२	१६, ३१
मंदिर	३३	१३, १८	"	२१	१२
"	३५	९	"	१५	२८
मंदुर	३२	२३	"	७४	२२
मंदुरा	३२	३३	युद्धला	२३	५
मांस	१९	२८	युद्धकार	१६	२२
"	२०	६, १६, २४	युद्धविनोद	१६	२३
"	२१	१, ९, १८	युद्धशक्ति	७४	१८, २१, २५
"	२९	१४	युद्धगमय	२३	२३
"	३६	२१	योग	२५	५, १९
यति	६८	५, ७, ९, ११, १३, १५, १७	"	२७	४
यथाचार	७२	११	"	२६	१३
यन्त्रगोलिका	१८	२६	"	७४	१५
यमक	६३	१३	योगविज्ञान	२४	३
यमुना	३३	२२	"	२५	३३
"	३४	१५, ३३	योगाचार	६९	११, १३, १५, २१
"	३५	१०, २७	योगाभ्यासकारणम्	४४	९
"	३६	७, २५	योगांत	६९	१९
यय	३५	११	योगोपचार	६९	१७
ययोरन	१२	१७	योगाचार	६९	८
"	२६	१३	रत्न	३०	६, १६, २४
यय	३६	२, ३, ८, १३, १८, १९, २५	"	२१	१, ९, १८
ययविनोद	१५	२१	"	२९	१३
ययविहान	२४	७	रति	३८	२, १२, २०, २८
यारव	९	१५, २१	"	३९	५, १३
यारवस	९	१८, ३२	रत्न	२३	१५, ३०
			"	३५	१३, २६
			"	३६	१९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
रत्न	२७	११	रागादिव्यसन	५९	५
"	३१	९, १४, १८, २४, ३०	राजगुण	१	१४
"	३३	९, २२, ३२	"	१०	१३
"	३५	१, १८	राजनीति	१	१९
रत्नकर्म	२६	३६	"	१७	२१, २३
रत्नकला	२२	४	राजपात्र	१	१५
रत्नपरीक्षा	२३	१४	"	१३	३४
रत्नमणि	३४	७, २३	"	१४	१
"	३६	१५	"	१५	३
रथ	१४	३०	राजपाल	९	५, १२, १७, ३५
रथ्यादि	५८	१५	"	१०	५
रथ	३९	१७	राजपालक	९	३५
रवि	९	१५	राजपालवंश	८	२४
रस	२	१३	राजपुरव	१६	३२, ३६
"	२०	१३, २२, ३०	"	१७	१२, १६
"	२१	७, १५	राजबल	७२	२४
"	४५	१६	राजमान्य	१४	३३
"	६४	२१, २४, २६	"	१५	१२
"	७०	४, ९, २६	"	१७	८
"	७५	२, ३, ५	राजमान्यपात्र	१४	१८, १९, २४
रसः	६५	२, ६, ७, १२	राजविद्या	१	१८
रसन	११	२४	"	१७	१७
"	१२	६, २३, ३९	राजविनोद	१	१६
"	१३	१६, ३२	"	१५	१५
"	२०	३, १३, ३०	राजवंश	१	१२
"	२१	१५	"	८	१६
रसनगुण	११	७	राजहंस	३५	४, ३७
रसायन	२५	६, १९	राजायण	३२	५, १०, १५, २०
"	२६	१३	"		२५, ३०, ३५
"	२७	४	राज्य	१	१३
"	९६	२८	राज्यपालन	७१	८, ११, १२
रसिधर	११	२२	राज्ये	६०	१८, २४
"	१२	४, २०, ३७	राज्यं	१०	८
"	१३	१३, ३०	"	१७	७
रसिकत्वगुण	११	३	राठवड	९	३४
रसिध	४३	७, १२, १९, २६	राठोऊड	९	१९
रस्य	७२	१२	राज्यदेश	२७	२०
रस्यगीर्ण	७२	४	राष्ट्रदूट	८	२१
राग	२०	८, १९, २७	"	९	३, १०, २४, २९
"	२१	३, ११, २०	"	१०	३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
राश्री	१४	३३	लकुट	९	२३
राज्ञीपात्र	१४	४, १२, १९	लपिमा	७६	९, ११, १३
"	१५	६, १३	लम्भान्विता	४२	१४, २१
रिष्टि	१८	१, २७	"	४३	७, १३, १९, २६
रीती	६४	१९, २३	लडुक	९	३, १०
"	६५	१, ५, ८, ११	"	१०	३
रूप	३	१७	लब्धियोग	६	३
"	११	२९	ललितं	६२	१२, २२
"	१२	१०, २८	"	६३	४, ११, १८, २५, ३२
"	१३	३	"	६४	१
"	२०	३, १३, २३, ३०	लक्षण	१९	१३, २६
"	२१	७, १५	"	२५	१३, २७
"	३१	१०, १६	लक्षणकला	२२	१०
"	३३	६	लक्षणयुता	४२	२७
"	७४	११, १३, १४, १५	"	४३	१४, २२
"	७५	२, ३, ५	लक्षणयुक्ता	४२	७, १३, २०
रूपक	३१	१२	लक्षणविज्ञानं	२४	२१
रूपकृत	३६	३३	लक्षणमात्र	१९	६
रूपगुण	१०	१७	लक्षणस्थान	२	७
"	११	१२	लक्षणं	२०	१२
"	१३	२०	"	२६	७, २०, २७
रूपभागी	५७	१०	"	६८	४, ६, १४
रूपलक्षण	३०	३२	"	७२	८, १५, २०
रूपवती	४३	१५	लक्ष्मी	२६	१२
रूप्य	३४	४, २०, ३६	लक्ष्मीयोग	२६	२७
"	३५	१५, ३१	लक्ष्मीविज्ञानं	२४	३
"	३६	१३	लक्षितम्	७३	२०, २१
रैलु	३५	५	लाघव	२३	३०
रोचना	३३	८	लाज	२९	३५
"	३४	६, २२	लाजी	३०	१०
"	३६	१४	लाट	२८	१७
रोमांच	३८	३, १७, २९	"	३०	१७, ३१
"	३९	१७	लाटदेस	२७	२७
रोमांचाः	३९	६	"	३०	४
रोरीच	९	१६	लाह	२९	१३
रोशगीतं	६२	१८	लासं	६४	१४, १५
"	६३	१, ९, २२	लिखित	१६	६, १७
"	६४	५	"	२३	१९, २३
रोप्य	२६	२	"	२३	३, १४, ३६
रग	५९	१	"	७३	२२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
निखितकला	२१	२५	लोहपुर	३०	८,२३
लुङ्क	९	३०	वचन्य	१६	६,११
लुंठि	१८	१,१०,१८,२६,३५	वचन्य	६६	६
लेख्य	१५	२८	वचूत्त्व	४	१९
"	१६	१,६,११,१७,२३	"	१५	२८
"	२२	२४	"	१६	१७,२३
"	२६	१४,३०	"	२२	१९,२४
लेप	२३	११,३४	"	२३	३,१४,३६
लेपकर्म	२५	७,२१	"	३७	१०,१७
"	२७	६	वचूत्वं	६६	४,७,९,१०
लेपकला	२२	७	"	७०	३,८,११,१५,१९
लेपन	२३	१	वचूत्त्वकला	२१	२५
"	२५	३५	वचूत्त्वकीर्ति	३७	८,११,१३
लेपविज्ञान	२४	९	वचूत्त्वविनोद	१५	१८
लोक	७०	२२	वचूत्त्वकीर्ति	३७	१५
लोकपर्यंक	७०	१४	वज्र	२९	३८
लोकपाल	३३	२	वचन	२२	२४
"	३४	१,१७,२३	"	२३	१५
"	३५	१२,२९	"	२५	६,१९
"	३८	९	"	२६	१३,२८
लोकशब्द	७०	६,१०	"	२७	४
लोकशब्दपर्यंत	७०	१८	वचनकला	२१	२६
लोकस्थान	१	७	वचननिश्चयप्रबोध	६१	१०
"	७	७	वचनविज्ञान	२५	३३
लोभ	२०	१७,२६	वचनज्ञान	६१	२७
"	२१	३,११,१९	वचनाद्यप्रचारत	५८	७
लोभगुण	११	९	वचा	३५	३५
लोह	२५	९,२३	वज्र	१८	११,१७,२४
"	२६	२	वज्रकर	२६	६
लोहकर्म	२३	१९	वज्रकर्म	२६	३७
"	२६	३२	वज्रल	२८	२१
लोहपत्र	२६	१७	"	२९	३
लोहपाद	२८	१६,३०	वज्रलदेयः	२८	६
"	३०	१६	वज्रुर	२९	३२
लोहपुर	२८	२१	वज्रकर	२६	२०
लोहपुर	२९	४,१७,३२	वज्रर	३०	७
लोहविज्ञान	२४	१३	वनिज	२२	३१
लोहितपाद	२९	२७	वर्गन	३७	१,२,६
"	३०	३	"	६६	२५
लोहितपाददेस	२७	२५	वर्नन	२२	१७,३२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
वर्णन	२३	१०, ३३	वस्त्राकार	२५	१३, २६
वर्णन	३७	१०, १७	वस्त्राकारविज्ञानं	२४	२०
"	६८	५, ६, ८,	वस्त्रादिसंयमनं	५९	१४, १७, २२, २५
		१२, १४, १६	वस्त्राधिवासे	४४	१४
वर्तनरत्ना	२२	६	वस्त्राधिवासः	४४	५, १३
वदान्य	१३	१५	वस्त्रालंकरणेन	५८	१९
वय	७४	११, १३, १४	वस्त्रालंकारदानानि	५८	१७
वपस्य	४०	१४	वस्त्रालंकारदानं	५८	१२
"	४१	१, ७, १३, २०, २७	वाक	३५	१
वपस्विनी	४३	४	वाह	२०	४, १३
वर	३३	५	"	२१	७
वरणेद	२९	१०	"	७२	२५
वरात्रशोधन	५८	२४	"	७३	१७
वरं (१ रा) गणोपनं	५९	३	वाक्यलं	७२	२३
वरागणोपनं	५९	७, ९	वाक्यज्ञा	४२	२२
वर (१ वरात्र)			वाक्यज्ञा	४३	२७
संवेगनं	५९	१३	वागविमृशण	४८	२१
वराटदेव	२८	१२	वाच	३३	१०
वरेंद	२८	१५	वाचक	६४	३३
"	२९	८, २४, २९	"	६५	८, ११
"	३०	३६	वाचक्य	२३	४
वरेंद्रदेव	२७	१०	वाचकं	६४	१०, १६
वसिष्ठ	७६	१३	"	६५	५
वसिष्ठं	६६	६	वाचनविज्ञानं	२४	५
वसिष्ठम्	७६	१०, १२, १५	वाचना	६५	२
वसीकरण	२५	१२, २५	वाचिक	२३	११
"	२६	५, १७, २५	वाचिक	४३	३२
"	२७	१०	"	७३	१
वसीकरणविज्ञान	२४	१८	वाचिकम्	७३	१७
वरपु	२२	१५, १०	वाच्य	६५	८
"	२३	८, ११	वाच्यं	६४	१६, १६
"	२६	१८, ३६	वाजि	३५	३
"	३१	१, ११, २५	वाजिप्र	३५	१५, ३६
वसुधुपनं	३१	३, १९, ३०	वाजिप्रतिनोद	१६	९
वसुधुपनं	२४	१८	वाजिप्रता	३२	२८
वसु	२६	९	वाजिप्रव	२२	१६
"	३४	३८	"	३३	१, ११, ११
वसुधुपनं	२६	३७	"	२५	१३, १७
वसुधुपनं	२६	१२	"	३६	७४, १०३
"	२०	११	"	३७	११

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
वाणिज्यकला	२२	३	वायकला	२१	२४
वाणिज्यविज्ञान	२४	२१	"	२२	११, २३
वात	२०	७, १७, २५	"	२३	२७
"	२१	२, १०, १९	वायम्	७०	३, ८, १६, २०
वार्ता	१७	१८	वायलक्षण	३१	२२
"	३१	११, १६	"	३०	३१
वात्सल्य	६	१	वायविनोद	१५	१६
"	११	२१	वायसाक्ष	१६	२३
"	१२	३, १९, ३६	"	१९	३
"	१३	१०, २९	वायशा	४२	१५, २२
"	६४	२३	वानप्रस्थ	६८	५, ७, ९, ११, १३, १५, १७
"	६५	११	वामपार्श्वशायी	६०	२, १२, १४
वात्सल्यगुण	११	२	वायु	२०	२, २१, २३, २९
वाद्	१६	११	वायुतत्त्व	२०	१२
"	१९	४, १९	"	२१	१४
"	२२	१२, २६, ३०	वारद्री	२८	२८
"	२३	२१, २८	वारग्री	२८	१४
वाद्	२५	१७	"	३०	१४
"	२६	२६	वार्त्तम	२८	१६
"	२७	१६	"	२९	१३, २७
"	३१	६, २१, २७	"	३०	३
"	७०	४, १७, २२	वार्त्तमदेश	२७	२६
"	७४	२३	वासकसत्वा	४२	२, ६, ८
वाद्कला	२१	२९	वासना	७३	१६
वाद्लक्षण	५	१	वासभवन	३२	९, १४, ३४
वाद्लक्षण	३०	३१	वासमंडप	३२	२४, २९
वाद्कलद	६६	९	वास्तु	१९	११, १५, १९
वादित्र	३३	१२	"	२२	१२
"	३४	८	"	२३	२१, २८
"	३५	२१	"	३१	६, १५, २१, २७
"	३६	१७	वास्तुकला	२२	३
वादिर्ष	६६	४, १०	वास्तुभवन	३२	३
वादिशास्त्र	१६	१७	वास्तुलक्षण	३०	३०
वार्त्तकपता	५७	२७	वास्तुशास्त्र	१९	५
वाय	४	१६	वाहन	३३	१७
"	१५	२७	"	३४	१२, २८
"	१६	६, १०, २२	"	३५	७, २५
"	२३	३, १४	"	३६	४, २१
"	३१	७, ११, १६, २८	विकम्पितं	६३	३६
"	३५	३			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विप्रह	११	१७, ३४	विप्रमनदीर्घि	३७	१५, ११
"	१२	१४, ३२	विप्रजनसंमतिदीर्घि	३७	१३
"	१३	८, २४	विप्रपम	२५	११, २५
विप्रहयुग	१०	२३	विप्रपण	२६	४, ३५
विप्रहस्थान	१७	२	"	२७	१०
विप्रहस्थानं	१६	१६	विप्रपगविज्ञानं	२४	१७
विप्रहृणा	४२	१२, २०	वि(प्र)यरा	४३	८, १३, २०, २७
"	४३	६, १३, १८, २५	विप्रा	११	१०, २७
विचार	१२	८, २५	"	१२	८, २५
"	१३	१	"	१३	१, ८
"	२२	१२, २६	"	१६	४
"	२३	६, १७	"	२२	३०
"	३८	२५	"	३१	५, १०, १५, २६
"	७०	६	"	३३	१७
"	७१	५	"	३४	१३, २९
विचारकत्वम्	५	९	"	३५	७, २५
विचारकला	२१	२९	"	३६	४, २३
"	२३	२८	"	६४	१८, २३, २५
विचारयुग	१०	१५	विश	६५	१, ६, ७, १०
विचारपर्यंत	७०	१०, २२	"	७०	२, ७, १५, १९, २१
विचारपात्रं	१३	३६	विशायुग	१०	१४
विचारवता (?)	६३	१५	विशपात्र	१४	१५, २२
विचित्रं	६५	१५	"	१५	१
विजय	११	२७	विशपात्रं	१३	३५
"	१२	८, २५	विशालक्षणं	३०	३०
"	१३	१	"	३१	२१
"	२२	१६, ३१	विशशक्ति	७४	२१
"	२३	२२, ३२	विशसगतं	६३	२९, ३७
विजयकला	२२	५	विद्युत	३५	६
विजययुग	१०	१६	विध्वंस	३८	३५
विजये	७०	२८	विनय	११	१०, २७
वित्तकला	२१	३१	"	१२	८, २५
वितर्क	३८	११, १६, २५	"	१३	१, १८
वितर्क	३९	१२	"	२५	१६, ३०
वितराग	३५	२८	"	२७	१, १५
वितर्त	६४	९, १०, ११, १२	विनयवान्	४१	१४, २१
वित्त	१६	२१	विनायक	३३	४
विदर्भदेश	२८	९	"	३४	३, १९, ३५
विदाघ	३८	१९	"	३५	२९
"	३९	२०	"	३६	११

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विनीता	४२	२०
विनीता	४३	२५
"	४६	३४
विनोद	११	२०
"	१२	१, १८, ३५
"	१३	११, २८
"	१६	२
"	१७	८
"	१९	११, १६, २०, २५
"	२२	१२, २६
"	२३	१५
"	२५	१६, २९
"	२६	५, ३४, ३९
"	२७	१४
"	२८	२३
"	३१	६, ११, १६, २१, २७
विनोदः	७०	२, ७, १५, १९
विनोदगुण	१०	२८
विनोदपात्र	१४	७, १४, २२, २८
"	१५	१, ८
विनोदपात्रं	१३	३५
विनोदलक्षणं	३०	३१
विनोदविज्ञानं	२५	१
विनोदस्थान	३२	८, १३, १८, २३, २८, ३२
विनोदस्थानं	३२	३
विनोदहास्यकरणं	५८	१३
विनोदाः	५९	२१
विनोदे	६०	१८, २४
विनोदेन	६०	२२
विपत्ति	३८	२६
विप्रदान	३५	२५
विप्रलब्धा	४२	२, ४, ७
विप्रलेमा	४२	८
विप्रियं वदति	४७	१३, २५
"	४८	९
विबुध्यविनोद	१५	१९
विशेष	१३६	११
"	३८	८, १५
"	३९	४, ११, १६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विम(३मा)पितं	६३	२
विभाग	११	१३, २०
"	१२	२८
"	१३	१, ४, २०
विभागगुण	१०	१८
विभाषिका	६९	२१
विभूषण	२५	१०, १४
"	२६	२१, ३४
"	२७	९
विभूषणविज्ञान	२४	१५
विमोगिनी	४३	६, ११, १८
"	४२	१३
विमर्शवती	४३	२, २६
विमर्षमती	४२	१७
विबोध	११	१२, २९
"	१२	११
"	१३	२०
वियोगगुण	१०	१८
विरक्त	३८	१०
विरक्ति	३८	२५
विरहवेदना	४८	२३
विरहोरुचिठता	४२	२, ४, ८
विराट	२८	२३
"	२९	६
"	३०	२४
विह्वभाषी	५७	१३
विह्वभाषिता	५७	२७, ३०
विरोध	११	१९
"	१२	१
"	१३	२७
विरोधगुण	१०	२७
विलम्बितं	६२	२०
"	६३	२३
विल(३मा)पितं	६३	१०
"	६४	९
विलास	२२	१२, २७
"	२३	६, १८, २९
"	५	७१
विलासकला	२१	२९
विलासचरित्रं	७१	४, ६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विलासपात्र	१४	७, १४, २३, २८	विषय	१२	२, ३४
"	१५	८	"	१३	२७
विलासपात्रं	१३	३६	विषयकारणम्	४४	२
विलेपनाधिवास	४४	६	विप(!मुख)श्रुता	४३	२५
विलेपनानि	५८	२०	विप(!मुख)धिता	४२	२०
विलेपने	४४	११, १५	विपाद	३८	१४, ४३
विलेपनेन	५८	१८	"	३९	२, १०, १५
विलंबनं(विर्त)	६३	१६, २३, ३०	विष्णु	३३	१
विवर्ण	३८	४, ३०	"	३४	१, १७, ३३
विवर्णता	३९	७	"	३५	१२, ३८
विवाद	१७	२	"	३८	९
"	३८	८	विशेष	३८	२५
विवेक	११	१०, २७	विश्वसोपसर्ग	४८	२७
"	१२	८, २५	विहार	२२	२९
"	१३	१, १८	"	२३	२१
विवेकगुण	१०	१४	"	६९	८, १०, १२, १४,
विवेकलक्षण	३१	४	"	"	१६, १८
विवेकी	४०	१६	विज्ञान	२	५
"	४१	३, ९, १४, २१, २९	"	१९	५, ११, १६, २५
विद्य	२६	१७	"	१७	३, ७
विद्यालपात्र	१५	२	"	३१	५, ११, १५, २६
विशुद्धकरविज्ञानं	२४	२३	"	३७	१०, १७
विशेष	११	२०	विज्ञानपात्र	१४	८, १५, २३, २९
"	१२	२	"	१५	३, ९
"	१३	११, २८	विज्ञानपार्श्व	१३	१६
विशेषक	६७	३०	विज्ञानपुरख	१६	३३
विशेषगुण	१०	२८	"	१७	१२
विशेष्य	१२	३५	विज्ञानं	६१	२२, २५
विश्ववम्	७६	१५	"	७०	२, ७, ११, १५, १६
विन्दार	११	१०, २७	विज्ञानलक्षणं	३०	३०
"	१२	९, २६	"	३०	२१
"	१३	३, १८	विज्ञानविनोद	१७	१६
विज्ञागुण	१०	१५	विज्ञानविनोदपात्र	१६	३६
विरहति	१२	३, १९, ३६	विज्ञाने	७०	२८
"	१३	१२, २९	"	७१	१५
विरहतिगुण	११	१	विचारवृत्ता (?)	६३	१५
विम्व	३८	२, १२, २०, २९	वीणा	३३	१५
विम्व	३९	६, १३	"	३४	११, १७
विम्व	६३	१२	"	३५	५
विम्व	११	२०	"	३६	२, १६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
वीर	१४	३०	वेप	१३	११
"	३७	१९	वेद्या	१४	३४
वीरचरितं	७१	६	"	३३	८
वीरचरित्रं	७१	४	"	३४	५, २१, ३७
वीरपात्र	१४	८, १६, २४	"	३५	१६
"	१५	३, ९	"	३६	१४
वीरपात्रं	१३	३७	वेद्यापात्र	१४	२०
वीरविलासचरितं	७१	२	"	१५	७, १३
वीरलक्षित	४०	४, ६	वेद्यापात्रं	१४	५
वीरोदात्त	४०	३, ४, ६	वैदर्भ	२८	२३
विशालपात्र	१४	२९	"	२९	६, ३५
विप्रिय	४७	२८	"	३०	९, २४
वृत्त	१६	१, ४, २३	वैद्य	२२	१५
वृत्तयः (३ वृत्ति)	३	१६	वैद्य	२३	९, २२, ३२
वृत्तवाच्य	६५	५	वैद्यक	१९	१०, १९, २५
वृत्ति	४५	२	वैद्यकला	२२	४
"	६४	१९, २३, २५	वैद्यकविज्ञानं	२४	७
"	६५	१, ८, ११	वैनयिकी	६१	१५
वृद्धि	११	२०	वैभाविक	६९	९, १५
"	१२	२, १८, ३५	वैरनिग्रहे	६०	२४
"	२२	२६	वैराट	२९	३५
वृत्त	२२	१८	वैरिनिग्रहे	६०	१८, १९, २४
वृत्त	२३	१२, २५, ३४	वैरिनिग्रहेण	६०	२२
वृत्तकला	२२	८	वैश्वर्य	३८	१७
वृत्त	२३	१३	"	३९	१८
वृत्तभ	३४	९, २५	वैशेषिक	६७	२६
"	३५	४, २२, ३७	"	६८	१
"	३६	१८	वैशेषिकं	६७	२४
वृष्टि	२५	७, २०	वोर्णपात्र	३६	५
"	२७	५	वोक्षाण	३०	१९
वेपु	३३	५, १४	वंग	२९	३३
"	३५	२३	वंगदेश	२८	१३, २७
"	३६	२	वंदन	३५	२०
वेपु	३८	४, १७, २९	वन्ध	२९	१८
"	३९	६	"	३०	९
वेद	१९	२१	वंश	१२	८, १५
"	३३	५	"	१३	१
"	३४	४, २०, ३५	"	२५	९, ३३
"	३६	१२	"	२६	३, २३, ३३
वेदपात्र	३५	३०	"	२७	८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
वंशगुण	१०	१४	शतद्वयंश	८	२१
वंशविज्ञानं	२४	१४	शकुन	२२	१३, २७
वंशे	७०	२४, २७	"	२३	६५, २९
विध्य	२८	२२	"	२५	२, २१
"	२९	५, ३४	"	२६	१, १५
"	३०	३२	"	२७	६
विध्यदेश	२८	२१	"	७२	२५
व्याकरणकला	२१	२६	शकुनकला	२१	३१
व्याकरण	२२	२०, २४	शकुनचर्त	७२	२४
"	२३	४, १५, २६	शकुनविज्ञानं	२४	११
व्याख्यान	१९	१९	शकुन्त	२९	३०
व्याधि	३८	१०, १६, २४	शाङ्ग	१८	१-२७
"	३९	१२, १७	शक्ति	५	२१
"	४५	१३, १५, १७	"	३१	११, २३
व्यापार	२५	१७, २१	"	१२	२१, २१
"	२६	२६	"	१३	१४, ३०
"	२७	२, १६	"	१७	२९
व्यापारलक्षणं	३१	३	"	१८, १२, १८, २५, २१, ३२	
व्यायामशक्ति	७४	१८, २०	"	२०	९, १९, २७
व्यायाम	७४	२३	"	२१	४, ५, १२, २१
व्यायामशक्ति	७४	२७	शक्तिगुण	११	४
व्याङ्गति	३८	२६	शत	४०	१२
व्यासकला	२२	३०	श(१ मि)नव्यया	४३	४
व्युत्पत्ति	११	२१	शत्रु	४५	११, १३
"	१२	३, १९	शत्रुपाते	७५	१५
"	१३	१२, २९	शठ	२८	१४
व्युत्पत्तिगुण	११	२	शब्द	१९	१३
व्युत्पन्नं	६२	१७, २५	"	२०	२, १३, २१, २९
व्युत्पन्नं	६३	७, २१	"	२१	६, १५
"	६४	४	"	७२	९, १३, १७
वृक्ष	१७	२८	"	७५	२, ३, ५
वृक्षला	३०	२१	शब्दशास्त्र	१९	२, ८, १७, ३२
व्रीहा	३८	१३	शब्दसौख्य	७१	३१
व्रीहा	३९	९, १४	"	७२	५
व्रीह्याण	२८	१९	शयनगुण	४	८
वृद्ध	९	४, १०	शयनशाला	३२	१९
"	१०	४	शयनं	१९	५
"	४०	८, ११	शयाङ्ग	४१	१२
शब्द	३१	१५	शयाङ्गी	४१	४, २९
"	३०	५	शय्या	३५	१९, १८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
शरण	११७	१५, ३२	शास्त्रकला	२३	१३
"	१२७	३०	शास्त्रप्रबोधः	६१	२, ४, ८, १०
"	१३	२३	शास्त्रप्रमेद	६७	४
शरणप्रदत्वगुण	१०५	२२	शास्त्रविनोद	१५१	१८
शरणागत	७२	६, १०, १४, १८	शास्त्रसंस्कार	६६	७
शरणागतसौख्यं	७२	१	शाश्वती	३९	२६
शरीरकला	२२	१०, २२	शिखरं (शिखिरं)	६४	११
"	२३	३८	शिपल	२९	३३
शरीरं पालनं	७१	६, १०, ११	शिला	३३	१०
शरीरशास्त्रकला	२३	२	शिल्लरबंध	८	१९
शरीराविष्कारनं	५१	२, १२	शिव	२१	२३
शस्त्र	२२	१९	"	४०	१०
"	२३	३५	शिवधर्म	६७	२६, २८, ३०
"	२३	९	"	६८	२
"	२४	६, २२	शिक्षा	१९	६, १२, २१, २६
"	३५	३४	शिक्षा	२६	१८
"	३६	१५	शीतवृत्तकरणं	५९	१०
शस्त्रबंध	२५	१४, २८	शील	२५	२२
"	२६	८	"	२६	१६
शस्त्रबन्ध	२७	१३	"	२७	७
शस्त्रबंधविज्ञानं	२४	२२	शीलं	७४	११, १३, १४, १५
शस्त्रविनोद	१५	२४	शीलवती	४२	१८
शस्त्रपात्र	१६	१२	"	४३	३, ४, २३, ३०
शात्रुनि	२६	३१	शीलवान्	४०	१४
शान्ता	३७	२०	"	४१	१, ४, १३, २०, २७
शान्ति	२५	३५	शीला	२५	९
शारीर	२३	१२	शुक	२०	७, १६, २५
शारीरं	४३	३३	शुक	२१	३, १०, १८
शालाशुद्ध	३३	१, १७, २२, २७	शुद्धकरविज्ञानं	२४	२३
शाल	२	२	शुद्धलिखितविनोद	१५	१७
"	१५	२८	शुद्धविद्या	२०	३, ९०
"	१६	२, ७, ११	"	२१	२१
"	२२	१९	शुद्धं	६२	१२, २२
"	२३	२५, ३५	"	६३	४, ११, १८, २५, २२
"	२५	१४, २७	"	६४	१
"	२७	१२	शुभग	४१	२१
"	३५	१७	शुभ्रूषा	६१	२४, २६
"	३६	१२	शुभ्रवान्	४०	१४
शास्त्र बरोध	६१	५	शुभ्र	१७	१२, १८, १९, २५
शास्त्रकला	२२	१०	शुभ्रार	१४	२१

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
शस्त्रार	३३	१९	शौर्य	११	९, २६
शस्त्रारण्ड	३२	२, ८, १३, १८, २३, ३२	"	३७	१४
शस्त्रारपात्र	१४	८, १५, २४	शौर्यक्रीति	३७	९, १६
"	१५	३, ९	शौर्यगुण	१०	२६
शस्त्रारपात्रं	१३	१७	शौर्यप्रमुख	७४	७, ८
शस्त्रारवान्	४१	१५	शौर्यपात्र	७३	९
"	४७	१६	शौर्यम्	५	१४
शस्त्रारस्थान	३९	२८	शौर्य	७२	१
शस्त्रारी	४१	३, ९, २२, २९	शौर्ये	६०	१८, १९, २५
शेलार	९	२२, ३०	"	७०	२४, ३७
शैल	२६	१, ३२	शौर्येण	६६	२२
"	२३	१२	शौर्येण	३०	२
शैलविज्ञानः	२४	१२	शौर्येण	६	१९
शैव	६७	२६, २९	शौक	३८	५, १८, २१, ३०
"	६८	१	"	३९	७, १८
शैवं	६७	२४	शौक	९	२४
शैवातिक	६९	१४	शौख	१८	१
शोक	३८	२, १२, २०, २८	"	२५	१९
"	३९	५, १३	"	३६	१२
शौच	३८	५	"	२७	४
"	११	११, २८	"	३३	१०
"	१२	१९, २६	"	३४	५, ८, २३
"	२२	११	"	३५	१, १९
"	१३	२, १९	"	३६	१६
"	२३	५, १७	शौखकर्म	२६	२७
"	२६	१०, २४, २६	शौखविज्ञान	२५	३२
"	२५	१६, ३०	शौखविज्ञानं	२४	४
"	२७	१, १५	शौखवर्षक	६७	१९, २८
"	६७	३०	शौखवर्ष	६७	२५
शौचकला	२१	२९	शमश्रु	४४	२०
"	२३	२७	"	४५	१, ४
शौचगुण	१०	१६	शमश्रुशौच	४४	२३
शौचण्ड	७	१२, १७, ३२	शमश्रुशौचं	४४	१८
शौचण्डं	३२	१	शमश्रु	४१	४, १७, ३०
शौचवान्	४१	१, ७, १३, २०, २७	शमश्रु	३८	५, १८, २१
शौचविज्ञानं	२५	२	"	३९	९, १९
शौचहीनः	५७	३, ८, १०, १३	शमश्रु	११	२४
शौचातिक	६९	२०	"	१२	६, २३, ४०
शौर्य	११	१८, ३५	"	१३	१६, ३२
"	१२	१६, ३३	"	१४	३०

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अवण	१५	२७	छिष्टं	६४	२
"	१६	१०	"	६३	६
अवणगुण	११	७	छेप्म	२०	१०
अवणविनोद	१५	१६	क्षेतपुष्प	३४	८, २४
"	१६	१६, २२	"	३५	१, १९, ३५
अवणसंयमनं (F २, ३)	४८	११, २४	"	३६	१६
अवण	६१	२०, २४, २६	क्षेतवज्र	३३	८
भीकाण्ठ	२९	३३	"	३५	३५
"	३०	८	क्षेतावर	३५	३२
भीषण	३०	९	सकलकलाकुसुमं	४०	१७
भीषवत	२८	९, २३	"	४१	४, १०, १५, २१, ३०
"	२९	५, १९, ३४	सकलत्व	११	१३, ३०
"	३०	२२	"	१२	११
भीमाल	२८	१७, ३१	"	१३	५, २१
"	२९	१४	सकलत्वगुण	१०	१९
"	३०	१७	सकुमार	५८	५
भीमाल देश	२७	२८	सकलविनोद	१५	१८
भीराज	३०	२३	सकलसहन	४८	१२, २५
भीराज्य	२९	१७	सगता	६९	१६
भीराष्ट्र	२८	२१	संप्रामैः	७३	१२
भीराष्ट्रदेश	२८	६	सङ्गद	५	१६
भीराष्ट्र	२९	४	सङ्गुचितसायी	५७	३, ७, १०, १३
भीरुक्ष	३३	२०	सती	३	११
"	३४	१४, ३०	सत्पात्र	१३	३७
भीरुक्ष	३५	१०, २६	सत्य	११	१०, २८
"	३६	२३	"	१२	१, २६
भीरुक्षकल	३६	६	"	१३	३, १८
भुग	३३	११	"	३३	१९
भुताभ्ययन	६८	१०	सत्यगुण	१०	१५
भुति	७२	२६	सत्यपालनं	७१	१२
भुतोत्पत्ता	६९	१७	सत्यं	६५	१४
भुतोत्पादिता	६९	१२	सत्यवती	४२	१७
भेटपात्र	१४	२७	"	४३	२, २३, २९
भोत्र	२०	४, १४, २२, ३१	सत्यवाद	६६	१२, २२
"	२१	७, १६	सत्यवादी	६६	१८, २७
भाषावान्	४१	३, ९, १२, २८	सत्यवादी	६७	३, ११
भाष्य	४१	१५	सत्यवन्त	४०	१८
भाष्यवान्	४०	१७	सत्यवान्	४१	२, ८, १६, २३, २८
भिट्टे	६२	२३	सत्यासवह	४१	४, १०, ३०
"	६३	६, २७	सनापार	३३	७, १२, १७, २३, २८, ३३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सत्रागारे	३२	२	सन्मुखविलोकिनी	४६	२८
सत्रास्थान	३२	२०	सन्मुखगदी	६०	१,५,९,११
सत्र	३१	१,१५,१०	सन्मुखालोकिनी	४६	२,२०
सत्यकथा	२२	१०	सन्मुख न पदपति	४७	११,१७,२४
सत्यं	७३	१५	सन्मुखी सेते	४५	२१
सत्यलक्षण	३१	३	"	४६	१,१२,१८,२५,३१
सत्ये	७०	२४	"	४७	२
सत्यापार	३१	१५,१०	सन्मुखी न सेते	४७	१५
सदर्थ	६२	१४	समापति	६६	१८,२७
"	६३	१९	"	६७	३,११
"	६४	२	समावाद	६७	३
सदामह	११	१६,३३	समावादपक्ष	६७	७
"	१२	१४	समार्थ	६२	१८
"	१३	७,१४	"	६३	१,८
सदामहगुण	१०	२३	"	६४	५
सदर्थ (१ र्थ)	६२	२३	समता	६६	२१,२५
सदर्थ (१ सदर्थ)	६३	५,१२	"	६७	२,६,१४
सदाचार	११	१०,२७	समप्या	४३	१०
"	१२	१,२६	समदुःखमुखा	४६	२,२०
"	१३	२,१८	समदुःखा	४६	१४
सदाचारकृत	३६	३३	समप्रदेश	७	१७,१८,१९,२०
सदाचारगुण	१०	१५	समय	२२	१७
सदाचारमश	३७	१,३,६	"	२३	१०,१३
सदाचारवर्तित	३७	२	"	२१	१३,१८
सदा प्रसन्न	४८	२४	"	६५	४,७,१०
सदाविनीता	४६	३,८	समयकला	२२	६
"	४७	५	समयप्रतिमा	६४	२२
सदाधिब	२०	११	समयलक्षण	६१	१
"	२१	१३	समयः	६४	१८
सदैव गर्विता	४८	६	समवर्ति	६४	२५
सदोदित	१२	१७	समाख्यत	६	५
सद्यपय	२५	१५	समागमे दुष्यति	४५	१९
सद्यापार	३१	९,३०	"	४६	४
सत्यबलुक्षण	३१	१४	"	४७	१
सन्मान	११	११,२८	समागमे पुष्यति	४६	१०
"	१२	९,२६	समानदुःखा	४६	३४
"	१३	२,१९	समाधान	११	११,२८
सन्मानगुण	१०	१६	"	१२	९,२७
सन्मुख	६०	४,१६	"	१३	३,१९
			समाधानगुण	१०	१६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
समाप्ति	६७	७	सर्वात्मपर्यस्त	६८	२०, २२
"	६६	१२	सर्वात्मा	६८	२४, २५
समायात	६३	२२, २९	सर्वार्त्वि	६८	१९, २६
समारम्भे	७५	१२	सर्वसह	१२	१७
समारम्भे	७५	१४, १५	ससत्त्व	४१	१८
समारम्भोदित	७५	९	सर्पप	३३	११
समारम्भोत्थित	७५	१९	"	३४	८, २४
समुज्ज्वलवेद्य	४०	१७	"	३५	२, १९, ३५
समुज्ज्वलवेद्य	४१	३, ९, १५, २२, २९	"	३६	१६
समुज्ज्वल (१ मि)	६३	३६	सह	३६	२
सर्मे	६२	१३, २३	सहया	३३	२१
"	६३	५, १३, १८, १९	सहर्षी	६३	३३
"	६४	२	साङ्ख्यपम्	५	५
सर्मे दृश्यति	४६	१६	साङ्ख्यपं	६७	१७, १९, २०, २१, २२
सम्प्रत्ययकारणम्	४४	२	सागर	३६	१०
सम्भाषिता दृश्यति	४७	१	"	३४	२, १८, ३४
सम्भोगार्थिनी	४७	५	"	३५	१३, ३३
सम्मुखावलोकनी	४६	३४	साङ्ख्यगुण	१०	१८
सम्मुखं न पश्यति	४८	८	सारस्वती	३९	२३, २४, २५
सम्यक्	३१	१७	सत्त्विकी	३९	२७, २९
सरठ	२८	२८	सार्यक	६५	१४, १७
"	३०	१४	साधुपालन	७१	१२
सरयूसार	२८	१५, २९	सानुरागविरक्षण	४८	११, २४
"	३०	१५	सानुरागप्रेक्षण	५९	१६
सरस्वती	३३	२१	सानुरागसंयमन	४८	१८
"	३४	१५, ३१	साम	१७	२२
"	३५	२७	सामर्थ्यगुण	१०	१७
"	३६	७, २४	सारस्वत	६६	६
सलज्जत्व	११	१३, ३०	सारस्वतप्रमाण	६६	५, ८
"	१३	४, २१	सारिकापात्र	१४	२७
सलज्जत्वगुण	१०	९१	सालंकार	६२	१६, २५
सवत्सा	३६	२१	"	६३	७, १७, २०, २८, ३४
सवत्सा गौ	३५	२४	"	६४	३
सर्वन्य	३६	३	सावत्तौ	३९	३०
सर्वदशारिगतविहार	६९	२०	सावपात्र	१२	२७
सर्वदशारिगत	६९	९	सावयव	४१	३, ८, २७
सर्वेद्योच	४५	४	सावयववान्	४०	१५
सर्वज्ञ	६९	१, ३, ५	साहस	७२	६, १०, १४, १८
सर्वज्ञः	६८	२८	साहस्यौर्ध्व	७२	१
सर्वात्मता	६८	२३	चितवन्न	३४	५, ११, ३७

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सिद्धपीठ	३४	१६, ३२	मुखस्थं	६३	२, ९, ३७
सिद्धांतः	१९	२१	मुखस्थापकं	६३	२३
"	३३	७	"	६४	६
"	३४	५, २१, ३७	मुखस्थितं	६३	१५
"	३५	१६, ३२	मुखाश्रया	४२	१२
"	१३	११३	मुखिरं (? पिरं)	६४	१०
सिद्धांतशास्त्र	१९	७, १३, २६	मुख्ये	६०	१६, १९, २५
सिद्धि	११	२०	मुगत	६९	१६
"	१२	२, १८, ३५	मुगन्धस्य	६४	४
"	१३	११, २८	मुगन्धस्य- (? मुगन्धीरं)	६३	१६
"	३३	२२	मुगमं	६३	२७, ३४
"	३५	१०	मुगंध	४०	१८
"	३६	८	"	४१	५, ११, ३०
"	६९	४	मुगंधप्रिय	४१	१७, २३
"	६८	२९	मुगंधप्रिया	४२	१५
सिद्धिगुण	११	१	"	४३	१, ९, २३, २४, २८
सिद्धिपर्यंत	६९	३	मुगंधस्थं	६३	२५
सिद्धिस्थान	१४	३१	"	६३	७
सिलर	९	१६	मुगर्ह	६३	१४, २३
सिलार	९	२, ९, ३३	"	६३	२, ५, १९, २६, ३३
"	१०	२	"	६४	३
सीतबलं	३६	१४	मुजन	४०	१८
सीतारादिमुचनं	५९	६	मुखिरं (?)	६३	११
सीतारादिमोचनं	२८	२४	मु(? व्यु) लपिकं	६३	१४
सीतुतादिमोचनं	२९	४, ६, ८	मुमु(? व्यु) लपत्रं	६३	३५
सीधल	२८	२२	मुतालं	६२	१२, २२
"	२९	४	"	६३	४, १८, २५
"	३०	२२	"	६४	१
मुक्तम्	७३	७	मुधिष्यं (? ल्यं)	६३	२८
मुक्तलं	६३	१६	मुयतनं (?)	६३	३५
मुक्तवित्तं	६३	१५	मुतुलं	६३	१७
मुक्तव्यं	६३	१९	मुनेरा	४२	११
मुकुमार	५८	५	मुपदं	६२	१२, २२
मुकुमारशरीर	४३	८, १४, २०, २७	"	६३	४, ११, १८, २५, ३२
मुकुमारोपचारात्	५८	२, ४	"	६४	१
मुक्तं विस्मरयति	४७	११, १६, २३	मुग	३९	१६
"	४८	२, ७	मुगा	३८	८
मुख	१६	४, ३०	मुगावगाही	४०	३०
"	१७	६			
मुगप्रिया	४३	६, ११, १८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सुपुत्रा लौ	३५	७
सुप्रबद्धं	६३	१८
सुप्रभं	६२	१७
"	६४	५
"	६३	१,८,११
"	६४	५
सुप्रमाणशरीरा	४२	१५
"	४३	१
सुप्रमाणं	६२	२१
"	६३	३८
सुप्रमेयं	६२	१३,२३
"	६३	२६,३३
"	६४	३
सुप्रुटं	६४	४,१२
सुप्रव्यं	६२	१२,१३
"	६३	४
"	६४	१
सुप्रग	४१	२,८,१४,२८
सुप्रगा	४२	११,१९
"	४३	५,१०,१७,२४
सुभापाठ्यं	६२	१६
"	६३	७,१४,२०,२८,३५
सुभापाथं	६२	२५
सुभापाथं(ठ्ये)	६२	१४,२८,३५
"	६४	४
सुभाषितजननं	५९	२६
सुभाषितजल्पनं	५९	१६,२०
सुभाषितभाषणं	२३	५९
सुभोगाशिनी	४६	१५
सुभनोदरे	६५	१७
सुभतदेश	२९	२१
सुरजं	४	६
"	६२	२४
सुरत	६३	६,१३,२०,२७,३४
सुरतप्रवीणा	४२	११,१९
"	४३	५,११,२४
सुरज(ठि)प्रवीणा	४३	१८
सुरभिजलं	४४	१२
सुरसुवनम्	७	६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सुरम्यं	६३	१९
सुरसं	६३	१३,२३
"	६३	५,१२,२६,३३
"	६४	२
सुराग	४०	१५
सुरागं	६२	१३,२२
"	६३	५,१२,१८,२५,२६, ३३
"	६४	२
सुरपा	४२	११,१९
"	४३	१०,२४
सुराज्येन	६०	२२
सुरद्व	१०	११
सुरर्षं	६२	१५,२४
"	६३	६,१३,३४
"	६४	३
सुवाचं	६३	१६
सुविनीता	४३	५,११,१७
सुवृत्त	४१	५,११,२४,३०
सुवृत्तमंत्र	४०	१९
सुवृत्तमंत्रा	४३	२
सुवृत्तः	४१	१६,२४
सुवेया	४२	११,१६
"	४३	५,१७,२७
"	४६	१४
सुसीला	४३	१६
सुसखा	४२	१९
"	४३	५,१७,२४
सुसमयकं (सुसमयकं)	६२	१५,२४
सुसमयकं	६३	६,२६,२०
"	६४	३
सुसंगी(ठ)	६३	२६,३३
सुसंघिष्ठं	६३	३५
सुसंघिष्ठं	६३	१४,२१
सुसंघं	६२	२४
सुसंघं	६३	३२
सुसंघं	६३	११,२५,३२
सुसंघाशरीरा	४३	२२
सुसंघं	६३	१२,२२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
मुखरं	६३	४, ११, १८, २५, ३२	सुरसेन	२९	१२, २६
"	६४	१	"	६५	२९
मुखरत्न	६६	२५	सुरसेनदेशः	२७	२४
मुखरत्नं	६६	१६	सुरसेन	६६	१
मुख्यादमद्यमोज्यं	५८	१२	सुरिमा	९	३८
मुपामर्त्य (मुपामर्त्य)	६३	२०	सेना	१४	३२
मुपिरं	६४	९, १२	सेनापात्र	१४	१७, २५
मुष्टूपा	६१	२०	"	१५	११
मुष्टिष्ट	६२	१४	सेनापालपात्र	१५	११
"	६३	१३, ३४	"	१४	१०, १८
मुष्ट्यं	६३	२६	सेनापात्रं	१४	३
मुष्टद	४१	१७	सेमट	९	१९
"	७२	२५	सेरटक	२८	१९
"	७३	१६	"	२९	१
मुष्ट्या (१५)	६३	३३	"	३०	१९
सन्धि	२५	३५	सेरटकदेश	२८	१
सत्तिकर्म	२३	७, ३०	सेवकपात्र	१४	२७
"	२५	८, २१	सेन्धव	९	३, ९, २२, ३३
सूचीकर्म	२२	१४	"	१०	३
"	२३	९	सेन्धववंश	८	१९
"	२६	१५, ३०	सेम्य	१०	१२
"	२७	६	सेम्य	३२	१८
सत्तिकर्मकला	२२	१	"	३३	११, ३४
सत्तिका	२६	२९	"	३६	५
सूत्र	१५	३२	"	७२	२६
"	१६	२१	"	७३	१४
"	२२	२८	सैम्यकला	२२	८
"	२३	७	सैम्यबलं	७२	१४
"	२५	७, २१, ३५	सोम	९	१५
"	२६	१४, ३०	सोमत्व	११	१३, ३०
"	२७	६	"	१२	११
सूत्रकला	२१	३२	"	१३	३, २१
सूत्रविनोद	१६	५, ९, १७	सोमवंश	८	१७
सूत्रविज्ञान	२४	९	"	९	१, ८, २१, ३२
सूत्राधिक	६९	१०, १२	"	१०	१
सूर्य	३५	१२	सौम्यशापी	६०	८
सूर्यकीर्ति	३७	१२	सौलंकी	९	२८
सूर्यवंश	८	१७	सौख्य	११	११, २८
"	९	१८, २१, ३२	"	१२	१०, २७
"	१०	१	"	१३	३, १९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सौख्यकारण	३	३	सौसम	२८	२५
सौख्यगुण	१०	१६	“	२९	८
सौख्यम्	३	२	संकुचितशायी	५७	२,७,१०,१३
सौख्ये	६०	२३	संगतं	६४	६
सौगतं	६९	८	संगति	१३	४
सौजन्य	११	११,२९	संग्रह	११	१६,२३
“	१२	१०,२७	“	१२	१४,२१
“	१३	३,१९	“	१३	७,२४
“	२५	१६,३०	संग्रहगुण	१०	२३
“	२७	१५	संग्राम	७२	६,१०,१४,१८
सौजन्यगुण	१०	१७	“	७३	१४,१७
सौत्रान्तिकं	६९	८,१६,१८	संग्रामशौर्य	७१	२२
सौभाग्य	११	१२,२९	संग्रामिक	१६	३५
“	१२	१०,२७	“	१७	२,६,१०,१४
“	१३	३,२०	संग्राम्य	६३	३६
“	२२	१४,२९	संततव्यय	४०	१४
“	२३	८,२१,३१	“	४१	१४
“	२५	१६,३०	संततव्ययी	४१	२०
“	२६	९,२५,३९	संताने	७०	२५,२६
“	२७	१५	संतुष्टा (शुभ्य)ति	४६	२२
सौभाग्यकला	२२	२	संतुष्टा	४६	३०
सौभाग्यगुण	१०	१७	संतोष	१७	३
सौभाग्यविज्ञानं	२५	२	“	३८	२५
सौभाग्यहीनता	५७	१८,२०,२३,२५,२८	संतोषवाञ्छित	५९	२१
सौमल्य	१३	४	संदर्भ(शब्द)	६३	१३
सौम्यगुण	१०	१९	संदीपन	२६	५
सौम्यशायी	६०	८	संधि	१४	३१
सौम्यावयव	६०	४,५,१५	संधिपात्र	१४	२७,२४
सौम्यावयवशायी	६०	१,१०,१३	“	१५	४
सौरसेन	२८	१६,३०	संधिपात्रं	१४	१
“	३०	१६	संपन्न	१८	२
सौरसेनं	६५	२१,२३,२५,२७	संपूर्ण	१३	४
सौराष्ट्र	२८	१७,३१	सहृदय	११	१३,३०
“	२९	१३,२१	“	१२	११,२८
“	३०	४,१७	“	१३	२१
सौराष्ट्रदेश	२७	२६	सहृदयगुण	१०	१९
सौवीर	२८	१९	सहृदयं	६२	१५
“	२९	१,१५,३०	“	६३	९,२०,२७,३४
“	३०	५,१९	“	६४	३
सौवीरदेश	२८	२	सहृदयशायी	६०	९,११,१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सुखरं	६३	४, ११, १८, २५, ३२	सुरसेन	३९	१२, २६
"	६४	१	"	६५	३२९
सुखरत्न	६६	२५	सुरसेनदेशः	२७	२४
सुखरत्नं	६६	१६	सुरसेन	६६	१
सुखादमक्षभोज्यं	५८	१२	सुरिमा	९	३८
सुपाभयं (सुभापाभयं)	६३	२०	सेना	१४	३२
सुपिरं	६४	९, १२	सेनापात्र	१४	१७, २५
सुश्रूपा	६१	२०	"	१५	११
सुशिक्षितं	६२	१४	सेनापालपात्र	१५	११
"	६३	१३, ३४	"	१४	१०, १८
सुहृदं	६३	२६	सेनापात्रं	१४	३
सुहृद	४१	१७	सेमट	९	१९
"	७२	२५	सेरटक	२८	१९
"	७३	१६	"	२९	१
सुहृदो (१५)	६३	३३	"	३०	१९
सूचि	२५	२५	सेरटकदेश	२८	१
सूचिकर्म	२३	७, २०	सेवकपात्र	१४	२७
"	२५	८, २१	सैन्य	९	३, ९, २२, ३३
सूचीकर्म	२३	१४	"	१०	३
"	२३	९	सैन्यवर्ष	८	१९
"	२६	१५, ३०	सैन्य	१०	१२
"	२७	६	सैन्य	२३	१८
सूचिकर्मकला	२२	१	"	२३	११, ३४
सूचिका	२६	२९	"	३६	५
सूत्र	१५	३२	"	७२	२६
"	१६	२१	"	७३	१४
"	२२	२८	सैन्यकला	२३	८
"	२३	७	सैन्यबल	७२	३४
"	२५	७, २१, ३५	सोम	९	१५
"	२६	१४, ३०	सोमत्व	११	१३, ३०
"	२७	६	"	१२	११
सूत्रकला	२१	३२	"	१३	२१
सूत्रविनोद	१६	५, ९, २७	सोमवर्ष	८	१७
सूत्रविज्ञान	२४	९	"	९	१, ८, २१, ३३
सूत्राधिक	६९	१०, १२	"	१०	१
सूर्य	३५	१२	सौम्यशापी	६०	८
सूर्यकीर्ति	३७	१२	सौलंकी	९	२८
सूर्यवंश	८	१७	सौख्य	११	११, २८
"	९	१८, २१, ३३	"	१२	१०, २७
"	१०	१	"	१३	३, १९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सौख्यकारण	३	३
सौख्यगुण	१०	१६
सौख्यम्	३	२
सौख्ये	६०	२३
सौगर्त	६९	८
सौजन्य	११	११, २९
"	१२	१०, २७
"	१३	३, १९
"	२५	१६, ३०
"	२७	१५
सौजन्यगुण	१०	१७
सौत्रान्तिक	६९	८, १६, १८
सौभाग्य	११	१२, २९
"	१२	१०, २७
"	१३	३, २०
"	२२	१४, २९
"	२३	८, २१, ३१
"	२५	१६, ३०
"	२६	९, २५, ३९
"	२७	१५
सौभाग्यकला	२२	२
सौभाग्यगुण	१०	१७
सौभाग्यविज्ञान	२५	२
सौभाग्यहीनता	५७	१८, २०, २३, २५, २८
सौमल्य	१३	४
सौम्यगुण	१०	१९
सौम्यशायी	६०	८
सौम्यावयव	६०	४, ५, १५
सौम्यावयवशायी	६०	१, १०, १३
सौरसेन	२८	१६, ३०
"	३०	१६
सौरसेने	६५	२१, २३, २५, २७
सौराष्ट्र	२८	१७, ३१
"	२९	१३, २१
"	३०	४, १७
सौराष्ट्रदेश	२७	२६
सोवीर	२८	१९
"	२९	१, १५, ३०
"	३०	५, १९
सोवीरदेश	२८	२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सौसम	२८	२५
"	२९	८
संकुचितशायी	५७	३, ७, १०, १३
संगत	६४	६
संगति	१३	४
संग्रह	११	१६, ३३
"	१२	१४, ३१
"	१३	७, २४
संग्रहगुण	१०	२३
संग्राम	७२	६, १०, १४, १८
"	७३	१४, १७
संग्रामशौर्य	७१	२२
संग्रामिक	१६	३५
"	१७	२, ६, १०, १४
संग्राम्य	६३	३६
संततव्यय	४०	१४
"	४१	१४
संततव्ययी	४१	२०
संगने	७०	२५, २६
संदृष्टा (शुद्ध)ति	४६	२२
संदृष्टा	४६	३०
संतोष	१७	३
"	३८	२५
संतोषवाञ्छित	५९	२१
संदर्भ (संदर्भ)	६३	१२
संक्षीपन	२६	५
संधि	१४	३१
संधिपान	१४	२७, २४
"	१५	४
संधिपात्र	१४	१
संपन्न	१८	२
संपूर्ण	१३	४
संदर्भत्व	११	१३, ३०
"	१२	११, २८
"	१३	२१
संशुद्धगुण	१०	१९
संशुद्ध	६२	१५
"	६३	६, १०, २७, ३४
"	६४	३
संशुद्धशायी	६०	६, ११, १४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
संभाषिता हृष्यति	४६	१७	संगल	१३	२१
संभाषणेन हृष्यति	४६	२३	सिख	३३	१५
संभाषिता हृष्टा भवति	४६	११	सिधु	२८	१९
संभाषिता हृष्यति	४६	८	"	२९	३, १६, ३१
"	४५	२०	"	३०	६, २४
संभाषिताद् हृष्यति	४६	३०	सिधुदेश	२८	३
संभोगकामतः	५८	४	सिंह	३४	११, २७
संभोगवती	४३	१५	"	३५	५, २३
संभोगमुखं न वाञ्छति	४८	१	"	३६	२०
संभोगं न वद(िवाञ्छ)ति	४८	९	सिंहल	३०	८
संभोगार्थिनी	४६	२, ९, २१, २९, ३५	सिंहलदेश	२८	७
संभोगे मुखं न वाञ्छति	४७	१३	सिंहलैक	९	२७
संभोगेषु मुखं न वाञ्छति	४७	२५	सींदा	९	३६
संभोगे मुखं नावगच्छति	४७	१८	रकुन्द	३३	४
संमुखशायी	६०	१३	"	३४	१, १७, ३३
संयोग	११	१३, २९	"	३५	२८
"	१२	११, २८	"	३८	९
"	१३	२०	स्तनयोः पीडनं	४६	२३
"	२२	१३, २८	स्तनोपपीडनं	४८	१९
"	२३	१९, २९	स्तम्भन	२६	३५
"	२६	१२	स्तवविनोद	१५	२६
सयोगकला	२१	३२	स्तंभ	३८	३, १३, २९
संयोगगुण	१०	१८	"	३९	६, १४
संरक	३५	३४	स्तंभन	२५	१३, २५
संवाद	७०	१३	"	२६	५
संवृतमंत्रा	४३	२९	स्तंभनविज्ञानं	२४	१७
संवेशनं	५९	२	स्तंभनं	३६	२३
संस्कार	४४	२०	खी	२७	११
संस्कार	४५	८	"	३१	८, १३, १८, २९
"	६८	४, ९, १०, १२, १४, १६, २६	खीकाम	२६	६
संस्कारशीलं	४४	१८	"	२५	१२, २६
संस्कृतं	६५	२०, २२, २४, २६, २८	खीकामविज्ञानं	२४	१९
"	६६	१	खीपुत्र	३५	२४
संस्थान	११	११, २८	खीपुरुष	३५	७
"	१२	१०, २६	खीपुरुषपुत्र	३६	४
"	१३	२, १९	खीपुत्र	३५	२४
संगतं	६९	१४	खीराज्य	३०	१०
संगल	११	१३, ३०	"	३९	३०
"	१२	११, २८	खीलक्ष्णं	३१	२, २४
			खीसपुत्रा	३४	१, २, २८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
क्षीसपुत्रा	३६	२१	क्षेदवती	४६	२,९,१४,२१,२९,३४
क्षीसवत्सा	३३	१७	"	४७	५
स्थलदेशा	३०	४	स्पर्श	२०	३,१३,२१,२९
स्थान	६६	२१	"	२१	७,१५
"	६७	१४	"	७५	३
"	७२	५,९,१७	स्पर्शन	११	२४
स्थानप्रभुत्व	७४	४,५,८	"	१२	६,२२,२९
स्थानबलं	७२	२३	"	१३	१६,३३
स्थानशौर्यं	७१	२१	"	२०	३,१३,३०
स्थाने	४४	१०	"	२१	१५
स्थापन	७४	६	स्पर्श	७५	६
स्थापना	७४	७	स्पर्शः	७५	२
स्थितं	६३	२२	स्फुटं	६२	१७
स्थैर्य	११	१८,३५	"	६३	१,८,१४,२१,२८,३६
"	१२	१६,३३	"	६४	४,१२
"	१३	९,२६	स्थिति	११	२२
स्थैर्यगुण	१०	२५	"	१२	४,२०,३७
सन्मुखं न पश्यति	४८	३	"	१३	१३,३०
ज्ञान	७२	१३	"	३८	६,१९,२१
ज्ञानवास	४४	८	"	३९	२,९,१९
ज्ञानशौच	४४	२३	"	४५	१२,१४
"	४५	३,५	स्थितिगुण	११	४
ज्ञानशौचं	४४	१७	स्वकीया	४१	३४
"	४५	७	स्वर्ग	३१	१०,१५
ज्ञानाधिवासः	४४	६	स्वर्गलक्षणं	३०	२९
ज्ञाने	४४	१५	स्वर्गलक्षणं	३१	५,२०,२६
क्षिप्र	१६	२९	स्वजन	४१	१६
"	१७	१,५,९	स्वजनत्व	१२	२९
क्षिप्रस्थान	१६	३३	स्वजनप्रियः	४१	२३
"	१७	१३	स्वतंत्र	४१	१,७
क्षेह	२२	१९	स्वपन्नं ददाति	४६	१,१३
"	२३	२९	"	४६	७,१९,१७,३३
"	१४	३१	"	४७	४
क्षेहकला	२२	१	स्वप्न	३८	२३
क्षेहपान	१४	२४	"	३९	४,११
"	१५	३	स्वभावज्ञा	६१	१४,१६,१७
"	२२	१४	स्वभावज्ञाता	६१	१२
क्षेहपान	२३	८,२०	स्वयंभू-	२६	५,१८
क्षेमती	४२	१६			
क्षेदवती	४३	२,९,१५,२१,२८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
स्वयंभूविज्ञानं	२४	१८	हरिणवंश	८	२६
स्वरगतं	६२	२,३,४	हरित	९	१९
"	६३	३२	हरितट	९	१३
स्वरमेद	३८	३,१७,२९	हरितढ	९	७
"	३९	१७	"	१०	७
स्वरमेदाः	३९	६	"	३५	३२
स्वज्योतिष	३५	१४	"	३६	१८
स्वरूप	३	१८	हरियका	९	३६
"	११	२९	"	३१	३२
"	१२	१०,२८	हर्म्य	३२	६,११,१६, २१,२६,३१
"	१३	३	हल	१८	२,८,१४,२८,३३
स्वरूपगुण	१०	१७	हसनं	४६	२४
"	११	१२	हल	२०	२३
"	१३	२०	"	२३	१२,२९
स्वरूपप्रहर्ण	६१	२२	हलकला	२२	९
स्वरूपा	४३	१७	हललाघव	२२	१३,२८
स्वरोदय	२५	१०,२४	"	२३	७,२४
"	२६	४,२२,३४	हललाघवकला	२१	३२
"	२७	९	हलि	२२	१७
स्वरोदयविज्ञानं	२४	१५	"	२६	१८
स्ववृत्ति	३८	१३	"	३५	३,२१,३७
"	३९	१४	"	३६	१७
स्वसंबद्ध	६९	१०,१२	हस्तिकल्य	२२	६
स्वस्थकर्म	२३	१८	हस्तिकाम	२६	१९
स्वस्ति	३४	११,२७	हस्तिपरीक्षा	२३	२३
"	३६	२०	हस्तिसाला	३२	८,१३,१८,२४, २९,३३
स्वस्तिफ	३३	१५	हस्तिचिदाविज्ञानं	२४	१८
"	३५	६,३३	हर्ष	३८	८,२२
"	३६	२	"	३९	३,१०
स्वागतं	६९	२०	हर्षगुण	११	८
स्वाधीनपतिका	४२	७	हर्षता	३८	१४
स्वाभाविक	४५	१०	"	३९	१५
स्वाधीनभर्तृका	४२	३,९	हंस	३३	१३
स्वामी	१०	९,११,१२	"	३४	१०,२६
शेद	३८	३,१३,२९	हाय	६४	२७
"	३९	६,१४	हास	१४	२९
हतांश	६२	२०	"	३८	१२,२०,२८
"	६३	२,९	"	३९	१५,१३
"	६४	६			
हरिब्रह्म	९	१८,२८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
हास्य	३७	१९	छुरिका	१७	२८
"	३८	२	क्षेत्रक	२५	३५
हासपात्र	१४	८, १५, २३	ज्ञान	२७	१
"	१५	२, ९	"	३१	६, २७
हास्यपार्श्व	१३	३७	"	६०	१८, २४
हास्यादि	५८	१५, २१	"	७०	२४
हित	१६	२९	"	७२	६, १०, १३, १८
"	१७	१, ५	"	७३	१४
हितस्थान	१६	३३	"	७४	११, १३, १५, १८
हितस्थान	१७	३३	"	७५	१३, १५
हिमालय	२८	२१	ज्ञानकृतं	३६	३३
"	२९	४, १३, ३२	ज्ञानकृतं	३७	३
"	३०	७, २१	ज्ञानकृतयस	३७	१, २, ६
हिमालयदेश	२८	६	ज्ञानचरितं	७१	२
हीना	५७	६	ज्ञानचरित्रं	७१	६
हुलिका	१८	३३	ज्ञाननय	२६	२५
हुण	९	६, १३, १८, ३७	ज्ञानपात्र	१४	२३
"	१०	६	"	१५	२
हुणदेश	२९	३१	"	७३	६
हुणर्वद्य	८	२६	ज्ञानप्रबोधः	६१	६
हेतुविज्ञान	२४	७	ज्ञानप्रभुत्व	७४	२, ४, ८
"	२५	४, ८, ३२	ज्ञानशक्ति	७४	१७, २०, २४
"	२७	३	ज्ञानशौर्य	७२	१
होम	६८	१०	ज्ञानसरस्वम्	७३	१३
समाधान	४१	१९	ज्ञानं	६०	२२
क्षमी	४०	२१	"	७१	५
"	४१	१२, २५, ३२	ज्ञानं	७५	११



राजस्थान राज्य द्वारा प्रतिष्ठित राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

सम्मान्य संचालक मुनि जिनविजयजी द्वारा संपादित
राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान सरकार द्वारा पुरातत्त्वाचार्य मुनि श्री जिनविजयजी के संचालन में पहले जयपुर अवस्थित राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर को "राजस्थान ओरिएण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट" अर्थात् 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान' के नूतन नाम से, एक पूर्ण शोध-संस्थान के रूप में जनवरी, सन् १९५९ ई० से पुनः संगठित किया गया है और अब इसका भव्य भवन जोधपुर में बनाया जाकर इसकी प्रतिष्ठा बढ़ा दी गई है। राजस्थान बहुत प्राचीन कालसे ही भारतीय संस्कृति का एक प्रधान केन्द्र रहा है, जिसके परिणाम-स्वरूप यहाँ संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, गुजराती और हिन्दी आदि भाषाओं में अपार साहित्य की रचना हुई है। खेद है कि हमारी उपेक्षा के कारण बहुत सा साहित्य नष्ट हो गया है। विदेशों में भी हमारा बहुत साहित्य जाता रहा है और वहाँ के विद्वानों ने उसका विशेष अध्ययन और प्रकाशन भी किया है। कलकत्ता, पूना, बम्बई, बड़ौदा, पाटण, अहमदाबाद, काशी आदि के प्रमुख भण्डारों में भी राजस्थान का साहित्य प्रचुर मात्रा में सुरक्षित है और एशियाटिक सोसाइटी, कलकत्ता; भण्डारकर ओरिएण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूना; भारतीय विद्या भवन, बम्बई; गायकवाड़ ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा; गुजरात विद्या सभा, अहमदाबाद; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, आदि सुप्रसिद्ध शोध-संस्थाओं द्वारा राजस्थान के साहित्य को आंशिक रूप में प्रकाशित भी किया गया है।

राजस्थान में आज भी अपरिमित मात्रा में साहित्य-सामग्री, लिखित और मौखिक दोनों रूपों में, प्राप्त होती है। इसके संग्रह, संरक्षण, सम्पादन और प्रकाशन का प्रबन्ध करना हमारा प्रधान कर्तव्य है। राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान में अब तक कोई १४-१५ हजार से ऊपर प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों का संग्रह किया जा चुका है। बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अलवर, जयपुर आदि के व्यक्तिगत ग्रन्थ-भण्डारों में भी हजारों हस्तलिखित ग्रन्थ प्राप्त होते हैं। इन ग्रन्थों में से अधिकांश अप्रकाशित हैं। विद्वत् जगत में राजस्थान के महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों के प्रकाशन की बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा की जा रही है।

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान द्वारा "राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला" का प्रकाशन, राजस्थान में संप्रहीत, सुरक्षित एवं प्राप्त संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषा निबद्ध ग्रन्थ-रत्नों को, साहित्य-संसार के सामने सुसम्पादित रूप में, प्रस्तुत करने के उद्देश्य से किया जाता है। प्रस्तुत ग्रन्थमाला के अन्तर्गत अब तक ४०-४५ ग्रन्थ प्रकाशित किये जा चुके हैं और अनेक ग्रन्थ विभिन्न प्रेसों में छप रहे हैं जिनका प्रकाशन यथा समय होता रहता है।

इस ग्रन्थमाला में इतःपूर्व प्रकाशित कुछ संस्कृत ग्रन्थ

१. **प्रमाण मंजरी**—तार्किक चूड़ामणि सर्वदेवाचार्य विरचित वैशेषिक दर्शन ग्रन्थ, अनेक व्याख्याओं से समलंकृत; संपादक—श्री पद्मभिराम शास्त्री, भू. पू. प्रिंसिपल महाराजा संस्कृत कालेज, जयपुर।
२. **यन्त्रराजरचना**—महाराजा सवाई जयसिंहकारिता। वैद्यशास्त्रों में प्रयुक्त यन्त्रनिर्माण विषयक प्रामाणिक ग्रन्थ। संपादक—सु० पंडित श्री केदारनाथजी, भू. पू. अध्यक्ष वैद्यशाला, जयपुर।
३. **महर्षिकुलवैभवम्**—विद्यावाचस्पति खर्गस्य मधुसूदन ओझा, जयपुर द्वारा रचित। श्रवितत्त्व-निरूपणात्मक ब्रह्मविज्ञान विषयक अनुपम ग्रन्थ। संपादक—महामहोपाध्याय पं. श्रीगिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, जयपुर।

४. तर्कसंग्रह—पण्डित अरुणभट्ट विरचित न्यायशास्त्र का प्रसिद्ध ग्रंथ; पं. रामाकृत्याग रचित पत्रिका से सनन्विता। संवादक—डॉ. जिवेन्द्र जैटली एम्. ए., पी-एच्. डी. प्राध्यापक, रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद।

५. कारकसंबंधोद्योत—पं. रमसनन्दी रचित। संस्कृत व्याकरण का कारकविषयक अर्द्ध सुबोध ग्रंथ। संवादक—डॉ. हरिप्रसाद शास्त्री एम्. ए. पी-एच्. डी. उपाध्यक्ष मो. जे. अध्ययन-संशोधन विद्यामवन, गुजरात विद्याभवा, अहमदाबाद।

६. वृत्तिदीपिका—पं. मौलिकृष्ण मठ विरचित। व्याकरण, न्याय व साहित्य विषयक कृतिविचारका विविष्ट ग्रन्थ। संवादक पं. श्री पुरोहित शर्मा चतुर्वेदी, साहित्याचार्य।

७. शब्दरत्नप्रदीप—अज्ञात कर्तृक। संस्कृत भाषा का संज्ञित शब्दकोश। संवादक डॉ. श्री हरिप्रसाद शास्त्री एम्. ए. पी-एच्. डी. (बम्बई)। उपाध्यक्ष—मो. जे. अध्ययन-संशोधन विद्यामवन, गुजरात विद्या भवा, अहमदाबाद।

८. कृष्णगीति—कवि सोमनाथ विरचित। गीतगोविंद के ढंग का एक सुन्दर संस्कृत गीतिकाव्य। संवादक डॉ. प्रियवाला शाह एम्. ए. पी-एच्. डी. (बम्बई) डी. लिट् (पेरिस); प्राध्यापिक रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद।

९. नृत्तसंग्रह—अज्ञातकर्तृक। नृत्यनाट्य विषयक कलाभ्यासियों के लिए अर्द्ध रोचक ग्रंथ। संवादक—डॉ. प्रियवाला शाह एम्. ए. पी-एच्. डी. (बम्बई) डी. लिट् (पेरिस)।

१०. चक्रप्राणिपिजयमहाकाव्यम्—मठ कर्मावर विरचित। उषा और अनिरुद्ध विषयक प्रेमकथा सम्बन्धी अति मनोहर महाकाव्य। संवादक—पं. केदाराम काशीराम शास्त्री, क्यूरेटर एवं गुजराती भाषा और साहित्य के प्राध्यापक, मो. जे. अध्ययन-संशोधन विद्या भवन, गुजरात विद्याभवा, अहमदाबाद।

११. राजविनोदमहाकाव्यम्—महाकवि उदयराम विरचित। मध्यकाजीन भारतीय इतिहास सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण काव्य। अहमदाबाद के मुल्तान महमूद बेगडा के जीवनचरित्र का वर्णन। संवादक श्री गोपालनारायण बहुग, एम्. ए., प्रवर शोध सहायक, राज्यस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर, जयपुर।

१२. शृंगारहारावली—श्रीहर्ष कवि विरचित शृंगाररस का अर्द्ध गीतिकाव्य। संवादक—डॉ. प्रियवाला शाह एम्. ए. पी-एच्. डी. (बम्बई), डी. लिट् (पेरिस)।

१३. नृत्यरत्नकोश (प्रथम भाग)—मेवाड़ के सुप्रसिद्ध महाराजा कुम्भकर्णदेव (हुंमा) प्रणीत नृत्य-विषयक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ। सम्वादक—प्रो. रसिकलाल छेतालाल परीख, अध्यक्ष—मो. जे. उपाध्ययन-संशोधन विद्या मन्दिर, गुजरात विद्याभवा, अहमदाबाद तथा डॉ. प्रियवाला शाह, एम्. ए., पी-एच्. डी., डी. लिट्, प्राध्यापिक—रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद।

१४. उत्किरत्नाकर—साधुमुन्दर-गणी-विरचित। उत्किरत्नविषयक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ। संस्कृत और देसीय भाषा शब्दों के तुल्यार्थक अध्ययन में अनुपयोगी। अज्ञात कर्तृक उद्योग और औद्योगिकसंग्रह सनन्विता। सम्वादक—पुरातत्त्वशास्त्रार्थ श्री विनविजय मुनि, सम्मान्य संचालक, राज्यस्थान प्राध्यविद्या प्रतिष्ठान, जयपुर।

१५. दुर्गापुष्पाञ्जलि—स. महानहोमपाय पं. दुर्गाप्रसादद्विवेदीरचित। भक्ति-विषयक सुन्दर सुन्दक काव्य। सम्वादक—पं. गङ्गावर द्विवेदी, साहित्याचार्य, म्याल्पादा-महाराजा-संस्कृत-कॉलेज, जयपुर।

१६. कर्णकुतूहल—महाकवि श्रीमानाथ विरचित। सरस सुन्दर नाटक। सम्वादक—पं. श्री गोपाल-नारायण बहुग, एम्. ए., प्रवर शोध सहायक, राज्यस्थान प्राध्य विद्या प्रतिष्ठान, जयपुर। इसी ग्रंथकार की श्रीमद्भागवत में वर्णित भगवान् श्रीकृष्ण की जीवनश्री के आधार पर निर्मित पद्यनयी रचना 'श्रीकृष्ण-लीलादर्प' सहित।

१७. ईश्वरमिलाम महाकाव्य—कविकृतानिच देवर्षि श्रीहृण मठ विरचित। जयपुर के महापद्म ईश्वरदेव की आत्मा से निर्मित ऐतिहासिक महाकाव्य। सम्वादक—निर्मित 'विद्याविनी' संस्कृत टीका सहित। सम्वादक—कविश्रेष्ठदेवर्षि मठ श्री मनुनाथ शास्त्री, साहित्याचार्य, जयपुर।

१८. रसदीर्घिका—कवि विशाराम प्रणीत । रस अलंकार आदि विवेचनपरक सुबोध रचना । सम्पादक—गोपाल नारायण बहुरा, प्रवर शोध सहायक, राजस्थान प्रा. वि. प्रतिष्ठान, जोधपुर ।

२. राजस्थानी साहित्य

१९. कान्हड़दे प्रबन्ध—महाकवि पद्मनाभ रचित । स्वधर्म और स्वदेश रक्षा निमित्त जालोर के चौहान-कुलशिरोमणि महावीर कान्हड़दे (कान्हड़दे) के वलिदान की गौरव-गाथा । राजस्थान के प्राचीन इतिहास सम्बन्धी साहित्य की महत्वपूर्ण प्रबन्ध रचना । सम्पादक—प्रो. के. पी. व्यास, एम्. ए., प्राध्यापक—एंग्लिकन कॉलेज, भगवई ।

२०. क्यामखौं रासा—पतहपुर (शेखावादी) के नवाब अलफ़खौं (कविवर जान) रचित ऐतिहासिक काव्य । सम्पादक—डॉ. दशरथ शर्मा और श्री अगरचन्द नाहटा ।

२१. लावारासा अपर नाम कूर्मवंशधराप्रकाश—वारण कविशा गोपालदास विरचित ऐतिहासिक राजस्थानी काव्य । सम्पादक—राजस्थानी के सुप्रसिद्ध विद्वान् श्री महताबचन्द खारैड ।

२२. बाँकीदास री ख्यात—जोधपुर के कविवर बाँकीदास रचित राजस्थानी साहित्य की सुप्रसिद्ध रचना । सम्पादक—श्री नरोत्तमदास खामी, एम्. ए., वाइस प्रिंसिपल एवं प्राध्यापक—महाराणा भूपाल कॉलेज, उदयपुर ।

२३. राजस्थानी साहित्यसंग्रह—‘खौंची गयेन नीबावतरो दो-पहरो’ ‘रामदास बेरावतरी आखरी दी बात’ तथा ‘राजान रावतरो बात-बणाव’ नामक तीन राजस्थानी वार्ताओं का संग्रह । सम्पादक—श्री नरोत्तमदास खामी, एम्. ए., प्राध्यापक, महाराणा भूपाल कॉलेज, उदयपुर ।

२४. कवीन्द्रकल्पलता—मुगल सम्राट् शाहजहाँ के समकालीक काशी के सुप्रसिद्ध विद्वान् कवीन्द्राचार्य सरस्वती विरचित मनोहर काव्य ग्रन्थ । सम्पादिका—श्रीमती रानी लक्ष्मीकुमारी बूँडावत, जयपुर ।

२५. जुगलविलास—जुगलगढ़ (राजस्थान) के भक्त महाराजा पृथ्वीसिंह अपरनाम कवि पीयूष विनिर्मित व्रजभाषा में भगवान् कृष्ण और राधा की ललित-लीला-वर्णन-परक छन्द रचना । सम्पादिका—श्रीमती रानी लक्ष्मीकुमारी बूँडावत, जयपुर ।

प्रेसों में छप रहे संस्कृत ग्रंथ

१. शकुनप्रदीप—लाक्य शर्मा रचित शकुनशास्त्र का अत्युपयोगी महत्वपूर्ण ग्रंथ ।
२. लघुस्तव—लम्बाचार्य प्रणीत, सोमविलक सुरेष्ठ टीका सहित ।
३. कदणामृतप्रपा—ठकुर सोमेश्वर-विनिर्मित, संस्कृत छद्माधितो का सुन्दर संग्रह ।
४. बालशिक्षाव्याकरण—ठकुर संग्रामसिंह विरचित, संस्कृत व्याकरण का बालोपयोगी सुबोध ग्रन्थ ।
५. पदार्थरत्नमंजूषा—पं. कृष्ण मिश्र रचित, न्याय शास्त्र का महत्वपूर्ण प्राचीन ग्रन्थ ।
६. काव्यप्रकाशसंकेत—अलङ्कार शास्त्र का सुप्रसिद्ध मूर्धन्य ग्रन्थ, सोमेश्वर भट्टकृत-‘संकेत’ सहित ।
७. वसन्तविलास फागु—अज्ञात कर्तृक-फागु काव्य रूप में सरल सुन्दर रचना ।
८. नन्दोपाख्यान—अज्ञात कर्तृक-उपाख्यान रूप में सरल संस्कृत रचना ।
९. चांद्रव्याकरण—आचार्य चन्द्रगोषि विरचित-संस्कृतका प्राचीन व्याकरण ग्रन्थ ।
१०. वृत्तजाति समुच्चय—कवि विरहाड विनिर्मित छन्दःशास्त्र का महत्वपूर्ण ग्रन्थ ।
११. कवि दर्पण—अज्ञात कर्तृक-छन्दोरचना विवेचनपरक प्राचीन ग्रंथ ।
१२. स्वयम्भूच्छन्द—कवि स्वयम्भू विनिर्मित अष्टांश छन्दःशास्त्र का प्राचीन ग्रंथ ।
१३. प्राकृतानन्द—रघुनाथ कवि रचित, प्राकृत भाषा का अत्युपयोगी व्याकरण ग्रंथ ।
१४. कविकौस्तुभ—पं. रघुनाथ विरचित, काव्य शास्त्र विवेचनपरक ग्रंथ ।
१५. दशकण्ठवधम्—महामहोपाध्याय स्व. पं. दुर्गाप्रसाद द्विवेदी रचित रामचरित्र विषयक चम्पू काव्य ।
१६. पद्ममुक्तापली—कविचलातिथि श्रीकृष्णभट्ट विरचित दलित मुक्तक काव्य ।

